

For Private and Personal Use Only

गुल - दाराशाह महता

રાષ્ટ્રભાષા શબ્દકોશ

(ગુજરાતી–હિંદી શબ્દકાેશ)

રચનાર સાહિત્ય રત્ન '



વારા એન્ડ ક'પની પાં<mark>ગ્લિશસ^૧ લિમિટે</mark>ડ ૩. રાઉંડ, બિલ્ડી'ગ, કાલબાદેવી રાેડ, **સુ'બઇ રે.** પહેલી અવૃત્તિ] **૧૯૫૦** [**કિંમત બે** રૂપિયા આ ગુજરાતી—િહું દી શખ્દકાશ વિદ્યાર્થી ઓને ઉપયોગી થાય એ હેતુથી તૈયાર કરવામાં આવ્યો છે. ગુજરાતી અને હિં દી વચ્ચે જ્યાં સામાન્ય શખ્દો છે એવા લીધા નથી, કેટલાક સંસ્કૃત શખ્દો જે ગુજરાતીમાં પ્રચલિત છે તેના હિં દી અર્થ આપ્યા છે એટલાં માટે કે માધ્યમિક ધારણાના વિદ્યાર્થીઓને સંસ્કૃતના જ્ઞાનના અભાવે એ શખ્દોના હિં દી શખ્દો જાણવાની જરૂર પહે. બાકી વ્યવહારમાં ઉપયોગી નીવડે એવાં બધાં જ શખ્દો સમાવવા પ્રયાસ કર્યો છે. છેલ્લે પરિશિષ્ટમાં અગત્યના વિષયવાર શખ્દો તથા કહેવતો પણ આપી છે. છપાવવાની ઉતાવળમાં ક્યાંક ક્યાંક મુદ્રણ દોષો રહ્યાં છે તેની વાચકા દરગુજર કરશે.

પ્રકાશક

[અ]

अने अन्तर्भ पुर्वे तक्तर्सा फ अने अन्तर्भ के शहीन पुर्वे गंजा अने अप्तर्भ निवर्धक पुर्वे के तर अने के शिविकेट निवर्धक पुर्वे के सिम्पेकर पुर्वे स्वीफनाक

अक्टाअकडी-स्वी० हैकड़ी छी• समस्री **अ**डडाध-स्त्री० श्रक्षपत पु० सग**रूरी** व्यक्तराट-पुं॰ हेकबी स्त्री॰ मगहरी અકતાે-પું • छुट्टीका दिन पु • **अ.५**थ-वि • श्रवर्णनीय पु ० वेडयान **અ**કપટ-त॰ निष्कपट पु॰ **म्यडणर-**वि० सबसे महान् पु• **अ**.इथ.'६-वि॰ विवा खोला हुन्ना वि॰ **अ** ५२ थीय-वि० न करने लायक वि० **अ**हराभ-नं मान पु॰ इज्बत **२५६**२।७१-वि० श्रतिभयं कर पु० खौफनाक अक्षरांटिशु'-वि० खाळ पु. पेट्र व्यक्तिश्व-वि० निर्देय पु० नेरहम अक्ष के निर्मेश के अक्ष के अपने कि का कि का कि का कि का कि कि का कि म्भडम --- अधम कर्म पुः बदकारी अक्रमी-वि० दुष्ट पु० क्दकार **अ**डस-स्त्रीक बुद्धि क्षी**ः श**रस अधिभत-वि इस पु इशह અકસ-पुं∘ द्वेष पु**॰ ज**लन **१५**५२-३५० प्राय: श्र. अक्सर **अक्सीर-शि॰ रामबार्या पु॰ अक्सी**र **अ**डेरेभा त्--अ० हठात् अ० बहायक

थ्यडरभात-पुं • दुर्घटना स्त्री • इत्तिफाक अडणविडण-वि॰ शाकुब-व्याकुत पु॰ घबराया हुआ अडणावु'-अ० कि० व्याकुल होना श्र. कि० घबराना अधार-पि॰ सुखदुःखरे परे वि• अश्र- वि• श्रक्षीण्य पु० बेकार अधिभी-वि॰ निष्काम पु॰ बेमतलब अक्षत्र-वि देहहीन पु० वेबदन अधारत (य)-अ० व्यर्ध अ० फ़जूल अध्यक्तं-वि• मनको न सुहानेवाला वि• अक्ष-वि • कुसमय पु • बुरा वस्त अश्वी-पुं•सिक्ख धर्मका एक वर्ग पु• अधीं अच्छे च च च मकी ला पत्थर पु• अकृत्य-वि० अकरणीय पुं• न्भर्भा-स्थी•अबकुपा स्त्री॰ नामेहरवानी अहे।८−५'• सुपारीका पेड़ पु• अक्षेत्र-वि० कठोर पु॰ सस्त अक्षरअक्षर-अ•मग चाहे दंगसे ग्र• अक्ष-श्री वृद्धि स्त्री अक्ष **२५%:-रे**ली श्रनदन स्त्री० तबातनी अक्षेत्र-वि० अनियमित नि• वेसिल-

अक्ष-पुं• खेलनेका पाता पु•; श्राँख अक्षर्थं-न• चावलोंसे भरा पात्र पु• अक्षर्य-वि॰ श्रखंड वि॰ चावल

सिंह्रेवश

व्यक्षर]

अक्षर-५ • श्रक्षर ५ • हरूफ **अ**क्षरश:-अः अत्तर-श्रतः श्र∙ ह्यह अक्षंत्रथ-न॰ श्रक्षम्य पु॰ नाक्ताबेले मुअ!फी अक्षांश-५'० विषुवत रेखा से उत्तर या दिवाण का अंतर प्र॰ अक्षि-स्त्री • नेत्र पु • चश्म भ्भभ-वि० अकर्मसङ पु० बेकार અખડખખડ, અખડાબખડી-વિ• ऊवड्खाबड वि० भ्भभडावुं-अ• डि॰ सताना अ॰ कि॰ तंग करना अभ्यतरं-वि॰ गन्दा पु॰ खराब अभतरा-५'० प्रयोग ५० आजमाइश अभ्भार-पुं० अधिकार पु० इक्त अभ्मती-स्त्री० गुल्जी इंडेका दाँव पु० **અખખા**र-पुं• समाचारपत्र पु•अख़बार अभर-वि• श्रवद्य पु॰ बेबर्शरत अभरा८-- अखरोट प थ्भभंड-वि० ब्रट्ट वि० अभंतर-वि॰ मैला पु॰ गन्दा अभार-पुं व द्यावाद मास पुर અખાડા કરવા – શ•પ્ર• सुनी श्रनसुनी અખાડે:–પુ'• શ્રહાફા अभात-वि० समुद्रकी खाड़ी स्त्री॰ अभात्रीक-स्त्री० श्रज्ञयत्तीया स्त्री• अभियाख्'-न॰मंगल-मेंट स्त्री॰बरूशीश अभिल-वि॰ समस्त वि॰ तमाम

अभूर-वि• अशेष वि• वभी खाली न होनेवाला अभे-वि० श्रक्षय पु० अभेवन-स्त्री० वह सौमाग्यवती जिसकी सब सन्तानें जिन्दी हों स्त्री॰ अग-पुं व बृत्तः, पर्वतः, राक्षन पु **२५ग**८-५ • शपथ स्त्री • कसम भगउप प-वि० गोल-मटोल प० અગર્ બગર - વિ જોટ શંટ **अ**ग**्य'-वि० तृतीय पु० तीसरा** अगति-स्त्री॰ श्रवदशा बी॰बुरी हालत अगितिया-भं • एक पत्ती पु॰ अगत्य-स्त्रो० महत्त्व पु**ः; जहात** अगर-न० श्रीवध स्त्री० दवाई अगतं-स्त्री० श्रप्ति स्त्री• श्राग व्यगम-न० भविष्य पु • आयन्दा अगमयेती-स्त्री० मविष्यदर्शी पु॰ द्रदाज अगमधारा-पुं चे बे के गलेका पट्टा प् व्यगर-पुं नमक बननेकी जगह स्त्री -अगरभत्ती-स्त्री० धूप-सींक स्त्री० अगर-अ० यदि अ० अगर थ्यगरु-न**े चन्दन पु**रु सन्दल व्यभवड-स्त्री॰ दुष्करता स्त्री॰ कठिनाई अभवाडु -- न० श्रौंगन पु० सहन अगवी-पु'० मुमिहार पु० जनींदार,नेता व्यथाध-व्य० पहलेका अ०

भगारी-अ॰ सम्मुख अ० सामने अभात-अ॰ श्रमाऊ श्र• अगाध-दि॰ अतल पु॰ अधाइ अश्रभुं-वि० श्रगम्ब पु० अगत-पुं० श्रागार पु० खजाना अभाशी-स्त्री • छतपर **बनाया हुत्रा** द्धपर् पु॰ च्यशियर-पुं• अत्रजगर पु० अभियारी-स्त्री० पारसी लोगों मन्दिर पु० स्थ्युवे।-पुं॰ नेता पु॰ अगुवा अन्ति-पुं० श्र**नस पु०, आ**ग व्यन्तिहा**७-**५'• दाह-संस्कार पु॰ मुर्दा व्यक्त्यस्त्र-नः अाग बरसानेवाला अस्त्र पुर अअ-वि० आगे वाला पु० अअM-अी० बड़ी बहिन स्त्री० अअधी-पुं • नेता पु • सरदार थ्भग्र**क्षेभ-पु'• सम्पादकीय केख पु•** अथाध-वि• श्रग्रहणीय वि• यश्चिम-**५'० अग्रज पु**• अभेसर-पुं नेता पु • सरदार અ३४-वि० नेता पु० **मु**खिया अध-न॰ पाप पु॰ बदकारी अध्यओड-स्त्री • दस्त श्रीर उल्टी स्त्री • अधरतुं-वि० अयोग्य पु० नाकाबिल अवड-वि॰ मुर्ज पु॰ बेबकूफ व्यवरखी-स्त्री० प्रथम प्रस्ता स्त्री

अध्य:-वि० दुष्कर पु० मुहिकत्त अध्यु'-अ० क्विंग्मत्रत्यागकरनाअ०कि◆ **अधा**ट-वि० ग्रपार वि० बेहद ब्ध्धायु-वि॰ पाषी पु० बदकार थ्यधार-स्त्री० जीव-जन्तुत्रोंका म**ल** पु• अधेडी-स्त्री • एक वनस्पति स्त्री • अधे।र-वि० श्रतिभयानक विं०खौकना**क** अधे:री-वि॰ ज्यादा खाकर ऊँघनेवाला अधेष-वि• नीरव पु• चुप અચકડુ'—ન॰ छातीमें श्राँटा श्राज्ञाना पु॰ अथsन-पुं० कस्सेदार तम्बा कोट पु• અચક્રમચક્ર–અ• अ**कस्मात्** थ्ये थे वु**'–थ∙ ग्र**टकना अ०कि • इक**ना २५२६।भ२४।-५°० हावमाव पुँ० नखरा** अथपयु'-वि• अधकचरा पु• भयभूय-अवानक अ० यकायक अध्यर-वि० स्थिर पु॰ ग्रैरमनकूला अथरक (त) न० श्राश्चीय पु॰ अ**वरज्ञ** अथरभथर-वि०कच्चाकोरा पु• श्र**ध-**कचरा ंथ्ययसपति-पु'० हिमोलय पु• અथ'भे!-वि० आश्वर्य पु० ग्रवम्मा अयानके-अ० एकाएक अ० यकायक अयार-न० श्राचार पु० व्यथाश-स्त्री • बाधा स्त्री • हहावट

અ²्धु'-वि० श्रेष्ठ वि० श्रदञ्जा अ²छेर-धु'• आधासेर पु• २भ२थुत-वि० निश्चल पु० न डिगनेवाला। अ७५-अ० देखते ही देखते अ० अछत-स्त्री • कमी स्त्री • तंगी अधत-वि० चत्रविहीन पु० अ७५८।-५' • एक रोग अध्यावं-सः क्विव्हैंच्या करना सं कि श्राह रखना અછાડપછાડ–સ્ત્રી ૰ धमाधम स्त्री ० क धम अर्थाहस-वि० छन्दविहीन वि• अध्व-वि० अस्पृश्य पु० इरिजन अक्षेत्रानां **५२वां-श**ेप्रेक लाड-प्यार करना श॰ प्र॰ दुखराना अल-वि॰ अनादि पु॰; वकरा; ईश्वर अक्षपति-पुं व ग्वाला प् चरवाहा थ्य• थ–वि० श्रद्भृत पु॰ श्रजीब व्यक्तभा (य) श-स्त्री० परीचा पुरुषाँच थ्यक्रभाववु -स० ६० परीच्या करके देखना सर्विक खाँच करना

देखना संगक्त जाच करना
अभ्रभा-स्त्री० अजनायन स्त्री०
अज्ञथ्या-स्त्री० साया स्त्री०; सांन
अज्ञथ्या-स्त्री० साया स्त्री०; सांन
अज्ञथ्या-स्त्री० साया स्त्री०; सांन
अज्ञथ्याः स्त्री० जो बूदा न हो वि०
अज्ञथ्याः (५)-वि० भर्यकर पु० खोफनाक
अज्ञथ्याः - पु॰ प्रकारा पु॰ रोशनी
अभ्रज्याः पु॰ रोशनी
अभ्रज्याः वि०; नाम
रोशां करना

अल्याणी-वि ज्योत्स्ता श्ली व्यादनी अल्याणु -त प्रकाश पु रोशनी अल्यु -अ । १५ व्यक्ता अव कि अल्य-की माया श्ली ः वक्ती अल्याच्या वि अञ्चात पु वा मास्स अल्या-वि गर्भस्य वि अल्या-की परदा पु वृक्षी अल्याय -वि आह्वर्य पु अजीव अल्याय प्र

श्रववाना
भाजरी भाजरी-स्त्री० एक खेल पु॰
भाजर-न॰ श्राँगन पु॰ सहन
भाजः ५५-वि॰ अजैय पु॰
भाजः अ-वि॰ अजय पु॰
भाजोभाश्ची-स्ति॰ सारसीचनेका एक
श्रीचार पु॰

श्रीकार पु०
भन्नेन-पु॰ भनवन स्त्री० मनसुटाव
भन्ने अन्ति श्राहितीय पु० वेबोह
भन्ने पु० निष्का स्त्री० तवायफ
भग्नात-वि॰ भज्ञात वि॰
भग्नात-वि॰ भज्ञात वि॰
भग्ने य-वि॰ जो ज्ञात न हो वि॰ श्रानकान
भन्ने य-वि॰ जो ज्ञात न हो वि॰ श्रानकान
भन्ने य-स्त्री० वाँग स्त्री०
भ्रात-स्त्री० वाँग स्त्री०
भ्रात-स्त्री० भन्नोध पु० हकावट

[અડપવુ

अटडेयाणु'-वि॰ सरपाती पु० ऊधमी अटडेडी-स्त्री॰ बाधा स्त्री० हकावट अटडेख्-स्त्री॰ बाधा स्त्री॰ हकावट अटडेखु'-अ॰ डि॰ हकना श्र॰ कि॰ उहरना

भटडण-स्त्री॰ युक्ति स्त्री॰ अटक्त भटडायत-स्त्री॰ ग्रंतराय स्त्री॰ रुकावट भटडाय-पुं॰ श्रापत्ति स्त्री॰ एतराज भटडीमटडी-स्त्री॰ लडकियोंका एक

खल अर्थन-न० प्रवास पु० परदेशमें होना अर्थपुर्-नि० श्रटपटा पु० मुंभालाने-वाला

અટલ–વि॰ स्थिर वि० ग्रैरमनकूला અટવાવુ'—અ॰ ४० व्याकुत्त होना ग्र० क्रि० धनराना

अटियी-वि० रत्रो० जंगल पु०
अटियी-वि० रत्रो० जंगल पु०
अटियी-वि० पंगु पु० लॅगड़ा
अटा-रत्री० मेडी स्त्री० अटारी
अटाड़ि-रत्री० वंचकता स्त्री० ठगाई
अटाड़ि-अ० ग्रमी ग्र० इसी वस्त
अटार्-रत्री० घृल स्त्री० गर्द
अटारी-रत्री० गवाक्ष ु० मरोसा
अटि'पर-पु'० ढेर पु०
अटी-वि० परित्राजक पु०
अट्रड्'-वि० सिसंग पु० अकेला
अटेडु'-वि० सीधा वि०
अटेरस्-व० अटेरना पु०

२५८:५-स्त्री० उघेड स्त्री०
२५८-वि० मारी द्यावाच वाला
२५८-वि० मारी द्यावाच वाला
२५८-वि० म्राटल वि० गैरमनकूला
२५८:५८-वि० परिपक्व पु० दक्ता
२५८:५-स्त्री० घाघरेका नाडा पु०
२५८:५-स्त्री० आठ दिनोंका घार्मिक
उपवास पु०

व्यक्षिपञ्च-नव आश्रय पु • सहारा व्यक्ष-स्त्रीव अदयन स्त्रीव रुकावट व्यक्ष्में-नवसरत्त कार्य स्त्रीवसहत्त काम व्यक्षेत्र'-सविष्ठ स्पर्श करना सव

कि० छुना अरडेशवर्षु'— स० ४० अटकाना स० कि० रोकना अरऽभेपर्डभे-अ० आसपास द्य० त्राज्-

अर्थ-वि० हह वि० मजबूत
अर्थ्य-स्त्री० बाधा स्त्री० हकावट
अर्थ्य-स्त्री० बाधा स्त्री० हकावट
अर्थ्य-वि० परिश्रम पु० मेहनत
अर्थ्य-पि॰ श्रशक्त पु० निढाल
अर्थ्या-पु'• श्राठ श्रानकी कीमतका
सिक्का पु० अठन्नी

सिक्का पु० अठजी
अर्थप-स्त्री• आग्रह पु० जिह्
अर्थप्थु'-वि० उत्पात पु० ऊधम
अर्थप्थु'-अ० क्वि० साहस पूर्वक जुटा
रहना अ० क्वि०

અડબ'ગ]

अध्यं ग्र-वि॰ मूर्ख पु० नादान
अध्यं न्स॰ क्वि॰ स्पर्श होना स० कि०
छूना; शोभाईन
अध्यद्धे – युं० अनुमान पु० अन्दाज
अध्या निश्ची० हर प्० ज़िंद्द
अधा-स्त्री० खाधार पु० सहारा
अधायी – स्त्री० सासपास पु० सरा हुआ वि०
अधायी – वि० मूर्ख पु० अनाही
अधायी – वि० मूर्ख पु० अनाही
अधायी – पु० एक रोग पु०
अधायो – पु०, कंडा
अधायी – स्त्री० करौती स्त्री०
अधायी – स० क्वि० धनकाना स० कि॰

डराना

अक्षेत्र-२५० समीप ग्र० नज्दीक
अक्षेत्र(पी-स्त्री० बैठक स्त्री०

अक्षित्रस्य पि विद्युष्ट सहियस

अक्षेत्रस्य प्रमुता ,स्त्री० श्रदावस

अक्षेत्रिक्षित्रे-२५० परिश्रमसे ग्र०

मेहनतसे
अदीतु'-वि॰ हमीपवर्ती वि॰ नजरीकी
अदेश-अ॰ पासपास अ॰ सटा हुआ
अदेश-१-वि॰ निक्रमा पु॰ बेकार
अदेश-भुं॰ मिजनेकी निश्चित जगह
स्त्री॰ श्रहा
अदेश' भाउसु'-वि॰ बासी वि॰

अदेण-वि० अचल पु० गैरमनकूला अदेण ५-वि० पुष्कल पु० काकी ज्यादा अदें अवु -- स० ४० ब्राध्य देना स० कि० सहारा देना

कि॰ सहारा देना
अध्भात-स्त्री॰ ईच्या स्त्री॰ जलन
अध्भान-पुं॰ झंझलाहट स्त्री॰
समहट
अध्भान-स्त्री॰ जठन स्त्री॰
अध्भ-स्त्री॰ ज्रात-स्त्री॰
अध्भ-स्त्री॰ ज्रात-स्त्री॰
अध्भा-पुं॰ फसलकी हानिकारक

અહ્યુષ્કા–પું ० फक्षलको हानिकारः छाया स्त्री० अध्युनाभी–वि० श्रप्रसिद्ध पु० ना मशहर

भराहर अध्यासित-पुं व संकेत पु व इशारा अध्या (ध्री)-स्त्री व नोक स्त्री व अध्या-वि कोटे-से कोटा हिस्सा पु क अध्यान-पुं व कारीगरका खुटीका दिन पु क अत्योव-अव एतदर्थ अव इसिल्ये अत्योध्य-अव एतदर्थ अव इसिल्ये अत्योध्य-वि ऐंट्र पु व अक्कस्वाज अत्यास-वि विश्विचन्त पु व लापरवाह अत्यास-वि विश्विचन्त पु व लापरवाह अत्यास-वि शाम्ति वि क्षापरवाहि अत्यास-वि स्मिपवर्ती पु व नज़्यीका अत्यास-वि अधाह पु व गहरा अत्यास-वि अधाह पु व गहरा अति-वि अधिकता वि जियादती अतिश्य-वि अमिकाय पु व बहामारी अतिश्य-वि अमर्याद पु व

અथवा-अ० किंवा अ० या

અતિથિ]

स्मितिथ-पुं श्रम्यागत पु मेहमान सित्यात-पुं विनाश पु वर्गारी स्मित्यात्म पु वर्गारी स्मित्यात्म पु वर्गारी स्मित्यात्म पु वर्गारी सित्या स्मित्या स्मित्य स्मित्या स

खुशाहद

भतीत-वि॰ भूत पु॰ बीता हुआ भतीय-वि॰ अत्यन्त पु॰ ख्ब भतीय-वि॰ अद्घट पु॰; मजबूत भते।अप्ट तते।अप्ट-वि॰न यहाँका रहन। न वहाँ का

भ्यते।स-(व० श्रदुत्त पु० ज़ियादा भ्यत्तर-पु• इत्र पु० अत्तर भत्तरधरी- भ० सम्प्रति श्र० इसी वस्त

अभत्यंत-वि॰ श्रातिमात्रामें वि॰ बहुत जियादा

स्थाये ६- पुं ० इठ पुं ति ह भत्यायार-पुं ० जरम पुं ० सितम भत्यार-स्थी ० इस समय पुं ० इस बहत भयक्षारी-वि० पेटू पुं ० ज्यादा खानेवाला भयक्षारी भ० हि० दौढ़ धूप कराना अ० कि०

भ्यश्रेष्ट-स्त्री० श्रस्थिरता स्त्री० भ्ययुक्त-ति० श्रास्थिर पु० मनकूला

અથાક–વિ૦ श्रभाह અથાણ'-ન૰ अचार पु० सुरव्या अथावु-स• हि॰ नमक या मसाता चढ़ना अ० कि० ^रभ्भेथे।अ–वि० श्रमन्तोष पु० बेसबृरी अहस्-वि• **अ**कुराल वि० अहन-नः भोजन प्रशिजा थ्यहना-वि० रंक पु० ग्ररीब; मानूली अह्प-स्त्री० मर्यादा स्त्री० अदव अहणह-वि० श्रद्धत् वि० श्रजीव **अध्य-वि॰** कूर पु॰ बेरहम अध्रस-पुं• श्रदरक का रस पु० अध्रावु'्र अ० क्वि विवाद-सगाई होना अध्ध-वि• श्रदृश्य पु० श्रोमल अध्स-वि• उचित पु० वातिव **अ**ध-स्त्री० कटाच पु० ग्रदा अदाता-वि० कृपण पु० कंजूस **थ्यहाप–धुं**० दु:ख पु० तक्कजीफ व्यक्षियाह-वि० श्रानधिकार ु० वेदका अधार-वि० विधुर पु० रहुवा अहासत-स्त्री० न्यायातय पु० कचहरी **भद**श्य-वि० ब्रहष्ट पु० श्रोक्तत

अधावत-स्त्री वेर पु० दुरमनी

अहिथे।-पु॰ मेंट स्त्री० बस्सीस अहिथे-(हुं) वि॰ अदष्ट पु० ब्रोमन

अधीन-वि० तेजस्वी पु० रौनकी

भदेभुं-वि• श्रदश्य पु॰ श्रोझल

4

अही-पुं• पितामह पु० दादा अहाहण - वि तोंदल वि **শ**হুલ=খ ০ उचित শ্ব ০ বাজিৰ भ<u>द्</u>धत-वि• विचित्र वि० अजीब **અઘ–અ**• आज अ॰ व्यद्रक्ष्यादा पु० श्रदरक अद्भि-पुं पहाइ पु कोह अदितीय-वि० अनन्य पु० बेजोड अधिथातं-वि० विना सालि इका वि० अधन (ती)-वि० निर्धन पु॰ ग्र**री**व **अध-य-**वि• अमागा पु० कमनसीर अधभ-वि० नीच पु० कमीना **२५५**५६ –वि० श्रर्द्धमृतक पु**० श्रधमरा अधर**-५'० होठ पु० अद्धर-अ० निराधार अ० वेसहारे **અધરાયું_**વિ० अतृप्त पु॰ प्यासा अर्थवर८-३५० मध्य श्रव बीच अध्म -ेपुं० श्रनीति झी• वदी अधाध-वि० निरंकुश पु० बेकाबू **अधाधं ध**—स्त्री० श्रम्धाधुन्ध पु• अधार-वि० निराश्रय पु० बेसहारा **थ्यधि**क-वि० बहुत वि० जियादा अधिशर-पु'० सत्ता स्त्री ० हुकूमत **अ**धिप-पुं० राजा पु•; सूबा अधिपति-पु'० सम्पादक पु० श्रखबार नवीसः राजा.

અધિમાંસ-પું • केंसरका रोग पु• અધિયું – વિ∘ मूर्ख वि• वेशकृत अधिराज-पुं० हमाट् पु॰ वादशाह
अधिरुढ-वि० माल्ड पु॰ तेनात
आधिरासर-पुं० त्यौहार पु॰
अधिशता-पुं० संस्थापक पु॰
अधिशत-वि० संस्थापित पु॰ मुक्तरर
अधिशत-वि० संस्थापित पु॰ मुक्तरर
अधीत-वि० न्नाता पु॰ जानकार
अधीत-वि० न्नाक्त न्नि॰ ताबे में
अधीर-वि० न्याकृत न्नि॰ ताबे में
अधीर-वि० न्याकृत न्नि॰ ताबे नेने
अधीरण-स्त्री० न्नावराह
अधीरा-पुं० समाद् पु॰ बादशाह
अधुना-अ० न्नाव न्न

अधुरुं-वि॰ अपूर्ण वि॰ अपूरा
अधेर-वि॰ प्रौढ़ पु॰ अधेह
अधेरी-पुं॰ अधेला पु॰
अधेर-अ॰ नीचे अ॰
अधेरी-स्त्री॰ उत्तकता गर्म रस पु॰
अध्यक्ष-पुं॰ प्रमुख पु॰ सिरताज़
अध्यक्ष-पुं॰ प्रमुख पु॰ सिरताज़
अध्यक्ष-पुं॰ अमुख पु॰ सिरताज़
अध्यक्ष-पुं॰ आहमा-प्रमाहमा
संबंधी वि॰
अध्याप अ-पुं॰ गुह पु॰ उस्ताद

અध्यापन-न० पदाना ५० तालीम देना

अध्यापिका-स्त्री० शिक्तिका, उस्तादि न

અધ્યાય]

अध्याय-पुं० प्रकरण पु॰ अध्यारु-पुं० पारबी लोगोंका धर्म गुरू पु॰ અખ્યારુદ-વિ૦ श्रेष्ठ वि० अच्छा **અध्य-पु'० मार्ग पु॰ रास्ता** भनगण-वि० त्रनर्गेत पु॰ श्रंट संट अभनथ-वि० निरंकुश पु • बेकाबू अन्धः-वि० बिना घडा हुन्ना, अनघड् वि० **અનધિકારી**–વિ૦ अनिधिकारी पु॰ वेहकदार अन (ने) नास-न० अनानासका फल Чo अनल्थ—वि० ब्रद्धितीय वि० बे**जोड**़ अन्पत्य-विवनिःसन्तान पुर बेग्रीलाद अन्येत-वि० समीप वि० नज्दीक थ्मनिस्त-वि० भ्रज्ञान दि० श्रनजान અનિભ્રમાનિતા–સ્ત્રી૦ निरमिमानता स्त्री० अनमे-वि० निर्भय पु॰ बेखीफ अन्दिरत-वि० अशिक्तित पु० अनपढ अन्ति-दि० मेघविहीन पु० अन्मद्युं-वि० श्रप्रिय पु॰ नापसन्द अनभनु'-वि• श्रन्यमनस्क पु॰ उदास थ्यनभी-वि० अनम् पु॰ बेश्रदंब

थ्यनथ–पु**ं**० श्रन्याय पु∙ जुल्म

अनरथ-५'० ब्रानर्थ पु.० सितम अनराधार-नि० मूसलधार पु.० **અનર્भ અ–**वि० अपार पु॰ बेशुमार अन्गि स-वि० निर्वन्ध वि० बेरोकटोक अपनर्थ- ५'० कुकर्म पु० बदकारी अनुस-पुं ० अमिन स्त्री० आग अनुसस्—वि० स्फूर्तिवान पु + फुर्ती**ला** व्यनसद्ध-श० ५० में ही खुदा हूँ थ्यनवध-वि० सुन्दर पु॰ ख्बसूरत **अ**नवरत-वि० निरन्तर पु• लगातार अनश्चन-न० उपवास (पु॰) फा**का** थ्यनदुर्-वि० निस्सीम (वि०) बेहद અનહિત–ન૦ શ્રहित पु० नुक्तसान अन् क्रे+वि० ब्रसंख्य वि० बेहिसाब अन'ग-पुं० कामदेव पु० थ्यन'त-वि० ग्रपार वि० बेहद थ्यनागत-वि० भावी स्त्री• थ्यनागरत्य-न० श्रनागरिकता *स्*त्री**०** अनाय-न० सीताफल पु० शरीफा थ्यताथार-पु'o दुराचार पु**॰ ब**दका**री** थ्यनाज-न० घान्य पु० अनाज थ्यनाड-पु'० हानि स्त्री० नुकसान અનાડી-વિ૦ मूर्ख बेबकुफ़ अनाथ-वि० रक्षकहीन पु० यतीम અનાથ્યું-વિં निरंकुश पु० बेकाबू थ्यनाहर-पुं अवमान पु० बेइउजत थ्यनाद्दत-वि० श्रयमानित प० અનાધાર-વિ० निराधार थ्यनाभ-y'० परमेश्वर पु० खुदा व्यनाभत-वि०घरोहर स्त्री० रेहन

व्यनाभय-विव निरोग पुर तन्दुहरूत અનામિક-પું अंत्यज पु० अञ्चूत अनाभिक्ष-रूबी॰ छिगुनी उँगलीके पासं वाकी उँगती स्त्री० अनाभिष-वि० निरामिष पु० अन्यवस्थित पुरु बदइ-**भ**नायास-पुं० सरलतापूर्वक पु० श्रासा-नीसे; आराम अनार-न० दाहिम स्त्री० अनार अनारत-विव निरन्तर विव लगातार **અ**नारसु'-न० एक पकवान पु० **भना६**-वि० शुब्क पु० सूखा थ्भनाय^६-वि० छार्येतर पु**०** जो छार्य जातिकान हो **અ**નાવડ (ત)–સ્ત્રી**૦ अज्ञा**न पु० नावाः **-**भनाविद्ध-वि० न बीधा हुआ पु० **२**भनाविस-वि० स्वच्छ वि० साफ भनाष्ट्रत-(व० श्रताच्छादित वि० न देका हुआ **ग**नाश्रेष्ट-स्त्री० दुष्काल पु० स्**सा અનાસ્થા**-स्त्री० ग्रश्नद्धा स्त्री० थ्भनाद्धत- व० सजीव वि० सिन्दा **भ**नाक्षार-पु'० उपवास पु० फाक्रा थ्यनाड्रत-वि० ग्रानिमंत्रित वि० अनिहेत-वि० गृहहीन वि० बेघर **ग्भानधा**—स्त्री० श्रवकृषा स्त्री० नामे-

हरवानी

अनिद्र-वि० सजग वि० जगा हुआ
अनिभिष-वि० स्थिर वि० गैरमनकू ला
अनिधत-वि० प्राविश्वत वि०
अनिध-पु० पवन पु० हवा
अनिवार्थ-वि० अलावश्यक पु० महज्ञ

अति'ध-वि० उत्तम पु० बिद्या
अति'ध-वि० उत्तम पु० बिद्या
अति'ध-वि० अपार वि० बेशुभार
अतीक्ष-वि० अपार वि० बेशुभार
अतीक्ष-वि० अप्तमर्थ वि० लाचार
अतुक्षर्थ-वि० अप्तमर्थ वि० लाचार
अतुक्षर्थ-वि० अप्तक्षरण पु० नकल
अतुक्ष्यं-वि० आकर्षण पु० बिचाव
अतुक्ष्य-वि० आकर्षण पु० बिचाव
अतुक्ष्य-वि० आकर्षण पु० नकल
अतुक्ष्य-वि० आनुक्ष वि० मुआफिक
अतुक्ष्य-वि० आनुक्ष वि० मुआफिक
अतुक्ष्य-पु० कमशः पु० एकके बाद

व्यन् शुष्-वि० सहश पु० वक्सँ।
व्यन् यु० नैकर
व्यन् यु० नेकर
व्यन् यु० व्यन्न यु० न्वयन्य व्यन् यु० नेकर
व्यन् यु० नेकरिल

थने-थ० एवं अ०

अनेक-वि० बहुत वि०

[અપચા

अन्नेथ-पुं ० विनय स्त्री० श्रारजू मिन्नत अद्भ-वि० श्रेष्ठ पु० बहिया व्यत्पम-वि० सर्वोत्तम पु० सबसे झच्छा अनुपान-नं० पथ्य पु० परहेज **अ**नुपाय-वि० निरुपाय पु० लाचार अनुप्यंध-पुं० संबंध पु० रिइता अनुभीध-धुं० समरण पु० याद अनु**अ**य-पुं ० प्रत्यत्त ज्ञान पु० तजुर्बा अनुभवी-वि० श्रनुभवी पु० तजुर्वेकार थनुभत-वि० सहमत पु० अनुभरख्-न० सहमरण पु० अनुभान-न० अनुमान पु० अन्दास अनुभेहन-न० संमर्थन पु० अनुयायी-वि० पंथका माननेवाला वि० अनुर**ક**त-वि० आसक्त पु० फ़िदा अनुरख्न-न० रगाकार पु० मंकार अनुरत-वि० ग्रासक्त पु० फ़िदा थ्यनुराग-पु'० प्रेम पु० सुहब्बत अतुरेध-५० प्रार्थना स्त्री०व्यर्ज; बाधा अनुदे भन-न० प्रतिलिपि स्त्री० नकल अनुवाह-४० भाषान्तर पु० तर्जुमा अनु⁶टुप (स)–पु⁵० एक छन्द पु० थ्यनुष्ठान-न० देवी देवतात्रोंका पाठ-पूजन पु०

अनुर्हु-वि० अनूठा पु० अनोखा अनुष्ठ-स्त्री० सीताफल पु० शरीफा अनुष्ड्-वि० अऋणी पु० बेकर्जदार अनुत्-न० असस्य पु० फूठ हरामखोरी अने३ भेने। भुं } वि० असाधारण वि• अने। भुं भेने। भुं निव असाधारण वि• अने। भं भेने। भुं निव असाधारण वि• अने। भेने। भेने।

अन्नाक्षय-न० जठर पु० पेटकी आग अन्य-वि० श्रन्यायी पु० जुल्मी अन्य-वि० पराया पु० गैर अन्य-अ० श्रन्यस्थानपर श्र० द्सरी

अन्याय पु० ग्रेरइन्हाफ अन्यारी-स्त्री० ईधनकी गाड़ी स्त्री० अन्योन्य-पि० परस्पर वि० आपसमें अन्यय-पुं० संबंध पु० रिश्तः अन्वेषक्ष-पुं० स्रनुयन्धान करनेवाला

पु० खोजी

२५५-न० जल पु॰ श्राब

२५५-न० जल पु॰ श्राब

२५५३-५० जलके जन्तु पु०

२५५३-५० हानि स्री० नुक्सान; दोह

२५५६-२० श्रवनत पु० गिरा हुशा

२५५६-२० हानि स्री० नुक्सान

२५५६५-५० श्राह्महास्री० खुदकुशी

२५५६१-५० अवच पु० वरवादी

२५५३।-५० अवच पु० अजीर्ष

अप७रा-स्त्री० श्रप्सरा स्त्री० हूर अभ्य-पु'० पराजय स्त्री**॰** शिकस्त अपटी-स्त्री० यवनिका स्त्री० અપઢ-વિ৹ अशिचित पु० अनपढ़ અ**પ**तीक्र-स्त्री० श्रविश्वास पु ∙ नायकीन २५५८५-न० सन्तान स्त्री• त्र्रौलाद अपध्व'श-पु'० विनाश पु• पायमाली **અ**પનાવવું-स० (५० श्रयनाना स०कि० અપબ્રપ્ટ-વિ૦ पतित अपभान-न० अनादर पु० बें रज्जत अपभार्भ-पुं० कुमार्ग पु० बदराह २५,५५ श.-५'० क्रनाम पु० बदनामी **२**भ५२-वि० अन्य वि० ग्रेर ચ્મપરમાતા–સ્ત્રી૦ विमाता स्त्री० सौतेली मा अभरभा६-पुं० अस्वस्थता स्त्री० ना

तन्दुकस्ती
अभरंभार-वि० श्रवार पु॰ बेहद्द
अभराध-भुं० दोष पु० खता
अभरिथित-वि० श्रज्ञात पु० श्रज्जनवी
अभरिध्ति-वि० अविवाहित पु॰

कुँनारा
अभिराभत-।व० श्रस्यन्त वि० जियादा
अभिरिक्षार्थं-वि० श्रस्तिनार्थं पु० लाजिमी
अभिराक्ष-वि० श्रस्त्वा वि० हाजिर
अभ्याप्ति-वि० श्रस्त्व वि० हाजिर
अभ्याप्ति-वि० श्रस्त्व पु० कम
अभ्याप्ति-वि० श्रस्त्व पु० कम
अभ्याप्ति-वि० श्रस्त्व पु० कम
अभ्याप्ति-व्रि० श्रम्त्व श्री० कमजोर

न्भपताह-पुं० नियमसे विवरीत पु॰
अपवित्र-वि० श्रद्धाद्ध पु॰ नापाक
अपव्यय-पुं०व्यर्थ-व्यय पु॰फ़जूलखर्ची
अपश्चर्य-पुं०व्यर्थ-व्यय पु॰फ़जूलखर्ची
अपश्चर्य-पुं० वृरे सगुन पु॰ बदशगून
अपश्चर्य-पुं० गाली स्त्री॰
अपश्चर्य-पुं० सराब शक्कन पु॰

बदशगुन
अभ्यसह-पुं व नीचमनुष्य पु व कमीना
अभ्यसन्ध-विव दार्थौ पु •
अभ्यसम्ध-पु व फेफबा पु व
अभ्यस्थ-पु व फेफबा पु व
अभ्यस्थ-पव मगाकर के जाना
अभ्य-विव कृपात्र पु व नालायक
अभ्यात्र-विव कृपात्र पु व नालायक
अभ्यात्र-विव कृपात्र पु व नालायक
अभ्याय-पुं व संकट पु व आफतः, नुकसान
अभ्याय-पुं व संकट पु व आफतः, नुकसान
अभ्याय-पु व संकट पु व आफतः, नुकसान
अभ्याय-विव त्रस्कृत पु व
अभ्यास्त-विव तिरस्कृत पु व
अभ्यास्त-विव तिरस्कृत पु व
अभ्यास्त-विव वित्रस्कृत पु व

अभूत-ाव० श्रपवित्र पु० नापाक
अभूरतुं-वि० श्रपयांत्र पु० नाकाक्षौ
अभूरित-वि० श्रप्यां पु० श्रध्रा
अभूर्यं-वि० श्रनोखा वि० अजीब
अभूशन-न० आचमन पु० चुल्छ

અપેક્ષણીય]

अभेक्षश्रीय-वि० ब्रावश्यक वि० जरूरी अपेक्षा-स्त्री० आवश्यकता स्त्री० जह-अधेक्ष-वि० ब्रह्स्य पु • ब्रोमाल अधेय-वि० पीने के अयोग्य वि० अध्यट-वि० मूर्ख पु• श्रनादी अभूप्र**५८–(प० गुप्त वि०**' छिपा हुआ अभूभरंभी-वि० चंचल वि॰ नटखट भ्राप्य-वि० निस्सन्तान पु० बेग्रीकाद भ्यप्रतिक्षट-५'० चदुभटवीर बेजोड बहादुर भ्भप्रतिभ-वि० श्रेष्ठ वि० बढिया भ्रातिष्ठित-वि० श्रसम्मानित पु० अप्रधान-वि० गौरा वि० नालाजिमी क्षाप्रभाषा- वि० अप्रमाण वि० वेमाप **अ**प्रभाद−पु'० जावति स्त्री० होश अथे।०४३-५°० निरर्थक ५० फ्रज् अध्यक्ष-वि० स्त्रिष्ठ पु॰ नाराख म्भ्रभ'अ-पुं० कुछमय पु॰ वैवस्त अध्याह-पुं• अप्रसचता स्त्री• नाखशी **अ**प्रीति-स्त्री० वेरमाव पु० ग्रदावत म्भ भ्सर।-स्त्री० परी स्त्री० हुर **अ**६्धान-वि० अफ्रगान पु॰ म्भ६२-वि० स्थिर पु॰ ग्रैरमनकूला **अ**५२त५२-२३० गोटाका पु**॰ गोलमाल**

अध्रातध्री-स्त्री० परिवर्त्तन पु•रहोबदल

અ**६લ−वि० निष्प**त्न वि० थ्यक्ष्या-स्त्री० जनश्रुति स्त्री० अप्रवाह **અ**કસાસ-**પુ** पश्चाताप पु॰ श्रक्रसोस અફળાવું-અં ક્રિંગ पद्याद्यना अक्षाणकृट-स्त्री० माधापच्ची स्त्री० सरपच्ची थ्यक्षाणेव्'-स० क्रि० पञ्चादना स० क्रि**॰** अरीध्-न० ब्रफीम पु॰ अप्रीशिथु'-वि० अफीमची वि० सुस्त અધીમ-ન૦ अफीम પુ• અખ (લ) ખા–પું अ अ इचि स्त्री • नापसन्दमी અપકાશી-५० घार्मिक ५० मन्नह्बी अपद-वि० मुक्त वि॰ श्राजाद અঙ্গ (व) धूत-पु'० वैरागी पु॰ फ्रक़ीर अपनुस-न० श्रावनूसकी छक**दी स्त्री** • अध्यर५-न० श्रञ्जक पुर मोडख अध्यक्ष (५)-वि० निर्वेत पु० कमजोर **અ** পুধ–বি • **अज्ञ** वि • अनजान थ्यश्र≪–वि० अयोध पु० वा समसःः अ**भूर-वि० पुष्कल पु**० **स्**ब અબુલાેઢબુલા-પું• एक खेल अभेष-वि० श्रजान पु० नासमम =थ•×~~-(व० एकः इधरव पु∙ २५०६-५ ० मेच पु० बादल अ•िध्-y'o समुद्र पु• **बहर** अष्टभा-भुं विता, पुत्र, बाप

18

२५ सग-वि० अभागा पु० बदनसीब २५ सख्-वि० निरत्तर पु० अनपद २५ अद्र-वि० अशिष्ट पु० वे अदब २५ सथ-वि० निडर वि० वेखीक न० निर्भयता

अक्षयहान-न० सुरत्ता प्रदान करना अभर-वि० रिक्क पु० खाली; ग्रीब અक्षराध-स्त्री • बोटा छाज पु० अक्षणभा-स्त्री० छोटा कमरा पु॰ कोठरी અભા-स्त्री॰ आमा स्त्री॰ नूर च्यासाभी-वि**०मन्द भाग्य** पु० क**मनसीब** અक्षाय-पुं॰ अभाव पु॰ कमी अक्तिक्रभ-पुं अक्रमण (पु॰) हमला अभियर-पुं० अनुचर पु॰ नौकर अक्षिक्न-पुं ० कुटुम्बी पु • कुनबेदार अक्षिज्यत-वि० कुतीन पु॰ खानदानी व्याभरा-वि० त्रानुभवी पु॰ तुजुर्वेकार अिभान-न० ऋहंकार पु॰ घमंड व्यक्तिप्राय-पुं० उद्देश्य पु० मक्तसद श्र्माक्षेक्षव-पुं० पराजय स्त्री० शिकस्त अलिराभ-वि० मनोहर पु॰ नफ्रीब अ**भि३थी-स्त्री० इचि स्त्री० पक्षन्दगी** અ**લિફપ−વિ∘ અનુહવ** પુ૦ અભિલાખ-पु'०मनोकानना स्त्री०तमन्ना अिभवंदन-न० नमस्कार पु॰ श्रादाब अभिवाह-पु'० श्रारोप पु॰ इलजाम અक्षिष्टिंद्ध-स्श्री० उन्नति स्त्री• तरक्क्षी अ**क्षि०य**क्ति-स्त्री०व्यक्कता स्त्री०खुताया

अभिश्वाप-पुं ० शाप पु ० वददु आ
अभिश्वित-वि० राज्यारोहित पु ०
तस्त्तनशीन
अभिश्वे ५-पुं ० राजित क पु
तस्तनशीनी
अभिश्वे १-पुं ० राजित क पु
तस्तनशीनी
अभिश्वे १-पुं ० अहीर पु ० चरवाहा
अभी १-पुं ० अहीर पु ० चरवाहा
अभी १-वि० निंडर पु ० वेखी क
अभी १-वि० निंडर पु ० वेखी क
अभी १-वि० क्विकर पु ० मनपसन्द
अभी-पुं ० निंभय पु ० वेखी क
अभी १-वे० एक कपता स्त्री ०

थ्य0यर्थना–स्त्री० विनय स्त्री• त्रारज्

अ•्यस्त-वि० पारंगत पु• होशियार

थ्यक्य'तर-वि० श्रान्तरिक पु० भीत**री**

अभ्यागत-वि० अतिथि पु० मेहमान

अभ्यास-पु'० शिच्चगा पु० तालीम

अन्युत्थान-न० उत्कर्ष पु । तरक्षी

अ अ धुह्य- पुं ० कत्याणा पु ०

अश्र-न० मेघ पु॰ बादल

अक्ष5-न० भोडल पु**० श्रवर्**क

अभ**३५ु'-वि० श्रमुक वि० फ**लां

अभत-वि० अमान्य पु॰ नामंजूर

अभधुं-वि० अकर्मग्य पु० निकम्मा

थ्यभन-न० शांखे स्त्री • अमनः आराम

અભ્रष्टना-स्त्री० मरसेना स्त्री० बेइज़्जत

अक्षित-वि० **भादरगीय** पु•

અभन२५∽िव० विचार रहित पु• वेखयाल

वेखयाल
अभभता-स्त्री॰ निर्मोह पु॰
अभर-वि० अमर्य पु०
अभरी-स्त्री० आम्रवन पु॰
अभरी-स्त्री० आम्रवन पु॰
अभरी-स्त्री० शीशफुल पु०
अभरी-स्त्री० निर्मेल सु॰ वेकान्, वेहद
अभस-पु॰ सत्ता झी० हुकूमत; निर्मेल अभसिन-वि० जुद्ध पु॰ पाक
अभरतुं-वि० अकर्मग्य पु॰ वेकार
अभण-वि० निर्मेल पु॰ साफ
अभणानुं-अ० कि० वल पैदा होना
अ० कि०

२५भ'गक्ष-वि० श्रद्धम पु• २५भात्य-पुं० प्रधान मंत्री पु• वज़ीरेखास

स्थान-न० असम्मान पु॰ वेइज्जत स्थानुष-पि० देवी पु॰ स्थाप-पि० अपार पु॰ वेहद् स्थाप-पि० अपादस्या स्त्री॰ स्थाप-पि० अपदिमित पु॰ वेशुमार स्थापि-पि० अपदिमित पु॰ वेशुमार स्थापि-पि० अपदिमित पु॰ वेशुमार स्थापि-पि० अपदिमित पु॰ स्वतिम् स्थापि-पि० विनिमेष पु॰ एक्टक स्थापि-पि० विश्वासी पु॰ यक्तीनी स्थापि-पु॰ धनी सरदार पु॰ उमराव स्थापुः-पि० अमुक्वि० फलाँ अभुक्त-वि० निर्मुक्त पु० बँघा हुआ अभुजायुं-अ० ६० त्राकुल व्याकुल होना घ्र० कि०, जी घवराना अभुद-वि० चतुर पु० समझदार अभूविर्धत-वि० सावधान पु० सचेत अभूति-वि० त्रावारविद्वीन पु० विना

शक्त का अभूस्य-ति० बहुमूल्य पु० बेशक्तीमत अभ्भूष्य-स्त्री० मिचलाइट स्त्री०

घबराइट अभृत-न० श्रमृत पु० द्याबेहवात अभे।ध-वि० **प्र**चूक पु० **अक्सीर** थ्य-भा-स्त्री० **माता स्त्री० अ**म्सा અમ્લ-વિલ્ હદા પુર अभ्सान-वि० न मुर्माया हुन्ना वि० **अ**थ-न० लौह्∙खंड पु• अथथार्थ-वि० अवास्तविक पु० नकली **अ**थन-न० प्रयागी पु० कूच अथायित-वि० विनेमॉॅंगा पु**०** अयुक्त-वि० श्रयोग्य पु॰ नाकांबिछ अथे।अ-वि० अनुपयक पु॰ नाकाविल અયાનિ-વિ० स्वयंभू पु० अरेड, अर्ड-पुं० सत्त्व पु**० सार** भरक्त-वि० अनासक पु० **અरग**ली–पु*० अरगजा पु॰एक उबटन अरध£ (३)-युं० रहेंट पुo अरध्तु'-स० ६० पूजा-अर्चना स्त्री∙ इबाद त

व्यव्य

अरु १-२०० प्रार्थना स्त्री॰ श्रर्फ़ अरु १ से -२०० जंगल पु॰ अरु १ पु॰ वर्ष पु॰ मतलब अरु १ से दिनती स्त्री॰ श्रर्फ अरु १ से ६ स्त - पु॰ पारची तृतीय मास अरु भान-रेत्री॰ ने मनोकामना स्त्री॰ दिस्री तमसा

भ्यत्माः —स्त्री० समुद्री क्राफिला झी॰ भ्यत्य-पि० नीरोग वि० तन्दुरुस्त भ्यत्य-पि० नीरम वि० खुप भ्यत्या-पु० झारमा झी॰ सह भ्यत्विंह-न० कमल पु॰ भ्यत्थहरश्च-वि० झामने सामने वि॰

२५२स५२स-२५० परस्पर घ० धापसमें
२५२सिक्-पि० ज्ञाडक-इंद्रस वि०
२५२सी-पुं० तुद्दत स्त्री० श्ररसा
२५२सी-पुं० तुद्दत स्त्री० श्ररसा
२५२सी-पुं० रात्रु पु० दुरमन
२५२भी-पुं० परिवार पु० कुनमा
२५२५-न० संकट पु० श्राफ्रत; एकसासन
२५१६ी-२०० र्पण पु० शीशा
२५२४-नि० श्रक्षिकर वि० नापसन्द
२५२४-२०० प्रतिव स्री० मापसन्दगी

२५३ छो।६४-५० प्रभात पु० फत्तर **अक्ष्यक-अ० उर्चो त्यों ग्र०** जैसे तैसे **भरी। 45-वि० ऋरचिकर वि० बेस्वा**ः अध्य - ५० पुत्रा स्त्री० इबादत भर्ज -स्त्री० प्रार्थना स्त्री० श्र**र्ज** अक 3-वि० स्पार्जक वि० कमारू **व्यक्ष**ेष-पु्रं० समुद्र पुरु बहुर व्यथ-पुं० हेतु पु० सबब; धन अर्ध विश्वभ-न० (;) ऐसा विह अप ध-न० मेंट स्नी० बख्शीश अधु ६-५ ० मेघ पु० बादस्त, आवृपहाङ् भ**ः** ५-५ • बाह्यक पु० बच्चा भविथीन-वि० श्राधितक वि० मौजुदा अक्ष5-५'० केशोंकी लटा स्नी० चटिया अस्ता-स्त्री० कवेरकी नगरी स्त्री० **-**श्रक्षक्ष-वि० क्र**लक्ष**ण वि० क्रटेव अक्षभ-वि० ब्रह्स्य वि० छोस्त्रक अक्षभ-विक मिन्न विक जुदा अक्षत्रारी-वि० छेख-खबीला प्र०शीकीक अक्षेत्राल-न० एक किस्मकी बाँसुरी

स्ती० श्रलगोजः

अस्तिक निर्लं ज्ञाति विह्या

अस्तिप्युं – स० क्वित श्रालाप स्रत्ना सक कि० रियाज करना

अस्ति। – पुं० फक्तीरकी अस्ति। स्ति। अस्ति। – पुं० फक्तीरकी अस्ति। स्ति। अस्ति। – पि० निकम्मा वि० फालरः अस्ति। – पि० रसिक वि० श्रलवेदाः **અ**લગ્ધ ો

अक्षण्य-वि० श्रप्राप्त वि०
अक्षण्य-वि० श्रप्राप्त वि०
अक्षण्य-वि० श्रप्राप्त वि०
अक्षण्य-वि० श्रप्राप्त पु० ताक्रतमन्द
अक्षण्य-वि० श्रजीना वि० फीका
अक्षयण्य-वि० श्रजीना वि० फीका
अक्षयान-व० कम्बल स्त्री॰ श्रजवान
अक्षयान-व० कम्बल स्त्री॰ श्रजवान
अक्षयान-व० कम्बल स्त्री॰ श्रजवान
अक्षयान-व० कम्बल स्त्री॰ श्रजवान
अक्षयान-व० कम्बल स्त्री॰ श्रज्या वि०
अक्षयान-व० क्ष्याम् वि० प्राया
अक्षण्युवं-व्य०कि० कॅरका बलबलाना
श्रा० कि०

અধ્લડ–વિ० श्चल्हड वि० અધ્લા–પું ० ईश्वर पु० खुदा અવકાત–स्त्री० सामर्थ्य पु० श्रौकात અવકાશ–પું ० रिक्त स्थान पु० खाली जगह; छुटी

अन्तर्भणी-निव श्रष्ठामयिक विव बेगहत अन्दर्भण-स्त्रीव श्रप्रसन्नता स्त्रीवनाराजगी अन्दर्भण-स्त्रीव होनि स्त्रीव नुकसान अन्दर्भण-स्त्रीव होना स्त्रीव अन्दर्भण-स्त्रीव होना स्त्रीव अन्दर्भण-प्रंव दोष पुर खामी अन्दर्भ-स्त्रीव कठिनाई स्त्रीव मुश्कल अन्दर्भण-स्त्रीव घोषणा पुर दिंदोरा अन्दर्भ-स्त्रीव गोत्र पुर बदनामी अन्दर्भ-स्त्रीव गोत्र पुर अन्दर्भ-निव मुद्दर्स काममें न दिया

अवतरथ्-न०) नीचे उतरना अवतार-पुं० ∫ नीचे उतरना अवदशा-स्त्री० पतन पु• गिरावट अवध, अवधि-पुं० स्त्री० सीमा, हद, मोहलत

अवधान-नव ध्यान पु॰ मनस्वा
ावनत-वि॰ श्रानुत्रत पु॰ गिरा हुश्रा
अवन्युं-वि॰ विचित्र वि॰ श्रानीव
अविन-स्त्री॰ पृथ्वी स्त्री॰ जमीन
अवभान-न० अभान पु॰ तौहीन
अवथव-पुं॰ शरीरई अंग पु॰

અબ્યય

अवर- भ० अन्य अ० ग्रह अवरक्षवर-पुं० आवागमन पु० आमः दरफ़्त अ**वरथ**।-अ० वृथा **अ०** फुजूल अवरे।ध-y'o अटकाव पु• रुकावट; रनिवास અવર્ષા-વિ**∘ સં**ત્યત્ર ૧,૦ શ્રજ્<mark>ય</mark>ત व्भवश्रीनीय-वि० अवस्य वि० बेबयान अवस-वि॰ प्रधान वि**॰ खास** અत्र**ः भ−**पु• श्राश्रय पु• सहारा अवसं भित-वि० **आ**श्रित वि० सहारेपर व्यविध-वि अदंशरी वि घमंडी अवसे**६**-५'० चटनी स्त्री॰ अवश-वि० परतंत्र वि० गुलाम અવશેષ-y'o शेष पु• बचा हुआ **अभवश्य**—वि० श्रावश्यक वि० जहरी अवसन्न-वि० मृत पु**० मु**र्दा अवसर-पु**ं अ**वसर पु॰ मौक्रा **અ**વસાદ--પું હો**ર** તુ રંત્ર अव**सान-न**० मृत्यु स्त्री० मौत अवस्ता-स्त्री० पारसी-धर्म-ग्रंथ पु० अवस्था—स्त्री० दशा स्त्री० **हालत** अवण-वि० श्रीं घा पुट उल्टा **अ**वण् -वि० श्रौधा पु० उत्टा અવાઇ-स्त्री० जनध्रति स्त्री० **ध्र**फ्तवाह अवार्ड—वि० चकित पु**० हैरान** અવાજ-<u>५</u>'० ध्व नि स्त्री० **आ**वाज **अवा**८-वि०क्तपार्ग पु० बदराह

भवाडुं--न० बावला पु० पागल भवाड--वि० अकाट्य वि० भवारनवार--अ० प्रसंगवश अ० अवावर्ठं--वि० लम्बे समय से काम में

न लिया हुआ वि० अवा**स-पु**• **श्रावास** पु० मुक्काम अवाण-पुं न दातों के पारे पुर व्यविष्ठस-वि० प्रसन्त ५० खुश अवियस-वि० स्थिर वि० शेरमनकूता अविशार - पुं० श्रविवेक पु० वेश्रक्ति અ<mark>विચारी</mark>–वि० मृर्ख पु० बेवकूफ अविनय-पु'० ऋसभ्यता स्त्री० वेश्वदवी अविनाश-(शी) वि० ग्रमर पु० अनिअक्षत-वि० संयुक्त पु० जु**द**। हुआ अविभाजय-पि० श्रविभक्त पु० अविरत-वि० निरन्तर वि० लगातार अविक्षं अ-वि० शीघ्र वि० फौरन अविश्वांक्ति-वि० निडर वि० बेखीफ अविषय-वि• श्रसहा वि० नावर्गरत अ**वे**ड-पुं० त्रविवेक पु० नासमफ अवे अ-पुं प्रतिकत पु वदता;

चालु सिक्का
अभेचे ११ — विकस्थापना विक जानशीन
अभेषे २ — पुंक देखरेख स्त्रीक निगरानी
अभेषेव — पुंक अवयव पुक जिस्म के
दिस्से

अवेणा-स्त्री० कुसमय पु० बेश्स्त अअथ-न०शाश्वत पु० गैरमनकलः અબ્યવસ્થ]

भ्यव्यवस्थ-वि० श्रव्यवस्थित पु० बद-इन्तजाम अक्षात-वि० हुर्बेल वि० कमजोर अक्षात-ते भोजन पु० गिंजा अक्षातार्ध-स्त्री० प्यार पु० मुहब्बत अक्षातार्ध-स्त्री० विद्युत् स्त्री० विज्ञली अक्षण्ट-वि० नीरव पु० चुप अक्षरशी-व्यी० सोने की मोहर स्त्री० अक्षरत्र-वि० शस्त्र विद्वीन पु०•

बेहथियार अश'डित-वि० निःशंक प्र० बेशक **અશા**शीत—वि० श्रासभ्य पु० बदतमीज अशास्त्र-वि० शास्त्र विरुद्ध पु० **च्यशांत**-विव शांति-विदीन ३० अशिक्षित--वि० निरक्षर पु० अनाइ अशिर–पुं∘ राज्ञस पु० अशीत-वि० उच्चा पु॰ गर्म अश्यि-वि० अशुद्ध पु० नापाक अश्रद्ध-वि० मलिन पु० नापाक **अ**श्यर—वि० कायर पु० डरपोक अशेणिया-पुं० असालिया पु॰ अशे।५-५'० श्रानन्द पु**० खुशी** अश्म-पुं० पाषासा पु० पत्**धर** अश्रांत-वि० निरम्तर वि० बगातार अधु-न० **धाँस् पु० अरक**ं અધુત–વિ૦ શ્રશ્રव्य પુ૦ ન સુના हુશ્રા **२**भश्तीस-वि० मौंडा वि० फहरा अभ्रय-पुं विद्या पु०

अश्वतथ--पुं'० पीपत्त पु० अभो--वि० पवित्र पु० पाक अभ्ध--वि० आठ वि० अभ्धावुं--अ० क्षिण कष्ट देना अ०

कि० तकलीफ पहुँचाना
असलक्यन—पुं० दुर्जन पु० कमीना
असत—वि० दुर्श पु० खराव
असत्य—वि० भूठा पु०
असदश्य—वि० श्रक्षमान पु० बेमेल
असन्नारी—स्त्री० कुलटा स्त्री•
अस्यस्याप्य—पुं० सामान पु० माल-

असवाब

भ्रसभ्य-वि० स्रविनयी पु॰ बेअदब
असभ-वि० विषम पु०
असभं कस-वि० अस्पष्ट पु॰
असमान-वि० स्रसहरा वि॰ बेमेल
असर-स्त्री० प्रमाव पु० स्रसर
असस-वि० मृल पु॰ श्रसली
असं क्ये-वि० स्रमणित वि० बेग्रमार
असं क्ये-वि० स्रसहरा वि० बेमेल
असं क्ये-वि० स्रसहरा वि० बेमेल
असी-स्त्री० कृपाण स्त्री० तेग
असीस-वि० पुं० कुलीन पु० खान

दानी
अभुभी-न० दुःखी पु० रंज़ीदा
अभुभ-पु० राक्षम पु०
अभुर-न० वित्तम्ब स्त्री० देर
अभुभा-स्त्री० षृणा स्त्री० नकरत
अभीभ्य-वि० कठोरहृदय पु० बेरहम

अस्त-पुं वोप पु विपाव व्यरत**र**—न० कपड़े का श्रस्तर पु० अस्तरे।-पुं० पाछना पु० **उस्तरा अ**स्ति-स्त्री० श्रस्तिख पु**० इस्ती** अस्तु-अ० ऐसा ही हो प्र० आभीन **२५**२७ - न श्रायुध पु० हशियार . २०१२ थायी – वि० स्निस्थिर पु॰ नाकायम **अ**रिथ-न० हड़ी स्त्री० अश्विश-वि० चंचल पु**० मनकूला अस्मित!**-स्त्री० अपनत्व पु• श्रयनापन અહં-સુ મેં મુ अदि-पुं े भुजंग पु ॰ साँप अिंस!-स्त्री० हिंसा न करना अक्षीं-अ० ब्रत्न अ० वहाँ अहेरी-पुं० अहेरी पु० शिकारी अहेत्-वि० निष्प्रयो**जन पु० वेसवव** અહેવાલ-પું• वृत्तान्त पु• हाल अहेशान-न० कृतज्ञता स्त्री० एइसान **અહे।**निश⊸अ० दिन-रात श्र० અળખામાર્થું—વિ૦ શ્રવ્રિય પુ• નાવસન્દ भणभण-वि॰ श्रनर्गत पु॰ श्रंटसंट अ**णगु**ं–वि० दृर पु० श्रलग અগও (श)-स्त्री० निर्धनता स्त्री० रारी बी અળતાे-५'० महावर पु**० श्र**लता अण्य-वि॰ बातूनी पु॰ गप्पी

२५७५७७५-रेडी० हाक्साव पु॰ नखरा

अज्ञाप्त के विश्व स्थाना अविक तक्षत्रीफ देना अज्ञासावुं—अविक अल्लाना अविक मुफाना अज्ञार्थ-स्थाव गर्भा में होनेवाली छोटी फुल्सियाँ

[24]

थ्भं ५-पुं० चिह्न पु० निशान; टेक भ**ं**द्र-पुं० बीज से निकला हुआ सफेद बाल અંક્રશ—પું दबाव પુ काबू; हाथी को हाँकने का लौ इ-दंड અંકાેડાે–પું∘ શ્રકુદા પુ∘ म्भंग-न० शरीर पु० बदन; हिस्सा थ'गना-स्त्री० महिला स्त्री० औरत **અ'**गार–पुं० श्रागका शोला पु० અ'ગી-वि० अपना पु० निज्ञी **અ'**गीक्षार—पुं० स्वीकार पु० मंजूर **अं गु**क्षि-स्त्री० उँगली स्त्री**० श्रं**गुरतः અગુછે ા—પું શ્રં મોજી પું **અ'ગૂર**-स्त्री० हरा द्राच पु० श्रंग्र **भ'**गेडी-स्त्री० सिगड़ी स्त्री० अंगीठीः અ'धे।ળ–ન**० स्नान पु० गुस्**ल **थ्य:थ**४–स्त्री० जू**रुन** स्त्री० **খ'গ⁄ন**-ন০ ৰুজ্জন্ত ঘু০ ৰাজল अंभना-(नी) स्त्री० इनुमानजीकी मह स्त्री०

थ्य क्यापाध्यी-न० श्रन्न तस्त्र पु० दाना-**अंभ्र**स—स्त्री० **श्रंत्रति** स्त्री० **અ'**જામ–પુ'० परिगाम पु० नतीजा अ'ज्युभान-न॰ मंडल पु० जमात भ्य देवालुं - अ • धक्के खिलाना श्र० '**२५'**८से–**५'० वैर भाव** पु० **अदा**वत अंटे।ण-वि० निसम्मा पु० बेहाम अ'डाडार-वि० अंडाकृति स्त्री० अ'त-पु'० पार पु० किनारा; मौत भ'तर-वि० श्रान्तरिक पु० भीतरी; न० भेद; फ़र्क अन्तर्भी-पुं परमातमा पुं खुदा थ'तर्धान-न० लोप पु० मिडाव भ'तराय-पुं० बाघा स्त्री० श्रइचन च्यंतरिक्ष-न**्धाकाश** पु**ः फ**त्तक अ'तिभ-अ'त्य वि० शेषका पु० श्राखीरी थ्यं ६२-थ० में प्र० भीतर थ दरभाने -- अ० गुप्त रीतिसे अ० छिपेतौर पर **અ'हाજ**–पुं० अनुमान पु० **अन्दा**ज व्य'देश-पु'० शंका स्त्री० बहम અ'ધ–વિ૦ અન્ધા પુ૦ **અ'ધકાર, અ'ધાર–પુ'० अःधेरा** पु०

जुल्मत अ[•]धाधुं'धी—स्त्री० श्वन्यवस्था स्त्री०

बद्दन्तज्ञाम

भंधापा-पु० ब्रन्धापन पु०
भंधिर-न० कव्यवस्था स्त्री० बदइन्त
सामी
भंभ्य-पि० खट्टा पु०
भंभ्य-न० ब्राह्मा पु० ब्रासमान;
वस्त्र
भंभा-स्त्री० माता स्त्री० बम्मा
भंभाडियुं-न० गोवरके कंडोंका देह
भंभाडी-स्त्री० हाथीका हौदा पु०
ब्रम्मारी
भंभार-पुं० स्तूप पु० देर
भंधु-न० पानी पु० ब्राब
भंभोडी-पुं० केशोंका जूहा पु०
भंध-पुं० माग पु० हिस्सा
भंधु-न० किरगा स्त्री०
भंस-पुं० कन्धा पु०

[આ]

अधिकः—वि० कठोर पु० सहत
अधिकः—पुं० भाकविरा पु० खिंचा ।
अधिकः—पुं० भाकविरा पु० खिंचा ।
अधिकः—पुं० कसौटी का परंथर पु०
अधिकः —वि० हठात् वि० यकायकः
आधिशः—वि० व्याकुत्त पु० घव
राया हुआ
आधिएं—वि० अधीर पु० बेचैन
अधिर—पुं० आकृति स्त्री० राङ्गत्त
अधिशः —व० नम पु० फलक
आधिश्च स्वयं नामुस्तिन

િ આજી

व्याक्षश्चवाधी—स्त्री० देववाणी स्त्र० व्याक्षांक्षा—स्त्री० स्निताषा स्त्री० तमन्ना व्याक्षान—पुं० श्रद्धाः व्याकृति—स्त्री० स्नाकार पु० शक्त व्याकृति—स्त्री० स्नाकार पु० शक्त व्याकृष्ट—त० धावा पु० हमला व्याकृष्ट—त० विलाप पु० रोना व्याक्षेप—पुं० स्नारोप पु० इत्त्रज्ञाम व्याप्यद्वा—स्त्री० बाधा स्त्री० इकावट; मनौती

आभ्य-स्त्री० घ्रन्त पु० अखीर आभा-पुं० अखत पु०; अनाज अ भु-पुं० मूबक पु० चुद्दा आभुं-पि० संपूर्ण पु० तमाम आभ्य-पुं० यात्रा स्त्री० मुसाफिरी आभ्या-स्त्री० नाम पु० आभ्यान-न० कथान्द्रतान्त पु०

किस्सा
भाग-स्त्री० अग्नि स्त्री० स्त्रामा
भागगाडी-स्त्री० रेखगाद्यी स्त्री०
भागगाडी-स्त्री० रेखगाद्यी स्त्री०
भागसय, भागभक⁄-अ०पद्देखे ही स्र०
भागस्य, भागभक⁄-अ०पद्देखे ही स्र०
भागस्य, भागभक⁄-अ०पद्देखे ही स्र०
भागस्य, भागभक⁄-अ०पद्देखे ही स्र०
भागस्य, भागभक्य स्त्रामित्र
भागस्य, भागभक्य स्त्रामित्र
भागण-प्र० आगे स्र०
भागन्युः खोजोंका धर्मगुरु पु०
भागाभी-दि० भविष्यका वि० स्रागेका
भागर-न० गृह पु० धर

आगाडी-रुत्री० मविष्यक्री सूचना स्त्री० आगिथा-पुं० जुगनू पु० आगेदात-पुं० नेता पु० सरदार आगेपीछा-पुं० अंगरखेके दोनों स्रोर

के भाग पु०
आश्रद्ध—पुं० हरु पु० जिद्द् भाधपुं—पि० दूर पु० जगत आधरा पुं० छाप्रह पु० विद्द् भाधात—पुं० संघात पु० चोट भाधुं—पि० दूर पु० अलग भाध्यं—स्त्री० तंगी स्त्री० कठिमाई भायरधू—प० चरित्र पु० चालचलन;

आयार—पुं० ग्राचरण पु० चालचलन आयार—पुं० ग्राचार्य पु० आयार्थ—पुं० प्रधान शिक्षक पु॰;पुरोहित आय्छाहर्र—पि० ढक्कन पु० आर्थ्याहर्र—पि० छाया हुग्रा पु० आर्थ्य-स्त्री० झाल्जस गानी पु० आर्थ्य-स्त्री० सोला पु० नादान आर्थ्य-पि० पतला पु०; थोड़ा आर्थ्य-पि० पतला पु०; थोड़ा आर्थ्य-पि० पतला पु०; थोड़ा आर्थ्य-पि० पतला पु०; शोज्ञस आर्थ्य-पि० माननीय पु० श्राज्ञम आर्थ्य-पु० चपद्रव पु० बसावत आर्थ्य-स्त्री० नानी स्त्री० **आ**গ্রপ্ত - स्त्री० त्राग्रहमरा विनय स्त्री० श्चारज्ञी इत भाळविडा–स्त्री० जीवन-निर्वा**इ** पु० गुजारा আ**ল্যানার—৯০ সার্থার স্ন** અાજો–પુ'∘ નાના **પુ**∙ भारा-स्त्री**० श्रनुज्ञा** स्त्री० हुक्म **भारां**डित-वि०<u>ं</u>त्राज्ञापात्तक पु०ताबेदार **२**भाआ६-वि० स्वाधीन पु**० श्रा**जाद **अ**श्री-पुं० विश्वास पु० यक्तीन **भा**टसु'–वि० इतना वि० भारविक-पुं ० वनमें रहनेवाला श्रादमी **अ**।८।२-२३ी० धूल स्त्री**० रे**ग **आ**टा-पुं० श्राटा पु० थ्याटालूख्-न० धूलघानी स्त्री॰ फ़र्ज़ीती भाटे। पतु'-स० क्वि०एकत्र करना स•िक

इकट्टा करना
आदियुं-पि० वंचक पु० आ
आउ-स्त्री० हठ पु० जिहः हरकत
आउपीक्षेप-पुं० विघ्न पु॰ अहचन
आउत-स्त्री० दलाकी स्त्री॰ आदत
आउत-स्त्री० दलाकी स्त्री॰ आदत
आउत-स्त्री० द्वांग पु॰
आउ'मर-पुं० ढोंग पु॰
आउ'पर-पुं० ढोंग पु॰
आउप-पर्ना करौंत स्त्री॰
आउपादी-स्त्री० कुटुम्ब पु॰ क्रवीला
आउ'-पि० वक्र पु॰ टेढ़ा-बाँका; जिही
आउंध-अ॰ जैसा आवे बैसा ही श्र०

અડિાશપાડાસ-પુ૦ શ્ર**ફોસ-પફોસ** પુ૦ आक्ष-वि० धनवान पु० दौलतमन्द આખુ-સી૦ श्राज्ञा स्त्री० हुक्स; शपथ आश्रंह-पुं० आनन्द पु० मजा आ**ं**६ ५ ं५७ – न० आनन्द-डोरा पुरू आधीशेर-**अ**० इस तरफ अ• आशं-न० निमन्त्रण पु० न्यौता व्यातताथी-वि० महापापी पु० जुल्मी अस्तप-पुं० ताप पु० गर्भी आतिवार-पुं० रविवार पु० इतवार भातश—y'o अग्नि स्त्री**॰ श्रा**ग न्थाति²य-न० पाहुनाचारी स्त्री• मे**इ**-मानगीरी आतुर–वि० उत्सुक पु० आते।-५'० दादा पु॰ प्रिय पुत्र आत्म-स० श्रवना **स॰** निज्ञी आत्मल-रेत्री० पुत्री स्त्री**॰ वे**टी थ्भात्म६त्था-स्त्री० श्रात्मघात पु० खुद-

आत्मा- पुं जीव पु कह आयड-स्त्री व्रत्यक्षण्टी स्त्री क आयमणुं - विव पश्चिमी पु कमगरिवीः आयर-पुं कमोटी चहर स्त्री क आहरा-स्त्री व्रत्यमाव पु व्टेव आहमी- पुं कम्त्राच पु व्हन्मान आहर-पुं कम्मान पु इज़्जत आहर्श-पुं कम्मान पु इज़्जत **મ્યાદા**શીશી]

आहाशीशी-स्त्री० श्राघा सर दर्दे करने वाला रोग पु॰ आहि-दि० प्रथम पु॰ पहला; खास आहित्य-पुं० सूर्य पु॰ आफताब आहेश-पुं० श्राज्ञा स्त्री॰ हुक्रम आह-दि० प्रथम पु॰ पहला आध-दि० अर्द्ध पु॰ आधा आध्य-दि० श्रद्ध पु॰ आधा आध्य-त० श्रनाज को पकानेके लिए चूल्हे पर बहाया हुआ पानी पु०

आधान-त० रखना पु०
आधार-पुं० आश्रय पु० सद्दारा
आधि-पुं० स्त्री० मानसिक पीदा स्त्री०
आधि-पुं० स्त्री० मानसिक पीदा स्त्री०
ज्याधिक्य-त० अधिकता स्त्री० ज़िया

आधिपत्थ-न० अधिकार पु॰ क्रब्जा आधीन-वि० वशीभूत पु॰ क्रब्जेमें आधुनिक्क-वि० वर्तमान कालीन पु॰ मौजूदा

न्थाधि - वि० प्रौढ़ पु॰ ऋषेड़ न्थाध्यात्मि - वि० आत्मान्यरमात्मा संबंधी वि०

स्थान-विव श्रन्य पुक गैर, हहानी स्थानडे-पुंक मृदंग स्त्रीक स्थानन-नव मुख पुक मुँह स्थानंह-पुंक हर्ष पुक खशी स्थानंहित-विव प्रसन्न पुक खश स्थानंही-विव प्रसन्न चित्त पुक खश भाना**अनी-**स्बी०**हाँ ना स्त्री०हीलाहवाला** आनी-स्त्री० एक श्राना पु॰ इकन्नी आ**तु**५६५-५० **श्रानुकूलता स्त्री०** मुश्राफिक आनुषं गिड-वि० सहवर्ती पु॰ साबी व्यानी-पुं० एक बाना पु॰ इक्जी ज्यान्त्रीक्षिप्री-स्त्री**० आत्मविद्या स्त्री०** भा**५--न० ज**त्त पु**० ग्रा**वः ग्र*ानायाः* अ**। ५७५६**-वि० एकाधिकारी पु० આપમતલખી-વિ० स्वार्थी पु० खद• ग्र(ज आपीआ**५-अ० स्वयं अ० खुदः** सहज ही अ**।५२।-**स्त्री० नदी स्त्री० दरिया ञ्या**पञ्-पुं ० चौहट पु० बाजार** અ। पश्-(शे) में श्रीर श्राप अ०इम लोग

भापति क्षेत्री० संकट पु० तक्कीकृ
भापका
भापक्षे-स्त्री०श्रादान प्रदान पु० केनदेन
भापतुं-स० क्षि० प्रदान करना स० कि

आपसमां न्याः परस्पर अ॰ आपसमें या पान्याः इस श्रोर श्र॰ इस तरफ़ या पुरुष्ट पुरुष्ट साहुकार पुरुष्ट या पुरुष्ट

આ ધત]

अभाष्त-वि० संबंधी वि० रिश्तेदार अप्रतेशन-पुं० न० परिजन पु० आप्ता-स्त्री० जटा स्त्री० अमित-स्त्री० **लाभ पु० फायदा** અહ્યી-સ્ત્રી૦ आपत्ति स्त्री० श्राफत आहत-स्त्री० संकट पु० आफत **અ**।६ताभ-५'० सूर्य पु० आफताब अक्रीन-२५० **मुग्ध ८०** फ्रिइ अक्षरी-पुं विष्ट फुलावा पुव श्राफरा २५!१५-न० जल पुर पानौ आपर-स्त्री० निरस स्त्री० सास्त च्याप्याह-वि० संपन्न पु**० भरापूरा** आपासए६-अ० बच्चे से बेकर बढ़े

तक श्र

आभेह्रभ-वि० ता**दश पु० हु**बहू आक्ष-न० श्राकाश पु० फलक आ(भेऽपु'-अ० क्वि ग्रहना अ० क्वि० व्याक्षरभु-न० श्राभूषरा पुर गहना भा**का**-स्त्री० दीप्ति स्त्री**०** ग्राब भाभार-पुं० कृतज्ञता स्त्री**० एह** हान अलास-पुं व साहश्य पूर्व भासिकत्य-न० कुलीन पु० खानदानी भा**लीर-**पु'० **अहीर पु० ग्वाला** थालु'-पि० चिकत पु० दंग आसूष्ण्-न**े अतंकार पु॰ गहना** आभ-५°० त्राम्र-फल पु०; सामान्य; श्र० इस तरह

भाभसला-स्त्री० सार्वजनिक सभा स्त्री०

थ्याभद्दानी-रेत्री० उपार्जन पु० ब्रामदनी आमन्या-स्त्री० मर्यादा स्त्री० अदब थ्याभरख-व्यवजीवनभर अव ताजिन्दगी અ!भणवु'-स० ६० बाँटना स० कि० आभ'त्रश्-न० निमंत्रगा पु० न्यौता आभात्य-पुं० प्रधान मंत्री पु॰ वज़ीरे-खास

अरमुभ-न० प्रस्तावना स्त्रो० दीबाचा अरभेरह-पु'० श्रानन्द पु० मौज अ।अ-५ ० श्वाम ५० आयभुं-न० ब्रायुव्य पु• उमर आयतन-न० निवासस्थान पु॰ मुकाम અ१4तु'-वि० सहज प्राप्त पु० अविना-पुं ० दर्पण पु० श्रारसी आयवत-स्त्री० कमाई स्त्री० श्रामदनी अक्ष्यात-वि० **ञ्चायात पु० ञ्चामद अक्षित**्न० श्रागमन पु० श्रामद आयास-पु'० प्रयत्न पु • कोशिश आयु-न० वय स्त्री० उमर आ**4ुध**⊸न० श्रह्म पु० ह**ियार** आ**युर्वे ६**-५'० चिकित्सा शास्त्र पु० हकीमी

२भा**थुप-न० अवस्था** स्त्री**० उम₹** भारकं-न० धनुष पु**० कमान** अभरक्तू-स्त्री० श्रमिलाषा स्त्री० तमना **आरले-५' पीड़ा स्त्री० दर्द**. भारऽवुं--भ० ६० बेसुरा शोर मचाना अा० कि०

आरखुं-न० सुखा कंडा पु॰
अर:पंड-पि॰ बनवासी पु०
आरत-पि॰ दुःखी पु॰ दर्दमन्द
आरती-स्त्री॰ पूना स्त्री॰ इबादत
आरपार-अ॰ इस ब्रोरसे उस पार
तक अ॰

स्थारवा-पुं० श्वातमा स्त्री० हाइ स्थारं भ-पुं० प्रारंस पु० ग्रहस्त्रात स्थाराभ-पुं० विश्वाम पु० राहत स्थारिथुं-न० ककही स्त्री० स्थारिथुं-न० ककही स्त्री० स्थारिथुं-वि० कहाति पु० सवार स्थारेथुं-वि० कहाति पु० शरारती स्थारे।-पुं० तट पु० किनारा स्थारे।पुं-स्थ० क्षित्रारा श्र०कि० स्थाना

भारे। अम्निः नीरोगिता स्त्री० तन्दुहस्ती भारे। प्रमुं श्राचिष पु० तोहमत भार्त भिव० दुःखी पु० रंजीदा भार्यि ५-वि० धन संबंधी पु० भार्द -वि० गीजा पु०, नम; स्नेही भार्य भवि० श्रेष्ठ पु०; सम्म भार्यावर्त -पुं० भरतखंड पु० हिन्दुः स्तान

स्तान व्याहित-पि० जैन धर्मका पु० व्याह्म-स्त्री० स्वभाव पु० आहत व्याह्मपाडी-पुं० एक प्रकारका उनवारी पशु पु० अलपाका

आक्षम-स्त्री० संसार पु• दुनिया आक्षय-न० गृह पु० मुक्ताम भा**क्षरय-न० श्रालस पु० सु**स्ती आक्षंभ-पु'० आश्रम पु० प्रहारा आक्षाप-पुं ० स्वरालाप पु० रयाज आक्षिम-वि० पंडित पु० श्रालिम **आक्षि'भवं—स**० ६० मेंट करना स० छातीसे तगना भावीशान, आवेशान-वि० उत्तम पु० श्राली शान थाक्षेभ-५'० बिखा पड़ी स्त्री० दस्तावेज આલેપ-પું**ં હોવ** વું आदी। इतु -स० १५० देखना स० कि० **भा**व-स्त्री० श्रादात पु० श्रामद आवध-स्त्री० कमाई स्त्री० रिजक ्रथावंडार-पुं० सम्मान पु० इज़्ब्रत આવજા, (વ્વ)–સ્ત્રી**૦ आवागमन** पृ० श्रामदरफ़्त भावरत-स्त्री० कुशत्तता स्त्री० कमात

आवरेषु – स० हि० जानकारी करना स० कि० वाक फियत करना आवहाती–श्वी० आमदनी ज्ञी० आमद आवरेषु – त० आच्छादन पु० ढक्कन आवरेहा–पुं० स्त्री० त० आयुष्य ज्ञी० जमर

आवस-न० हालकी धुनी हुई क्यास स्त्री• आवश्यक्र-वि• स्रनिवार्य वि• सक्ती

ग्भावणभावण-स्त्री० बाल-बच्चे व्यापार-भ० इत तमग्र ग्र० इत बढ़ा भावास-पु'० निवास पु० मुकाम अ।वादन-न० निमेत्रण पु० बुलावा अविभ-पुं• आवेश पु० जोश आवेहन-न॰ प्रार्थना खी॰ फरियाद आवेश-y'• कोष पु० गुस्सा **भाश-**स्त्री० त्राशा स्त्री० उम्मीद अशश्च-y'० प्रेमी पु० श्वाशिक भाशना-स्त्री० प्रिया स्त्री० माश्रू**र** व्याशय-पुं • उद्देश्य पु • मकसद भाशरा-y'o आश्रय **पु० सहारा** आशा-स्त्री० आशा स्त्रो० उम्मीद **अ**।शिष-स्त्री० त्राशीर्वाद पु**० दुआ** भारी[']वाह-पुं० त्राशीष स्त्री० दुग्रा ·भाश्वर्य-न० श्रवम्भा पु० हैरत अश्वर्ययक्ति-वि० भौचक्का पु॰ दंग आश्रभ-५'० ब्राक्षम ५० अश्वय-पुं• श्राधार पु० सहारा **भ**ाश्वासन-न॰ धैर्य पु० दिलाम्रा व्यासक्त-वि॰ मोहित पु० फिदा भासन-न० चटाई स्त्री० **અાસનાવાસના–**સ્ત્રી ૰ श्राश्वासन g o दिलासा

भासपास-भ॰काजु बाजू अ॰ भासभान-न॰ आकाश पु० फलक भासभानी-सुसतानी-स्त्री॰ उत्थान-पतन पु० चढ़ाव-उतार

न्यासव-पु'० अर्क पु०; सहाया हुआ मद **आसाओश-स्त्री०-विश्राम पु॰ राहत** आसान-वि० सरल पु**० सह**ल भाशार्भा-पु'० व्यक्ति पु० शास्स आसुरी-वि० राक्षसी वि० थासे**ध-**पुं० जेत स्र^२० कैद आस्तिक-वि॰ श्रद्धावान पु॰ भारते-२० धीरे अ० बाहिस्ता भारथ:-स्त्री० श्रद्धा स्त्री**०** अक्षार-पुं० भोजन पु० ग्रिजा અાહીર-પું**ં અફૌર** પુ**ં ગાલા** भाष्डेऽी-पु • अ खेटक पु० शिकारी આહ્લાદ–y'o आनम्द **पुo खुशी** आહ्वान-न० श्रामंत्रग्र पु० न्यौता **अ**।श-पुं० श्रारोप पु॰ तोहमत भागवर्श-न० श्रपयश पु० बदरामी भाणस-न० आतस्य पु० सुस्ती આળાટવું-અ૦ ફિ૦ आलोटना स० कि**०** करवटें लेना २**भां**ક−पुं० चिह्न पु० निशान; माद; **सी**मा व्यक्ति-पुं ० संख्या स्त्री० गिनती; लेन-देन का हिसाब आंडिशी०-स्त्री० स्केल स्त्री० (ग्रं०) आंभ-स्त्री० नेत्र पु० चरम आंभभियामञ्—न० श्रॉखमिचौनी स्त्री• आंगर्शं-न० श्राँगन पु**० स**हन आंगण-न० श्रंगुलका नाप पु०

आशिक-वि॰ शारीरिक वि॰ जिस्मानी आंशी-स्त्री० वह पोशाक जो दूल्हेका मामा लाता हो स्त्री॰ आंश्व-वि० खेशेज संबंधी पु० फिरंगि॰ याना

व्यांय-स्त्री० जवाता स्त्री० सपट
व्यांवर्ण-स० कि॰ आँजना स० कि॰
व्यांट-स्त्री० अनवन स्त्री॰ अदावत
व्यांटेष-न० खरोंच स्त्री॰
व्यांटी-स्त्री॰ गाँठ स्त्री॰ पेच
व्यांटी-स्त्री॰ गाँठ स्त्री॰ पेच
व्यांटी-प्रा॰ फेरा पु॰ चक्कर
व्यांतर-वि॰ आन्तरिक पु॰ भीतरी
व्यांतरी-स्त्री॰ छोटी घोती स्त्री०
व्यांतरी-स्त्री॰ छोटी घोती स्त्री०
व्यांतरी-प्रा॰ गलेका रस्सा पु॰ गलपट्टा
व्यांदेख-पुं॰ यान्दोलन पुं॰ हलचल
व्यांद्राल-पुं॰ प्रज्ञाचलु पु॰ अन्धाः
विचार हीन

आंधी-स्त्री॰ धूल भरीतेज हवा स्त्री०; श्रंधापन

व्यांभट-वि० खट्टा पु० व्यांभक्षी-स्त्री० इमत्ती स्त्री० व्यांभावाडियु'-न० ग्राम्नवम पुं० श्रमराई व्यांभासु'-न० शुष्क द्राक्षा स्त्री० दाख

[ម]

धःशर-पुं• सममौता पु॰ इक्तरार धक्षु-स्त्री॰ देख स्त्री• गन्ना धन्ध्रपुं-स• िं॰ इन्द्राकरनास॰ कि॰ धन्ध्रा-स्त्री॰ श्रमिलाषा स्त्री॰ तमन्ना ध्यत-तः निमंत्रण पुरु न्यौता ध्यास-स्त्रीः स्वद्दरीः स्त्रीः ध्यार-स्त्रीः स्थान स्त्रीः पायजामा ध्यायल-स्त्रीः सम्मात पुरु खाबल् ध्यरायल-(तः यहृदी पुरु इवरानी ध्यरिया-पुरु स्त्र मजबूतः (किला); ईंडर का निवासी पुरु

धतापार-पुं • विश्वास पु • एतबार धतभाभ-वि० समस्त पु० तमाम धतर--थ० अन्य अ० ग़ैर धतराध-स्त्री० फ्रुठी हेक्सी स्त्री० धत्याहि-वि० आदि वि० वगै।ह धतिभाह-पु'० विश्वास पु० यकी न धतराज-वि॰ आपत्ति खी॰ एतराज **४**तिढास-पुं ॰ इतिहास पु॰ तवारीख धनकार-पुं**० अस्वीकृति स्त्री० नामंज्**री धनाम-न० पुरस्कार पु० इनाम धनायत-स्त्री० भेट स्त्री० **धनसाइ--पुं० न्याय** पु० इंबाफ धपादत-स्त्री० स्त्रति स्त्री० इबादत b्रभारत–रेशी० शैली स्त्री० लिखावट ⊌भाभ-पुं∘ **मु**ल्ला पु॰ क्राज़ी धभारत-स्त्री० अहालिका खी० हवेळी धिनेत**ढान-**५'० परीचा स्त्री० धराही-५० हेत् पु० इरादा **धक्षधप-पु'० उपाधि स्त्री • स्त्रिता** ब **धसम-पुं० हुनर** स्त्री • इल्म **४क्षा-स्त्री० पृथ्वी स्त्री० त्रमीन**

ઇલા]

धवा-अ० हे प्रमु । अ० या खुदा !
धवाध-धुं० प्रान्त पु॰ इलाका
धवाय-धुं० प्रान्त पु॰ इलाका
धवाय-धुं० उपचार पु॰ इलाका
धवाय-खो० संकेत पु॰ इशारा
धश्क-धुं० प्रेम पु॰ सुइन्बत
धश्तेकार-न० विज्ञापन खी० इश्तिहार
धश्-वि० प्रिय पु॰ दिलासन्द
ध्रसम-धुं० मतुन्य पु॰ आदमी
धर्काभत-खो० मात्र-मत्ता पु० मिलिका
यत

भे'तेल्यस-पुं० प्रबंध पु० बन्दोबस्तः भे'तेल्यस-स्त्री० प्रतीक्ता स्त्री० इन्तजार भेडिस-स्त्री० लक्त्मी स्त्री० भेडि-पुं० बन्दमा पु० बाँद भेडि-पुं० देवताओंका राजा पु० भेडिसेड-पुं० स्वगलोक पु० बहिस्त भेडिस-स्त्री० ज्ञान तथा कर्मका साधन

[શ]

भिक्षा-स्त्रीव हिष्ट स्त्रीव नजर भियपुं-सव द्विक टूंस कर खाना सव किव भीका-स्त्रीव कष्ट पुव दर्द भीका-स्त्रीव सुसत्तमानीका त्योहार भीका-पुंव आस्था स्त्रीव भीका-पुंव परमारमा पुव खदा भिवर-पुंव प्रमु पुव खदा भीका (भार्ष)-स्त्रीव द्वेष पुव जलन भीकुं-नव अंडा पुव

र्धिथ्-न० जलानेकी खामग्री ली० ईंधन [**छ**]

७ ६२ डे। – पुं० कू देका ढेर पु०; गंदगी ७ ६ था८ – पुं० धूप स्त्री०; संताप पु० तक्क लोफ

উঙাগাণ্ড'— स० ি ১০ गर्म करना स० कि०; विगाइना (हँसीमें)

७ क्षेत्रों — पुं॰ उकाता पुं॰ ७ इत — पुं॰ सूक्ष स्त्रीं॰ समक्षः, निका**त्र** ७ के**थपुं — स**॰ क्षि॰ सुरुक्ताना स॰ कि॰ ७ भर**ुं —** यि॰ उघादा पु॰ नंगेवदन ७ भाखुं — ने० समस्या स्त्रीं॰ उस्प्रकाः;

७भाभवुं+स० ४० मोंस्ता स० कि० ७भार-पुं० रक्षण पु॰ बचाव ७भ-वि० कोषी पु० गुरसेबाज ७धराष्ट्री-स्थी॰ उघाई स्त्री० वस्तुती ७व्यतम-वि० सर्वोच्च पु० सबसे ऊँचा ७२थतम-वि० सर्वोच्च पु० सबसे ऊँचा ७२थार-पुं० उच्चारण पु० हिज्जा ७२थास-पुं० उरसव पु॰ ज़तसा ७२७४-पुं० उरसव पु॰ ज़तसा ७२७५।स-पुं० सँव स्रोचना स्रोर निकालना

ઉછर'ग-पु'• श्रानन्द पु• खुशी ઉછળाभधी़-स्त्री• दञ्जान स्त्री•, उत्सव में पैसों श्रादिकी खुट कराना **ઉ**જાળવું]

ઉછाणवु'–स • कि० बञ्चालना स० कि• केंचा फेंकना ઉછाणे।-y'o छलाँग स्त्रीo ઉષ્ઠાंछणुं-वि॰ **ऊधमी** पु॰ नटखट **ઉ**छेरवु'-स॰ क्वि पाल-पोसकर खिक्रभाणु'-वि० उमंगी पु० हौसके वाला Gw रेड्र'-न० अरुगोदय प० फ़जर Goraell-स्त्री • संबंधियोंकी दावत स्त्री • **७०४०७'--**न० व्रतका उद्यापन पु• **ઉ**જળિયાત-વિ० उच्चवर्ण पु० खान-GMगरी-पुं• जागरण प्• रतजगा Gलशी-स्त्री० संबंधियों की दावत स्त्री० Gপ्रश्न-पुं० प्रकाश पु**० रोश**नी @लणवुं-स० कि० उजालना स० कि० रोशन करना Good-वि॰ उजाइ पु॰ **ઉ**ळळवस–वि० स्वच्छ पु० साफ ि अरेडो-पुं• शरीर पर कांटे ब्रादिकी खरोंच पु॰ ઉટાં**ગ**–વિ૦ નિરાધાર ૧૦ ઉઠાઉગીર–વિ૦ જેમાગૂ વૃ૦ G&व-y'o ऊँचाई स्त्री०; दिखावा **ઉ**ડाઉ-वि० अपन्ययी पु० फ़ज़्त्स्वर्च Gs1qq'-स० क्वि० सङ्गान सं कि०: फैलाना

७३थन-न० उड़ान स्त्री०

उत्तरुन्नी० बत्तनपर बर्त्तन रक्ते जानश **ઉतर**श-स्त्री० उतार प्० ढलाव **उत्तराध-स्त्री** मकर संकान्ति स्त्री • ઉतार-पु'० **घोट** स्त्री• Gतावण-स्त्री • व्ययता स्त्री • तकाजः उत्कर-वि० तीन पु० तेम अरें के प्रति स्त्री • तरककी **७**८५**५४-**वि० व्यम्र प० उतावला उत्**५'५**-५ं० कॅपकषी स्त्री० धर्राहट ઉ(५४-वि० उत्तम पु० अच्छा उत्तभ-वि० सर्वश्रेष्ठ पु० सबसे अच्छाः उत्तर-वि० पिछला; बायाँ; स्त्री• एक दिशा प् जवाब Gत्तरीय-न• उपवस्त्र पु० दुपट्टा उत्तान-वि० चौडा प० उत्तीर्श-वि० सफल प० कामयाब उत्ते∞ क्र-वि० उत्तेजनाजन्य प० जोशी ख३ **७त्तेिलत-वि० उ**हीप्त प्∙ जोशीला ઉत्तपत्ति-स्त्री० जन्म पु• पेदाइङ ઉत्पात-पुं० ऊधम स्त्रीव्शरारत ७८५।६न--न० उत्पत्ति स्त्री० पैदाबार G(सर्ग-५० त्याग **प**० ઉत्सव-पु'० सुख-सम्मेलन पु० जलस**ध** ઉત્સંગ-પું દી હા પુ• ઉत्साद-पु'० उमंग पु॰ जोश Gत्सुड-वि० श्रातुर पु० लालायित ७थक्षाववुं चस० क्वि० उथलना स०कि० श्रींघा करना

3६, ३६६-त० जल प० श्राब

ઉદ]

ઉદ્દધि-भुं ० सागर प० बहर **ઉદય-**पुं॰ उन्नति स्त्री॰ तरक्की किथारत-पुं∘ उत्थान-पतन पु• उतार-चढाव ं**3६र−न**० पेट पु० ઉદरशी-वि० श्री० सगर्भा खी० 'बिधर्'-ुं व्यविद्याम पुरु नतीजा **3६वं-थ० कि० उदय होना श्र० कि∙** St'त-५° समाचार पु• खबर **बिधर-वि० दयालु वि॰ रहम**दिल **ઉ**हास-वि० **बि**न्न पु० ग्र**मगी**न **ઉદादरश-न० दष्टान्त पु॰ मिसाल** 'बिह्धार-पुंo उद्गार पुठ बोल **अइ।भ-वि० निरंकुश पुर बेकाबू** Bein-वि० दीन पु० ग्ररीम; उत्साही 'डि**देश-!**व० अभिप्राय पु० इरादा **उद्देश्य-वि० हेत्र वि० म**कसद ઉદ્ધત–વિ૰ उच्छंखल पु• नटखट; मन्य 3दार-y°• मुक्ति स्त्री० छुटकारा उद्देशव-पु**ं** जनम पु० पैदाइश Bहुिंखिळक्र~न० वनस्पति स्त्री• '3an-वि० परिश्रमी वि० मेहनती: तैयार

त्वार उद्यभ-पु'० परिश्रम पु० मेहनत उद्यान-पुं० उपवन पु० फिरदौस उद्योग-पु'० परिश्रम पु० मेहनत उद्रेड -पु'० श्रतिशयता स्त्री० जियादती

अद्भिन-पि० खिन्न वि० रामगीन ®धभात-पु'• ऊधम स्त्री• शरारत ઉધरस-रेत्री० खाँसी स्त्री० ઉधरावे।-प्रं० ब्राहचि स्त्री॰ नापसंदगी ७४।न-न• ऊँची चढ़ाई स्त्री० ઉधामे।-प्र'० प्रयत्न पु**०** कोशिश अन्थर-पु'• अनुचर पु॰ नौकर Gनाणा-पुं प्रोध्म ऋतु स्त्री गर्म मौसम Gन्नत-वि० उच्च वि० केंबा ઉન્નkते–स्त्री० **उत्कर्ष पु० फलाइ** G-भत्त-वि० मतवाला वि० भ**दहोश** ઉन्भूसन-न० जद-मृत से नाश प्∙ नेस्तन।बुद अपृत्त-वि• श्रामारी वि• एहसानमन्द ७५५भ-५°० शरम्भ पु**० शुरुआत ९५**०४न-५'० परिवार पु. कुनवा ઉપજાવવુ'-स० उत्पादन क्र**ना स**० कि॰ पैदा करना ઉपताप-पुं• पीड़ा स्त्री• दर्द ઉપદ'श–पुं० दशंन पु∙ डंक अपद्रव-पु'० विद्रोह पु० बगावत ઉપધान-न० तकिया पु**० बा**लिश **ઉપનाમ-ન० उपनाम प० तखल्लुस** ઉपनेत्र-तं० **उपनयन प्० च**श्मा ઉपमा-रेशी० उपमा स्त्री• तश**दीह अपये।य- पु'० प्रयोग पु० इस्तेगाल ९५२७**शु'-वि० जनस्वाला वि०

3२-न० वत्तस्थल पु० सीना

ઉપરઽપકે]

Quazuk-wo त्रवर क्रवर से श्र० **ઉપરણી-**स्त्री० श्रोड्नी स्त्री० **७**५२।७ -न० पत्त पु० तरफ़दारी **ઉ**पवास-पुं ० लंघन पु ० फ़ाका ઉપसागर-पु'० समुद्रके पासकी **खाड़ी** स्त्री० **३५सा८-५'०** फलाव प० सूजन **९५२**% - स्त्री॰ उपपत्नी स्त्री॰ रखेली ઉप&न-वि० नष्ट वि• वर्षाद ७५७१२-५'० मेंट स्त्री० तोहफाः ઉपदास-पं० हॅसी ठड़ा प्र• मखील @पाहेंथ-वि० लाभप्रद वि० फायदेमन्द **ઉપાधि**-स्त्री० पीड़ा स्त्री० दर्द; पदवी **७५।४-५'० डब पु० तरक्षीब ઉ**पासना-रश्ली० पूजा स्त्री० इबादत **ઉપાહાર**−५'० कहेवा प्• नाश्ता ઉપાेદ્ધાત-y'∘ प्रारंभ पुं॰ शुरुआत ઉપે\ષણ-ને० उपनास प• फाका ઉક્ષ્રાટ સુક્ષ્રાટ-અ• श्रागे-पीछे श्र• **ઉ**ક્રરાંતિયાે-५० मय ५० खौफ़ ઉપાળુ'-ન૰ फोड़ा पु० Gभरडे।-Y'० उद्गम्बर पु० गूलर **ઉभ**णके।-पुं० प्रेमोदेक पु० मुहब्बत **उम**इना ઉभ'ग-y'∘ उत्साह q० जोश **ઉ**भासी-वि॰ उदार वि॰ रहमदिल ઉમे६-२बी० **धाशा** स्त्री० उम्मीद अभेरव्'-स० कि० वृद्धि करना स०कि० बढ़ाना

ઉલ्લ'ध्व'-स० bo लाँघना स० कि• রেলাগ্য-বিত কম বলন দ্বী স্থার মূকাক विव ઉલ્લાસ-५'० श्रानन्द ५० खशी ३६५-वि॰ मर्ख वि॰ वेबकुफ **६वे भ**--प्र°० श्रनादर ए० तौहीन **६१.**२व'-स॰ क्विं पेक्स स॰ विव @श्टेरवृ'_स॰ हि॰ उत्तेजित करना संक कि॰ उभाइना ७०८-**न० ऊँ**ट पु• शुतुर **ઉसरऽवु'–स॰४० एकत्रीकरण स॰**ङि⊸ इकट्टा करना Gसास-५'० रंबास पु० साँस [31] @seq'-अ०क्षि॰ गाँठ का खुलना श्र॰ कि० बात सुफाना জীঃগ্র'-২০০ ৡি০ गर्म होना अ० कि । ઊખડવુ'–અ० ১৯০ उखाइना अ० ক্রিত ઊખડી-સ્ત્રી • ત્રોં હતી સ્ત્રી •

७ भगी-स्त्री० स्रोत्वनी ह्यी॰

अगभ-स्त्री० पूर्व (दिशा) पु॰ पूरब

ઊધঙরুं-અ**ৃ ঠি**৹ জ্বনা अ৹ কি৹

भिक्लना

জিগ্ৰ'-**সত্ঠিত ভব্য होनা স্থ**০ কিত

अध्ययं - अ० ६० छलकना अ० कि०;

(व्यंग्यमें) शादी

ઊચકવું]

জ্ব-১ প্রত্ন ক্রিনা থ জিন্ত জ্বাধা-ডু' • ব্যুত্ত কর লী-বী गई কেন স্ত্রীত জ্বাধ্বপু' – নত ি কিন্তু ৰীলনা থ ত ফিন্ত জ্বাভাবপু' – নত ি কিন্তু নীয়া হীনা প্রতি ফিন্তু দুয়াৰা

জিপ্ম-ট্র'০ समंग প্লী০ জীয় জ্বিপ্বপ্র'-২০ ট্রি০ বন্ধের কানা মৃত্ ফিল: নুনকা বস্তাদন কানা

এপ ্র'-বি ॰ उড দ্বল পু০ বদকীলা নিঠ্বু-খ • ধি • ব্যৱনা স্ব ০ কি ০ মি এবু-খ • ধি • ত্রবনা স্ব ০ কি ০ নিবপু'-খ • ধি • ত্রবনো স্ব • কি ০ নিবপু'-খ • ধি • স্মীধা হীক্ব নিবনা স্ব ০ কি •

शिथंते।-पुं० तथककर गिरना स॰ कि॰ शिन-स्त्री॰ उन स्त्री॰ स्फ्र शिनुं-नि॰ उच्या वि॰ गरम शिष्ठ -स्त्री॰ उत्पादन पु॰ पैदावार शिष्ठ -स्रि॰ अवाना श्र० कि॰ शिष्ठ -पि० खदा वि० शिष्ठ -पि० विषदीत वि० मुम्नालिक शिस-स्त्री॰ गन्ना पु॰ दंख शिस-स्त्री॰ निन्ना स्त्री॰ नीद शिप्ते -पि० गन्ना पु॰ दंख शिस-स्त्री॰ निन्ना स्त्री॰ नीद शिप्ते -पि० गन्ना स्त्री॰ नीद शिप्ते -पि० गन्ना स्त्री० नीद स्त्री० निन्ना स्त्री० नीद सि० निन्ना स्त्री० नीद सि० निन्ना स्त्री० नीद सि० गन्ना सि० गन्न

[એ]

એકચિત्त-वि० तल्लीन वि० मशगूल એકટાહુ'--त० एकासना पु० એકડું-वि० एकत्र वि● इक्ट्रा એકડો--पु'० शुद्ध पु० सदी એકતરપી-वि० एक पत्तीय पु० इक-

तरफा

એકતા-સ્ત્રી० संगठन पु**० एका** એકત્ર-भ० एक स्थानपर अ० इकट्टा એકદમ-અ० तत्क्षण ग्र॰ फौरन એક્શ-અ० एक समय अ० एकबार એકદૂધ-वि० सगोत्र पु० हमनिवासा એક भारें-वि० सहश वि० यकसाँ એક ध्यान-वि० एकाप्रता स्त्री॰ मशगूली એકમ-५ • एकमात्र ५ •: पहली तिथि એકમાગી'-વિ৹ समार्गी वि• नेकचलन એકर-५'• एकड स्त्री∘ એક>स-वि० आई वि∙ नम એકલ-**વि० श्रकेला वि० प्र**खलिस એકલપેટુ'-वि॰ श्चापस्वार्थी वि॰ खुदरार्ज **એ**ક્લું-वि० श्रकेता वि• मुजलिस એક 'हर-वि० समस्त वि० तमाम એકाએક-अ० अकस्मात् ग्र**० श्रचानक** ओ**आअार-वि० एकमेक वि∙** એકાકી-वि० अकेटा पु० मुखलिस એકી-वि० विषम संख्या એક्डो-५ ० अचेत प्र• बेहोश ओभरा-पु'० कूड़ा कर्कट पु०

ओल रट-प्रं∙ आदतिया पु॰ दहाल ओडी-स्त्री० पैरकी एकी स्त्री० ञेशी-अ∘ प्रथम अ० पहला क्रोही-वि॰ आलसी प॰ सुस्त એधान-न॰ चिह्न प० निशान ओन-वि• ग्रुद्ध पु० खरा ओनायत-स्त्री० भेंट स्त्री० इनायत **એ** भ-स्त्री • दोष प० खामी: कलंक क्रीभ-अ० इस प्रकार श्र० इस तरह क्येरि'ग-न० कर्णफल पु० इयररिंग (अं.) ओरे।-पु°० आवागमन पु॰ श्रामद∙रफ़त **એલ**थी-पुं• राजदूत पु• एलची अक्षतेभास-स्त्री • पूत्रा स्त्री • इबादत ઐश-स्त्री० श्रानन्द पु० ऐश में ८-स्त्री० हर प्र• जिह; टेक [ઐ]

भेभ-त० संगठन पु॰ एका
भैथ्छित्र-त० वैकल्पिक पु॰ नालाजिमी
भैतिद्धासिक-वि॰ इतिहासका वि॰
तवारीखी
भौदिक-वि॰ सांसारिक वि॰ दुनियायी

ইনাধ আ- অও আ নানা অও ইনাধ কি ব্যান কৰো বও কিও ইনাপাৰ্ব-স্থাত বাদ্যৰ্য দুও শ্রীন্ধার ইনাগত বুঁ-অও ডিত হবির হানা মতকিও বিবল্পনা भे। धर-वि॰ मर्ख वि॰ वेश्वक्ल श्रीयरवं_स० (५० बोलना स• क्रि॰ थे।थिंतं-अ० श्रकस्मात् श्र० यकायक ओ2७व-पु'० उत्सव पु॰ जलसा ओछाउ-पु'० चहर स्त्री॰ ओछाये।-प्र**ं** • छाया जी० साया એાછાવું-અ ફિલ્ कम होना अ कि **ओ**छिये।-पुं•सार-संभाल स्त्री॰ निगरानी माध्य'-वि॰ थोदा वि॰ कम ओलस-न० तेज पुरु नूर मान्य-स्त्री० थपद स्त्री० तमाचा ओल'पे।-५'० छज्जा ख्री० शर्म भाजी-y'o क्रम्भकार पु**०** क्रम्हार ओ८७:-न० बिखया पु० सिताई ओडाम्थ-वि॰ सहायक वि॰ सददगार ओडालु - अ० ६० आकर्षित करना क्ष ० कि० ओड़'-न० पुतला पु॰; खेतमें गाड़ा हआ नक्ली आदमी એાડાં-પુંo ચૌકો સ્ત્રો**• થાના** એાહણી-સ્ત્રી • શ્રોદની સ્ત્રી • भे।७।८-५'० चहर स्त्री॰ थे।**श्-भ**ः इस सात ग्र• मे।त प्रेरत-वि० लिप्त वि० सरामोर थे।तरातु'-वि० उत्तर दिशाका वि० श्रीतार् -वि अपरिचित वि अजनवी भे।थ-स्त्री० आश्रय पु॰ सहारा; मदद ओथी-y'o झाया स्त्री• साया

એાધરવું]

એાધરવુ'-અ૦ કિ• प्रस्थान करना श्राठ क्रि॰ रबानगी ओह्रो-पु'० पद प्० श्रोहदा ओ। Y-y • शत स्त्री • नूर ओक्षा-स्त्री• पी**ड**ी स्त्री० दर्द भे। हिस-स्त्री • कार्यालय पु॰ दफ्तर क्रीर-विरुधन्य पर गैर; अनीसा भारत-स्त्री० नारी खी**० श्री**रत भारता-पं • खेद पुं • रंज भारती-स्त्री० बवाई स्त्री॰ ओ।२वं−स० क्वि• बोना स• कि• क्यारवा-प्र'० कोड स्त्री • गोद ओ।२'ो।-५'० तरंग स्त्री• बाहर भारु'-वि० निकट वि० नजदीक मेशिववु -स॰ हि॰ बुझाना स॰ कि॰ भे।<।६-स्त्री० सन्तति स्त्री**॰** श्रीलाद म्भेक्षियं-वि० उदार वि० रहमदिल એાવારણ -ન•શ્રાશીર્વાંદ દેનેકી एक રીતિ म्भावारी-भुं तट पुर किनारा ઐાવાળવુ'–સ∘િક્ર૦ आरती उता-रता स• क्रि० **ओश-**स्त्री० वत्तस्थल पु० सीना ओष्ट-पुं० श्रधर पु० होंठ भे।स-y'o श्रोस स्त्री० शबनम भे।सऽ-न० श्रोषधि स्त्री० दवा∙दा**⊊** भासववु -स०क्षिण्यानी नितारना स०कि० એ સવાલું – અ૦ ક્રિ૦ માપમેં सिजाना श्र० कि०

भे।सार-पु'• मय पु॰ खौफ ओ।शा-स्त्री० पराजय स्त्री० शिकस्तः गली-कचा भे। अभ-स्त्री o परिचय पु o जानपहिचान એાળખવુ'-સ૦કિં जानना स० कि० पहिचानना भागवव -स. कि. ब्रा रीतिसे है हेना स० कि०: छिपाना ओलवे।-पु'० घर पु० मकान ? એ।ળ'ગવ'-સ૰ કિં ० लॉंघना स० कि ० थे। ए'-वि० ज्ञाद वि० कमीना ओेंगा-पुं ० प्रतिबिंब पु० परछाई િએાો थै। थित्य-न० उचितता स्त्री॰ वाजिबी थै।हार्थ -- न० उदारता स्त्री॰ मेहर આહી ગિક-વિ• उद्योग संबंधी वि• थै।२स-न॰ सन्तान स्त्री॰ श्रौलाद थै।षध-५'० श्रोषधि स्त्री० दवा [ક] **કક્રઙતુ'-વિ∘** तप्त पु० गर्म **५५७५०**~-वि• दढ़ पु० मजबूत

५५४८-५ ० वेग पु० सपाटा

३५२७'-वि० क्ठोर वि॰ सस्त

કકલા⊌्−ન० स्राह्वान पु० पुकार કકળતું–અ∘ક્રિ૦ व्याकुल होना स्र०कि०

घवराना

५५ડी-(व० कठोरतासे वि० सख़्तीसे

કક્ષા]

क्क्षा-स्त्री० स्थिति स्त्री० हालत; दर्जा अगरवु'-अ० क्वि निवेदन करना अ० क्वि० अर्ज करना

डम्थ-पुं॰ केश पु॰ बाल
डम्थडम्य-स्थि॰ व्यर्थ बातें स्त्री॰ बक्तवास
डम्थडमाववुं-स॰ डि॰ कसकर बाँधना
स० कि॰

ड्यडियुर्यु-ियः बात्नी पु० बकवादी ड्यडेडुं-न्न० कचकहा पु० ड्यडेडुं-पि० कमघट पु० हंगामा ड्यडुं-िये० कोमल वि० नर्म ड्यरेडूट-स्त्री० परिश्रम पु० मेहनत ड्यरेप्यर-िय• कच्चा-कोरा पु० श्रधः

अयरवुं-स॰ ४० क्रुचलना स० कि॰ अयरं-न० कूदा-कर्कट पु० कचरा अयववुं-स० ४० व्यक्ति करना

कचरा

स० कि० दिल दुखाना \$थ्यायट-पुं० सरपच्ची स्त्री० मग्रजपच्ची कथाक्ष्यी-स्त्री० तनातनी स्त्री० घदावत कथाक्ष-स्त्री० कच्चाई स्त्री० कच्चापन कथाणुं-न० कटोरी स्त्रा०

डेव्यरधाष्ट्र-पु'० बिनाश पु० पायमाली डेव्थ-पु'० कोपीन स्त्री० लंगोटी; किना-

रेका प्रदेश अध्यं-वि॰ बुरा वि॰ खराब अध्ये: -स्त्री॰ कोपीन स्त्री॰ लंगोटी अध्ये: रे-ने॰ गन्दा लड़का पु॰ क्षेत्र-स्त्री० विपत्ति स्त्री० आफ्रतः मौत क्षेत्रया-पुर्ण क्षेत्रम् स्त्री० तकरार क्षेट्रके-न० सैन्य पुर्ण सरकर क्षेट्राइटे-(टी) स्त्री० वैर पुर्ण प्रदावत क्षेट्राइटे-पुर्ण न० स्टास् स्त्री० अदा क्षेट्राइटे-स्त्री० कटारी स्त्री० स्त्रंतरः स्रस-

वारका कॉलम

३िट (टी)-स्त्री० कमर स्त्री०

३िट (टी)-स्त्री० कमर स्त्री०

३िट (चे० वहुवा वि०

३ेटोइटी-स्त्री० वैर पुं• दुश्मनी

३टोरी-स्त्री० छोटी कटोरी स्त्री०

३८ेडो-पुं• वाच्च पु० मरोस्ना

३८ेडो-पुं• वाच्च पु० मरोस्ना

३८ेड-वि० विदेय वि० बेरहम

३८-स्त्री० कटि स्त्री॰ कमर

३८५-वि० कड़ा वि० सहत

३८५ प'आणी-वि० सर्वया रिक्न वि०

विस्तुकुल खाली

डेडेहें।-पुं° कम देना पु॰ डेडेप्प-स्त्री० ज्वार बाजरी की सूखी पौध स्त्री० कडवी डेडेवुं-वि• कडुवा वि०

ड्याड्रेट-स्त्री० सरपच्ची स्त्री०मराजपच्ची डयाड्रा-पु'० हड़ाके की स्नावाच स्त्री० डियाणी-वि० स्त्री० लोहे की कड़ी स्त्री हुई सहड़ी स्त्री० डियो-पुं॰ थवई पु॰ राज
डिडी-स्त्री॰ श्रॅंकोहा पु॰ कही
डिडीतेड-वि॰ हद पु॰ मजबूत
डिडेटाट-स्थ॰ सपाटाबंध श्र॰ दनादन
डिडापी-पुं॰ इंबेस पु॰ तक्किफ
डिडेयस-वि॰ ख्ब गर्म किया हुआ वि॰
श्रीटाया हुआ

डध्-पुं० कन पु० दाना डिध्युये-पुं० अनाज बेचनेवात्ता पु० डतरातुं-वि• भयभीत वि० दरा हुन्ना डतस-स्त्री॰ हत्या स्त्री॰ क़रत्त डतार-स्त्री० पंक्ति स्त्री॰ क़तार डयनी-स्त्री० कथा स्त्री॰ क़िस्सा डथपायुं-अ०डि॰ विनष्ट होना अ०कि०

-वर्गाद होना કथा-स्त्री० वार्ता स्त्री० किस्सा इद्दमणेशसी-स्त्री० चरग्रस्पर्श पु० क्दम बोसी

क्षद्र-स्त्री० सम्मान पु० कद्र क्षद्र-स्त्रीप कृष्ठप वि० बद्दुमा क्षद्राय-व्य० कदाचित् द्य० शायद् क्षद्राय-वि० सुदृद् वि० मजवूत क्षदी-व्य० कमी अ० क्षत्रक्षे च्या पु० क्षत्रक्षु चरना क्षेत्रायक्ष्या पु०; द्वका

કेने--थ० समीप **अ० नज्रदीक ५नेवाणिया-पुं॰ चोरका बाहर खड़ा** साथी पु॰ डन्नावु'-२५० डि० एक बाजू सुका हुआ। अप्रिकः **५न्या**–स्त्री० पत्री खी० बेटी **५५८–**न० प्रपंच पु**० द**ग्रा **३५८ी-वि० प्रपंची पु० दशाबाद्य ५५२'-**पि० दुह्ह वि० मुहिकल **५५।त२-वि० कुंपात्र वि० नालायक કપાશિયા-** ५ ० विनौला पु• **५५।ण ५८-**स्त्री० सरपच्ची **ज्ञी० मग्रज-**दचची **કे पेति-न० पारावत पु० कबूतर કપાલ-**पुं० गाल पु० **કપાલકલ્પિત-વિ**० मिथ्या वि० बनावटी **ક**ફા-વિ० कुद्ध पु० खफा ¥हे।ऽू'-वि० बेढंग वि० **५५००० शि.**–५°० संपत्तिपर क≅जा करके रकम छेना पु॰ **५५० भात−**स्त्री० कोष्ठबद्धता स्त्री० **કખજો–**પુ′० अधिकार पु० क्रब्जा **५**५५-वि० मूर्ख वि० वेश्रक्त ५५५९ -स० lह० दुःख देना स•कि• सताना ५५२-स्त्री० समाधि खी० मजार **ક**પ્પાડ–वि० बुरा वि० खराब

િકમ ણક

डेम्पांडुं-पुं• न० नीच काम पु० कवाड़ा डेम्पांडी-पुं• विनिमय पु• बदत्ता डेम्पांडी-पुं• कुटुम्ब पु• कुनवा डेम्पूंड-पि० स्वीकार पु॰ मंजुर डेम-पि• अल्प वि• घोड़ा ; खराब डेमडेमपुं-स• डि॰ कॉपना अ॰कि०

अभवन्ते—२५० व्यर्थ द्या प्रज्ञूल
अभव्यति—२५० दुर्वलता स्त्री नातवानी
अभवाष्ट्रम्ब पु॰ बङ्गा
क्षनवा

थरीता

डमनसीय-वि० अमागा पु० कमनसीब डमनीय-वि० सुन्दर वि० खूब स्रत डमाउ-न ० किवाड पु० ; दरवाजा डमाधी-स्त्री० उपार्जन पु० रिजक डमान-स्त्री० घनुष पु० कमान डमार्थ-स० डि० उपार्जन करना स०कि

डेभी-वि० श्वभाव पु० कोताही डेर-पुं० हाथ पु० दस्त, लगान डेरअड-पुं० पाणिग्रहण पु० निकाह डेरडेटी-स्त्री० शव ले जानेकी अर्थी स्त्री० डेरडेसर-स्त्री० उचित ब्यय पुं० वाजिब स्वर्च

डे२थ–स्त्री॰ लकड़ी का बारीक टुकड़ा पु॰ डे२०४–न० ऋग्रा पु॰ कर्ज डे२०४७्-वि० देनदार वि॰ मक्तहज्ज

४२ऽपु'-स० कि० मुँद्से काट खाना स०क्रि० **३२८।४१-२०१० कठोरता स्त्री० स**स्ती **५२५'-**वि० वठोर वि० सख़त **५२७**-- न कारण पु वजहः, कान **५२**थ्री-स्त्री० श्राचरशा पु० चालचलकं કરપી-વિ० मंजी पु० कंजूस **५२ल-५'० हाथीका वै**च्या प्र• **કરભીर**–५ ० सिंह प्∙ शेर **५२भ**-न• कृपा स्त्री० मेहरवानी **કરમાવુ'-અ० ક्રि॰ चिदाना प्र**৽क्रि॰ **५२।ऽ−**स्त्री० तलवार **स्त्री∙** तेश **५२।२-५'० ठहराव ५० इक्तरार; सम**भौतः **५रियावर-पु'० विवाहकी विदाईकी मेंट ક**री–स्त्री० संयम पु० परहेज; पु० दार्थीः **५२७।-स्त्री॰ दया स्त्री॰ रहम ५२७।**निधि-पुं० दयानिधि पु० रहमानः **५रे।-धुं० घरकी बाजूकी दीवाल** स्त्री० **५राँऽ-**स्त्री० कोटि पु० करोड़ કર્કશી–વિ• સ્ત્રી૦ દુષ્ટા સ્ત્રી૦ कुत्तटाः **४७ - पुं∘** कान पु० गोश sa ou-वि० कर्म पु० फर्ज **क्षतीं-वि० पुं० करनेवाला वि० क्षेप्र**ेट-न• वस्त्र पु० कपडा **ક**र्भ-न० कार्य पु० काम ५भ^९७५-२३ी० मनोरंजन^{्य}० दिलबह०

डभी - वि॰ भाग्यशाली पु॰ नसीवदार डभी - पु॰ आकर्षण पु॰ खिंबाव डभी ड- पु॰ कृषक पु॰ काश्तकार डसडसाट-पु॰ मधुर ध्वनि स्त्री॰ मीठी स्रावाज

क्षशे—स्त्री॰ कत्तेगी क्षी॰ तुर्रा; गोटा-किनारी का तुर्रा

क्षेत्र-न॰ पत्नी स्त्री॰ बीबी केश्वदार-वि॰ कलाबिद् पु॰ हुजरबाजः, रुग्या

अस्पित-वि॰ कालानिक वि० खयाळी अक्षम-स्त्री॰ लेखनी स्त्री॰ कळम अक्षम-स्त्री॰ मेशी पु० ऋजीनवीस असरव-पु॰ मधुर व्यक्ति स्त्री॰ मीठी श्रावाज

असश-पुं॰ कल्ला पु॰
असंश-पुं॰ कल्ला पु॰
असं-पुं॰ द्षण पु॰ तोहमत
असं-(णा) स्त्री॰ हुनर पु॰ इल्म
असंस-पुं॰ शराब बेचनेवाला पु॰
असि-(णा) पु॰ दंटा पुं॰बखेदा; कलियुग
असुध-वि॰ मेल पु॰ गन्दगी
असेपर-वि॰ सेता पु॰ जिस्म
अस्थ-वि॰ पापी पु॰ बेरहम
अस्थित-वि॰ कल्पना जन्य पु॰ स्वाती
अस्थी-स्त्री॰ एक श्रामूषण पु॰ एक
जेवर

३९क्षे।स−५'० त्रानन्द पु० लुत्फ इवय-न० कवच पु० बख़्तर; ताबीज इवडी-स्त्री० कोंबी स्त्रीं ।
इवन-न० कविता स्त्रीं । शायरी
इवनी-पुं ० कवि पु ० शायर
इवडुं-न० नल पु ०
इवडुं-स० कि कविता करना स० कि
शायरी करना; यश गाना
इवाध्-न० लांडन पु० तोहमत
इवाध्-न० लांडन पु० तोहमत
इवाध्-न० लांडन पु० तोहमत
इवाध्-न० स्त्रीं ० सैन्य शिक्षण पु० लश्करी
तालीम
इवि-पुं० काव्यकार पु० शायर
इशुं-वि॰ कुञ्ज वि० सरा
इक्ष्मक्ष-वि० दृषित वि॰ सराब
इक्ष्म-न० संताप पु० तक्षलीफ

५४-न॰ संताप पु० तक्तलीफ ५४।वु'--अ० क्वि॰ कच्ट देना अ० कि क तक्तलीफ देना क्वस-पुं० कसौटी स्त्री॰; सार; ताक्रत ६सक्यवुं--अ०क्वि॰ ख्यकसकर

र्थोधना श्र० कि.• ५सप्प-पुं• रेशमके साथ बुना हुआ। सोने चाँशैका तार; रोजगार

क्षान पार का तार; राजना क्ष्मभी-वि॰ कत्ताविद वि॰ कारीगर क्ष्मभी-पुं॰ प्राम पु॰ गाँव क्ष्मभ-पुं॰ सीगन्ध पु॰ क्षसम क्ष्मर-स्त्री॰ क्मी स्त्री॰ खामी क्ष्मरत-स्त्री॰ व्यायाम पु॰ वर्जिश क्ष्मरत पाल-वि॰ व्यायाम पु॰ वर्जिश क्ष्मरत पाल-वि॰ व्यायाम पु॰ वर्जिश

क्षरायुं -- अ० क्षि० कोर-कसर निका**सना** अ० कि०

કળપી-स्त्री० खरपी स्त्री• **३सधी**-स्त्री० कसौटी स्त्री० કળવિકળ—સ्त्री• विश्राम पु० चैन असव्'-स॰ क्वि० खुद कसना स० कि॰; કળવ'–कि० स० सममता स∙ कि• आषमाइश કસાઇ-y'o पश काटनेवाला पु॰;ख्नी डणबा इणशियाः े युं • कलश पु० असायेसं-वि० अनुभवी वि• तुजुर्वेकार કસ'એ।-५'० पानीमें घो**ला हथा श्रफीम** अणाध-स्त्री० पूँचा पु• कलाई प्रः लाल रंगकी सादी **ક**સર-स्त्री० अपराध प्० इसर કસોટી–स्त्री० कसौटी **छी: पर**स **ક**સ્તी–स्त्री० पार**सी का यशोपवी**त पु• अस्तूरी-स्त्री**० कस्तू**री स्त्री• કહવાવ'-स० कि० सन्देश मेजना स∙ कि॰ कहलाना કહાधी-स्त्री० वार्ता स्त्री॰ किस्सा ३6ान-y'o कृष्ण प्• **३**ढार-वि० कर वि• जुल्मी <u> अदेश--न० सन्देश पू० पैशाम; न्यौता</u> **કहे**वत-स्त्री० लोकोक्ति स्त्री० कहावत अहेर-थ० तिस्सीम अ• बेहद इहेव्'—स० क्वि॰ कहना स• कि॰; ठौंसा এছা। এই - वि श्राज्ञापालक वि <u>ह</u>ङ्गमी-**ક&क्षार~न० श्वेत**्कमल पु• ७१—स्त्री०यक्कि स्त्री० तचवीत्रः स्रवामान **३०१३०-२०० सरपरुची स्त्री० मग्रजप**रु**ची**

३० ५व -स० कि मतकके पीछे दान

बोलना स॰ कि॰

क्षणापे। प्र'o सदन पo रोना કળાવુ°--અ० ફि० प्रदरीन करना श्र∞ कि० दिखावा करना **४णी-३०० कंकी खी**० गंचा 5'sश-न॰ कलाईमें बाँधनेका एक गहना **५'अशहारी--भु'० कंक्स** होरा पु० अं अस-धुं• क्लेश पु• तक्तलीफः कं इंडी-पुं ० पतंग प॰ **ક** डि।तरी–स्त्री० कुंकुम-पत्रिका स्त्री० £'आલ-वि• शैन वि• ग्ररीष કંચન-ન૦ સ્વર્ણ ૧૦ સોના **५'यनी-स्त्री॰वेश्या स्त्रौ॰ तबायफ्र**ा s जर-अ • हाथी पु॰ पील b'avरी-स्त्री• मांमा ली० डफली s'लूस-वि• **क्रुपण** प्• ब्रुजील: इ.८इ-ते. ब्ह्राडा ते क इंटाणव् -अ०क्षि०तंगआ**जाना अ०**कि० इंटाला-प्रं॰ समाहट खी॰ å å-धु• गला प्•; स्वर **५'**६२थ-वि• मुखाप्र वि• बरज्ञवान र्ड अरव'-स० क्वि॰ कोरना स•कि०; तक्काशी करना

5'(S31]

४१

क्र'रिका-स्थी० लघु-प्रसंग पु॰ क्रोटी बात क्र'ताभध्-न० कताईका मेदनताना पु० क्र'थ-पुं॰ पति पु॰ खाविन्द क्रे'थ-स्थी० गुरही स्थी० क्र'हर-न० गुका स्थी० क्र'हर-न० गुका स्थी० क्र'ध-स्थी० क्रम्बा पु॰ क्र'ध-स्थी० क्रम्बा पु॰ क्र'ध-पुं॰ कॅनकॅपी स्थी० धर्राहट क्र'प-पुं॰ कॅनकॅपी स्थी० धर्राहट क्र'पाथभान-वि० कॉपता हुम्ना वि॰ क्रेंपु-स्थी० दल पु॰ टोली क्र'सारा-पुं॰ कंसारा पु॰ क्राक्र-पुं॰ काग पु॰ कौवा क्राक्रताक्षीय-वि॰ म्नाच्यन्य वि० बेखकर क्राक्रताक्षीय-वि॰ म्नाच्यन्य वि० बेखकर

अध्यं अ-स्थि॰ एक ही बार फलने वाली
वनस्वति (या स्त्री)
आभ-स्थि० बगल स्त्री॰
आभटी-वि० कागजका व्यापारी पु०
अथटी-स्थि॰ नारियली स्त्री॰
अथ्यं-स्थि॰ सूखी कावरी स्त्री॰
अथ्यं-नि० स्रधपका वि॰ कच्चा
अध्यं-पि० सुंच काम
अभ्यं-पि० क्रम पु० काम
अभ्यं-वि० योग्य वि० काबिल
अभ्यं-पि० योग्य वि० काबिल

शट-पुं• इमारती लकड़ी स्त्री• धाटपीटिये।-पु'o इमारती लकड़ी का व्यापारी प० ऽ।८ध्'-न० तौल पु० वजन **अटवुं-स० क्वि० काटखाना स**०कि०; ठगना क्षार्थ-वि० धूर्त पु• फ़रे**बी; का**ष्ठ अ&ेंश-प्र'• कन्यादान का कंठा पु० अही-स्त्री**० जलावन स्त्री० ईंधन** ; **द्ध**ी अंुं−न॰ **शारीरिक गठन** पु॰जिस्मानी॰ वन्दिश: आकार क्षेडी-पु'० क्वा**य पु०** काढ़ा કાર્ણમાેકાણ–સ્ત્રી• शोक-मिलन रेंपु० मातमपुरसी अख्'-वि० छेददार वि० सुराखदार કાતરિય –ન• मेडी स्त्री० अत्पी-स्त्री० चपटी लक्की स्त्री० अतिस-वि० घातक वि० खुनी अली-स्त्री० कशैंत स्त्री० डायाडणाला-पुं० मठ सच प्० ५।थी-रेश्री०नारियलकी जटा या डोरी स्त्री● કાંદ ंभरी-स्त्री० मैना स्त्री०; उपन्यास अन-५ ० श्रवगान्दिय स्त्री०गोश: ध्यान क्षानियमे।री÷न० चमगादङ पु० **अ**नन-पु' वन पु० जंगत डानभ-स्त्री० काली जमीन स्त्री० डानस-देशी० एक औतार प्र० **अनुदे।-५'० बालकृष्ण ५०**

કાનુગા]

ঙানুনা–५ • विधान शास्त्री पु• वकील अनून-पुं • विधान पु० कायदा; रिवाज **अ।५**-५ • चीरा ५० क्षपशी—स्त्री० ग्रानाजकी कटाई स्त्री० **३। ५९ ं**–स॰ हि० काटना स०कि० अपुरुष-पुं • कायर पु० बुजदिल आपूर-पुं कर्पर पु काफूर **अभि**-पुं० चीरा पु० **क्ष**! १२-वि० विधर्मी पु० काफ़िर, इराम-खोर; जंगली **आह्ंसे।**-पुं • टाँडा पु० काकिजा-आध्यरथी ।रु'-विव ।चतकवरा विव **এ।**খু-খু ০ স্থাধিকাर पुर क्रब्बा अभेस-वि॰ योग्य वि॰ लायक अभगई-वि० उद्यमी वि० मेहनती आभसर-अ० दार्यवश अ० क्षामसाधु–वि० स्वार्थी वि∙ेखदगर**ज** आभेश-रश्री० धनुष पु० कमान **≛।**भढ़ुं –न०, घनुष पु० कमान आभा-स्त्री० सुन्दरी स्त्री० खुबसूरत श्रीरत आभाटी-पुं ० एक जाति विशेष स्त्री० **३।**भी-(व० विषयी वि० जानी **अय-**स्त्री० शरीर पु० जिस्म आथ्ट्रं-न० मृतकका ग्यारहवें दिनका कर्मकारांड ए० आभडी-स्त्री० बेंत स्त्री० **३। मध्-**न० वशी **इ**रण पुँ : रसीली बात

शमहार-पुं• व्यवस्थापक पु• अमलदार् **धमना**-स्त्री० श्रमिलाषा स्त्री∙ इच्**द्रा आभनी-स्त्री० प्रेमिका स्त्री० माशूक** अभस-पुं० गन्नेका कचरा पु० ५।भणी-स्त्री० कम्बल स्त्री० कायदा કાયનાત-સ्त्री∙ पृजी स्त्री**० दौतत** <mark>ध्रायम−वि० स्था</mark>यी वि० टिकाऊ **अ**। थर-वि॰ डरपोक वि॰ सुस्त **अ**था-स्त्री० शरीर पु० जिस्म **अ.२–५'० कार्य पु० काम; धंधा** 5।२२१त-२्त्री० स्थान पु॰ जगहः शक्तिः **अरिજ-न० कार्य पु० काम अ२७-न० हेत्** पु० वजह **১।२७,स२–२५० श्रकार**गा श्र० बिनावज**ह अरुकार-पुं** ० व्यापार पु० कारवार **धारकार, न्न० प्रधानपद पु॰; कारबार धरभु - वि ॰ श्रद्भुत वि० श्रजीब; भयंकर** કારવહेવार-पुं०कार्य-व्यवहार पु०; तौर त्रीका **अरवे।-५ ० श्रवसर ५० मौ**का **अरस्तान-न० छत्तना स्त्री० घोखाघडी**; मस्ती; उस्तादी **કારાગાર–** न० कारावास पु० केंद**खा**ना **अ**रीगर-५'० इस्त बलाबिद पु० वा**री**•

गर

કાર્પણ્ય]

आपोएय-न० क्रवणता स्त्री० कंजूषी अर्थ-न० काम पु॰ ; प्रयोजन **अक्षण्य-न**० जूते के भीतर लक्षीकी तली. स्त्री० चौखट अक्षववं-स० कि बहाव के साथ बह-जाना स०कि० **३।**सावासा-पुं ० अभ्यर्थना स्त्री० आरज् मिनत क्षांभिक्षा-स्त्री० मेघ-राशि स्त्री०: घटा. कालीमाता क्षेत्रिभा-स्त्री० **श्रन्थकार प**० जल्मत अक्ष - ५'० एक प्रकारकी मञ्जली स्त्री० अअ'-िव० बालककी बोळी जैसा वि०: नासम्भः विनौता \$।पड्+स्त्री० क।वद स्त्री० बँडगी **क्षायतरु'-न० प्रपंच पु० फरेब** કાવાદાવા–પું• छल-प्रपंच पु•् जाल∙ फ़रेब अवे।-प्र'० उबाल प्र• उफान डाज्य-न० कविता खी० शायरी

अषाय-पुं • भगवाँ वस्त्र पु ० गेठवाँ कपड़ा अक्षा-स्त्री • सीमा स्त्री • हद असह-पुं • सन्देशक पु • कासिद असण-न • विन्न पु • रुकावट अणण-स्त्री • सार संभाल स्त्री • हिफा-

चत કાળપ–સ્त्री० कंठक पु**० दाग; का**लिख

आणांतरे--थ- कालान्तर में अ० समय आणांधीलां-न० कहमें पुरु बदकारी श्रुणी2ीक्री-स्त्री० **कलं**क पु० दाग्र अां-वि॰ द्षित वि॰ गन्दा अले।त्री-स्त्री०शोक पत्र प्र•मातमी खत કાંગરવ'--અ० क्रि∙ क्रोध करना अ० कि॰ गुस्सा लाना अंगरी-स्त्री० घार स्त्री० किनारा शंगरे।-पं० वंगरा प्रवास अंभु-वि० निर्धन वि० गरीब, कायर **કાંચન-ન**० स्वरा पु० सोना क्षंत्रिया स्त्री• चेली **કાંછ–**સ્ત્રી० **राब स्त्रो**०; कांजी કોટિયુ'−ન**० शव**∙वस्त्र पु० क्फन **धां**2'-त० बटनका छिद्र पु० કोटे।−५'० शूल पु० काँटा अंंऽक्षे।-पुं• तोतेकी गर्दनका गोलाकार कालाचिह

काला चिह डांडी-पुं० तट पु० किनारा डांड-पुं० प्रकरण पु० घटना डांत-वि० मनचाहा वि०; पति डांतपुं-स० डि० कातना स०कि० डांता-स्त्री० सुन्दरी स्त्री॰ ख्वस्र्रत श्रीरत डांनित-स्त्री० श्राभा स्त्री० नूर डांध-स्त्री० कन्मा पु० डांधुं-न० सप्ताइ पु० हम्ता डांप-पुं० शराहट स्त्री० कॅपकेंपी अस-पु'• छोटी नहर खी०; नाला **ક|स्व'−२५० ि** खाँसना श्र०कि० डांभ्र°-न० काँसा पु० फूल (धातु) **डि**डिया**ण्-न० चीख स्त्री० चिह्ना**इट **કिકિયાरी**-स्त्री० बारीक तिनका पु० **કिताभ−**स्त्री० प्रस्तक स्त्री० क्रिताब डित्तो-पुं • बॅतकी कलम स्त्री • डिनभाष-पुं० कीमखाबका कपदा पु० **डिनारी-स्त्री० को**र स्त्री० **डिभर**ड'डी-पि॰ मधुर कंठवाली स्त्री॰ डिश्वायती-वि० सस्ता वि० कमकीमती डि२डे।ण-वि० फुटकर वि• डिश्तार-पु'० भगवान पु० खुदा डिश्यु'-न'० भाडा पु० किराया કि**લ્લા-**યું ० दुर्ग पु० क्रिला **डिशार-वि० छोटी श्रवस्था का वि०** કिश्ती-स्त्री • नाव स्त्री • **डिसम-**स्त्री॰ प्रकार पु० किस्म डि**सान-पु'• कृषक** पु० काश्तकार **डिस्त-स्त्री० खंडित रूपसे धन चुकाना.** किश्तस्त्री० **કि**रेभत⊶न• भाग्य पु॰ नसीव डिस्से।-पुं• कहानी स्त्री० किम्सा **કિંગલાવ'-५**० કિં अतिप्रसन्न होना

श्च०कि० ख्व ख्रा होना किंभत-स्त्री० मूल्य पु० क्रीमत किंपा-स्त्री० ख्रांचा श्च० प्रीप्री-स्त्री० छोटी बालिका स्त्री० छोटी प्रीय, प्रीय**ऽ**-पुं० की बह पु० प्रीट-वि० योग्य वि० लायकः; की**डा** श्रीऽध्रं−न० मनका पु० <mark>गुरिया</mark> रीडे।-पुं• कीट पु• कीड़ा श्रीने l-पुं ० वैर पु • श्रदावत **४ीभत-**स्त्री० मृत्य पु० कीमत క⁄ीभिथे।–પું० कला स्त्री• इल्म; **यु**क्ति ४ीति^९-र्ञी० यश पु• नेकनामी शेस-रे≒ी० कर पु॰ महसूल इटाप-अ०६० धक्के खिलाना अर्शकः दिक करना ક્રે**હિ**२-स्त्री० **इ**टिया स्त्री० **क्तों**पड़ी ५८िस-वि॰ बली वि॰ दगाबाज; इठी **५८ ंभ-न० परिवार पु० कुनबा ५ने६**-स्त्री० चातुरी स्त्री० होशियारी <u> કુ</u>ુુુબπ–સ્ત્રી૦ **કુ**ષણી स्ત્રી૦ ±ुथु•ि च्लो० दुर्वृद्धि पु• बदश्रक्षली; क्षमध-स्त्री० सहायता स्त्री० मदद क्ष्मणुं-धि० कोमल वि० नरम <u>इभार+पुं० पुत्र पु॰ बेटा; छोटा लक्का</u> કુમારિકા–સ્ત્રી૦ क्रैंबारी कन्या स्त्री० होजीजा दुभाश-स्त्री० कपहेकी चिकनाहट स्त्री० ५२० - न० कुत्ती पुरु कमीज ५२**भान–वि० बलिदान पु०** कुर्बान **५२'ग-५'० मृग पु० इरि**गा <u> इरान-न०इस्बामी धर्म-प्रन्थ पु०</u> <u> </u>५५-वि० समस्त वि० तमाम ; वंश;

[}}

भूखंड पु० कुलाल−पु'० कुंभकार पु**०** कुम्हार કુલાંગના–સ્ત્રી૦ कुलीन स्त्री स्त्री० खानदानी औरत ५क्षीन-वि० उच्चवंशी वि० खानदानी **५**सुम−न० फूल पु॰ गुल **५२ती-स्त्री० मल्लयुद्ध पु० कुरती** द्वे**दारी-**स्त्री० क्ल्हा**री** स्त्री० કुण क्श्री–पु॰ चुंगी वसू**ल करनेव**ाला ः सरकारी मेहता पु० कुं कर-पुं० हाथी पु० पील ५'०४२।वु'–थ० क्वि॰ जी जलना अ∙िक्व० ुं को-पुं• सुराही स्त्री० कूजा ५'ऽ−**५'०** टांका पु० **हो**ज डें है।-पु० लकदीका बोटा पु० क्रन्दा; कु'बर-पु'० पुत्र पु० बेटा; कुँबारा ब इका **క్త'वार**धा-स्त्री० कुमारी स्त्री० दोशीजा કુકડી–स्त्री० कुक्कुटी स्त्री० मुर्गी ६५री—अंशि०खखरी (गोर**सोंकी** एक ः तलवार) स्त्री० इभ-स्त्री० गर्भ पु० कोख ^{≽ृथ–रु}शी० प्रस्थान पु० कूच, गुप्त बात ॄ डे६–वि० कारावास पु० केदखाना ^{५ूट−िव}० गुम्फित वि० उत्तफा हुआ; जुठा **કુ**ટ**ણુ ખાતુ'--१० वेश्यागृह पु०**

कुंक्षाभा-पुं समुद्रमें दूरतक गया हुआ " कूंटलुं -स० कि० पीटना स० कि०; मरने पर छाती पीटना इटे।-पुं० क्षुधित पु**० भूखा ५**३-पु'० वंचकता स्त्री० ठगाई; हर्जे ६७'-वि० कोमल वि० नरम **५थ**ली-रेश्री० निन्दा स्त्री० बदगोई **५६वु'–अ० ४० कृदना श्र∘** कि० इ.भ.इ. – वि० कुब्ब पु० कु**बदा કું ડા**ળું---न० कुंडाला पु० र्डी-स्त्री० कूँडी स्त्री० इंस्वु'-न० घासका ढेर पु० **કृं** पण~स्त्री० किसत्तय पु० कोंपल **५त**ध-वि∙ उपकार भूलने वाला पु• एइसान फरामोश **५तरा-वि० श्राभारी वि० एहसानमन्द** क्रित-स्त्री० रचना स्त्री० बनावट \$त्रिभ-वि० बनावटी वि० नक्ली ५५७-वि० कंजुस वि०; सूम ५५।-स्त्री० दया स्त्री० रहम ५पि-स्त्री० खेती जी० कारत **५षीवस−पुं० किसान पु० काश्तकार** डेडर-वि० बाँकी श्रांखवाला वि० मेंगा े **३**७–स्त्री० कटिस्त्री० क**मर** `हेडी-स्त्री• पगडंडी स्त्री• डगर हिं - विव बन्दी विव क़ैदी; अव कभी डे**६−५ं० नशा** पु० े **३२**–५'० सर्वनाश पु० पायमाली

देखि-स्त्री० कोडा स्त्री० खेल हेवस (ण)-वि० शृद्ध वि० **सा**तिसः डेशवाणी-स्त्री० सिंह या घोड़ेकी गर्दन के बाल पु० डेसरियां-वि० जुमाकर लहना वि० डेसरिथु'-वि० केसरिया प० जाफरानी डेसरी-वि० केसरिया वि० जाफरानी; सिंह डेस्डे।-पुं• एक वौधा प्० है अवधी-स्त्री । शिद्धा पु । तालीम डेेेेेेेेे अववु -स० कि० शिच्च सा सेना स० कि॰ तालीस लेना हैं थी-स्त्री० कतरनी स्त्री० केंची र्डे ६-५० मुख्य स्थान पुरु सदरमुकाम डैतथ-न० घोखा पु॰ दगा है। ५८१ - स्त्री क सहि स्त्री क है। इं - न० उलमा हुआ काम पु॰ डे।**५२**वरख्-िवि० हल्का गर्म वि० हे।भणियु'-न० विश्रचिका प० हैजा है।य-पुं॰ सुखासन पु॰ श्राशमकुर्सी है।यलु'-न० कठोर छिलका पु० डे।य्वं-स० हि॰ मताना स० कि० तकलीफ देना है।८-५ व दुर्गका परकोटा प० किलेकी दीवाल हारडी-स्त्री० कोठरी खी० है।८६ं-न०-कठोर ज्ञिलका पु०

है। ८ वास- भुं ० नगर प्रबंधक प • को तवात्स डेर्राटयु'-न० मछवा पु० है। ¿'--न० प्रपंच पु० फरेब डे। धर-पुं श्रनाण भरने का भांडार पुट है।है।-पु'• पेट, मन, मोटा कुँबा पु० डे। ८-५ • चाव प् दिल चस्पी है।डियु'-न० विकोरा प० है।डी-स्थी० बीसकी संख्या; कौड़ी स्त्री० है।६-स्त्री॰ कोड़ रोग पु०; पशुशाला है।तर-न० जमीन या पर्वतका गहरा लड़ा प्र० है।तरका म-स०क्षि० खुदाई का काम स० किं० नक्काशी है।तरव्'-स० हि॰ कुरेदना स०कि०; पच्चीकारी करना है।५-५ ० कोघ ५० गुस्सा; श्राफत रे। परपरास-न० ताँबे-पीतलकी मिश्रित धात स्त्री० है। पर्वं - अ॰ हि॰ कीप करना श्र०कि॰ गुरुषा करना डे।भ-स्त्री० जाति स्त्री० कौम है। भक्ष (ण)-वि॰ कोमल पु॰ नरमः दयावान हे।यथे।-५ - कोयला प्र० दे।२-स्त्री० किनार स्त्री० है।रेडे-पु'० कोड़ा पु० चाबुक; जुल्म हे।र**श-**स्त्री० पारवै पु० पहलू हे। रुं-वि॰ रक्ष पुर सुखा; बीरा

है। स-पुं व वन पु व इक्तरार; विश्वास है। साहस-पुं व चहचहाट स्त्रीव शोरगुल है। सु-नव कोल्हु पु व धानी है। सु-विक गोरा पु व नक्ति है। प्यां अध्यान स्त्रीक नाश पु व वर्षा सी है। यिह-विक ज्ञाता पु व ज्ञानना है। श्र-पुं का गां खार पु व खजाना है। श्र-पुं का गां खार पु व खजाना

ख जानची

डेशिश-स्त्रीट प्रयस्त पु० कोशिश डे.५५-पुं० उदर पु० पेट; केटार डेशस-पुं०डेढ़ मीलका फासला; चबस पु० डेश्डेलुं-स्थ०डि० सहना अठिकठ डेश्डेलुं-पि० सड़ा हुआ वि० डेशिंग्यी-पुं० प्राप्त पु० कौर डेशिंग्यी-पुं० पर्व पु० मसल्सी डोटा-पुं० बैल या ऊँटका मल पु० डोटुन्थिड-पि० परिवारिक वि० घरेल्ल डोतुड-प० अद्युत खेल पु० अजीब

तमाशा

को भार-न० लंगोटी खी० कच्छा

को भार-न० कुँवाराग्न पु०
को भुटी-स्थी • ज्योरस्ना खी० चाँदनी
को स्त-न० शक्ति खी० कुव्वत
को श्रद्य-न० प्रविग्रता खी० कमाल
क्रियास्त-स्थी० प्रजय पु• क्रमामत
क्रियास (क्रियारे)-पुं० क्यारी खी०
क्रियास -पुं० अनुमान पु० श्रन्दाञ्च

४भ-पु'० **वारी** स्त्री०; **रिवाज** क्षान्त-पि॰ प्राचीन पु० पुराना धन्ति-स्त्री० कान्ति स्त्री० इन्क**लाव** क्रियात्मक-वि० रचनात्मक वि० अमली **५**२-वि० निर्देश पु० जुल्मी होध-पु**ं श्रावेश** पु० गुस्सा होस-ए व डेढ़ मील का फासला पुर क्षिष्ट-वि० दुरूह वि० मुश्किल उदेश-पुं० पीड़ा स्त्री० तक्त लीफ ५वित-२५० कदापि अ० कभी क्षत-वि० घायल वि० जस्मी क्षय-पु' नाश पु • बर्बादी क्षात्र-पि० क्षत्रिय संबंधी वि० क्षार-वि० खार पु० क्षांत-वि० समाशीत पु॰ क्षिति-स्त्री० पृथ्वी स्त्री० जमीन क्षितिक-स्त्री० ज**हाँ आकाश धौर** पृथ्वी मिलते दिखाई दें क्षीश-वि० दुर्बल वि० कमजोर क्षीर--न० दूध; स्वीर; पानी पु० क्षद्र-वि० तुच्छ पु० मामूली क्षण्ध-वि० खिन्न वि० बेता क्षुस्स५—वि० ऋल्प वि० थोडा क्षेत्र-न० खेत पु॰बमीन; जगह; खुला-

क्षेत्र-न० खेत पु॰क्षमीन; जगह; खुला-पन; शरीर; तीर्थ; युद्धभूमि [भ] भध-पुं॰ क्षयरोग पु॰ तपेदिक

भभ-वि० डल वि० गर्म

For Private and Personal Use Only

भ्भभुद्धक-वि० सुदृढ् वि० मजबूत ખખડાવવું –સ૦ક્રિ૦ खटखटकी श्रावाज; धमकाना स०कि० भभरवु'--अ० ६० संताप होना अ० कि० दर्द होना भभटी-स्त्री० खकार पु० कफ्र; चिन्ता ખ(२) भरा–पुं० शोक पु० गम भभगवुं-अ०क्षि० त्रति उध्या होना, खब गर्भ होना अ०कि॰ भग-पु'० पद्मी पु० परिन्दा भ्य(न्य)-अ० खींचकर श्र० भयअवं-अ०६० अटकना, पीछे होना श्च ० कि ० भयः -न० तह्या की मृख् स्त्री० कच्ची मौत भिथत-वि० जटित वि० जड़ा हुआ भन्शीत-अ० श्रावश्यकता श्र० जहरत भजनयी-y'o कोबाध्यक्ष पुo खर्जाची भजाने।-पुं ० कोष पु ० मखज्न भ2-वि० ठग वि०; दग्राबाज्य ખટકર્મ –ન૦ છે घાર્મिक काम (ષટकर्म)પુ • भ८**५**—स्त्री० पूर्व सूचना**स्त्री**० चेतावनी भ८६वं-अ०६० दुःखदेना अ०कि० तक्रजीफ पहुँचाना भटेश-पु'० अन्देशा पु० शक, हरकत भटभट-स्त्री० पंचायत स्त्री०; हरकत भटभटारे।-ध्र'० सरपच्ची स्त्री० बकवास भटनट-वि॰ प्रपंची वि॰ **अ**डंगेबाज

भटपट-स्त्री० मृठा प्रपंच पु० बेकार संसट भ८२स-५ ० छे प्रसिद्ध रस पु॰ भटराग-५'० सांसारिक जंजाल पु० दुनियादारी: वैर भटले।-पु'o कुटुंब पुo कुनबा; मुक्दमा 'भटव्यु'-स०क्षि० खट्टा होना स०कि० भटा १ - वि • लाभदायी वि • फामदेमन्द भटारे।-पुं० भारवाही गाड़ी स्त्रीर्∞ **छक**डा भटाव - अ०६० खट्टा होना अ०कि० भृरुषर् - वि० बोडा खट्टा वि० भेऽ-न० प्राप्त पु • घाष भेऽ५-प्रं० खङ्ग स्त्री॰ तलबार ખડકી-સ્ત્રી॰ बारी स्त्री॰ खिड्की; गर्ली ખડખડ–સ્ત્રી• बाधा स्त्री० दखल; पी**द**ह **ખડ્ય-ન**० खङ्ग स्त्री० तत्तवार भड़्य-वि• श्रालसी वि० सुस्त भडतर(अ)-y'o परिश्रमी पु॰ मेहनतीः भेऽतु'स-न० पक्ष पु० बरतरफी ખડ(ર)પવું-સ૦ ફ્રિંગ उखाड डालन स० कि० भs(२)भयडू'-वि० खड्डे खोचरे वालाः पु० सम्बद्धावद ખડવું–સર્વાક્ર૦ સુપદ્ના સ•િક્ર૦ **'ખ**િયુ'--न॰ जवान मेस स्त्री• **भ**ડी-रेत्री० सफेद मिट्टी स्त्री० खड़ियाः भडी भौक-स्त्री० स्वायी सैन्य पुर क्रायमी लश्कर

ખડું-- वे० खड़ा वि० ; तत्पर ખડેખાંગ--અ० श्रक्खड़ श्र० ખડ્ડુ--वि० श्रतुभवी पु० तुजुबेंकार; चालाक

भ्रष्टेश-पु'० हनमुत पु• भतकार भश्वं-स० ६० खोदना स० कि॰ **भशस-स्त्री० लज्जा स्त्री० हया** भत-न० हेस्स पु०; दस्तावेज भत्म-अ० समाप्त अ० खरम भतःत्वट-अ • अ। प्रहपूर्वेक श्र • भतरं-न० मय प्र• खतरा भतवव -स० कि हिसाब-बही की खतौनी करना स॰कि॰ भता(-ता)-स्त्री० हानि स्त्री० नुक्रसान; हो हर भताभ-स्त्री • दोष पु • खता भ६(हे) ध्वं-स० ६० उखादना, खदे-बना स०कि० भध्दुं-वि॰ नपुंसक पु॰ हिंजहा **भ**हिर-पुं• एक पौधा पु• भधोत-५' • नक्षत्र पु • सितारे; जुगनू भिनिक-पुं व खानमें हे निकलने वाले पदार्थ प्र•

भिनित्र-त० कुदाल पु० भभ-पुं० प्रयोग पु० इस्तेमाल; उपयोग भभपुं-अ०क्षि० विकद पु० फरोस्त भभाद-स्त्री० खपची भपूक्ष्मी-स्त्री० कृटिया स्त्री० म्होंपड़ी भपेडी- पुं॰ बांसकी टही स्त्री० भक्ष्मी-स्त्री० अप्रयम्बता स्त्री॰ नाराजगी भक्षा-त्रि० कृद्ध पु॰ खका भभक्षायपुं-स॰कि० चुराना स॰कि॰ भभर-पुं॰ समाचार पु॰ खबर भभरदार-वि॰ सावधान वि॰ सचेत भभरपत्री-पुं॰ संदेशक पु॰ क्लासिद्द भभेडेषुं-स॰कि० इच्झानुसार रोदना स॰कि॰

भ(ग)अगवुं-अ०ि व्याकृत होना, घषराना स्०किः भमध्य-स्थी० क्षमा स्त्री० माफी भमध्य-स्थी० क्षेनी स्त्री० भमवुं-वि० समाशील वि० भमवुं-स०ि सहन करना स०कि० बदरित करना

भभा-स्ति जमा लीव मार्का
भभाववुं-सर्वा व्यक्त स्त्री ना सर्वे के भभार-नव शक्ति स्त्री न तालत; स्त्री है
भर-पुं व रासम पुव गधा; मूर्ख
भर-पुं व रासम पुव गधा; मूर्ख
भर (-भ) दी।-पुं व हत्त्व पुव व हर
भरभ्यर-पुं व समाचार पुव खबर
भरभ्यर-भव वेगपूर्वक स्रव तेजी है
भर्यपुं-सव हिव व्यय करना
सव किव खरचना
भरसु-नव शौच जाना पुव

भरकपु'-न० खुजलीका रोग पु०

भरड-न० गहरा लेवन पु॰

भरुद्रव -स० क्वि मेला करना, खराब

करनाः जिगाइना स०कि० 'भरडे।-५'० यादी स्त्री० भरपावु - अ० ६० गतती साना स० कि० भरव - अ० कि पककर गिरपहना য়ত কি (দল, দুল আ (ই) भरस८-वि० कोमल वि० नरम भराज्यत-स्त्री० माल के पीछे होनेवाला खर्च पु० भराभ-वि० दूषित वि० गस्दा भरीते।-५°० राज्य-पत्र प्० खरीता भरीइवं-स० क्वि कय-विकय खरीद हरो हत भरी६-स्त्री • बरनाती फसल स्त्री • खरीफ भरु'-- वि० सच्चा वि०; खरा भरेटुं-न० हुरतकी व्याई हुई गाय या भैसका द्धा पु० भरेरी-स्त्री० गलेमें खरखरकी ब्रावाज स्वी० भरेरा-स्त्री० पशुश्रोंको मालिश करने का श्रीजार पु० भक्ष(ण)-वि० दुष्ट वि० बदकार भक्ष**ड**–स्त्री० संसार पु० श्रा**स**म भक्षते।-पु• धैला पु• बस्ता भ्रुष(ले)स-स्त्री॰ बाधा स्त्री॰ खतल: नु रुसान भ्यलपु -स० कि खरलमें पीसना स० कि

भशस-वि॰ समाप्त वि॰ खत्म भक्षासी-पुं॰ जहात्रमें काम करनेवाला नौकर प्र० भशी६-५'० धर्म रत्तक पु॰ खलीका भभाभ-५ ० स्वय्न प्० ख्वाब भभास-पु'० टहलुझा पु० हुजूरिया; श्रादत भवासख-रत्त्री० दासी स्त्री० नौकरानी भवीस-पुं राज्यस प् इबलिष्ठ ખશ્ચિ (સિ)યાહ્યું-વિ૦ खिसीयाना વિ૦ भ्रतिवा भसभ-धुं ० पति पु ० ऋवाविन्द भसरहा-पुं वकीर स्त्री (लिखित सामग्री को रह करना) भसपु'-अ० ४० सरकता श्रवकि. खिसक ना **भ्रम्म-भ० आवश्यक पु० ज हरी** भसेऽवं ०-स० कि० दूर करना स० किo खिसकाना **ખ**াકવુ'–અ•ક્રિo शोभित होन। શ्रoक्रिo फबना भण्यभणार-पुं • सत्वती स्त्री • तहलवा ખળવું –અ ંદ્રિંગ સરક્રના શ્રા•િકાં रुकावट होना भु0'-त॰ खत्ती स्त्री॰ खलिहान भ'भ-वि० रिक्त वि० खाळी ખ'ખેરવું - સંબ્રહ્કિ માટકના (ઘૂન)

અ'ખેાળવુ']

भ भागायं-स० कि॰ पानी डालकर हिलाना स॰कि॰ भं यातुं - य० कि० अटकना श्र० कि० रुक्ता भ'क्-िय० खंत्र वि॰ लुला भं 3-पुं ः भाग पु िहस्सा; कमरा भ'ऽशी-स्त्री० सरकारी कर पु • खिराज भ'उव'-स०क्षि० खंडित करना स०कि०; एक मुश्त खरीदना भंडित-वि० भग्न वि० टूटा हुआ। भ'रिथु'-वि० लगान देनेवाला पु० भं डिधेर-न० भग्नावशेष पु० खंडहर भ'त-स्त्री० संभात स्त्री• देख भाल ખ ધાહિયા-પું • ઘર जॅवाई વુ • **भ'धा**ध-स्त्री० शहता स्त्री० लुच्चापन भंधुं-वि० शठ वि•; छुच्चा भ'त्र-पुं० स्तम्म पु० खंमा भार्धभद्देशं-नि० धूर्त वि० चालवाज भा3-वि० चटोरा वि० भाઉકડ(थ)-५'० चटोरा पु० खाऊ भागेश-स्त्री • अभिलाषा स्त्री • **एवा**हिश भा5-स्त्री० राख स्त्री० खाक; नाश भाक्षसार-नि० विनम्र पु॰ खाकशरः ताबेदार भाभरे।-पुं० एक वृत्त पुः। पतली व सहत रोटी ખાખાવીખી-વિ० छिन्न मिन्न पु॰ तितर-बितर

ખાખી-વિં रिक्त वि॰ खाळी; निर्धन ખાખી ખ'ગાલી--વિ૦ धनहीन वि० गरीब भारश-पुं॰ कसाई पु॰ खाटलो पु॰ पलंग प० चारपाई भारतु-स०कि० लाभ पाना स॰ कि॰ फायदा उठाना भार्- - । मैसीका दल पु० भाडे।~५'० खड्डा पु• भाष-स्त्री० खान स्त्री० खदान भाख'-न० मोजन पु**०** शिजा भातभूरत-न० नींव डालनेश मुहुर्त पू• भातर-न० चोरी; बदमाशी; चाकरी; खाद स्त्री० भातरी-[त्री] स्त्री० विश्वास पु० यक्तीन ખાતું પીતું-વિં साधन संपन्न पु• खातापीता भातन-स्थी० रानी स्थी० बेगम भाध-स्त्री० खाद्य पुं० ख्राक; खामी भाधरे।-पु'॰ गहरा खड्डा पु॰; नुक्तसान ખાધેલપીધેલ-વિ૦ દૃષ્ટ પુષ્ટ મોટા-भानदान-वि० कुतीन वि॰ खानदानी भानसाभा-पुं नौकर पु • खिदमतगार भानाभराभ-वि० बलानाश पु० नेस्त-नाबूदी भाष३ं-वि॰ छँटेल पु॰ भाष-पु' स्वत्त पु ख्वांब ખાબાચિયું-ન૦ પાનીને મરા દુષા कोटा खाखडा प०

િ ખીચ **ખાંખણી–**रत्री० कोध प० गुस्सा ખાંખાંખાળી-પું कोने खोवरेमें हुँदू. खोज करना भांधु-पु'० गुप्तवर पु० जासूध भाशु'-वि० तिरछा वि० टेढ़ा भ्य-स्त्री० धो**दा कटा हुआ** पु०; तंगी भांऽशियुं-न० धान काटने का एक श्रौजार पु• ખાંડવુ'–સર્ગાક० दुक्डे़ करना सर्वक्र∙ तोसना भांडू - वि० भन्न वि० टूटा हुआ न० तलवार भांत-स्त्री० चेतना स्त्री० होश **भांध-स्त्री० स्कन्ध पु० वन्धा** भांध्रं-न० सप्ताइ पु॰ इप्तताः कन्धा भाष्य-स्त्री । ब्रुटि स्त्री । गतती भाषा-पु • खरीच स्त्री० भांक-y'o स्तेम पुर खंमा भांकी-स्त्री० स्मारक-स्तंब पु० **भिथि अं-वि० मिश्रण प्० मिलावट** [ખજવાડ–પું∘ को <mark>घ पु</mark>० गुस्सा भि**भभत-**स्त्री० सेवा स्त्री० खिदमत **ખિડ**કી-स्त्री० बारी स्त्री० खिंहरी **भिन्त-वि० उदास पु० ग्रमगीन** भिक्ष**िश=** थ० हेंसी की श्रावाच अ० **भिसियार्थं – वि० लोज्जित वि० द्यामिन्दा**

भाम-पुं व आश्रय पु व सहारा; खंभा भाभी-स्त्री० भूल स्त्री० खामी ખામાશ-સ્ત્રી બધો(ज પુંબતસહ્છી भाषप्री-स्त्री० ग्रामदनी स्त्री० रिज्ञक्त भार-पुं० शत्रुता स्त्री॰ दुश्मनी भारते।-पुं व खलासी प० भारीक्ष'-वि० देशमाव रखने वाला पु० **अदा** ३ती भास-स्त्री० चर्म पु० चमहा; छाल भासपपु – स० ४० रिक्त करना स० कि० खाली करना भाशी–वि० रिक्त पु० खाली; गरीब; श्च ० केवल ખાલીપીલી-અ૦ વ્યર્થ અ૦ फ़ज़्ल भावरा-स्त्रीक उमर-रोटी स्त्रीक भावं-स०४० भो हन करना स०कि० खानाः क्षमा करना भास-वि० बास्तविक वि० श्रसली भासहार-पुं० सेवक पु० खिदमतगार भासनवीस-पुं व्यक्तिगत सलाहकार भासडु -- न० पुराने जूनों का जोड़ा पु॰ भाभु - वि० मज़िका वि० घच्छाखासा; सुन्दर ખાળવું –સંદક્ષિ શ્રदकाना सं कि० रोकना भागुं-न० जिम्मेदारी स्त्री० जामन भां-पुं ज्ञाता पु जानकार

भीय-वि० बिचडी स्त्री०

ખીજ]

भील-स्त्री० कोच प्र० ग्रह्मा भीश-स्त्री० घाटी स्त्री० दर्श भीर-वि० श्रयोग्य वि० निकम्मा भीसवं - अ०५० विकसित होना अ०कि० खिलनाः शोभा पाना **ખીલા–પું**૦ હુંટા પુ• 'भीसं-न० जे**न** स्त्री० भुटाउवं–स०५० कमी पड़ जाना स०कि॰ घट जाना भुराभश्-स्त्री० न्यूनता स्त्री० कोताही; दगा भु६-वि० स्वयं वि• खुद भुहा-पु"० ईश्वर पु० खुदा भुनाभरधी-स्त्री० मारकाट स्त्री० खून-खराबी भुन्तस-स्त्री० रात्रता स्त्री० दुश्मनी भ्रभारी-स्त्री० निद्रा स्त्री॰ नींद; मस्ती; भुरशे६-५'० सूर्य पु० त्राफताब भुवासी-पुं० स्पष्टीकरण पु० खुलामा;

निकाल भुद्धुं—िय० प्रकट पु॰ जाहिर; धुन्दर भुयार--िय० दुःखी वि॰ ग्रमगीन भुश-िय• प्रसन्न वि॰ राजी भुशनुभा-िय० रमगीय वि॰ खरानुमा भुशभभ्रेभ्ये-रेजी० खराकी मेंट स्त्री॰ बह्हाीश

ખુશમિજાજ–પુ'० प्रसन्नचित्त पु० खशदिल भुशामत—स्त्री० जी हुजूरी स्त्री० खरामद भुशामतियुं-नि० चापल्य वि०खरामदी भुशास—वि० सुखी वि० खराहात भूभक्षी—स्त्री० खाज स्त्री० खजताहट भूटस—वि० भूठा पु०; दगाबाज भूटयुं-स० न्यूनता होना श्र० कमी

भूत-न० इधिर पु॰ ख्न; इखा भूतभराभा-पुं॰ मारकाट स्त्री॰ ख्न खराबी

भूनभार-वि० घातक वि० जल्लाद भूभ-वि० अधिक वि० जियादा भूभसरत-वि० सुन्दर पु० खुशनुमा भूभसरती-स्त्री० सौन्दर्य पु० जमाल भूभसरती-स्त्री० सौन्दर्य पु० जमाल भूभसर्वु-स०४० सब कुछ खीं व लेना

भूथपु'-अ०६० बाधा देता, अड्बन डाजना; दर्द करना अ०क्रिक भू'हपु'-स०६० रोरना स०क० कुवर लगा; हैरान करना भेथर-न० पत्नी पु० परिन्दा भेऽ-स्त्री० कृषि स्त्री० कारत भेऽ। पु-न्त्री० जुताई स्त्री० भेऽ'-न० प्राम पु० गाँव भेऽत-पु'० किसान पु० कारतकार भेती-स्त्री० कृषि स्त्री० कारत भेती-स्त्री० कृषि स्त्री० कारत भेती-स्त्री० कृषि स्त्री० कारत भेती-स्त्री० कृषि स्त्री० कारत भेती-स्त्री० कृषि स्त्री० कारतकार भेती-स्त्री० कृषि स्त्री० कारतकार

भेहानभेहान-वि० विनाश पुँ० पायमाळी
भेपानी-वि० ऊधमी वि० शरारती
भेपियो-पुँ० दूत पु० कासिद
भेभ ५श्वग-वि० क्षेमकुशल पु० राजी
खुशी के समाचार
भेरभाद-वि० शुमेच्छु वि० खैरख़्वाह
भेरवर्षु-स०६० खदेबना स०कि०
भेरसक्का-श्वी० समाधान पु० सुलह
भेरत-श्वी० दान पु० खरात

अ० विना भेस-पुं० कीडा स्त्री॰ खेल भेसपुं-अ०४० कीडा करना श्र०कि॰ खेळना

भेव-पु'० पह पु० क्षरा; स्त्री० वेहा

भेराती-वि० धर्मार्थ पु० खैराती

भेरीक-वि० श्रधिक वि० जियादाः

भेवना-स्त्री॰ संभात स्त्री॰ निगरानी
भेस-पुं॰ श्रंस-परिधान पु॰ दुपट्टा
भेद-पुं॰ शोक पु॰ ग्रम
भे 'भंदी-वि॰ श्रस्यन्त श्रशक वि॰
बहुत कमजोर
भे 'य-स्त्री॰ श्राक्तता स्त्री॰ स्वापन
भे-स्त्री॰ शुष्कता स्त्री॰ स्वापन
भे-स्त्री॰ स्वभाव पु॰ श्रादत
भेधि-स्त्री॰ स्त्रुता पु॰ पात्तन।
भे।भ-रं-वि॰ श्रारी भरकम श्रावाज

वाला वि०; श्रधद्वटा

भाभल-वि० थोया वि० खोखला ખાગીર-ન૰ જ્ઞીન વૃ૦ भे।थरुं-न० प्राचीन युग पु० गुजरा भाज-स्त्री० शोध स्त्री० खोज भार-स्त्री • गत्तती स्त्री • खामी: ખાટાઇ-સ્ત્રી**૦ થ્રાક્ષ**ત્ય વુ૦ મૃઠ; **દ**રામી-भाटी-अ• विलम्ब होना अ० देर होना ખાેટીલું--વિ**૦ શ્રાત્તરી પુ•** સુસ્ત भार-वि० श्रसत्य वि० भारः बेवफः भे।५-स्त्री० दोष प० तस्त्रः शारीरिक खामी: कलंक भाडीभारु'-- न० खेतके प्रवेश-स्थानपर गडा खोदकर उसपर लक्डीका बनाया हुआ संकड़ा रास्ता पु भाडील-वि॰ हीठ वि॰ जिही; दोषी भेड़'-वि० खंज वि॰ लँगड़ा भे।डे।-५'० नाश पु॰ वर्वादी भे।तर्व -स० कि खोदना स० कि॰ भातरु'--न० मिस पु० बहाना भार-सर्वाहर खदाई का काम सर्विक भे। परी-स्त्री • माथा पु • सर भे(६-५ ० कोध पु०गुस्सा भाभा-५'० अंजलि स्त्री॰ भे। अना - स्त्री • कमी स्त्री • कोताही ખાયણ –ન• जन्तती लकडी स्त्री• भारव - स० कि० बंगारोंको खदेइनः स॰क्रि॰

ં ગમત

भेशाह-पु' बाद्य पु व् खुरा ह भाराधी-पुं० खाद्य-सामग्री स्त्री॰ खुराक भे।रुं-वि बासी होनेसे बेस्वाद वि० ખાલ-સ્ત્રી**૦ દોષ પુ**૦ **તુર**હ્ન भासवं -स० कि खोलना स० कि० भे।सी-स्त्री० कमरा पु० भासव -स०६० जबरन घुसाना स०कि० भे। १०-स्त्री० शोध स्त्री० खोज ખેાળ'બા-પુ' ढील स्त्री० ખેાળાધર–પુ' પૃથ્વી બ્રી૦ જામીન भेशियुं-पुं० शरीर पु० जिस्म भ्यात-वि० प्रख्यात वि० मशहूर भ्याति-स्त्री • प्रसिद्धि स्त्री • नाम्नवरी भ्यास-पुं विचार पु खयाल भ्यासी-वि० तरंगी वि• खबाळी 'भवाण-पुं० स्वय्न पु**०** ख्बाब િક ો

न्यो।—पुं० छोटा बच्चा पु०
न्यथरपुं-न० खटी उकार खी॰
न्यथरपुं-न० खटी उकार खी॰
न्यथरपुं- न० फूलोंका गजरा पु०
न्यथपुं-न० जेब पु०
नेथ्यं- क० शक्ति खी॰ कुड्वत;
मुजाइस

गळकर-पुं० मिस्री पु• गढडी-स्त्री० पोटली झी० गठरी गडियुं-वि० परिपक्त पु• पक्का; लुच्चा गड़ी-पुं० गहर पु• गठवी

गर्डा-पुं क्ट्रक्ति स्त्री व्यंग गरुभथक्ष-स्त्री० परिश्रम प्• **मेहनत** गडेरिये।-पु'० मेड्रॉका चरवाहा पु० गइरिया गढ-भु'० दुर्ग पु० किला भध्-पुं ० दल पु ः जातिः वर्ग भध्धारवु'-स०कि० मान करना स०कि० इज्जल करना गणतरी-स्त्री**ं** गराना स्त्री॰ गिनती भताभभ-रेशी० ज्ञान पु० समक गति-स्त्री० चाल स्त्री• गहुगहु-वि० कंठावरोध पु० गता भरश्राना ग**धा**-स्त्री० लड़ाईका एक ह्थियार-गदा स्त्री॰ ગપ–स्त्री० जनश्रुति स्त्री**० त्रफ्रवाह**; मुठी **ગ**પાપ્ટક-ન৹ डींग স্থ্री० शेखी ग६सत-स्त्री० चेतना-श्रान्यता स्त्री• गलफत; भूल ગખડવુ'–અ૦ ક્રિ૦ કરવટેં बदलना अ०कि० गय्य्यर-वि० धनी पु० मालदार; अव्ब∢

शक्तरु-वि० श्रचेत वि० ग्राफिल भक्षाधु-व्यी० गोचरमूमि श्र.० भभगीन—वि० उदास वि० रंजीदा गभत-व्यी० श्रानस्द पु∙ लुस्क

राहर

भक्षराट-पुं० व्याकुलता स्त्री• घब-

भभन-त० प्रस्थान पु० रवानगी गभवुं-अ०५० पसंद आना श्र०कि० भभार-वि० त्रामीण पु०; गँवार; मूर्ख गर-पुं ० गुदा पु० भर**५-वि॰ शराबोर वि०** सर्क भरधाय-वि• तल्लीनता स्त्री० मशगुली भरगडी-स्त्री० फिरनेवाली चर्खी स्त्री० भरकरवु'--अ० कि गर्जन करना अ० कि० गरकी-पुं श्रंकर पुर **गरथ**-पु'० धन पु॰ दौलत भरहन-स्त्री० गला पू० गर्दन भरही-रेशी० जमघट स्त्री० हंगामा भरहे।-पुं० चर्दा पु॰ **गरनाण -नाला पु० नाबदान** भरभ∸वि० उच्या पु० गर्म **ગરમી**—स्त्री० उष्णता स्त्री० ताप **भरभुं-- न॰ काँसेका कटोरा पु० ગરાડી–વિ० नशाबात्र पु०;** गंजेडी गरिये।-धं० अमर पु० मैंवरा गरीप-वि॰ निर्धन वि॰ नादा**र** भर^६–५'० श्रमिमान पु० घमंड भक्ष-पु. बंशी, (मझली पकदने श्री श्रंबुड़ी) स्त्री॰, मावा **ग**सत-वि॰ श्रग्रद्ध वि॰ ग्रस्त **अक्षपटे:--पुं० गळेका प**हा पु• गक्षवा-भुं० फटाका पु• भसी-स्त्री० सँकड़ा रास्ता पु•

अलीय-वि० दूषित वि० गन्दा

भें बेर-पुं० गद्दीत किए की खोली स्त्री 🌣 भदेली-स्त्री । ताइफलका गृदा पुर ग**લ્લાંતલ્લા–**ન૦ श्रानाकानी स्त्री० हीला– हवाला गલ्डे।-पु'o बकरा पुo कोष; गरुछः भवरी-स्त्री • गाय स्त्री • भवली-पुं० बवाला पु० श्रहीर गवैथे।-५ ० गायक पु० गवैया गदन-वि॰ गंभीर वि॰ गहरा ગળગળુ'-বি০ ढीला वि• गद्गद भणयी-स्त्री० गर्दन स्त्री० ગળણી-स्त्री० गत्तने का साधन प्∞ गणहा-पं • सकार पु • ગળવું-સ૦ક્રિં नगत्तना स० कि० भण्ं-न० गला पु॰ इलक्ष भेषे पु-वि॰ ऋठा श्रारोप लगानेवाला प्ठ: पराई वस्तु पचानेवाला भ'क-पुं ० हेर पु० भ'क्यवर्-स्त्री० विशास पु॰ जंगी गं ७-स्त्री० घासका देर पु० ग'ड्'-वि० मुर्ब वि० वेश्रक्तल भंदश-स्त्री० मैला पुर गन्दगी **ग'ध**=स्त्री० वास स्त्री**०** वृ . ग'ध्व[°]-धुं • गारक पु० गवैया, देव∽ ताओं की एक जाति ग'धवा-५'० संगति स्त्री० सोहबत ग'धाव - अ० कि बदबू मारना अर्जक ગાઉ-પું∘ કોસ પુ∘

[ગુજારવુ

भागर्–≷शी० घड़ा पु० भाकपीक-स्त्री० मेघ-गर्जन और विजली चमकता भाभवुं-अ० हि० नाम फैलना अ० कि गाउर-न० मेह स्त्री० भारवा-पुं व घडा (घी तेल भरनेका)पु० **সাঞ্-**-। गायन प् गाना गाथा-स्थी० कथा स्त्री० किस्सा भाइलं-न० गंदला प० भानतीन-न० गाना बजाना पु० भाईस-वि॰ श्रसावधान वि० गाफिल भाषाउँ-न० बड़ा छेद पु० भाक्षस्'-वि॰ कोमल पु॰ नरम भाली-५० पुराना कपड़ा पु० भाभडी-वि० प्रामीण वि० गँवार भाभार-वि॰ गाँव पु॰ देहात ગાયક-પું૦ સંगीतज्ञ વૃ૦ गवैया गायण-वि० ल्प्स वि० ग्रम भार-वि० शीतल वि० ठंडा: गीला भारुडी-पुं ० सँपेश पुरु; नदारी; जादूगर गारा-पुं की बढ़ प० भासि-स्त्री० गाठी खी० भासीया-पुं नमदा पु गलीचा ગાશિયા-५० घोड़े का जीन पु० भागतं-स०५० कचरा साफ करना য়া• ক্রি৽ गाणियुं-न० पशुको बाँधनेकी रस्सी स्त्री०

ગાળા-યું૦ फॉसी વૃ૦, વદ્ટા गांगरवं-स०क्षि० रदन करना स० कि० रोना गांग्र'-वि॰ दीन पु० गरीब गांगा-पु'० रंक आतमा, घर घर तेल बेचनेवाला पु० गांक्यु'-स०क्वि धोखा देना स० कि॰ द्या करना; हराना गांदेगणहा-५'० संशय पु० शक गांध्री-स्त्री० पोटली स्त्री० गठरी गांह्यु'-स०क्वि० गाँठना स०कि० ગાંડપણ-ન૦ पागलपन वि० ગાંડું-વિ• પાगळ વિ• गांधी-पुं पंसारी पु० गिरही-स्त्री० जमघट पु० भीड़ भीभा-पुं• **छोटा** बच्चा पु• भीय-वि॰ सटा हुआ वि० भीयत-स्त्री० निन्दा स्त्री० बदगोई **गीरधी-स्त्री० मिल स्त्री०** भीरपतं-सर्वाहर रेहन'रखना सर्वेकः गिरवी रखना थुकरवु--अ०क्षि० मरना अ०कि० फ्रोत होना

थु**०**२।त-न० निर्शेह पु० गुजारा

ગુજ{ी-स्त्री० हाट स्त्री० **बा**जार

थुलरवं-स०िक सम्मुख करना स०कि≈

अध्य-पुं॰ सुलक्षया पु॰ अच्छी आदत
अध्यात्याह-पुं॰ स्तृति स्त्री॰ तारीक
अध्यत्य-वि॰ ग्रग्यान वि॰
शुहरत-वि॰ पिछला वि॰ युत्तरा हुआ
शुने।-पुं॰ दोष पु॰ गुनाह
शुनेशर-वि॰ अपराधी पु॰ गुनहगार
शुभ्यु५-पुं॰ गुप्तरीति से, छिपे तौरपर
शुभ्त-वि॰ छिग हुआ वि॰
शुभ्तथर-पुं॰ मेदिया पु॰ जास्य
शुभ्तथर-पुं॰ मेदिया पु॰ जास्य
शुभ्तथर-पुं॰ मेदिया पु॰ जास्य
शुभ्तथर-पुं॰ सेदिया पु॰ जास्य
शुभ्तथर-पुं॰ सेदिया पु॰ जास्य
शुभ्तथर-पुं॰ सेदिया पु॰ जास्य
शुभा-वि॰ खोषा हुआ वि॰

शुभारता-पु'० ग्रुमारता पु० शुरु-वि• शिज्ञक पु० शुक्षतान-वि० तल्जीन वि० मशगूळ शुक्षाधी-वि० चानन्दप्रद वि० मजेदार; मीठा शुक्षांट-स्त्री• (गुलेची) सर्के बज

श्रीं घा होकर गिरना
शुक्त-त० काड़ी स्त्री•
शुक्तपुस-स्त्री• गुप्तवार्ता स्त्री• गुप्तवार्ता स्त्री• गुप्तवार्ता स्त्री• गुप्तवार्ता स्त्री• गुप्तवार्ता स्त्री• गुप्तवार्ता स्त्री• गुप्तवार्वा शुक्तव्-पुं० गुँजार पु० गूँज
शुक्तका -स्त्री• शक्ति स्त्री० ताकत

गुंधे-पुं वहराद पु व गुंडा गुंभाक-पुं गुम्मद हु । गुंध-स्त्रीव गुरुषो ली व जलमन गूंध्यापुं-स्थादिक स्वास दक्ता अविक गुंद्युं-स्थादिक रॉदना स्वाहित कुचलना गेथा-विव लुप्त विव नदारस् गेथ्री-विव गुप्त विव क्षिण हुआ गेर्सीत-स्त्री व्योगित ली व कराव तरीका

शेरसे।ध-स्त्री० कठिनाई श्ली० मुहिकतः शेक्ष-स्त्री० प्यार पु० मुद्दब्बत; रास्ताः शे-स्त्री० मात्र श्ली० शोधीरे।-पुं० गूंजनेकी श्लावाज श्ली० गूँख

शिष्य-पुं • गोसा पु • मरोसा
शिष्युं-स०६० रटना स० कि०
शिष्युं-स०६० रटना स० कि०
शिष्युं-पि • द्वित वि० गम्दा
शिक्षुं-पि • द्वारा वि० सुरुषी
शिक्षां-पुं • गोहाहा पु • गववव शिक्षुं-पुं • क्वास धुनने का बोटा पु ०;

भेडि-स्त्री० योष्टी स्त्री० गुप्ततम् भेडिडी-स्त्री० गुप्तवातं स्त्री० गुप्तःम् भेडिवञ्च-स्त्री० प्रवन्त्र पु० वन्दोवस्त भेडिनुं-अ०डि० हचना स्न०कि० पदन्द प्रवना

ગાહिયા-पुं• मित्र पु• दोस्ब

भेता]

ગાત-સ્ત્રી ગોધ સ્ત્રી ગ હો ज गेतर-न० गोत्र प० भेड़-स्त्री० संकस्त्री० गोट गेहि।-पु' वृक्षा पुठ; ठौंका मारना ग्रोधा-पुं साँइ पु० गे।प-पुं व्याला पु वस्याहा शेष्यर-तक गोबर पुर ગાેબા-પું વકા ૧૦ भेभे६-५'० पुखराज प्र• भे।र-पं ० पुरोहित पु o; गुरु शे।र भ-वि॰ संयमी वि॰ गे।र०४-स्त्री० गोधूलि स्त्री० गिरीक्षे।-पुं गुरिल्ला पुः गेरिं-वि० गौर वर्षा वि० गोरा भेश्यभाद-वि० गोटाला पु० गड्बड गे। बंदाल-पुं गोलेका निशानेबाज पु० ગાવાળિયા-પુ'0 खाला पु0 चरवाडा गे। १५-२३। ॰ गोष्ठी स्त्री ॰ मसलत गे।ंधपु-स०क्षि० केंद्र वरनास० कि० हिरासतमें देना गा-स्त्री० गायस्त्री०

गी-स्त्री॰ गाय स्त्री॰
गै।र-वि॰ गौरवर्णका पु॰ गोरा
असवुं-स॰डि॰ प्रसना स॰कि॰ पक-इना; स्नाना
अधि॰-स्त्री साँच पु॰ जोइ; गाँठ
आस-पुं॰ कवल पु॰ कौर
आહेऽ-पुं॰ खरीददार पु॰ई वि॰ सम-

भानेवाला

[ध]ं धयधधयडी-स्त्री॰ जमघट पु० मीद-भदक्षा धट-पुं॰ शरीर पु॰ जिस्म; मन धटभाण-स्त्री॰ कम पु० धटस्हें।ट-पुं॰ निकाल पु॰ धटवुं-स्थ॰डि॰ योग्य होना, लायक बनना; कमी होना अ०क्रि० धटा-स्त्री॰ समूह पु॰ जमाव धटाववुं-स॰डि॰ घटित होना स॰कि॰ लागू होना धटित-वि० योग्य वि॰ लागक धटित-वि० योग्य वि॰ लागक

बिनर

धरु-वि० लूर वि०
धरुपञ्च-न० वृद्धावस्था स्त्री • बुद्धापा
धरुवी-स्त्री • ब्रोटा वि०
धरुवुं-स०४० वनाना स० कि० घहना
धरुपेशुं-वि० श्रनुभवी वि० तुजुर्वेकार
धर्णुं-वि० प्रष्टकल वि० काफी
धन-वि० ठोस वि• संगीन
धनधर-वि० गाद्धा वि० गहरा; हरावना
धनथम्भर-वि० आह्यस स्रोपडीवाला वि०
धमसाञ्च-त० विनाश पु० वर्षादी; टोला;
धम'र-पुं० श्रहंकार पु० घमंड
धररूरी-वि० घरष्ट्रस् वि•

धर्गःथु-वि० घरेल्ल वि० खानगी धरं ५-स्त्री • हृद्धि ल्ली० धरं ५-स्त्री • हृद्ध वि० वृद्धः पुराना धरवभरी-स्त्री • घरेलू चीचें स्त्री • धरवं ८-स्त्री • इंटुम्बी पु० वरिवारका धरवं भरें १-पुं० घरेल्ल सामग्री स्त्रो • धरंदी -स्त्री • गड़गड़ी स्त्री • चर्खी धवायुं - अ०िष्ठ • घायल होना अ०िक्र •

जस्मी होना धसऽवं-स०क्षिण मनचाही कलम विसना स०कि०

धसरहे।-पुं॰ टेड़ी मेड़ी लकीर स्त्री० धस्तपुं-स॰क्षि॰ रगइना स॰क्षि॰ घिसना धंटीचे।र-पुं० चालाक चोर पु॰ धा-पुं॰ चौबीस कागजोंका दस्ता पु०; प्रहार, क्रोध; स्तटका

भाध-स्त्री० व्यक्रता स्त्री० उतावल धाट-पुं० आकार पु० शक्ल; प्रदर्शन धाटी-वि० घरेळ नौकर धाटीलं-वि० हरवान् वि० ख्रम्रत धाटीलं-वि० हरवान् वि० ख्रम्रत धाटुं-वि॰ गाढ़ वि० युग्हरा; संगीन धाटुं-नि॰ कखका गर्म रस भरने हा

धाथु–पुं∍ सारे जत्येका भाग पु० नाश; मोटा हथो**डा**

धात-पुं न्य्राघात पु नोट; नाश धात ४१ - वि कर वि खूनी धाभ-पुं० ग्रीब्म पु० गर्मी धायस-वि० आहत वि० जल्मी धारुं-न० नासूर पु० धासभेस-स्त्री० खटपट स्त्रो० गडबङ्-

स**रवर** धासपुं-स०५० ग्रंदर रखना स०कि० पहिनना

धाव-पुं ० जस्म पु०
धावर-न • त्रोस स्त्री० शबनम
धांय-स्त्री० गुत्थी स्त्री० उत्तमन
धांया-पु० तैली पु०
धांया-पु० बाँसकी टोक्सी बनानेवाला पु॰
धांटी-स्त्री० गर्दन स्त्री०; श्रावाज
धांटी-पुं • आरी वाणी स्त्री० मोटी

স্থাৰান

वीम-पुं० शंका स्त्री० शक वीसावीस-स्त्री० उत्पात पु॰ ऊधम धुभ्भर-स्त्री० चक्रव्यूह पु०; चूमर धुभ्भर-पुं० सुक्का पु० चूँचा धुसाऽपुं-स०क्षि० घुदाना स०कि० दाखिल करना

धूभ-२५० लीन अर्० गर्क धूभरी-स्त्री० घूमर स्त्री० धूभयं-२५० ४० गोल इंगे फिना अस्टक्रि०

धभाधू भ-स्त्री० दौढ़धू ग्र स्त्री० भागदौ ह धूरडेवु - भे० ४० जोरसे घूमना श्र०कि धुसबु - थ्य० ४० जोरसे बुसबाना श्र०कि ० 뒣[]

धुंट-पुं॰ घँट स्त्री• चुटव –स०५० पीसना स०कि० धुंटी-स्त्री० समस्या स्त्री० उलमान धेन-न० नशा पु० सुस्ती; मद धेर-पु० विशव पु० **घेरा** धेरवु'-स०कि० घेरा डालना स०कि० बेरुं-वि० गहन वि० गहरा; पक्व धेरैथे।-प्रं० होली खेलनेवाला प्र० वेरे।-५'० घेत पु०; वि० गहरा धेक्षं-िय० पागल वि०; बेश्रक्तज्ञ धे।-स्त्री • गोह स्त्री • धे। धरु '- वि० भारी आवाज वाला वि० चे∖धेः–वि० कृप∔ंडुक वि० कमश्रङ्गल धे।ऽ।२—स्त्री० घड्डाल स्त्री०, तबेळा धारी-स्था० घोडी० स्त्री८ वैद्याखी ધો **યું – તે ગાવ પુ • ઝણ્**ન . चे.र–वि० भयानक वि० डरावना; स्त्री०

क्षत्र धेरभे**६**-न० विताशक पु**० वर्वादकरने**-वाळा

वाला दीरश्-नं • मनकी स्त्री • ऊँघ दीरी-दि • ऊँघनेवाला दि ० दीख़ ५-सी • अँघेरेवाला मकान पु ० दीष-पु ० भारी आवाज स्त्री ०; ढिंडोरा दीषशा-स्त्री • ढिंडोरा पु ० ऐलान दीण-पु ० व्याकुलता स्त्री • बैचैनी दीणव् • स०कि • जुगाली करना स०कि • धेधि। ८-५'० स्रावाज, ध्वनि स्त्री० शोर-गुल; घवराहट धेथि भरे । ७ वंग करना पु• दिक करना

[ચ]

यध्यक्ष-२५० चम्ह्रीला वि० थध्यक्षित-वि० स्वच्छ वि० चमकीला थ**ऽ**थार-रंशी० शोध स्त्री० जाँच-पड़ताल थ अथूर-पि० तल्लीन वि० गर्क थरत्'-वि० सचेत वि० शवधान वि० न॰ चो हौर दुकड़ा थक्ष्मक-पु्रं चक्कमक पत्थर पुरु; स्त्री० तक्रार यक्तावा-पुं• घेता पु• थકरी–स्त्री० चक्कर पु० फेर थंऽसी-स्त्री० चिडिया स्त्री० थक्षं-न० चौहट पु० चौरस्ता थक्त'-वि० ताकना वि० थश्रथं - अ० भरपेट ब्रा० थ्धाभु'-तं० चाठा पु० चित्ती यक्षसत्ं-स०क्षि शोधकरना स०कि० खोजना

खोजना
श्वित-पि० स्तंभित वि० दंग
श्वेत-पि० सतंभित वि० दंग
श्वेत-पि० चालाक वि० चालबाज
श्वेत-स्त्री• चक्की स्त्री•
श्वेक्ष-प० चाकू पु०
श्वेष्ठवात-पुं० वातचक पु० बगूला
श्वेष्टर्द्ध-वि० ब्याज पर ब्याज वि०

यथ्यथ्।८-५'० फलफलाइट स्त्री०; ग्राँच यथरव्-अ॰४० जडन होना अ॰कि॰

ययरपु-अ०४० जडन होना अ०१कः यट-पुं० हर पु० जिह्; संभातः; अ० फौरन

यटक्-वि० चमक वि० श्राबः स्त्री० लाग यटकपुं-वि० चटकीला वि० महकीला यटकमटक-वि० लटका वि० नलरा यटकपुं-स०क्षि० काट खाना स०कि० यटकावपुं-स०क्षि० काट खाना स०कि० यटकावपुं-स०कि० काट खाना स०कि० यटपट-य्य० महमस्य श्र० फौरन यटपटी-स्त्री० सन्ताप पु० रंजः आक्ष-

थरा। थराध–स्त्री० टाट-पट्टी स्त्री० चटाई स्वाद पु॰,जायका थराथर–थ० शीघ्रतापूर्वक क्ष० फुर्तीसे थरियुं–पि० हठी वि० खिदी

यटे।यट-थ० फटपट घ० ताबहतोह यट्ट-थ० शीघ्र घ० फौरन यडती-स्त्री० उन्नति स्त्री० तस्क्रकी अऽभयऽभ-अ०शीव्रतापूर्वक अ० तेजीसे अऽभऽवु'-अ०क्षि० क्रोव करना, गुस्वा होना; फगड़ा करना अ०क्षिक अऽवु'-स०क्षि० नीचेसे ऊपर जाना; हमला करना: राँधना:

थऽस-पुं ० व्यसन पु० तत; इट थऽसाथऽसी-स्त्री॰ खींचतान स्त्री० नोंक फ्रोंक

थऽ।७-स्त्री० आक्रमण पु० हमला थऽ।७-(व० चिड्चिडा पु० तुनकमिजाजः थऽियातुं-(व० अधिक सुस्दर वि०

जियादा ख्वस्रत यर्रीये।८--भ० हठात् अ० एकदम यशुदु-स०४० मकान चुनना स०कि०; हक्लाना

यतुर-नि० दक्ष वि० होशियार यप-२५० शीच्र श्र० मत्ट यपअक्षं-नि० जली वि० दगाबाज यपआयुं-स०४० चिपकाना स०किः वृद्धि करना

२५२५-५० वाद्यतासे अ० मटपट २५८-६० वपटा वि० २५८१-२३० चुटकी खी०; पकड २५६१-१० सिकोरा पु०; मिक्षापात्र २५२१सी-५० पहरेदार पु० दरबान;

स्त्री० बड़ाई

यभरभ'वी-वि॰ श्रुरवीर वि० बहादुर;

सत्ताधीश

ચપલ 🛚

यपस-रेशी० चं बल पु० नटखट यपक्षा-स्त्री० विद्यत् स्त्री०; सद्दगै; चंचल औरतरे चपसवं-अ०६० जोरसे दबाना अ०कि० -२५णाध-स्त्री० चच**तता स्त्री**० यपाटव -स कि सपाटेसे खाना स०कि०

चट कर बाना ·ચપાડી–સ્ત્રી૦ चવાતી સ્ત્રી૦ રોટી - यथेंट-स्त्री० थप्पद पु० तमाचा -अध्य-भुं । चाकू पु० - २१ थर २ थर केंसा तैसा अ॰ करपर । व ्थपशाः-वि० चपस वि० चंचल थ्युतरी-स्त्री० चौकी स्त्री० न्थ्यभूतरे।-पु'० पिचयोंको दाना डालने

की जगह -અમાળા-પું• કટા**ક્ષ પુ• અદા** -यभा-क्री० द्यति स्त्री॰ श्राव -थभडा८-धुं० चमक स्नी० आब न्यभयी-स्त्री० द्वीटा र मच पु०; पान सपारी रखनेकी कोथली

न्यभडी-स्थी० चर्म पु० चमहा न्यभत्धार-प्रं० करामात की॰ करिश्मा न्धभन-पुं ० शानन्द पु ० मजा; बाग न्यभर-वेशी० चमड़ी मायके बाख प्र∙: हिम्मत अभरण'ध-पुं० चमदेवा पट्टा पु•

थभरी-रेश्री० मंत्ररी स्त्री ; **बौर; चमर** यभू-स्त्री० सेनास्त्री फौज

यम्भड-वि० चर्म सहश वि० जैसा क्जंस थर-वि० फिरनेवाल। वि०: चंबल थर**५-**थुं० दूत प्• नुमाइन्दा यर६-वि० बेस्वाद वि० बेज्ञायदेदार, नमधीन थर**भी–**स्त्री० पवनचक्की स्त्री०; स्त्रेटा चर्मा थरथर-था॰ शीव्रतापूर्वक अ॰ अल्डीसे थरथराट-पुं• चटपटापन पु• यरख-y'• पैर पु॰: कविताका पद **ચરપણ-ન**৹ कृषसाता छी• कंजसी यरणी-स्त्री० चर्बी स्त्री॰, सद् धर्मह थरवा€ार—पु°० श्राश्व सेवक पु० सईस थरभ-वि० अन्तिम वि० अखीरी थरपु-अ०६० चलना, घास खाना: खेळना श्र०कि॰ **अरा**ष-वि॰ चरागाह स्त्री ० थराथर-वि० जड़-चेतन वि० यरित-न० यशोगान पु० गुगावर्णन. भाचरग्र थरित्र-न॰ आचरस पु॰ च स-वलनः 88

यर-पुं० चौहे मुख का लोटा पु० यरेंडी-पुं० चीरा पु० फॉस यर्थरी-स्त्री० आनन्द पु० लुस्क यर्थपुं-स०क्षि० चर्चा करना स०कि०

बयान करना यर्था-स्त्री० वाद विवाद पु० बहस सुबाहिसा; निन्दा

ચર્ચાપત્ર–ન৹ चर्चापत्र पु० यर्पट-पुं० थणाइ पु० तमाचा यम् (४४-८० चमहेका कारकाना प्र• यर्था-स्त्री० कामकाज पु० यर्प्-न० चवानेकी किया स्त्री० यस-वि॰ अस्थिर वि॰ मनकुता **এ**রভা–ন০ सत्ता स्त्री• श्रमतः; रिवाज यसती-रुत्री० संगीतकी एक डब पु० यसन-पि० हिलता हुआ वि० यथां वि०-जिसमें काम चल सके वि॰ थक्षायभान-वि० अस्थिर वि● मनकूला यक्षावव नस्राहेण निभा लेना सर कि॰ यक्षित-वि० श्रास्थिर वि० मनकृष थव-५'० मोतीका तौल ५०; कुशलता यव्यव-वि स्फुट वि० फुटकर अवर्'-न० इलका नोकदार दाँता पु० थवलु'-स०५० कहना स० कि० यणवणार-पुं० जज्ञन पु० तमतमाहर **२१५**० वृत्वुलाना स्र० कि० यवाध-स्त्री॰ हँसी ठट्टा पु० मजाक

थवाधुं-न० बना चबेना पु०
अवे।-पुं० तलुवेका फफोला पु०
अक्षभेशेशि-स्त्री०देखा-अनदेखा करनापु॰
अस-न० अतिभाव पु०; प्यार
असक्षुं-अ०६० मुक्त हो जाना,आजाद
बनाना: पागल होना अ० कि॰

यसः।–पुं० लत स्नी० टेव यश्यम–पुं० रेशमी डोरोंकी तच्छी स्नीक यसायसी–स्त्री० करामकश स्त्री० खींच⊬

तान

थहेरे।-५'• चेहरा पु० शक्त यहेराहार-वि० सन्दर वि० खुबसूरता यण-स्त्री० खुजली स्त्री० खाज थण5वु'-अ•िह० चमकना अ० कि० २०१६८-५'० प्रकाश प्र० रोशनी यणधारा-स्त्री० ज्योति स्त्री० चमक यगवण-स्त्री॰ चलचाल स्त्री॰ इतचल यणवणाट-प्रं सन्नाटा प्र• सनसनी यणपु'-अ० कि हिगना श्रा० कि २णाभधी-स्त्री० राहः भा**वा** पु० किरायः थंग-वि० स्वच्छ वि० साफ; पुष्कतः थ थ – वि० निरोग वि० तन्दुरुस्त य'य-स्त्री० चंचु स्त्री० चोंच य'यलां-वि० चंचल औरतः लहमी बिजली स्त्री० य'यु-स्त्री० चौंच स्त्री० य'यु प्रवेश-पु'० थोड़ा ज्ञान पु० कम्ह जानकारी

િયામડુ

थ'थुपात-पु'० चंचुप्रवेश पु • कमवाकः कियत थं ५-वि० उच्या वि० गरमः भयं हर **ચ**'ડિકા–સ્ત્રી ૦ रुप्र स्वभावकी दुर्गादेवी स्त्री० र्थं शक्ष-विव निर्देश विव जुहमी: पापी य'डीपार-पु'o दुर्गान्स्तोत्र पुo य'६-वि० कुछ वि० धोड़े से; पु॰ चाँद र्थाधन-ने चन्दन पुरु सन्दल य'दनी-स्त्री० ज्योरस्ना स्त्री० चाँदनी: रंग विरंगा कपदा यद्दरव -स० कि मनकी बात निकलका छेना स॰कि॰ शंहरवे।-पुं० रंगीन कपड़ा पू० यं ६१-स्त्री० चन्द्रमा पु० चाँद; चाँदनी य'है।-पु'० बिल्ला पु० चेहरा **अंद्र**ड-पुं• बिल्ला पु० न्यं पत-पुं ० नौ दो स्यारह पु० ं यं पी-रेजी० शरीरपर मालिश श्रादि स्त्री० अंधु-पुं० केंगा पु० सुराही न्या अस-पु'० फीजमें नगारों का जमादार पु०

गहना
वाड्यांड-वि० चालाक वि० चंद
यांडणी-स्त्री० होटी गगरी स्त्री०
यांडणी-पु० चहसका चर्का पु०
व्यांड-न० सचेत वि० सावधान
भाषाधी-स्त्री० काष्ट्रपादुका स्त्री० सहगऊ

न्याइ-वि० स्वस्थ वि० तन्दुहस्त; एक

थाभवु'-स० ४० चलना स०कि० याग-पुं•दुबार पु॰ प्यार यायरु-न० क्याल पु० थाट-वि० लिजित वि० शर्मिन्दा: स्त्री० टोता याटलु'-न० दर्पण पु० श्रारसी याटपु'-स०दि० चाटना स०कि० न्या. दु-वि० प्रिय वि० प्यारा, मौठा याद्र - वि० चटोरा वि० थाहै'-नुः चाठा पु॰ दाग् थाउ-देशी० सार-संमाल स्त्री० निगरानी थाऽभु'-न० प्रहरी पु० सन्तरी याडी-स्त्री० चुगती स्त्री• ચાણાક્ષ-વિલ્ धूर्त विल् चालाक यातरम-न० पंचायत स्त्री० थातर-वि॰ चतुर वि॰ होशियार यात्य^९-न॰ चतुराई स्त्री॰ होशियारी थान५-स्रीठ सार-संभात स्त्री० देखमाल: चेतावनी: चालाकी थाप-तं० धनुष पु॰ हमान यापयीप-स्त्री० टीमटाम स्त्री० सजधनः चिक्ताई थापट-स्त्री० थप्पड़ पु० तमाचा यापश्सी-स्त्री० जी हुजुरी स्त्री० खुशापद थालड-धु कोहा पु० चाबुक

थाभभा-५१० को बा पु० चाबुक, मार्मिक

याभरु - वि० दोषदर्शी वि•

ે યાદ

याभेःधि-रें सथ्या प्रदर्शन पु०, नख-राक्षजी

थार-पुं॰ ग्रुप्तचर पु॰ जासूम; स्त्री॰ इरा घास

यारध्-पु'॰ एक जाति विशेष यारवु'-स०५० चरना स० कि० यारित्र (२४)-न० म्रानरेख पु॰ चाल-चलन

यारेगभ-अ० चारों क्रोर क्र० चौतरफ यारेवेणा-स्त्री० प्रदोषकाल पु०॰ शाम ,यारे।-पु॰ चारा पु॰; इलाच यास-पु॰ पद्धति स्त्री० रिवाज यासयसगत-स्त्री० क्राचरण पु॰ चास-

थासथसा§–ियि० कामचलाऊ वि• थासती–स्त्री० चलती स्त्री० थासातसथी–थ्य० ४० यथाशक्य ८०० जहाँतक बना

साधवुं-स्नि डिट्स्तना खानिकः, पहुँचना
साधाः-विन धूर्त विन चंट
साधु-विन वर्तमान विन मौजूदा
सावऽी-स्त्रीन पुलिस थाना पुन चौकी
सावऽं-विन बात्नी विन बक्वादी
सावऽं-तिन बना-चबेना पुन सावऽं-तिन कुंती स्त्रीन स्वायं सावऽं-तिन बना-चबेना पुन सावि-स्त्रीन कुंती स्त्रीन; उत्तरमाय सास-पुन सामनी स्त्रीन स्रक्षा-पुन हदन पुन रोना; नुकसान

यासध्य-क्री० शक्करई: चासनी स्त्री० नम्ता; कसौटी यासपुं-व्या० कि० चासनी बनाना अ०कि० यासपा-स्त्री० चाह स्त्री० पसन्दगी यादपुं-स० कि० प्रेम करना स०कि० चाहना याण-स्त्री० ग्रॅमरखेका खातीके नीचेका घेर पु०

थाण६-न० मेह बहरियोंका झुंड पु॰
थाणपथुं-भा० कि० परिवर्तन करना;
साश्कि॰ रहोबदल
थाणपुं-स०कि० छानना स०कि०
थाणा-पुं-भा०प० हाव भाव पु०
निवरा

थाणी-स्त्री० सजा स्त्री० बढरी थाणा-पुं०भे० २० द्दाव भाव पु० नखरा; छप्पर बनानेवाला

थांध-वि॰ तिज्ञत वि॰ शिमिन्दा थांभार-वि॰ निधेन वि॰ ग्रारीब थांगणुं-नि॰ चार श्रेंगुतकी श्रंत्रति श्ली॰ थांथ-श्ली॰ चोंच स्त्री॰

श्रांथवे। पुं ० कुदाल पु० श्रांथिये। पुं ० समुद्री डाकू पु०, लम्बी नोकदार पगड़ी बाँधनेत्राला

यांट-स्त्री० तक्ष्ठेके किनारे का हिस्सा पु॰ यांटी-स्त्री० वक्ष्यात स्त्री० यांट-पु० विरुद्धा पु०; चन्द्रमा ર્ચાદરાત]

थांदरात-स्त्री • शुक्त पद्मीय तृतिया स्त्री • र्याध्यी-स्त्री० ज्योत्स्ता स्त्री० चाँदकी रोशसी र्थोदरर्थ-न० तारीका मन्द प्रकाश पु० यहितिया-पुं कपडेका पदक पु० बिल्ला: चाँद र्याद्व - वि० उत्पाती वि॰ ऊधमी थां६-न॰ खांछन पुर तोहमत थांप-स्त्री० वस स्त्री० पुर्जा, पैसे रखने का बटनाः धाकः देखमाल यांपत-नि० कठोर वि० सख्त यांपलं-वि० मुँहत्तमा वि० यापव - स० कि० दबाना थिडन-न० चिक्रनका काम पूर थिकत-वि० भरपूर वि० खुब चि**डित्सा-**स्त्री० उपचार पु०इलाजः गुगा दोष परीक्षाः टीका चिहारी-स्त्री० पूँचा पु० इलाई चिहार-वि॰ उद्भत वि॰ शरारती थिक्षेरव'-स०क्वि टो**इना** बार बार कहना यिभक्ष-५ कीच पुर कीवड थिथ२५८८-२३० जमीनका लम्बा **औ**र सँकड़ा दुक्का पु० थिथियारी-स्त्री०चीख स्त्री० चिल्लाहर ચિટનીસ–પુરુ મંત્રી • પુરુ વજીર ચિઠ्ઠी-स्त्री० पत्र पु० **ख**ा ચિકીચપાટી-સ્ત્રી૦ પત્ર-વ્યવદાર પુ•

खतोखितापत

(यराव् - अ० कि॰ को बकरना नाराज होना थिरियस- वि० क्रेघी वि० ग्रस्सेशाज [यराखं-पिठ चिवना श्रौर बदबू-दार वि० ચિશ્વગી-સ્ત્રી૦ ક્ષાદેન સ્फूर्तिंग पु० चिनगारी थित-न० ज्ञान प्र• होशः चेतनाः चित्त थितराम्थ-न• चित्र पु॰ तस्वीर थितार—पु'० वा€तविक वर्णन पु० हृब्ह् बयान थितारा-पु'० चित्रकार पु० चितेरा थित्धार-पु'० चीत्कार पुं॰ चिल्लाह थित-न० मन प० दिल थित्तश्रम-५'० डन्माद पुरु पोगलप थित्तवेध ५-वि० हृदयमेदी वि० दि द्र-ਜੀਵ थिता धर्ष-वि० सनोहर वि० दिलचस्य (यत्रक्षं ६-- न० क्योत पु० कबृत्र ચિત્રપટ-**પું सिनेमा** स्त्री• ચિત્રભાનું – પું **ન સૂર્ય વૃ** શ્રાफता**વ** थित्रिशी—स्त्री० चतुर सन्दर धौर ग्रावती स्त्री थित्रित-वि० चित्रवाला वि० ચિથरियु'-दि० फटेहाल वि० थिनाध-वि० चीत देशमें बना हुआ वि• थिनभय-वि० ज्ञानमय वि•

િચીપણી

थिएसियु'-वि० कृपण वि० बंज्स थिभावशुं-वि० मुँइस्ता वि० थिशुक्ठ-स्त्री० दुई। थिभेटी-स्त्री० गर्दन स्त्री० थिलोवुं-अ०क्षि० मनमें बुद्रना अ०क्षि० थिर-वि० प्राचीन वि० पुराना थिरकाण-पुं० प्राचीन समय पु० पुराना

थिरं १९ व-वि० लम्बी उम्रवाहा वि०:

पु॰ पुत्र
थिर'तन—वि० चिरकालीन वि० जुना
थिराधु—वि० दीर्घाधु वि०
थिराध—स्त्री० चीरनेका मेहनताना पु॰
थिराध—पुं॰ दीप पु॰ चिराग्र
थिराडे।—पुं॰ चीरा पु॰ खरोंच
थिस भत—न० लौह स्नाण पु॰ बहतर
थिस सुं।—अ॰(६० पीका देना अ०क्कि॰

थिह-न० निशान पु०
थिशूस-वि० कृपगा वि० कंज्य व
थिता है-पुं० विचारक पु० फिलस्फ थिता है-पुं० विचारक पु० फिलस्फ थिता-न० सनन पु० विचार थिता है-स० हि० विचार करना स० कि० थिता हो। सोच पु० फिल थिता शीक्ष-वि० चिन्ता सस्त वि० फि

नक्तलीफ देनाः दःखी होना

श्यितं।शीक्ष-पिक चिन्ताग्रस्त विक फि कमन्द यिन्ताकुक्ष-पिक्तित विक फिक्क मन्द

थि'तामि - पुं० मनवाहा देनेवाली एक मसि खी० -थी ४८-थि० स्निम्ध वि॰ चिद्रना न्धिरी-प्र'॰ सन का कपड़ा-मुक्टा पु॰; ચીકહા'-વિ૦ દિનમ્ધ वि० चिक्रनाः कंज प थी। श-रत्री० स्निम्धता स्त्री० चिक-ਜਾਵੰ थी,अवाडेा−५'० चीख स्त्री० चिहाहट थीक-स्त्री० वस्त स्त्री० जिम्स थीं अन्ति कोष पुरु गुस्ता; स्रत वैर थीऽवव'-स०िक चिडाना स॰ कि॰ ग्रस्या करना थीडिय - वि० कोधी वि० गुसैक थीधा-स्त्री व घाषरेकी कोरें स्त्रीव: एक हिववार थीत-वि० पशु की पीठ के दाग्र वि• चित्तियाँ: चित्त थीतरव -स० कि चित्रित करना स॰ कि • थीतरी-स्त्री० घृणा स्त्रीं० नफ़रत थीतवु'-स॰िं॰ इच्छा करना स०कि॰ थीयड्'-न० चिंधदा पू० थीतव -स॰ हि॰ जानना प॰ कि॰ पहि-चानना थीप-स्त्री० खम्बी चपटी पट्टी स्त्री० थीपडे।-पु'० ऑख हा की वह पु० थीपशी-न० पत्तोंकी पट्टी स्नै०

ચીપિયેા]

ચીપિયા-પું• चिमटा પુ• थीथु'-वि० चपटी नाकवासा वि० थीभगी-स्त्री० विमनी स्त्री॰ चीभणाव्'-अ०क्षि० कुढ्ना अ०कि० न्धीर-स्त्री० चीरा पु० खराँच, रेशमी वस्त्र न्थीरियु'-न० चीरा पु॰ सरींब न्थीरी-स्त्री० पतली कटी हु**ई लक**दी ली० **थीલ–**स्त्री० एक पक्षी न्थीक्षा-पु'० रेल की पटरी स्नां०; रित्राच न्थीवर-स्त्री० घार-संभाल स्त्री०; देख भाल न्शीवर-न० वस्त्र प्र**० कक्षा** न्यीवरी-पुं व बौद्ध मिन्नु पु॰ **थीस-**रत्री० दराह स्त्री० ऱ्यीसाऱ्यीस-स्त्री० कगह पर कराह स्त्री० न्यीसं-वि० कृपण वि० कंजुड; लगार न्यी'थरे दाल-वि० सर्वेया निर्धन वि० फटेहाल न्धीं ६२८ी-स्त्री • चहरकी लम्बी पही स्त्री • ची'धवुं-अ० कि संकेत से दिखाना अ० कि॰ इशारेस बताना न्यु आहे।-पुं • निश्टारा पु • फैसला न्युगअभार-वि० चुगली करनेवाला वि० चुगल -थुगक्षी-स्त्री • पीठ पीछे निन्दा स्त्री ० चुगसी ऱ्युरेस-स्त्री० पिशाचिनी स्त्री० चुदैत -युनवशी-स्त्री० चूनेका पानी पु० -युनं ध-वि॰ उत्तम वि० चुनिन्दा

युना३-वि० चुनेका वि० युनारा+y'० चूना पकानेवाला पु**०** युनाणु -वि० चृना समाया हुआ वि० युपयाप-अ० गुप्तह्रवसे अ० गुपचुप यभाव -स ० कि॰ मनमें कुढ़ना स॰ कि। -थुराडे।-पु'o ईटोंका महा पुo; **चू**रा थुंदेतरा-पुं० केरी काटनेका हैंसुवा पु० युरत-वि॰ श्राग्रही वि॰ जिही; तंग यु'गी-स्त्री • एक किस्मकी चिलम स्त्री • यु'भ५-वि० आकर्षक वि० खीं बनेबासा यूध-स्त्री० मञ्जीकी श्वास नलिका स्त्री० थुथे।-५ ०मूषक पु॰ चूहा; पानी टपहना थ्र-स्त्री० भूल **छी० दस्**र युक्त -वि० दिया हुमा वापस देना, चुकता करना वि० थु ४ववु :- स० कि० विचार मुला-देना स०क्रि॰ **अ्रे**धुं-स०्डि० भूतना स०कि० चु**हता** यू**ऽ**-स्त्री• श्राँटी ब्री• पक्रड़ यू८भर-पुं • मनिहार पु० यू**अ-**स्त्री० जूड़ा पु•; शिखर थूडाइरन-पुं० मुंडन संस्कार पु० बाल उतारना ચૂડામ બ્રિ– પુરુ मुकुट में जड़ी हुई एक मिर्गास्त्री० थूनव् -सर्वाहर प्रसन्न करना सर्वकर खुश करना यूनी-स्त्री० हीरक-करा पु० नाकका गहना

थ्र-धं• चृरा पु० थ्रभु'-न॰ च्रमा पु० यू (सयु -न० छोटा चाकू पु० थ्रेवे(-पुं० मूषक पु∙, चूइा थुस-स्त्री० शोषण पु• युसव -स॰ कि॰ चुपना स० कि॰ यु's स्त्री० पेटकी अँकड़ी स्त्री० **थ्र'र्था-**न॰ त्रानाकानी स्त्री० हीलाइवाला य'८शी-स्त्री॰ रुचि स्त्री॰ पसन्दगी य'थ-स्त्री० पीड़ा स्त्री० दर्द अ'थ:रे।-पुं० रोंदी हुई चीज **जी**० यु**'६**डी-स्त्री० चुनड़ी स्त्री० य'धी-रूत्री० खान खोदनेवाबा प० टीकाकार ऱ्यूंवाण-पुं० भहमदाबाद, पाटन और कडी के बीच ८० गाँवींका प्रदेश पु॰ चें ५-पुं॰ चौकी दार करहा । ०; बैंकसे इपये लेनेका पूर्जा नेंदेड-पुं० दांस पु० चाकर; भूत; जुदा येटिश-स्त्री० चेरी स्त्री० बाँदी थेख्-न० बढ़ंदर स्त्री॰ न्येत-स्त्री • चेतना स्त्री • होश, सुधि थेतन-वि , सजीव वि० जिन्दा चेतना-स्त्री० समसशक्कि स्त्री० होश-हवाश श्रेतवध्री-स्त्री० पूर्व सूचना पु० चेताः वनी

चैत्रवु'-अ० कि० सावधान होना श्र०कि० होशमें श्राना थेन-न० लक्तण पुरु आसार; सुद्र; श्चाराम थेनथाणा-पुं• नाम निशान पु॰ चेतर्ध-न० **बहाना ए० होला इ**वाला २ ५-५ ० पीव प॰ मबाद येर-न० सक्डी खी० चेरवु'-स०कि॰ चीरना स०फि० फाइनह **येरीमेरी**–ॡ्शी० भेंट स्त्री० बख्शीश येक्षरा-स्त्री० चेरी स्त्री० गांदी चेलिये।-भुं • सूती कमरबन्द पु॰ येक्षे-पुं शिष्य पुरु चेला येवशी-वि॰ कॉक्स प्रदेश के चेवला गांबकी सुपारी-पान वि० येद-स्त्री० चिता स्त्री० ये'यी-स्त्री• ऋषर में लगानेका तीखाः लक्दा पु० थें ५-५'० गेंद स्ती• यैतन्य-न० ज्ञान पु० समफ थैतर-५ ० वैत्र मास ५० थैत्य-न० सीमा बताने वाला पत्थर,

यतन्य-न ज्ञान पु० समझ यतर-पु० चैत्र मास पु० यत्य-न श्रीमा बताने नाला पत्थर, स्मरणस्तंम बुद्ध देवके अवशे-षोपर बने हुए मीनार पु० योक्ष-पु० स्नांगन पु० सहन, बाजार, वि० वश्, स्थिर शेष्ठ्री-स्त्री० सौकदी स्त्री० शेष्ठ्रं - न० को दे की लगामका लोहे का हिस्सा को मुंहमें रहता है पुरु

न्ये। ५२१ - न्ह्री ० चौराहा पु॰ न्ये। ५२ - व्यवस्थित वि॰ न्ये। ५ मार्च - न्ह्री ० विश्वास पु० यक्तीन, सावधानी

न्ये। इसी - पुं ० सर्राफ पुं ० व्हरेदार न्ये। डियात-पुं • रखवाळा पुं ० व्हरेदार न्ये। डियुं-न० बार बैलों की बादी स्त्री ० न्यो ४१ - स्त्री० रखवालेका घरपुं ०; खोज; नाका

न्योशिहार-पुं० पहरेदार पु० चौकीदार न्योशिषडेरा-पुं० कडी रखवाली स्त्री० सहत पहरा

चोशि-पुं ० चार कोनीवाली जगह स्त्री ० चे भ-वि० स्वच्छता वि० सफाई चो भ-वि० स्वच्छता वि० सफाई चो भ-वि० सफाई; स्त्री ० खुलासा चो भ-वि० चारों खंड वि०; चौरस चो भ-पुं ० चावल पु० चो भा पुर-वि० एक प्रकारका वजन वि० चो भा पुर-वि० एक प्रकारका वजन वि० चो भा पुर-वि० एक प्रकारका वजन वि० चा भा करना

ने।५७ - वि० स्वच्छ वि० साफ; खालिस; प्रामागिक ने।५७॥४-स्त्री० घट द्वारत ए० सफाई

योभधु-वि० चौगुना वि०
योभभ-व्य० चारों दिशामें अ० चौफेर
योभरद्दश-व्य० चतुर्दिक स्व० चौफेर
योभान-न० मैदान पु० चौगान
योभा-पु'० लम्बा कोट पु० चोगा।
योधिं थां-व्य० चार घड़ी के अन्तरवर
वजने वाडे नगाहे अ०

चे।धिरेयुं-न॰ प्रहर पु० चार **घंटेका** बस्तः सङ्गत

योप-न० वल्कत स्त्री॰ जान योज-स्त्री॰ तर्क स्त्री॰ दलील योउ-स्त्री॰ श्राचात पु० चोट; मुक्का; दाँव

ये ८क्षी-स्त्री • वेग्री स्त्री • चुटिया ये ८क्षे।-पुं • वेग्री स्त्री • चुटिया ये १८-१० चोर पुं • ये १८-स्त्री • वस्तुर्झो इत् हेर पुं • चौदा ये १८-स्त्री • चौदाई स्त्री • ये १८वर्षु - स० ६० पददना स०कि • ;

थे।५'-वि० चौदा वि० थे।तरह-अ० चारों श्रोर अ० चारों बाजू थे।तरी-५'० चबूतरा पु० थे।तार-वि० चार तार वाला वि० थे।ताक्ष-(ण)वि० चार तालका गायन

पु० चे।याइ-स्त्री० चौथा आग पु० चौब चे।धरी-पु॰० चौधरी पु० ચાધરો]

ये।धरा-पुं• चौधरी पु॰ ये।धार-वि० पुण्डल वि० डाफ्री ये।धारु-नि० चारधार वाला वि० ये।प-स्त्री० परिश्रम पु० मेहनत;उरसाह ये।पशुं-वि० चार पैर वाला पु० चौपाया;

यो। पट, यो। पाट-की० चौपइका खेळ पु॰
यो। पट्ट - सर्वाडिंग चुपइना सर्वाडिंग
यो। पट्ट - स्वाडिंग चुपइना सर्वाडिंग
यो। पट्ट - स्वाडिंग विश्विकना
यो। पट्ट - स्वाडिंग विश्विकना
यो। पट्ट - स्वाडिंग विश्विकना
यो। पट्ट - स्वाडिंग पु॰ खाट
यो। पाट-क्यी॰ पत्तिम पु॰ चौगान;
बैठक का माग

चे।पाउ-स्त्री० चटशाला झी॰ मदरसा चे।पानियु'-न० दो चार कागर्जी का पतका पु०; अखबार

श्रीपाथा-पुं॰ पलंग पु॰ खाट श्रीपाधु-अ॰ वारों झोर झ॰ चीतरफ़ श्रीक्षण-पुं॰ मोटी चहर स्त्री॰ श्रीपुक्षी-पुं॰ पान सुपारी का डिब्बा

पु० पानदान
यो।भ-स्त्री ० छोटी तकदी ली०
यो।भहार-पु'• छड़ीदार पु०
यो।भी-पु'० चींबे ब्राह्मण पु०
यो।भासु'-न० वर्षा ऋतु स्त्री० बारिश
के चार महीने (चीमासा)

थे।भे२-२५० चारी स्रोर अ॰ चौतःफ थे,२५५ंऽयुं-५ं० ग्रप्त मोडार पु॰ तहस्रानः थे।२५भीसुं-न० चोरज़ेब स्त्री० मीतरीः क्रीसा

ये।२६। नश्चन प्रकाश सुप्त रखनेवालक बीपक पुरु ये।२८'-विरुचोर विरु

यारहु-पि० चार पि०
यारखी-स्त्री॰ स्थन स्त्री॰ पायबामाः
यारखी-स्त्री॰ स्थन स्त्री॰ पायबामाः
यारखी-स्रु० केंह्मा पु०
यारख'-स०४० चोरस पु॰ चौकोर
यारस-पु॰ चौरस पु॰ चौकोर
यारसी-स्त्री० बदद हा एक बौजार पु॰
यारखि-पि० चोरी का वि॰
यारीखुपी-स्त्री० ग्रुप्त रीति से स्त्री॰

थे।रे।-पुं व चौपाब ख्री व थे।यट-पुं व चौहट पुंव; बाजार थे।यटी-स्त्री व ठुड़ी से कान तक बाँपक हुआ रूमाल पुंव

क्षिपेतौर पर

ये।पडे।-पुं० चरागाह पु॰ ये।पीहार-पुं० सूर्यास्त के बाद भोजन्य न करने का वत पु॰

यासर-स्त्री • चार बेतों की जोडी स्त्री • याशिय -न० राई के बराबर वचन पु॰ यासिय -न० सोतह मन का वचन पु॰ याशिय -स०४० रगडना, मसत्वना स॰

कि॰, घिसना श्रीणाश्रीण-स्त्री० लगातार मसलना ચાેળયા]

चारणया—धुं ० नके की गाँठें स्त्री ० व ० व ० चेरणी—स्त्री ० बौरतों की चोली स्त्री • स्रंगिया

यें।यशं-न० उद्घा पु॰ महकरी; नखरा यें। 29'-स०डि॰ चटकना स॰ कि० यो 2'-न० हाट पु० बाजार यो ६भवन-थे। ६-५'० सारा विश्व पु० तमाम दुनिया

[聲]

७३-**० चकित अ**० दंग; पु० मिजाज ७३७३८-५°० ठाठ प० शान ७४८ी-स्त्री० द्यागजीका बस्ता पु० -७४डे।–५'० गाडा पु॰ छकडा **७५५५-अ० दस्य-वृत्ति स्त्री० ऌ**ड-खसोट ७<u>३व्-</u>भ०कि० ञ्चकता श्र॰कि०; बहक जाना भ्राप्त-स्त्री • है उपवासोंका एक जैन व्रत पुँ• फ़िंधु'-न० के बैलों का बकरा पुर ७५६-स्त्री॰ थप्पे**र** पु॰ तमाचा; भूल छभ-पुं० **छात्र** पु० बकरा ७**भ**स-पु'• बहरा; पु॰ भूरा कपदा **७**भार-स्त्री० शिखर पु**० चोटी** भ्रुये।**५-** थ० सरे झाम अ० श्चेश्येश्य-पुं o प्रसिद्ध चोर पुo

७७७१५ - अ०६० कोच करना अ०कि० ग्रस्सा होना ७७२ - वि० बिब्रुता वि० बिहोर ७७ ६२ - वि० ऊधमी वि० शरारती; न॰ <u> छुछूंदर</u> ७छेडार्छ-स्थी० सपड्ता स्त्री० चत्राई श्रुभवरी-स्त्री० खड़ते **के** ऊपका खोडा झप्पर पु० ७**%'-**न• गवाच पु०भरोखा ७८**३**तुं-स•िक्वनिकल भागना स॰ कि॰ चंपत होना ७८५।२वु'-स० कि० दुत्कारना स• कि• फटकारना ७८५ - न॰ जाल पु॰; दाँवपेच ७८।-ंत्री • शोमा स्त्री • बढ़ाई रीत. छटाहार-वि० शोभित वि०; फबता हुआ छटारी-पु'o दुर्गन्ध स्त्री० बदव छटेस÷वि॰ धूर्त वि॰ चंट ७९-५ ० तम्बी बड़ स्त्री० भाके का डंडा ७८५५ -स०४० छिडकना स० कि• ७९५:-स०४० फडकर छितके प्रात्म करना स० कि० ७८।–५'० कुंकुमका खापा पु०; एक ग**हना** ७ऽ।थु-न० तुष पु॰ छित्रका छिद्धि'-त० बैलगाबीमें जानेवाला पु•ु

मुसाफिर

इलंगी

७८ी-स्त्री॰ छड़ी स्त्री॰ बेंत; राजदंड;

श्रिद्धार-पुं० इदी केकर चलने शला पु०
श्रिद्धारी-स्त्री० केकला सवार पु•
श्रिद्धं-वि॰ श्राकेला वि॰ क्योंरा; निप्ता
श्रिदेशिक-थ्य० सबके सामने झ० सरे आम
श्रिद्धा-पुं० मोतीका कंठा पु०
श्रिश्वं-स०कि० केकिंकता स० कि०;
गुरुसा करना

७७१।-५°० कोध पु० गुस्सा; तुच्य ७७१वं-स०४० वारीक कपड़ेसे छानना स० कि०; भूली बातको फिर छेइना

ভঞ্জাব ১--জাতি জ্বাননী ক্রিয়া জীত ভব--জীত অধিবাৰে দুত; इश्ती ভবাযাপু'-বিত ভিরা हুआ বিত দৈলা ভ্রমা

छतां–अ∘ृतो मी घ० छत्तर––न० छत्र पु० छत्र–न० मोटा धौर मारी छत्र पु०, राजध्यत्र

। ৯নজ্যা-স্কৌ০ স্মাপ্তব पु• স্নার্র্রা ভন্সপ্র'গ–্যু'০ राज्य नाश पु०; विध-वापन

भ्रत्राक्षार- वि॰ छत्रके आकारका वि॰ छतरीनुमा

भित्री-स्त्री० छाता पु॰; गाडी हा डक्कन भित्र-न० छल काट पु॰; दशा फरेब भिताशनी-स्त्री० पैसों नी रेलकेब स्त्री० ७१-(वि० श्राच्छादित वि० दें हा हुआ ७५८ी-स्त्री० वंबकता झी० ठगाई ७५५-वि० छै: परत वाला वि० ७५२-वि० चप्टे पैर वाला ७५५५-वि० चप्टे पैर वाला ७५५-स्त्री० प्रकाशन-व्यय प्र० खपाई

का खर्च, प्रकाशन

७५।नियुं-न० है कामजोंका अखबार पु॰

७५५निये।-पुं० विक॰ सं॰ १५५६

का भयंकर भकाल पु॰

७५५।-पुं० छुप्पस (छन्द) पु०

७५५-२५० छपछपकी भावाज स०

७५५७-२५० हि० छपछपकी भावाज

होना अ० कि॰

७भे।त३'-वि० **उयला** वि० छिन्नला, गन्दा

७५२डे।-५°० घोटाला ५० गहबह ७५५वु:--अ०४०गुप्त रखना २० कि• छिपाना; पहुँचना

७ भि(७४९) - पुं ० चित्र पु० तस्वीर; कान्ति ७ भी ुं-चि० मोहक वि• दिलचस्प

भ्रमध्यी-स्त्री वही विलोने की मटकी स्त्री॰

७भ६९ -- न०. ऊषमी पु॰ शरासी ७भ५।पतुं-स०६० धमझाना स॰ कि० ७भ७माट-पुं० खनछनकी शावाज ली० ७भ७री-स्त्री० संवरसरी ह्याँ० ७२-पुं० पमंद पु० शहर ७२पुं-वि० आहा वि०; ढालू ७री-स्त्री० हुरी ह्यी० ७री-पुं० मोटा सोटा पु०, बन्दकके करें;कंकह

ध्व-प्रं०न० कपट प्र**० दग्रा** ७५७५-१० प्रपंच पु॰ दग्राबाजी **৩ব**১—স্থীত **पानीकी छलक** स्त्रीত ভঃঃ<u>র্ণ</u>-শ**ে ১০ চলফনা স্ন**০ কি০ **७**क्षवि७स-न्त्री • छलक्वर पु • दग्ना•फ़रेब क्रस भ-रवी० छलाँग खी॰ क्रसान्ध-अ० किनारे तक मरा हुन्ना अ० क्रित-वि० घोखा खाया हुआ वि० कतेरी-स्त्री० इटोरी भ्रेषे। ७४- अ० **उ**त्तरतक मरा हुआ श्र• ७वावुं –अ•िं ज्ञाना श्र० कि॰ ढँकना ध्रीय-स्त्री॰ शोमा स्त्री॰ शान ध्रण-पुं**०**न० ञ्चल पु॰ दग्ना **७**ग७४८-- ० प्रपंच पुरुद्या फ्ररेब क्ष्माशरी-वि॰ कपटी वि॰ दगावाज ७०१ प्र'य–पुं० छल कपट:पु∙ दग्रा-बाजी

ডগবিডগ-ন্ধী । धोखाधदी स्त्री । दशा बाबी ডগাই।-पुं । पानीकी खलक स्त्री । ডগাবু - स०४ । खत करना । स॰ कि । ठगना ७ छेऽवु'-स००ि चिदाना स० कि०;
छेड सानी करना
७'८ अप-पुं० छेंटनी स्त्री० झाँटना
७'८।पु-पुं० छेंटनी स्त्री० झाँटना
७'८।पु'-२५०ि झानना थ०कि०;
स्रोज होना

७६-५० मात्रिक कविता स्त्री०; व्यस्तरः ७६९ – वि० मौजी वि० शोकीन
७१५-५० नशा पु॰; मिजाज
७१५८ – वि० नशाचुर वि०, मदहोशा
७१६८ – वि० मद्या वि॰ शराबी
७१५८ – वि० फूल जाना अ॰कि॰
७१५८ – स्त्री० रकाबी स्त्री० तस्त्री
७१०८ – स्त्री० रकाबी स्त्री० तस्त्री
७१०८ – ते अनाज बाँडने का एक

७।४६१-स्त्री॰ छोटा खात्र पु॰

७१४५'-स्त्री॰ छात्र से देंक्ता स॰कि॰;

शोमित होना

७।४५'-न॰ शोक्से छाती पीटना

७।६५-न॰ कंडा पु॰

७।६५-न॰ कंडा पु॰

७।त-न॰ छत्र पु॰ छाता

७।ती-स्त्री॰ बद्धस्यल पु॰ सीना; हिम्मतः

छातीक्षाट-व्य० भयंकर अ० डरावना छातीभेर-व्य० हिम्मत से घ्र० छादन-त० आच्छादन पु० डक्कन ध्यहित-वि• श्राच्छादित वि० उँका हुश्रा ध्यन्यः अनी -स्त्री० गुप्तवार्ता स्त्री० गुफ्तगू

ত্ত্বন্দু ভানু –বি০ নুম বি০ স্টিবা हুস্কা ভানু মানু –বি০ নুববাব বি০ নুববুব ভাষ-ক্ষািত স্বাক্তবি स्त्री । হাকল; নকল ভাষ্যদানু – ন০ মূহ্যাাল্য স্ত্ৰ স্তাধা– স্তানা

स्थाय अप्याद पुर तमाचा र्राप्यापदित स्त्रीर द्वापनेका तरीका र्राप्यापदित प्रकाशन पुर द्वपाई, साख; आवरू र्राप्याप्यापदित्य द्वापना र्राप्याप्यापदित्य द्वापना सर्विक

अपु-न० समाचार पत्र पु॰ श्रस्तकार अपुंच काटसुं-न० धूर्त पु॰ अपुंच-पुं• श्रचानक श्राक्रमण पु॰ खापा अपुंच-प्री॰ खबदी स्त्री॰ बलिया अपुंच-प्री॰ खाया स्त्री॰ स्त्राः श्रसर अपुंचित्र-न० चित्रपट पु॰ सिनेमा अपुंच-पुं• द्वांका स्त्री॰ स्त्रा॰ अपुंच-पुं• द्वांका स्त्री॰ स्त्रा॰ अपुंच-पुं• द्वांका सहा पु॰; धूढ अपुंच-प्री॰ वरुकत स्त्री॰ सत्र छालक-रश्ली० पानीकी हिलोर स्त्री० लहर

প্রধান ক্রিক্সলা पु॰ उथला; इलका গুলান ক্রালা पु॰ फफोला গুলিখু'-ন নহনবী হসী০ বছাৰী গুলেখুন-ক্রিত ক্রাবনী স্ত্রী ভ ক্রমব্দঃ ধ্বাব

গাণু — सर्वा ५० हैं कना सर्वा के छ। नः থাম — স্থা ব নক জী • छ। छ থার্চ — স্থা আ লা ব साया থাগ্ড — বি ত বহু त वि व शरारती থাগ্য — বি ত ক ঘদী वি ত शरारती থাঠ — স্থা ব জাত জিন্दু पु व बूँद; फग बह থাঠ থু — ন ব कुंक्रम केसर आदि का छींटा

पु॰

शिटा-पुं॰ बूँद स्ती॰ झींटा

शिटा-पुं॰ बूँद स्ती॰ झींटा

शिटा-पुं॰ वूँद स्ती॰ झींटा

शिटा-पुं॰ से॰ कि॰ तजना स॰ कि॰ छोड़नाः

पहा रहने देना

शिटा-पुं॰ बहारा छो॰ साया

शिटा-पुं॰ झेंददार वि॰ सुराखनाला

शिटा--वि॰ अलग वि॰ सुदाः छेंदित

िष्ठ-निक्त-निव्यास्ति विव् तितर-वितर िष्ठेपे। शी-स्त्री ० एक तरह की मञ्जली का घर पु० िष्ठक्षेश्व-निव्या क्षी ० पोकार

1869

छी–स्त्री० गन्दी वस्तु स्त्री० ख**राव** चीज धीर-स्थी॰ घृणा स्त्री० नफरत **छीट'-न० दोष पु० तोहमत** स्त्रीध्यु-स**े**डि० ञ्जानना स**ेकि**० **छी**धी-स्त्री० हैनी स्त्री० ध्रीनववु' सर्वाहर छीन हैना सर्वकर **श्रीप⊸र्ञी० एक किस्मकी मञ्जली**का घर पु० श्रीपशी-स्त्री० हि**बकाव पू**० श्रीपर-स्त्री० शिला स्त्री० चट्टान धीपवु'-अ० कि श्रोमत होना अ० कि० क्रिपना **धीपे।**—पु० कपके छ।पने वाता पु∙ धीवुं-न० बटलोईका ढक्कन प्• देगची का डक्कन धीलवु -स०५० छीलन स० कि० तराशना **छ। – २५० जीं कनेकी श्रावा**द अ• **धीं ५**–ॡ्री० छींक स्नी० ध्री'क्ष्री–रेशी० श्रीकने की तम्बाकू स्त्री० सँघनी धी देव - अ० हि॰ छींकना प्र०कि० श्री अरव -न० जहरी हिरस पु० धीं धरी-स्थी • जहरी हिरणकी मादा स्त्रीo **छी**'८-स्त्री० छग हुआ कपड़ा पु० थी'री-स्त्री• सँकदी गळी ख्री० तंग कूचा

ध्वु ५ धु ५ – २५० ई जिनकी श्रावाज अ•

थु इ खु इ गाडी – स्त्री ० रेलगा**दी** खी ह श्रु८ धरे। - भु' । मुक्ति स्त्री । स्राचाची श्चुपाववु – स० क्रिं० छिपाना स• ऋ० ध्रुपाव – अ० कि० छिपाना अ० कि० धुरी-स्त्री० द्वुरा पु० खंजर **ष्ट्र-न० निकल भागना पु०** थृ८-स्त्री० मुक्कि स्त्री० त्राजा**दी;परवानगी छूट**क-वि० फुटकर वि० थ्रु८५५५री–स्त्री०निक**लनेकी खिड़की स्त्री∙** छु८**३।**–पु`• मुक्ति स्त्रौ० स्रुटकार। **छू८७।८-स्त्री० मुक्ति स्त्री० छुटकारा** छु८डे।−५°० मुक्ति स्त्री• छुटकारा ष्ट्रराखेश-पु'० विवाहके बाद गेंठजो**बा** खोलना पु॰; फारगती छूरी+स्त्री० मुक्ति स्त्री• छुटकारा छु2'-वि० बन्धनहीन वि० खुत्ता; फुटकर छु**ट**ंछवायुं −वि• श्रलग अलग वि• **ह्या** छूपवु'–अ० किं छिपाना अ० कि॰ धूभ'तर-न० जादू पु० श्रृ'६७ु'-न० चित्ता पु∙, शरीर पर पदा हुआ दाश क्षु है।-पु • केरीका अचार पु ० **छे**ऽ–अ० सर्वथा श्र०बितकुल; श्रेत; **हर्** छेक्ष्रुं-स०क्षि० रह करना स०कि● **छे**डाछेड-२५० सर्वथा ऋ० बिलकुत छेडे।-Yं० रह करनेकी खींची लकीर खी०

િ છેાવું

छेटी-स्त्री० छोटी घोती स्त्री० थेs-स्त्री • इल के बीच की लम्बी लकड़ी **स्त्री**ः रागदा आलाप छे**ऽधा**–स्त्री० छेबखानी स्त्री० **છेऽती-**स्त्री० छिद्र पु• सराख; दोष **छेऽप्'–स०**४० छे**दना स**०कि० चिदाना **छेडे।-५'० अन्त ५० अखी**र धेतरिप'री-स्त्री॰ वंचकता स्त्री॰ ठगाई **छेतरवुं-स**०५० ठगना स०कि० छे६-ध्रं• चीरा पु॰ काट: समधंख्या 'छे६५-वि० छेदन करनेवाला वि० काटने-वीला ·छेदन-न० उच्छेदन पु• नाबृद **छेद्दनको**दन-न० संपर्श नाश पु• नेस्त-नाबृद छे६व'-स०क्षि० उच्छेद करना स∙कि• **स्वा**डना छिस-पु'० बैल खबीला पु० शौकीन **छेस** ५३ी–स्त्री० पुरुष हे कानकी बाली स्त्री०

मुक्ती छेदाडीटे!-पुं० कर्योफूल पु० इयरिंग छेदाछपीलुं-चि०ञ्चेत्त **इदीला वि० शौकीन** छेदाप्यटाઉ-पुं० तहरी युवक पु० मौज़ी

जवान ॐक्षवदेक्षं –िव० श्रन्तिम वि० श्राखीरी ॐक्षारवुं –स०क्षि० चोरना स०क्षि०; लूटना ॐदी।–भुं• बालक पु• लक्का ॐस्थुं--वि• श्रान्तिम वि• श्राखिरी

छे६-पुं° घोसा पु॰ दशा; त्याग; श्रंतः ॐथुं-न॰ झोकरा पु॰ लक्का छो-स्थी॰ चूनेकी कली ख्री॰ छो⊌-स्थी॰ बॉसकी स्वपची ख्री॰ छोडरभत-वि॰ बासबुद्धि वि॰ कमश्रक्रः बाल-इठ

छ। इरवाह – वि० मिनिकी वि० मेम इक्त छ। इरुं – त० मालक पु० लह्का; संतान छ। अथी – पुं० चहरका दुक्षा पु० छ। युं – त० सामेका छुरंगा पु० छ। युं – वि० छोटा चि० छ। उ–पुं० पौषा पु० माह छ। उवपुं – स०। ई० बंधन मुक्त करना स०कि० छुटकारा देना

छे।ऽवे।—१ं० पौधा पु० माइ
छे।ऽवे।—१ं० पौधा पु० माइ
छे।ऽवे।—१ं० पौधा पु० माइ
छे।ऽवें।—१ं० वल्कल खी॰ खाल
छे।तरुं—न० वल्कल खी॰ खाल
छे।लीलुं—वि० लिजत वि० खिलियाना
छे।थलुं—न० चूनेके ईंट खी०
छे।वे—१ं० मद पु०
छे।वे।—१ं० मालक पु० लहका
छे।स—१ं० ची० वल्कल खी० खाल
छे।सऽवि—के० खीनना स०कि०
छे।सं—न० वल्कल खी॰ खाल
छे।सं—न० वल्कल खी॰ खाल

छे।६-५'० वियोग प्र• जुदाई अटा-२श्री• बालोंका मुंड पु०: बद्धः क्रिण-स्त्री० लहर स्त्री॰ तरंग [14] ov bl-वि० वृद्ध पु० बुदा; श्रशक oybधी-स्त्री० बृद्धावस्था स्त्री• बुद्दापा ov 8-स्त्री० इठ पु० जिह or ६६-रूबी० पक्क स्त्री०: शिकंबा क्र इंड्यू -स० क्रि॰ कसकर पक्रमा स॰ कि॰ ov sid –स्त्री० चंगी स्त्री० जकात क डियं - वि० हठी वि० जिही ov ५—५°० गुल्की डंडेके खेलका दाँव or क्की-वि • जिही वि • हठी **৵৸৸**–पुं• चात्र पु• अख़्म av भर्मा-वित् घायल विव अस्मी oraga-y'o परमेश्वर प्रo खुदा **अ**भूभभूतीशी-स्त्री०जनश्रुति स्त्री० **अफ**वाह **०/अ**त-न० सृष्टि स्त्री**० दुनिया** अभूतअन्ती-र्श्ली०जगदम्बा-दुर्गा स्त्री• अभ्यत-पुं• यज्ञ पु• अभी-न० पहती जमीन स्त्री० or आ(or)या) - अशिव स्थान पुर जगह; ठिहानाः भूभोक्श्भ-अ॰ जाह जगह **घ**० ठहर-ठहर कर: सब अगह क धन-न ० अंचा खी॰ जाँच ज्रधात-स्त्री० बच्चों के श्राद्ध-तिथि स्त्री०

अश्वियावेरे।-पुं० मुगल-कालका चिजया

कर पु०

अट-वि० हठी पु० जिही; श्रना**ही**

पीपलंकी भारती हुई शाखा **क**िस्त्री० जटा स्त्री०; समुद्र **॰**टिस-श्री॰ उत्तमा हुन्ना पु॰ क्रिस्ता—स्त्री० गृत्थी स्त्री० उत्तमन **अ**हेर−न० पेट पु• a/s-वि निर्जीव वि अदी: नाकका गहना **જ**ડભरत-वि० मुर्ख वि० बेशक़्ल **०**८३भूग-न० मृख्य ज**र** स्त्री• **अ**ऽतर-वि० जडना वि० wsa - वि० जबनेके योग्य वि० अरुव्'-न० जवश पु० જડખાતાડ-વિ० जबाड़ा तो**इ** वि०: सचोट ovsq'−स०४० जड़ना स• कि० **જડસુ'**–वि० मूर्ख वि० वे अङ्गल **જ**ડित-वि० जहा हुआ वि० **%िया-पुं० जिल्ला पु० पच्चीगार** अरीअ़री-स्त्री० जड़ी बूटी स्त्री० **०/श**—५'०५० पुरुष पु० श्रादमी **अ**श्वतर—न**े जानशरी** स्त्री० अधावं -स०क्षि॰ जन्म देना स०कि• पैदा करना જણસ–સ્ત્રી∘ चीच स्त्री॰ जिन्छ; सौदा: सिल्कः गहना अध्या-स्त्री । नकद रकम स्त्री o क्रतन्-न० संभास स्त्री० निगरानी;

[જમાની

क्तरु:--न० जेती स्त्री० र्शत-वि० जैन यति पु० अत्र-श्री० लाजा स्त्री● लाख क्यू-न•स्त्री० कंठा पु० गलेका गहना कथा-अ॰ यथा ग्र॰ जिस तरह क्रथे।-पुं० समूद पु• जत्या क्नप्र-पु'० देश पु० मुल्क ब्रनभ-५'० जन्म ५० पैदाइश अनभगां६–स्त्री० जन्मतिथि स्त्री० साल-अनुभरीप-स्त्री० जनमकुँद स्त्री० उपर or नभारे।-पुं० जीवन पु० जिन्दगी अन्मे।तरी-स्त्री० जन्म-पत्रिका स्त्री० भन्दित-न० तोक्र-हित पु० अनाली-प्र'० शवःयात्रा स्त्री॰ जनाजा क्रनानभानुं-न० श्रन्तःवास पु० हरम જनाती।-पु'० जनाना स्त्री० पर्दानशीनः स्त्री- समुदाय क्रनाभेआक्षी-वि० अति क्रशलु वि० मेहरवान क्रनावर-न० पद्य पु० जानवर अनेता-स्त्री० माता स्त्री॰ अम्मा क्रेनीध-स्त्री० यज्ञोपवीत पु॰ जनेऊ ৵ने। ध्वाद-विव जने ऊसे पड़ने वाला दाग पु० अ-भ-y'o उरवति स्त्री॰ पैदाइश क्यन्मतिर-न० दूसरा जन्म पु०

लन्मांध-वि० जन्मसे श्रन्धा वि० अन्मे। सप-पु'o जन्म दिनका उत्सव पु० साल गिरहका जलसा ०४-५-वि॰ से जनमा हुन्ना वि० જ५-५° जप, मंत्र-पाठ प्र० **०४५त−ि० ज्ञ**ब्त वि० अपती-रेश्री० ज**न्ती खी**० **०४५५'-स०**६० जप करना स०कि० ov६।–स्त्री० त्रास पु० जुल्म; जबर्दस्ती क्ष्यर, क्ष्यरुं-वि॰ जोरदार जोरावर अथ्यर-वि० शक्तिशाती वि० जबर्दस्त **જમ. જમડા–પ્ર'•** यमराज प्र० જમપુરी-रश्ली० यमपुरी स्त्री० **०४ मध्य--**न० जीमनवार प्र० दावत જभवं-स०ाई० भोजन दरना स०कि• भा-वि० एकत्रित वि० इकट्ठा; स्त्री० उपन: श्रामदनी अभा⁹४५।रे-न• श्रायःव्ययका हिसाब पु० क्रभात-स्त्री० समृह पु० जमात क्रभापासुं नन० वहीकी बाँई:वाजु स्त्री० જમા**ખ'**દी—स्त्री० जमीनका वैमाइशी-पत्र पु० जभावही-स्त्री० जमा करनेकी बही स्त्री० क्रभाध-युं व जामाता पुरु दमाद जभानी-रेश्री० आर्थिक **उत्तरदा**यित्व पु॰ जमानत

क्रभाने।-पु'० युग पु॰ जमाना

જમાતા]

अभानाजानुं-िव० प्राचीन वि० क्रग्रीमी
अभाव-पुं० सोंदर्य पु० ख्वस्रती
अभीन-स्त्री० भूमि स्त्री० जमीन
अभीनदार-स्त्री० भूमिहार पु० क्रमींदार
अभीनदारत-वि० भूमिसात् वि०
क्रमींनदोज
अभीन-पुं० कटार जैसा एक हथियार पु०
अभार-पुं० जौहर पु०
अथ-पुं० विजय स्त्री० फ्रतह
अथधीषधा-स्त्री० विजयनाद पु०
अथंती-स्त्री० महापुद्ववहा स्मृति-दिवस

पुर-स्त्री॰ स्वर्ग पुर बर

प्रश्नस-पुरं जरी स्त्री० जरहस

प्रश्म-पः जिराफ़ पुर

प्रश्म-पि॰ वृद्ध वि॰ ज़ईफ

प्रश्मि-पि॰ वृद्ध वि॰ ज़ईफ

प्रश्मि-पि॰ वृद्ध वि॰ ज़ईफ

प्रश्मि-पि॰ व्राहि के जोख़िम
स्त्री॰

अरहे-वि० वृद्ध वि॰ ज़ईफ़ अरशेस्ती-वि॰ पारसी पु॰ अरह-वि॰ पीला वि॰ ज़र्द अरहा-पु॰ तम्बाक्क चुरा पु॰ ज़रदा अरहाअ-पु॰ जरीका पेशागीर पु॰ अरध-पु॰ जास पु॰ ज़रव; भाक अरवकर-वि॰ सरल वि॰ सहज; श्र० जरा करवुं-अ०क्षि० विस जाना अ०कि०: पचना orरा—रेत्री • वि० थोड़ा वि०; वृद्धावस्था स्त्री० बुढ़ापा; **०**४२।तरा--थ० बहुत ही कम श्र॰; नहीं डेसा करित-दि० जीर्ण शीर्ण वि• कर रथात-वि• जरीदार वि० ovरी–स्त्री० जरी स्त्री०; त्रा० थोड़ा जरीपुराख्'-वि० जीर्गा शीर्ग वि० **०**री६-स्त्री० पैमाइश स्त्री०; पुट जमीन नापनेवाला करीभरी-स्त्री• विश्वचिका स्त्री० **है**जा **४३२-**स्त्री० श्रावश्यकता स्त्री० जरूरतः श्र0 श्रवश्य ov3रियात-रश्री० आवश्यकता चहरत ov3री-वि॰ आवश्यक वि० जहरी **अरेअर-अ० संपूर्ण अ० तमाम** कर्कारत वि॰ जीर्ग शीर्ण वि॰ फटा प्राना ovelet-y'o मेच पुo बादल જલનિધિ, જલાધિ-y'o समद yo बहर **જલનીલી-**स्त्री० हेवाल पु० જલય'त्र-न**० फ**ब्बारा पु०: रेंट अक्षयान-नव जलपोत पुव जहाज જલસમાધિ-श्री० पानी में प्राण त्याग प्• જલાંજોલ-સ્ત્રી૦ તર્પેશ પ્ર૦

[જ'તરવું

असह—वि० शौघ वि० जल्द असही—अ० शौघ आ० जल्द असि—पुं० उत्सव पु० जलसा असि—वि० उज्ज्वल वि० चमकीला असि—स्त्री० ठाठबाट पु० सान शौकत अस्प—पुं० कथन पु० बसान; बकवाद अस्प—पुं० दत्यारा पु० कसाई अपन—पुं० यवन पु० सुमलमान अपर्थाद—स्त्री० आना जाना पु० आमदरफ्त अपर्थं—वि० विरला वि०

व्यवस्त्रे-अ॰ क्वचित् अ० शायद ही

भववुं-अ॰ डि॰ जीव पहना श्र॰कि॰;
पैदा होना

भवान-वि० तहण वि० जवान

भवाध-धुं॰ उत्तर पु॰ जवान

भवाधिर-न० रत्न पु॰ नगीना

भवांमर्ध-धुं॰ ग्रूरवीर पु॰ बहादुर

भवांमर्ध-स्त्री॰ वीरता स्त्री॰ बहादुरी

भवुं-अ॰ गमन करना अ०कि० जाना

भरा-धुं॰ यहा पु॰ नामवरी

भरा-पि॰ जैसा वि०

भरा-मि॰ जैसा वि०

भरा-मि॰ जैसा वि०

भरा-सि॰ जैसा पु॰ दुनिया

भरा-सि॰ उष्ण वि० गर्म

भरा-वि० उष्ण वि० गर्म

भरा-वि० संसार पु॰ दुनिया

બહાંગીર-पुं० विश्वविजयी पु० जहाँगीर

જહાંગીરी-वि० अमेरी वि० शान-शौकतः oveी'-थ० जहाँ झ० **अहेअ-न० दहेज पु∙ क**न्यादान **अहेभत-**ंशी० परिश्रम प्ः मेहनन **०**/0।था-न० जतावन स्त्री० ईंघन क्यापु'-अ० (१०जलनाम • कि०: मुलगन) क्णां अवि-वि • जलाने के योग्य लक्डी वि • **क्यांगार-न० पानीका होज प्**० જળાભાસ–પું• मृगजल प्• भेषा-स्त्री० जीक स्त्री० or b-y • धन प् दौद्धत orभ−y'o युद्ध पु० जंग क भणहाहुर-वि० युद्धवीर वि० or'गभ-वि० चलायमान वि० मनकूला ov'गास-पु'o जंग पुo लोहे आदिका मुख्य **જ'ગી–वि॰ मोटा वि॰ जंगी** or'u-स्त्री • जांघ स्त्रीo; ov'भार-स्त्री० **छोटी** तोप स्त्रौ० कं लग-स्त्री० जंजास पुर or'छर-स्त्रीः साँडतः स्त्रीः वेदी ov' श्रेश - धुं• अत्त-दुर्ग पु॰ पानी में बनाया हुआ क्रिका; टापू ov'त-yo जीव जन्त पुर क'तर-पु'०न० यंत्र-तंत्र पु०, आब्द्रोनह क'तरभंतर-धुं० यंत्र और मंत्र पु० w'तरवु'-स०िंड० जाक्का श्रमर डाजनङ स०कि०

~ˈ₫]

भ'त-पुं•न० क्रम पु॰ जीव
भ'तु-पुं•न० क्रम पु॰ जीव
भ'तु-थि० प्रस्त वि० पेना; न० एक
वाद्य
भ'त्री-पुं॰ जाद्गर पु॰; खिलाड़ी;
छी० कोष्ठक
भ'प-पुं॰ शान्ति स्त्री॰ तसल्ली
भ'प्रु'-भ० कि० शान्त होना स॰ कि०
भ'प्रु'-न० जामुन
भ'णूर-न० जंती स्त्री॰; जंब्रा
भ'णूरिया-पुं० छोटा लक्का पु०
भाव-स्त्री० आवागमन पु० आमदरफ्त

গ্ণধীধ–নত সাহত पुত फ्रत्ही প্রথম–খুত যন্ত্র पुত; স্বামনা প্রথম্পুত্র বিত সামা हुन्ना; सावधान

लगति -स्त्री० सावधानी स्त्री०
लगति -स्त्री० सावधानी स्त्री०
लगति -स्त्री० नीदसे उठना स्र०कि०
लगानी दुं--वि० कॅघना वि०
लगीरहार--पुं० जागीरका मालिक पु०
लग्नेत-वि० जागा हुझा वि०
लग्नुं-- वि० माँगा हुझा वि०
लग्नुं-- वि० माँगा हुझा वि०
लग्नुं-- स्त्री० दरी स्त्री० जाजम
लग्नुं-- वि० स्त्राम्य हिन्म साम्

दार; काया ज्ञान-वि० क्ष्मामंगुर वि•; पामर ज्ञान-पु'• संडास स्त्री• पासाना ज्याहुं-िव० मोटा वि०; चर्ची से मरा हुआ।
ज्याह्म-त० अब्बुद्धि पु०
ज्याह्म-त० अब्बुद्धि पु०
ज्याह्म-वि० परिचित वि० जानकार
ज्याह्मिन वि० तजुर्वेकार
ज्याह्मिकर प्र०
ज्याह्मिकर प्र०
ज्याह्मिकर प्र०
ज्याह्मिकर प्र०
ज्याह्मिकर प्र०
ज्याह्मिकर प्र०
ज्याह्मिकर प्रव
वर्ग ज्यान व्याह्मिकर प्रव
वर्ग वर्ग वि०; स्त्री० जाति;
वर्ग ज्याह्मिक प्रव
वर्ग वर्ग तुजुर्वा
ज्याहमिक स्वी० अपनी क्याह्मिक स्त्री०
ज्याहमिक प्रवनी वरिश्रम पु०
ज्याहमिक प्रवने वर्ग वि०

खुदगरज भातव'त-वि० कुलीन वि० खानदानी भाति-स्त्री० बाति स्त्री० विरादरी; वर्षा भातिख्रथ-वि० जातिसे स्रलग वि० भातिवेर-न०•ुंप्राकृतिक वेर पु० कुद-रती दुरमनी

लितिस्मरश्-न० पूर्वजन्मका स्मरण पु रू लित्रीय-वि ितं सम्बन्धी; स्त्री या पुरुषवाची शब्द लित-अश्वर स्वयं अश्वर लित्यान-त्रश्वातिगर्व पु रू लिता-स्त्रीश्वरात्रा स्त्रीश मुसाफिरी; **જા**થુક]

পাথ্যঃ-- শ০ খাংবন স্ব০ টিকাক लिही-रूबी• कन्या स्त्री० बेटी लह्-पुं न न जादू पुर क्यहे:-पु'० पुत्र पु० **बे**टा व्यत-स्त्री० वर यात्रा स्त्री० बारात पु० स्त्री॰ प्रासाः न० જાનમાલ—पु'० जनधन पु० जानमाल जानपह-पु'० देश पु० मुल्हः प्राम જાનીવાસો-yं० वर-निवास पु• **बा**रात-**अने**थे:--पुं० जनेत पु॰ बाराती र्जाते।तर-स्त्री० बारात स्त्री• ज्याप-पुं० अप पु० ऑपते।-पु• हद प्र**बंध पु• पक्का** बन्दोबस्त **બાક્**त-रेश्री० पीतिभोज पु० दावत जाइरभानी-वि० केसिएया वि० जाफ· रानी व्यक्शन-न० केंग्रर स्त्री० जाफरान **બા**ફરાં—ન० लम्बे बाल पुँ० जुल्फ ज्यभ–पुंद न० प्याला पु• जाम; जाम-नगर दरबारकी उपाधि अभगरी-अी० बन्द्क या तोवमें बाह्द सुजगानेका पत्तीता पुन Mug'-अ०कि०एकत्र होना अ०कि० जमा होना ज्यभाता-पुं ० जैवारे पु० दामाद र्जाभन-पुं॰ उत्तरदायी पु॰ जामिन

जिम्तिशी-स्त्री० श्रार्थिक उत्तरदा-यित्त्व पु० जमानत MभेI-पु'o लम्बा श्रेगरखा पुo जामा ज्ययनशीन-पुं० उत्तराधिकारी पु० हक्रदार ज्या-स्त्री० पत्नी स्त्री**॰ बी**बी **जाये।-५** ० पुत्र पु**० बेटा M२—स्त्री० उवार स्त्री**० প্রবর্থ-অ• ঠিত জীর্যা কলে। মতক্ষিত **শ**ং1–খ০ चा**लু** খ্ৰ০ বাং1 পাহ্-**২**৭০ বালু **अ० ভারী** পাধ(গ্ৰ)-খু'০ মন্ত্ৰলী মাবি पक्रवनेका जाल पु० ज्यक्षम–वि० श्रात्याच.री वि० जालिम लिभ-वि॰ निर्देय वि॰ जुल्मी M45-वि० व्यय वि० खर्च **जावळव—अ० जीवनपर्यन्त** ताजिन्दगी ભવડભાવડ- जैसे तैसे **श**० भवरी-स्त्री० दाल श्रौर चावलका पानी (बीमार का पध्य) পাণু – অ০ ১০ জানা স্ব০ক্ষিত; সন্মন্তনা প্ৰয়–বি০ বুচ্ফল বি০ কাদ্<u>ণী</u> लसल-विवदुर्वेत विवः मौदा **ਅ**સ્સ–પુ′० गुप्तचा प्० जास्स लरत-वि० झावश्यकतासे ऋषिक वि• जियाद: लिंड-पुं० मक्त पु०, तपस्वी

लाहेर-वि॰ स्पष्ट वि॰ जाहिर आहेरभूभर-स्त्री० सार्वजनिक विज्ञप्ति स्त्री० जाहिरनामा भड़ेरनाभु'-न• ढिंढोरा पु०; जाहिर-**लाहेरात−स्त्री० प्रसिद्धि स्त्री० मशहरी**; जाहिरखबर જાહાજલાલી-સ્ત્રી **, રૌથ** ૫૦ द्यद्याः श्राबादी; वैभव व्यणध-पुं० रचक पु० र्भाणियं -न**ः मकानकी जा**ली स्त्री॰ लणी-स्त्री० लट्टूकी डोरी स्त्री०; जाल on'गंड-वि॰ माल स्तरीदे विना ही देखनेको ले जाने देना वि॰ का गर-स्त्री० सियारकी बोली स्त्री० on'अक्षे।-धु'o गौरवर्षा पुर गोरा;यूरो-**ज**ंगी–स्त्री० मोटा ढोल पु॰ दमामा **ल ध-स्त्री० उह स्त्री० बंघा બ**ંધુ–ન૦ जामुन पू० M'सुड, M'भूड-पुं०त० जंबूक पु० **ि** ४२-स्त्री॰ इठ पु० जिद; **भा**प्रह **ि भर-न० हृदय पु०** जिगर िरत−वि० वित्रयी वि०; जीता हुआ। જि६-स्त्री० आग्रह पु∙ जिह **ि**न-न० कपास कातनेका कारखाना पुरु वि० जय देनेवाला; बुद्धः प्० विष्सा

कि भ्री-वि० एक घुमक्क जाति वि० જિ**લાળ-વિ**० बातुनी वि • बकवादी જિફાયત–સ્ત્રી० प्रीतिभोज प्र० दावत कियावर-पु'० वरराजा पु० दूल्हा िभ्ग-भ्'o पंचायत स्त्रीo;परिषद् किस्देशे-y'o प्रान्त पुर चिला; ि वाऽवु'–स∙ि जीवित करना स० जिलाना. मरतेके? वचाना **ि** वारी-स्त्री० तबला पु० **७**वाण-वि• जीवित वि० जिन्दा ि~सभ-न० जीवित^{्व}० जिन्दा जिक्षेथा-पु• ईश्वरका यहदी नाम पु∗ જિ**હવા**—स्त्री० जिह्ना स्त्री० जवान જિ'દુગાની–સ્ત્રી० जीवन पु० जिन्दगी भिन्हगी-स्त्री० जीवन प० **चिन्दगी**ः आय कि'द्दान-न० बन्दीगृह पु**॰** केदखाना లాల-స్మిం मा; दादी; बेटी; बदी ननदः છओ-y'o पितामह पुo दादा প্রন-স্পাত বিসয पुত फतह প্রবর্'–स०५० विजय पाना स० कि∞ जीतना প্রন-খু'০ एक प्रकारका भूत पु॰; घोड़े

का जीन

छने।-y'o सीदियाँ स्रौ० जीनाः

छभूत-पुं• मेच पु• बादल

୬२१९'–स∙ि}० पचाना स०कि० हजम करना **∞धे**ढि।२–५'० पुनरुद्धार **पु∘ ७**स०्थे- भ० श्रत्यन्त ताबेदारी सूचक सद्गार अ० প্রব–পু'০ স্থানো দ্বী০ হুৱ; दौसत ্ৰত্ৰপ'ন-যু'তনত जीवजनतु पुত की बा मकोबा :छ्युकान्-वि० श्रत्यन्त प्या**रा** वि० **७**वते।ऽ−वि० श्रतिपरिश्रम वि० जीतोइ मेहनत ळवले।**४**–५'० मृत्युत्तोक पु∙ **છ**વસટાસટ—અ० जी **को जो**खिम **अ० છ**વત–ન∘ जीवित पुं• ज़ि**न्दा જ્**वतद्वान—न० जीवन-दान पु• **છ**वन-न० त्रायु स्त्री० डमर; ज़िन्दगी **જીવનદાેરી–સ્ત્રી० त्रायुष्य स्त्री० उमर** oo वननिर्वाद्ध - वि० जीवन पालक वि० જીવનસખી–स्त्री०पत्नी स्त्री० बीबी **જીવનસૂત્ર–ન**० जीवनमंत्र पु० **%**व'त-वि० जीवित वि० जिन्दा **છવા**છવ−પુ• जद-चेत्र पु० **ॐ**वात~पुं• कृमि समूह पु• **्रिविधा—्श्री० श्राजीविका स्त्री० रिजक ्रं ५व्'--**न० कवास का डोडा पु० જીઆળ-પું• મર્તી स्त्री• दाखिला ळ्युक्त-वि॰ जोड़ा हुआ; योग्य; श्रनु-कुल वि०

ल्युक्ति-स्त्री० युक्ति स्त्री० तदबीर ल्युग-पुं• युग पु॰ जमाना, न• युगल ल्युगिट्यो-पुं• जुजारी पु॰ ल्युगुद्-िव• योग्य वि॰ लायक्त ल्युगस-न• युगळ पु॰ जोदा ल्युगार-पुं॰ जुगाल स्त्री॰; यूत ल्युक्ति-स्त्री॰ श्रलगाव पु॰ जुदाई ल्युक्त-न॰ युद्ध पु॰ जंग ल्युन्यास्ति-िय॰ प्राचीन वि॰ पुर'ना;

पुराने विचार का

Mull-पुं० वाक्य पुं० जमता

Mull-पुं० शुक्रवार पुं• जमा

Mull-पुं० शुक्रवार पुं• जमा

Mull-स्त्री॰ जमामस्बद स्त्री॰

Mull-स्त्री॰ ग्रहवार पुं० जमेरात

Mull-पुं० दायित्व पुं॰ जिम्मेदारी

Mull-पुं० दायित्व पुं॰ जमाव

ज्युक्षपुं-न० लटा स्त्री० जुल्म ज्युक्षभ-पुं० अन्याय पुं० जुल्म ज्युक्षभगर-वि० अन्यायी वि० जुल्मी ज्युक्षन-वि० युवक वि० जवान ज्युक्षाण-पुं० मती स्त्री० दाखिला ज्युक्षार-पुं० कोष पु० गुम्सा ज्युक्षर-पुं० नमस्वार पु० सलाम ज्युक्षर-पुं० नमस्वार पु० सलाम ज्यूक्षि-स्त्री० जुई। स्त्री०; जुदीका फूल ज्यूग्युं-न० जुआरी पु० ज्यूज्य-वि० थोडा वि० जरा 19

[જોડલા

लूट-पुं॰ समूह पु॰ टोळ।
लूह-त० उच्छिट पु॰ जूठन
लूह-त० असत्यवादी ति० भूठा; जूठन
लूत्वुं-स०६० गाडीमें जुतना स॰िक॰
लूथ-त॰ यूथ पु॰ टोळा
लूतुं-वि० प्राचीन वि॰ पुरान।
लूतुं पुराधुं-वि॰ श्रतिप्राचीन वि॰ क्रदीमी

ज्येष्ठ पुत्र पु॰

ज्यू देवुं-अ० क्षि० केंद्रमा अ० कि०

लेप्शुभ्भ-अ० जिस तरफ अ०

लेपा-युं० विजयी पु० फतहमन्द

लेपा-पं० बेत्नका बीज पु॰

लेभ-अ० वि॰ जो कोई वि०

लेभ-अ० जिस तरह अ०

लेर-अ० वश अ०; क्षण्या

लेर-५० कारावास स्त्री० केंद्र

लेस्यात्रा-स्त्री० कारावास पु० केंद्रमें

पदना

केवडु'-वि० जितना वि० केवर-न० आभूषण पु० जेवर केवरी-स्त्री॰ होरी स्त्री० रस्सी केवाधी-न० रसोईवरका जुठापानी पु० केवु' तेवुं-वि॰ जैसा तैसा वि० केपिडा-स्त्री॰ लक्ष्मी स्त्री॰ सोटा केट- व्य० जो अ० केदाह-स्त्री॰ धर्म युद्ध पु॰ जिहाद केण-न॰ प्रमाव पु॰ श्रसर ले ⊌तु'—वि॰ श्रावश्यक वि• जहरी **প্রিঃ(৸)–ৠ० पशुशाता स्त्री**० जो हे-अ० यदि ऋ० अगर लोभ-५'० सुख पु० मजा की भभ-न॰ नुकसान का भय पु**॰** जोखिम; साइस कोभभधरी-रेश्री० उत्तरदायित्त्व पु० जवाबदेही कोभवु'–स**॰**ફ्રि॰ तौलना स॰ क्रि॰ वजन करना को भरो-अ० श्रवश्य श्र० श्रलवत्ता ज**हर**; क्षेपाभन-न० तौलने का मेहनताना पु० ले भिया-पुं तौतनेवाला पु॰ ले**भ**-वि० संयोग वि० लेगरे।-पु'• योगी पुo लेगभाया-स्त्री० दुर्गा स्त्री० कोगवटे।-पुं∘ संस्या**य** पु∘्फकीरी कोगवार्ध-स्त्री० जुगाल स्त्री०; बन्दोबस्त कोगान**ाने भ-२५०** संयोग की बात श्र**०** केशी-y' वोगी पु• जो<u>ञ्</u>चि० योग्य वि० लायक ले**गेश−**५ं० योगेश—महादेव पु० कोक्पन-पु'o योजन पुo चार कोस का फैसला लेरडी-स्त्रीं जवान मैस स्त्री • कोटा-y' • जो**दी** स्त्री • जेऽ**धी-स्त्री० अत्तर जोदने की रीति स्त्री**● જોડલા-વિ• युगळ

[ઝધડલું

जोड्ना जोड्ना जोड्ना जोडाक्षी-पुं० संगुकाक्षर पु० जोडाजोड--थ्य० समीग समीग ऋ० पास पास जोडाजा-न० साँघा प्र० जोड्

जाडाषु-न॰ साधा पु॰ जाइ जोडियु'-वि॰ संगी वि॰ साधी जोडी-स्त्री॰ जोडी स्त्री॰ जोडी-पु'॰ जूता पु॰ जोत-स्त्री॰ ज्योति स्त्री॰ रोशनी; दीवानी जोतलेतामां-भ॰ पत्तक मारते ही श्र॰ देखते ही देखते

जीतर,-न० बैल के गत्ने का जीत पु॰
जीतर,-पु॰ जोशी पु॰
जीदी-पु॰ योदा पु॰ लहाकू
जीभ-न॰ योवन पु॰ जवानी
जीभ-न॰ कोष पु॰ ग्रस्सा; ताकत
जीर-न॰ शिक्त स्त्री॰ कुव्वत
जीरकभरी-स्त्री॰ बहात्कार पु॰

क्रोरहार-वि॰ शक्तिशाली वि॰ ताक्ततवान क्रोरावर-वि॰ शक्तिशाली वि॰ ताक्तवान क्रोरे-स्त्री॰ वैरी पु॰ शत्रु; बहु क्रोर्च-स॰ हि॰ देखना स॰कि॰ क्रोश-(५)पु॰न॰ ज्योतिष का ज्ञान पु॰; जवाल; क्रोष

उबाल; क्रोष कोशन–पुं० पुस्तक ग्रादि का बस्ता पु० कोशी(प)प्र'० ज्योतिषौ पु० जोडु इस-पुं • श्रन्याय पु ० जुल्म जोडि-स्ति • सहजात बच्चे पु ० जोसी-पुं ० व्यंग्य वन्तन पु ० जाहर-न० जौहर पु ०; जनाहरात सासि-स्त्री० जाति स्त्री० जानकारी; वाक-

भियत, बुद्धि
ग्राति-स्त्री० बोध पु॰ सममः; बिरादरी
ग्रापड-वि० शिक्षक पु॰ उस्ताद
लयडां-२५० जहाँ श्र॰
लया-स्त्री० प्रत्यंचा स्त्री० कमान की डोरी।
लयुणिसी-स्त्री० महोत्सव पु॰ जलसा
लयेष्ट-वि० सबसे बहा वि०; पु॰ जेठमासः
लयसन-पु॰ ०० जलन स्त्री; प्रकाश-

જ્વલ'ત—(વ० प्रकाशमान वि० रोशन જ્યાલા—स्त्री० श्रक्षि-शिखा स्त्री० तपटः [अ]

अध्येश (पुं-स०क्षि० रेलफेल करनाः स०कि०

अक्षेश्रीण–वि० तक्तीन वि० मरागृत्त अर्दू'भवु'–अ०क्षि० फ़ुक पढ़ना अ०क्षि० अक्षेश्री–स्त्री० फरफराहट स्त्री०; पवनकष्ठ

म्हों हा

अध्यात्रधरी-स्त्री • लहा है स्मगहा पु० अधरे।-ध्रे • लहा है स्त्री • सगहा अध्रुमपुं-स्त्री • स्मम स्त्री • अध्रुमपुं-स्त्रि • स्मम स्त्री •

अ८-२० तत्काल श्र० फौरन
अ८६-२०० सपाटा पुरु माटका
अ८६वुं-स०६० माटका खाना स०कि०
अ८वुं-२००६० माटको से गिरा देना
श्र० कि०
अटेरवुं-स०६० सकृत माटको मारना

स० कि०
अ&पी—स्त्री० ढूँढ-ढाँद ली॰ खोज खबर
अ&प-स्त्री० तैंग पु०
अ&पभ'भा—पु'• डोरीदार पंचा पु०
अ&पभेर-व्य० सपाटे से अ० तेजी से
अ&पवुं—स०क्वि० एकदम पकदना स०कि०
अ&पाज&पी-स्त्री० खीं वातानी ली०
अ&पी-पि० नेगनान वि० फुर्तीला
अ&अऽी-स्त्री० सगदा पु० तकरार
अ&अुं-प• सदी स्त्री०
अदी-स्त्री० सृक्ष्राधार वर्षा स्त्री०
अध्वार-पु'• सनमानाहट स्त्री०
अध्वारवुं-व्य०कि० सन सन करना

श्च०कि० अध्युअध्-स्त्री० जलन स्त्री० अपअप–थ्य० फटपट व्य० फ़र्ती से अपट-रेशे॰ शीघता खी॰ उतावल अपटव - अ० हि॰ मापट में आना अ० कि० अपाअपी-स्त्री० मार-धाइ स्त्री० मार-कार; रंहा अपाटवु'-स०कि० भाषाटा करना स•िक•; अपाटा-पुं ० वेग पु ० सपाडा अपे।अप-अ० मत्वाटे से घा० जल्दी से अप-अ• इठात् अ० एकदम अपा ५-२०० ज्योति स्त्री० चमक अभ**धरी-धे० प्रकाश-समूह** प्र० अभेडाण-स्त्री० पानी में कोई चौज हिलाना अभिहाशवु'-न• पानी में कोई चीज **संग्रे**सता अभ्रु -- न० छोटे बच्चे हा ऋगुता प्र• अभड-- भ० रहरह कर चमकना अ• अभारतं - अ०६० भावक भावक सम वस्ता अठ अभे-स्त्री कत्स पु० अभा-पुं० लम्बा भूतता हुवा कीट पुं० अभाजभ-२० महपट छ० फौरन अभवु•-अ०क्षि• सत्पद्रना **अ**०कि०

अभड-स्त्री० तेज पु० नूर

अभडता-वि० प्रकाशमय वि० चमकीला अभडा-पु'० फनकार पु० ठनका

अभअभ-भ० भानकार श्र॰ ठनका होना

अभाअभी-स्त्री० मत्यामापी जी०, बखेदा

अरेड-२५० वस्त्र फाइते

ઝેરક

समय की

श्रावाज अ॰ अरु⊈ं-न० कॅंडीला पु० कॉंटेदार अर्थ-न० महरना पु० चेरमा अर्पपु - अ० कि मन्द मन्द टपकन श्च • कि ० अरभर-न एक गहना पुठ; मिरमि मिरमिर मेंह बरसना **अ**३भा-पुं र गवाच पुर मरोखा अरेणी-स्त्री • कैंपकपी स्त्री • थरहिट अरेणे।–पुं० फफोला पु० छाला अरा-५'० भरना पु० चश्ना अश्रक-स्त्री० माँई स्त्री० ज्याद्य'-अ०कि० मालकना अ० कि० अक्षक-न० काँसे के मंजीर (वाद्य) पुट अध्यरी-स्त्री० फॉॅंफ स्त्री०: मंजीरा সংধাপু'-খত जलना অত্রিত जवधुं-न० छोटी बुँद स्त्री० अवव - अ० ६० टपकना अ० कि० अनेर-न० रत्न पु॰ अवाहिर अवेशत-न० रत्न पु० जवाहरात अवेरी-**५'० जौहरी** ५० अण्ड-स्त्री० मल इस्त्री० चमक সগায়ে- ५'० मलक स्त्री॰ चमक अणाधिरा-पुं० भातक स्त्री० चमक अं धार-पुं ० मंकृति स्त्री० मनकार अंभनाः स्त्री० स्ट स्त्री० याद; **चिन्**ता

अ'भवाख'- वि• इ जिनत वि० खिसियाना ઝ'ખવા**વુ'–અ**૦કિ૦ प्रकाश अ०कि० रोशनी गिरना अंअधात-पु'० श्रंधद पु० तुफ:न अं श्रेष्यु'-स० ६० वृक्ष को ख्र हिलाना स०कि०; धमकाना अं अधारी-वि० मोंडा लिये हुए वि० अंडे।-पुं० धना स्त्री० मंखा अं ह अवस्ता-स्त्री० पारसियों का धमन प्रन्थ पु० अ' પસાવલું – અ ० કિ ० शब्द-विशेष के साथ कुर्वानी को तैयार होने की किया जैसे-वजरंगवली ! या खुदा ! अंपा-स्त्री० ब्रुकांग स्त्री० अंपापात-पुं ० इठात् कृद पङ्ना अ।**३अभ।३-५'० मत्त्रक स्त्री**० अार्रे आण-वि॰ उज्जवल वि॰ चमकीला अ। इस्जेाण-वि० स्वच्य वि० साफ अ:६**०-२्वी०न० श्रोस** स्त्री० शहरम अअं-वि० पृष्हल वि० खुब अंदिरेअरे--ते० सहस्वर साम करना अरः्शी–स्त्री० मटक प्र• आ!-न० वृत्त पु० दरख़त अडणीड-न० संघन जंगल पु॰ अऽञुऽ-न० साफ-सफा**ई** स्त्री० आउव्'्न० ह्योटा पौधा पुरु क्साब स् कि॰ भाड लगाना

અડી]

अही-स्त्री शहर स्त्री के सादी; बैल जंगल अहु-नंश्व साड़ पुश् अही-पुंश्व टही स्त्रीश्व दस्त; छानवीन अत्म-नंश्व के पुश्च हन्तुम अह्म-स्त्रीश्व स्त्राय स्त्रीश अहम-स्त्रीश्व हिल्ला स्त्रीश टोक्सी; दूष भरने का बड़ा बर्तन अभर-पुंश्व सर्ते हो हो पुश् अहम-पुंश्व सर्ति स्त्रीश; इस के राजा की

पदवी अ१शःकी-स्त्री० जार जैसा अन्यायी शासन पु०

अरिवु'-स०कि॰ मारना स०कि०,सींचना;
ह्री धातु को मालना
अरी-स्थी॰ मारी स्त्री॰ केत ही; चलनी
अरी-पुं॰ मोटी मारी स्त्री॰ सकड़ी केतली
असर-पुं॰ कपके की मालर स्त्री॰
असवु'-स०कि॰ पकदना स०कि०
अस्प-स्थी॰ जगला स्त्री॰ लपट, कोष
का स्त्रावेश

अंभ५-स्त्री० दृष्टिपात पु०; लांछ्न अंभ-स्त्री० भाँकी स्त्री० अंभु-ति० श्रस्पष्ट वि० धुँधला;निस्तेन अंभकं-न० ईटीची डाल स्त्री० अंअवं-न० मृगनल पु० अंअवं-त० स्वानस्त्री० स्त्रिक स्त्री०

अधि-युं द्वार प् दरवाजा श्री६-स्त्री० जरी स्त्री अधि-वि० भीना वि• बारी क श्रीश्वट-स्त्री० भीतायन पु० बारीकी, चत्राई जीसवु'-स०कि० पक**इ लेना स**०कि० अधरव'-स०िक ऊँउ हो बिठाना स०िक अअवव् -स०४० मुकाना स**्**कि० अंऽ-न० **युथ** पु॰ टो ज़ा अंभेश-स्त्री० प्रवृत्ति स्त्री • इल वल अं ८-न० बड़ा मग रमच्छ पु॰ अक्ष-स्त्री० भातर स्त्री० कपड़े 🚯 व्यवारी अंसर्ध-ने पासना पुर ऋजा अू बयु'-न० भूतता हुआ पु**् स**टकता अूदी।−**पु**ं० पालना पु० मृला अंट-रेश्री० खरौं व स्त्री० जु'प-स्त्री० चिता स्त्री० अ परी-स्त्री० झौंगडी स्त्री• अं सरी–स्त्री० धूसर वर्णी पु० अेश-रत्त्री० बूँद स्त्री० कत्। की कॅंपकेंपी ञे. भञे**भां-न० पसीने पर पसीना** . अर--न० विष प० जहर: वैर: ईंड्या अेरी-वि॰ विषेता वि॰ जहरी**ला** ञेरीक्ष'-विविषेत्रा विव जद्रीज्ञा, कोघी

એાક-પુ'૦ સ્ત્રી૦ મુદ્દા મુક

अंद्र - न० नीद का भौका पु० क्रीहा-पुं • धक्का पु • ओ&--ने पुराना पे**द** जिसमें भूत का डर कहा जाता हो ञीसवु'-२५० कि॰ झ्लना **४**० कि॰ **होब**ना अध-न० भता पु॰; टोली ओणवु -स•िक माला देना स० कि० ओणी-स्त्री० झोली स्त्री० **येखाः बा**लक का झला ओं sg'-स० so झोंकना स॰ कि० ओंट-स्त्री० सरोंच स्त्री० ञेंसवु -स० ६० ठुँसकर खाना स० कि० [E] 2525-240 टक्टक करना घड़ी आदि की ग्रावाजग्र०; एक्टक ८५९ – स० कि० टिकना स•िक० ८५।६-वि० स्थायी वि० टिकाऊ; म्जबूत ८५।५-५ ं० टिकाव पु० मजबूती रहे।-पुं० तीन पैसा पु० इपया, सौ की गिनती ८६:२-२्री० टोवरी स्त्री० इतिया टेंशर भानुं-न० नगारे बजाने की जगह स्त्री० नक्कारखाना ८ है। २ वु'-स० कि टिकोरा मारना स•िका० टेंडारी-पुं ० दिकोरा पु० **८%**१-स्थी• ठोकर स्त्री०: भिवन्तः पहार

८ग८ग-२५० निर्निमेष अ० एवटक ८गरभगर-२५० निर्निमेष अ० एकटक ८ अभ्य-वि० अस्थिर प्रा० मनकृता ८य-वि० उच्च कोटि का वि० ऊँचे दर्जे का; फौरन ८२१८ी-स्त्री० चपटी स्त्री० २**२६'-**न० टेरा टचका प्र०; छोटा प्रसंग ८२। ३। - ५ ० घाव पु० जल्म ટચલી આંગળી-સ્ત્રી૦ દ્વિગ્રની સ્ત્રી૦ ८था५-वि० खिद्धोर वि० सनकी ८२/५५,'--(पे० श्रहयन्त लघु वि• बहुत ह्योटा ८८वु - न० टह्टू पु० खच्चर ८८णतं-अ० कि कह देना अ कि तक लीक देना; लटका रहना ८८।२-वि० घटल, खड़ा रहना वि०; अक्कह ट**ट्टी-स्त्री० टाटा पु०; पाखाना** ८६-५ • न टर्टू पु० खच्चर ८८ । त्रुं - स० कि० धमकाना स० कि० **ड**राहा ८थ्डे।−५'० कोच आता ५० गुस्सा साना ८न८न-२५० घंटी की आवाज धन ८५-- अ० भटपट अ० फौरन ८५६व - अ० कि० टपरना घ० कि० ८५११ववु - अ० कि वृदें पदना स० कि ८५५'--१० बूँद स्ती॰ कतर।
८५६'--१० बूँद स्ती॰ कतर।
८५६'--५'० जन्म-पत्री स्त्री, जायव।
८५८५--२५० फटपट प्र० फौरन
८५६'--२०० कुम्हार का एक घौजार पु०
८५८५'--२० कुम्हार का एक घौजार पु०

८पास-स्त्री० डाक स्त्री०

टपास ने। हिस-स्त्री० डाक खाना पु०
टपासी-पु'० डाकिया पु० चिट्ठीरसाँ
टपसटपस-अ० थीरे थीरे अ०
टपुसियां-क्री० दक्षिण घाट की ढाल
टपेटप-अ० दनारन अ०
टपेट-पु'० यात्रा स्त्री० मुसाफिरी;
सवारी; मोटी गप्प
टप्पावाणा-पु'० गप्पी पु० शेखीबाज
टप-न० नाँद पु०
टपुडी-स्त्री० छोटा लोटा पु०
टमडेपुं-अ० क्रि० धीना प्रकाश अ०कि०
मन्द रोशनी
टमटम-स्त्री०एक तरहकी घोडागाड़ी स्त्री०

८भ८भयुं-२५०६० धातुर होना अ०कि० उतावला होना ८भ८भा८-पुं० शीघ्रता स्त्री० उतावल ८६को-पुं० फेरा पु० चक्कर; घक्का ८९वणयुं-२५०६० सहाझें साना स्र० कि० तहफना; हुए देना

ाक० तइफना; स्ट्रा इ.श.-२त्री० भ्रानिमेष स्त्री० एक्टक ८स८स-**७**० प्रत्य अत्तग हो जाना **घ**० ८सर-स्त्री • एक कपड़ा पु० ८स'ञ्-स्त्री० प्रदोषकाल पु**॰ शा**म ८६ुडे।-५'० कोयल या मोर की आवाज स्त्री०, हंकार ८**६े**स-स्त्री० भिखारी की दैनिक आवाज ८ देवर है। रे। - पुं ० देवरेख स्त्री० निगरा**नी** ८७-वि० नाशवान वि० ८७ वं - अ० ६० दूर खिसकना अ० कि० ८' ५-५'० छाप लगा हआ सिक्झा पु• ८'इशाण-स्त्री० टकवाल स्त्री० रं ५शाणी-पुं ० टकसाल का व्यवस्था-पह पुरु टं धर-पुं० धनुष की डोरी की श्रावाज स्त्री ० ८'हे-अ० नियत समय में अ० ८'ग-स्त्री० टॉॅंग स्त्री० टंगडी-स्त्री० टॉंग स्त्री० टंगाउव -स०िक टॉगना स०कि० लडकाना ट'टा-पुं ० टंटा पु० बखेबा; तक्करार ८'टे। इसाह-पु' व टंटा पु व बखे हा; नक्तरार ८'डेल-पुं नाविह पु० खेवैया; लम्बा

श्चादमी टायकट्टयक-वि॰ फुटकर विं॰

थायोश-भुं ०हड्डीके जो इका वटका पु०

टायक्षाटाणी स्त्री । गप्पी-महंस्री स्त्री ।

E18]

टाट-न० मोटा कपड़ा प्०: वि० सख्त शह-स्त्री० तंह खी॰ धरी टाडीशीणी-स्त्री० श्रावण शक्ला या कृष्या सप्तमी स्त्री॰ टाढ़'-वि॰ शौतल वि• ठंडा ટાઢું હિમ-વિ૦ શ્રતિ शीतव अधिक ठंडा टाख-न० शमग्रवसर पु॰ टापटीप-स्त्री० टीप स्त्री० मरम्मत ८।पशी—स्त्री० चलती हई बात के बीच हाँ-हें कहना टापी-स्त्री • एक श्रीजार पु० टापु-पुं० द्वीप पु॰ टापुवे।-पु'० रोटी खी० टाणहा-भुं वाचाता पु व लबार टायर-न॰ रबर का पहिया पु० टायुर्-न० झठी पँचायत स्त्री०: होसी टास-स्त्री० सर की गंजी जगह स्त्री०: तान टागिव्'-स०कि० टालना स०कि० दर करभा टाणी-अ॰ सिवाय अ० अलावा टीं - भं व सेर का ७२ वाँ हिस्सा प् मोती तोलने का वजन: स्त्री॰ क्लम की नोक: वेला टांडधी-स्त्री० पिन स्त्री० द्यालपिन र्टां अथं-त॰ प्रथर तो बने की टाँकी स्त्री॰ संयोगः प्रसंग

टांध्यं-स०४० टाँचना स०कि० घडना टांडी-स्त्री० पानी भरने की कोठी खी० टाहै।-पु'० सिलाई स्त्री० टांका टीमवु'-स०क्वि टाँगना स०कि०लटकाना टांय-रूपी० इ.मी स्त्री० कोताही टांथव'–स०३० टाँचना स०कि० टांटिये।-भु'o टॅंगड़ी (पैर) स्त्री० टांड्'-त० बनजारा पु• टाँडा टांपशी-स्त्री० ताक झाँक स्त्री॰ 2िधेय-स्त्री वि हि इस स्त्री व टिडिंड-पुं॰ मोटी रोटी स्त्री॰ रिडेडी-स्त्री• सफलता स्त्री० कामया**वी** 2िंभेडे।-भुं• विलक पु॰ टीका ियकारी-स्त्री॰ हैसी स्त्री॰ मचाक **टिटे।**थी–रूत्री० तूर के दानों का पतळा साग पु० टिपिश्ये:-पु'० पंचांग देखनेवाला पु० डिपार्ध-स्त्री० तिवाई स्त्री० **८५५७-न० टी**इा-टिपाणी स्त्री० (८९५।-५'० खेल में लाइ पर लइड़ मारता: व्यंख रिभणावं-अ०िं टॉगना श्र**े**क० लटकाना હિ'બો-પું**૦ દીશ લ૦ દે**≉રી टी डडी-स्त्री॰ पतली चपाती स्त्री॰ रीध-स्त्री० समालोचना स्त्री०; निन्दा रीक्षभीर-विश्व निन्दक विश्व तुक्ताचीन

રીકો]

टीप्टी-स्रीव्हित्रयोंकी सुद्राग-विन्दी स्त्री वि टी भण-नव हँसी स्त्री व मसाहः शरास्त टी भणी-विव्व हँसोइ विव्य मस्करा टीयपुं-विव्य बीना विव्व ठिंगना टी प-स्त्री व स्मरण चिह्न पुव्य यादगार टी पास्तुं-नव पंचांग पुव्य टी पर्सी-स्त्री व स्नामा सेर का वसन पुव्य टी पर्सी-स्त्री व स्नामा सेर का वसन पुव्य

स० कि० घडना

टीपुं-न० बूँद स्त्री० कतरा

टीभधु-न० कडेना पु० नारता

टीक्षुं-न० तिलक पु० टीका

टीस्सी-स्त्री० श्रंकर पु० कोपल

टीशीभार-वि० गप्पी वि० शेखीबाज
टीसा-पुं० एक खेल पु०
टींशणायुं-अ०६० टाँगना स० कि०
लटकाना

दुक्ष-पुं व दुक्षा पु •

८५-स्त्री० शिखर प्• चोटी ८ू ५ - स्त्रीo टेक स्त्रीo ट्रं अध्य-न० कोई बात दर्ज कराना र्'रु'८य-190 ख्र थोडा वि० ट्'टिथु'--न० सिमटकर सोना ट्रें।-पुं० वंचक पु० ठग; टेढ़े हाथवाला ट्'पश्-न म्लोच्छे इन पु नेस्तनाबृदी टं पर्ध-न० एक झौजार पु० ट्'प्युं-स० कि० मूलोच्छेद करना स**्**कि० नेस्तनाबुद करना द्'पिथे।-पुं एक श्रीजार पु ट्'भा-पु'० बन्धन पु० फाँस रे**५-५'० प्रतिशा स्त्री**०; निरचय, **शा**बरू े टेक्ष्यू-न० आधार पु० सहारा टेडरी-स्त्री० छोटा ड्रंगर पु० टेक**री** रे**४ववु'-स०**४० सहारा देना स**०** फ्रि॰ टे**श-**वि० टे**डवासा** वि० टेश-युं• भाषार पु• सहारा टेटुं- न० एक पौधेकी जब टेटा-धं० बद का फल पु॰ ; फटाका टेडु'-वि० वक वि० टेढ़ा;मिजाज टेभी-पुं विताई स्त्री • टेभवु'-स०क्षि० ठइराना ६० कि० इक्षाना टेक्षिश्रा६–५'० तार पु• रेप-स्त्री॰ श्रादत स्त्री० लत टेवशी-सी॰ अटकत स्त्री॰)२ववुं-अ॰ क्षि॰ टोह में छगा रहना स कि०

ટેસ 🧍

65

टेस-पुं• स्वाद पु• तज्ज्ञत

टाइपी-स्त्री॰ टोकते रहना

टाइपी-स्त्री॰ छवदी स्त्री॰ डितया

टाइपुं-स०डि॰ टोकना स०कि॰ रोकन्
टाय स्त्री॰ शिखर पु॰ चोटी
टायपुं-स०डि॰ मोंकना स०कि॰ घुसारः
टाटी-स्त्री॰ टोटी स्त्री॰; कर्णफूत
टाटा-पुं॰ पु॰; मोटा फटाका
टाधी-पुं॰ कटास्त करना पु॰
टाप-पुं॰ शिरस्त्र या पु॰; दबा टोपिया
टापरं-न० खोपरा पु॰
टापसी-स्त्री॰ बाँस या घास की पात्र
जैसी बनावट, टोइनी

टापी-स्त्री॰ टोपी स्त्री॰
टाप्पी-स्त्री॰ छोटो टोकरी पु॰
टाक्ष-पुं॰ कर पु॰ चुंगी; चुंगीवर
टाक्ष्य-पुं॰ कंगूरा पु॰
टाल-पुं॰ कंगूरा पु॰
टाला-पुं॰ कंगूरा पु॰ कंगूरा पु॰
टाला-स्त्री॰ मंडली स्त्री॰ जमात
टाला-स्त्री॰ मंडली स्त्री॰ जमात
टाला-पुं॰ वारीक आवाज में पुकार स्त्री॰
टीक्षा-पुं॰ वारीक आवाज में पुकार

[ठ] ४५४५-२५० ठोंकने की ग्रावाज सक ८ेंडर।ઇ—स्त्री० ठकुराई स्त्री० ठाकुरपना; सेठाई

रेडराष्ट्रां-न० ठक्रराईन स्त्री • **♦**भ−िव० वंचक वि० ठग ८भारु'-वि० ठवनेवाला वि० ^{६२}थर-वि० श्रतिवृद्ध वि० जईफ ५२/५६२/६-२०० मन्दमन्द अ० धीमाधीमा ८६-२३० जमघट पु० मीड्मइक्का ४४ धरवं - स**ा**५० धमकी देना स • कि० ८४ मर्४-स्त्री • सेवा स्त्री • खिदमत: बर्दाश्त **धरव्'−स०**क्वि०**यरयराना स०कि०**ठिङ्करना [ु] हो.-पुं० **इंसी**∙मजाक स्त्री० मस्करी ८४।भ१५री–२००इँसी मजाक स्त्री०म₹करी óथ्रो-५'० मंतीकृति स्री० ठनका **ेश**ेश—२५० ठनठन की आवाज श्र० **ढेण्डेज्याट-पुर्क ठनठन की आवाज** स्त्री० ८५-अ० रहावट अ० ५५६।-५ु'० डवका लेना ८भ५-स्त्री० चलने की छटा स्त्री० १भक्षारी-पुं ० लटका पु॰ नखरा ^ડ२&।भ–त० निश्चित स्थान पु० पक्का

हेरडाट-पुं • बाँकापन पु • टेढ़ापन हेरयुं-स•क्षि • ठंडा होना हेराय-पुं • निश्चय, पु •ठइराव, प्रस्ताव हेरेस-पि • हंढ़ विचारवाला वि०; सम-मस्तार; सयाना

ठिकाना

[} ?

&स-(१० होस वि•: श्रक्रह &िश्या-पु°० फलका कठोर बीज पु० **&**सड़ा-पु'० प्रमाव पु० रीब \$ देखं-स० कि० ख्र हिलाना स०कि० 8'दे।रवं-स०क्रि० खलना स•िक०ठगना **४ री-**स्त्री० शीत स्त्री० सर्दी 8°45-२३)० शीतलता स्त्री० ठंड: शान्ति ॐं≟-वि० शीतल वि० सर्द क्षेत्र-पुं क ठाकुर पु क **8.82**[-त० राजपूत, दारोगे ब्रादि लोग पु० &ाहेर - भु'• ठाक्रर पु० हेरिमार-प'० शोभा स्त्री • ठाटबाट क्षरी-स्री॰ भारधी स्त्री॰ क्षित्य'-वि० जो जिण हो गया हो वि० **å।5**'-न० श्रहिषपंजर पु॰ हड्डियों का ढांचा **अध-**न० तबेला प्र० क्षेम-पुं ०५० स्थान पुर जगह; वर्तन ६१२-५ ००० भ्रोस स्त्री • शबनमः ठंडीं हवा क्षरप्'-स०६० ठंडा करना स॰ कि० &सववु-स०कि विक्र दरना स० कि॰ खाली करना ठांध्-वि• रिक्त वि० खाली 8145'-वि० गंभीर वि० गहरा; दानिश: चतुर **धंस-स्त्री० डॉग स्त्री० शेखी &ांसतुं−स० क्षि• ठूँपना स०कि॰; खाँस**न

₹₹-₹3

હिडियारी-स्त्री० **हँसी मस्त्ररी स्त्री०मजाक** िं गुळ-वि॰ वामन वि॰ ठिंगना **ी**ड-वि॰ श्रच्छा: योग्य: साधारण ठीक्ररी-स्त्रीक तीकरी स्त्रीक ठी ४३° -न० मिट्टी के बर्तन का टकड़ा पु० ठीअपु'-अ० कि० शीतल होना सoकि० ठेडा होना 8ीं अर्थं−वि० नाटा, वि• ठिंगना ६६वावं-अ० कि० शीत**से अकद जाना** प० कि॰ ठिठरना ६ भरी-स्त्री० पर्तग को ठिमकी लगाना ६भेडा-पु'० जोरसे ठिमकी लगाना ६श-२श्री० श्रक्मेंस्य पु• वेहार, दुर्बल ं के नि० करे हुए हाथवाला वि०; उँठ ८'श-स्त्री० डींग स्त्री० शेखी 'से।–५'० मुक्ता ५० वृँसा हैं।-अर्थि ताल स्त्री • ठेका सलांग हेडडी-स्त्री॰ हँसी स्त्री॰ मस्करी हे ४ हे अधि – अ० जगह जगहपर ठे**ड**े।- पु'० छलांग, स्त्री**० फॉ**इ हेक्ष्य'-सर्वाक्षक कृद जाना सर किर फाँद जाना र्हे**अ**थ्'−न० स्थल पु० मुकाम हेर्र-स० बन्ततक प्र० ग्राखीर तक हेपपु'-सर्वाहर लगाना सर्व किर हेर-अ० उचित स्थानपर द्यव श्रयसी जगह

हैरववं—स०कि० निश्चय करना
स०, कि॰ ठहराना
हैसवुं—स०कि० ठेउना स० कि० धकेलना
हैसवुं—स०कि० ठेउना स० कि० धकेलना
हैस-स्त्री० ठोकर स्त्री०; इलकी न्यात,
हैसवुं—स०कि० ठोकर मारना स० कि०
हैं—थ० स्तंमित स० दंग; लथपथ
होड-पुं० प्रहार पु० चोट
होडोहेड-स्त्री० ठोकपीट स्त्री०
होडर-स०कि० ठेस स० कि०; भूल;क्मी
होडवुं-स०कि० पीटना स० कि०
होडना: हाप मारना

है।हे-पुं० ठों बने की आवाज स्त्री •
है।है-वि० जड़ भरत वि० वेश क्ल
है।भरुं- वि० कुरूप वि० बदशक्त
है।२-पुं• एक मैठाई (ठौर) पु० ठिकाना
है।सवुं-स०क्ष्रि० तोड़ खाना स० क्रि०
है।सवुं-अ०क्षि० खां छना अ०क्षि०
है।साभाण-स्त्री० मुक्काबाजी
(८)

35ारी-स्त्री० डकार स्त्री; बी ग्राझी आवाज 3551-पुं० डेक पु० 355:वाणा-पुं० डेकका मालिक पु० 37्युं-न० एक प्रकारकी तरकारी स्त्री० 37्युं-न० एक प्रकारकी तरकारी स्त्री० 37्युं-न० प्रकारकी तरकारी स्त्री० 37्युं-न० प्रकारकी तरकारी स्त्री० 37्युं-न० का पु० कदम

ऽगऽगे।-पुं० शं हा छो० शक; बहम ऽभभगु--थ०६० डनमगाना श्र०कि० ऽगर--खी० बाट स्त्री० सह उगसी-स्त्री० छोटा हम पु० छोटा हदम; भगरसा ऽगसी--पुं० मोटा श्रॅगरसा पु० ऽगुभगु-वि० भस्थिर वि० मनकूला उधानुं--थ०६० घवराइटसे स्तब्ध हो जाना श्र० कि०

८य-पुं ० टिवकारी द्वारा इन्कार पु॰ ८यधरवुं-स॰क्षि० पशु होंकते समय की भावाज स०कि०

ऽथेशे-पुं० प्यात्र का उक्त्रहा ऽथ्रे।-पुं० गला या छाती में घमराइट ऽथ्ये।-पुं• वेकार कापड़ या कागत्र का पिंड

ऽअन-वि॰ एक दर्जन वि॰
ऽटख्-वि० दटा हुझा वि० रोक
ऽटख् कृषी-पुं० गहरा कुँझा पु॰
ऽट्टी-पुं० डाँटा पु॰
ऽऽप्रवुं-व्य०४० श्रशक होना श्र०कि॰
कमजोर होना
ऽख्ड-स्त्री॰ सिंह की गर्जना स्त्री॰

डण्ड-स्त्री॰ सिंह की गर्जना स्त्री॰

ऽपडी०स्त्री॰ डुबकी स्त्री॰ गोता

ऽपट-वि॰ दुइरा वि॰

ऽपेटा-पुं॰ बोरदार दौड स्त्री॰

ऽ६-स्त्री॰ न॰ चंग पु॰ डफ फौरन

ऽ६ऽववुं-स॰कि॰ डराना स॰ कि॰
धमहाना

ऽध्युं--ते व्हिक्त उंडा
ऽध्याववुं-से हि हैरान करना सव्हिक्
ऽध्याववुं-से हिंग स्त्री शोखी
ऽध्या-सि मुंख विव वेवकूफ ऽप--ये इबनेकी स्नावास स्रवः सद ऽप-थे इबनेकी स्नावास स्रवः सद ऽप्य उंचे-थे हिंग डुबिस्या स्नाना स्रव्हित

श्र० कि०

६५१२-५'० नमारे मँदनेवाला पु०

८५५'-न०डिब्बा पु०

५५१-५१'० हिब्बी ख़ी०

५५१-५१'० मुंशी पु० मुद्दिर

५५'-न० कर्डी ख़ी०

६५५१-५'० नावका पिञ्रला भाग पु०

५५१-५० हिब्बा पु०

५५४-२० हमक की श्रावाच श्र०

५५४-२० हमक की श्रावाच श्र०

५५४-२० हंका पु०

५५४-२० हंका पु०

५५४-२० हमक की श्रावाच श्र०

५५४-२० हंका पु०

डभरा-पुं० एक खराब्दार वनस्पति डभाक्ष-पुं० ठाठ पु० शान शौकत डर-पुं० भय पु० खौफ डरपेक्ष-पि० मीरु वि० बुद्धदिल डराभणी-स्त्री० भय पु० खौफ डरामण्ड-पि० भयानक वि० डरावना

उसी (भी)स्त्री • जीन इ नीचे रखने की गही स्त्री० 3वारे।-Yo भारी श्रावाच स्त्रीo ८सवु'-स०४० दंशन करना स०क्रि० डंक प्रारना sg'sg'-अ०डि० डहकना अ०कि० ८६। ५७। - न विवेक प्र समसदारी ऽहापख्डाह्य'-वि० धृतं वि० मक्कार उद्धेाणव् स० ५० प्रवाही को हिलाना उछे शु - रि॰ दिलाया हुआ प्रवाही वि० ८ण इत्-अ० हि० ललचाना प्रक्रिक ऽणव्'-थ०कि० स**ब जाना श्र**०कि० s'डी -स्त्री० पानी खींचने का पंप प० **डें है।**-पुं० नगारा पु॰; डोल, टिकोश: फतह ८'भ-५० दंशन ५० इंक उ'भव-स०४० डमना কি০ ভঁক मारना s'ञेशियु'—वि॰ मार-पीट करनेवाला ડગાર-ન પુરુ; હંહા; s'डे।-Y'o डंडा पुo s'भर–५ ० श्राडम्इर पु० ढकोसला ১া5−ৠি° ভার স্থা• अड्डमाइ-पु^{*}० ठा_ंबाट पु॰शान शौकत अ**ऽध्-**स्त्री० डायन जी० अक्ष भागेते।-धुं व सरकारी सम्राक्तिर-खाना प्र० ऽ।धु-पुं• लुटेश पु• डाकू

[ડીએ!

डाभणी--स्त्री० मस्तफ पु॰ सिर; मगज समस्रक्षि अध-पं॰ कर्लक प० दागः बदा

अस-पुं क कंक पु व दागः बहा
अस-पुं क कंक पु व दागः बहा
असिथी-पुं व दागवाला कृता पु व असु-पुं व सुर्वा के नानेवाला पु व असु-न व जन्म पु व असारूर-स्त्री व कक्षादी पु व लगार अस्ट-पुं कारी स्त्रति स्त्री विवादा सु स्सातः स्वारी

डाटेनुं-सर्वर्ड वाँटना सर्वकित रोकना डाटी-स्त्री वमघट पुरु सीनः धमकी डाटी-पुं वाँटा पुरुः बोतलका बाँट डाइडिश्य-स्त्री विना समसे कुछ बोलना डापुं-ना काटनेको फाबा हुआ सुंह पुरु डाधुं-निरु बायाँ विरु श्रव्हिकर डाभ-पुरु गर्म लोहेका चपका पुरुः डाभियो-पुं विहतर रखनेका तस्ता परुः मच्छर

डामध्-न॰ पश्चर्यों की बेबी स्त्री० डाभर-पुं॰ कोलतार पु॰ डाभरेक-न० रेलवेडा माल समय पर न सेने पर लगनेवाला दंड पु० डाभवुं-स॰डि० गर्मे लोहा चिपकाना

सं-किडाभाडेाण-वि० संस्थर वि० मनकूला
डाभील-वि० बदमाश वि० शरारती
डाभरी-स्त्री० डायरी स्त्री० रोजनामचा
डाथरी-पुं• स्त्री० विरादरी

डार-न० पु० खोफ डाह्यश्च -वि० ज्यादा श्रवस वैवारनेवालः वि०

वि०
ऽालु'-वि॰ विने की वि० सक्लमन्द
ऽाण-स्त्री॰ शाखा स्त्री॰ दास
ऽांभणी-स्त्री० कोटी शाखा स्त्री॰ छोटी दाल
ऽांभ-स्त्री० मन्द्रत लक्ष्मी स्त्री॰
ऽांभर-स्त्री० नावलका धाम पु०
ऽांऽ-वि० लच्चा पु॰, उद्धत
ऽांऽसी स्त्री॰ छोटी दाली स्त्री॰
ऽांऽसी-भुं॰ एक खेल पु०
ऽांऽियास-भुं॰ एक खेल पु०
ऽांऽिया-स्त्री॰ छोटी लक्षी स्त्री॰
ऽांखपुं-स०िं गर्म लोहा चिपकानः

डांस-पुं॰ मशक पु॰ मच्छर डिंग-स्त्री॰ न॰ बनावटी रीति स्त्री॰ डिंगर्ल-न॰ यूदरका काँटा पु॰ डिंग्ण-न॰ झूठी डींग स्त्री॰ शेखी; एक भाषा

स०कि०

डिंगा-पुं० अँगूठा दिखाना पु० डिंग-न० बालक पु० बच्चा डीयपुं-न० अंगुली के अुपर का भाग पु० डीटडी-स्रो० बूँद बराबर टचका पु० डीस्टुं-स०डि० झोटे डंडेसे पीटना स०कि०

डीपु'-न॰ छोटी तथा भारी लक्षी स्त्री० डीमो-पु'॰ छाती का भरना पु॰ ડીમચું]

ડીમસું-ન૰ હોમ डी'उवाख्'-न० अब्यवस्था डी'डवु'-न० मेवेवाला फल ५० **ु**⊌३-न० बेक पशु प्∙ ५ गर्भ-२५० डमरूकी आवाज अ० ડુગડુગિયુ'−ન० डम**इ** पु० **ुभास-पुं० नौकाका दलाल** पु० **ुभ**5क्षास—न० केन मशीन स्त्री० sुभक्षागडे।--पु'o बदा की मा पुo ड्र'गर-पुं°० डूँगर पु• कुंगा-युं० बोर पु• ्रथवु'-स॰कि० होंठ लगाकर पीना स० र्ंचे।-पुं॰ पु॰; बेकार कागर्जो या कगड़ों का पिंड s्भवु'-अ०डि० ज्वना अ०कि • त्यन होना ऽप्पाऽ्रथ-वि० ङ्बना उतराना वि• ऽभेक्षे-५'० नगारा पु० दमामा **ुभा–पु'० गद्गद्ता स्नौ०** उसपु - अ० कि० इबना अ०कि०; गर्क

होना दुवे।-पु० रगइ पु० घित्राव दुवे।-पु० सिसकी स्त्री० दुवे।-स्त्री० नाशि स्त्री० दुवे:-न० बाळी दुवे।-पु० नमूना पु०; देथुं-न० कमरके नीचेका हिस्सा पु• डेरावु'-२५० क्विं अना अ०क्वि० डेरे।-पुं० तंबू पु० रावटी खेमा डेरी-ओ० खिडकी स्त्री०; पुलिस चौकी डेल् -न० चौड़े दरवाजे पु० डेड्र'-न० मेडककी टर्र टर्रे स्त्री**०** डे।⊌-२०)० लम्बी दांडीका एक बर्तन **पु०** डे।५-स्त्री० गर्दन स्त्री• डे। ५३'-वि० वृद्ध वि० सईफ डे।sq'-अ०डि० गर्दन निकालकर देखना ষ্ঠাত ক্রত रे। इंशी-क्री व ची तेल निका**लनेका पळा** q0 डे।डाणारी-स्त्री• दरवाजेमें रखी **हु**ई खिड्धी स्त्री० डेडिय'-न० गर्दन निकालकर देखना डे।४ी-स्त्री**० गर्दन स्**त्री० डे।धु'–वित्र हर**स** वि∙ डे।**य**्रु'−न० मस्तक पु० सिर डे।टी-स्त्री० एक कपड़ा---गजी स्त्री० ડેાડવુ'–ન• હો**હા** યુ૦ डे।डे।–धुं ० म**क्डेका** भुट्टा पु० डे। भइ'-न० मिट्टीका हुटा वर्तन पु॰ डेाणु:-वि•भैस वि० वेअऋतः; देथि।-पुं ० कटोरावाला चमचा खी॰ डे।स-स्री० बालटी स्त्री॰ डोल ડે।લચી–સ્રી• छोटी डोल **छो**० **छोटी** बालटी डे।सस्य-वि० श्राह्यर वि० मनकुला

હિલો

डे। अपु'-अरिक सुमना अर्का बोत्तना ६५५-सी व्यवति स्त्री तरीका डेली-५'० तावत प्र० ताविया:पालखी डेल्'-स॰डि॰हिलादर मिलादेना स०कि॰ डेस्री-स्त्री० वृद्धा स्त्री० बुहिया डे।सर्ला-न० पारसियोंका वार्षिक कर्म-कांड पु०

डे।ण-५'० आकार प्र• घमंड डे। श्ववः - स० ६० आकृति बनाना स० कि ० डेािंगेंग-न०वि० सम्बे सींगवाता (बैत) a c

डे।णा-वि॰ दंशी वि॰ घमंडी; स्त्री० लटकती भोली

. डे.भी.-पु'० श्रांबका तारा पु•; श्रांख

डेंबिव'-स०६० खींचना स०कि०, टोक देगा

3/93/9-अ० मेंद्रकी आवाज अ० 6

ढेश−५ं० स्त्र**प** प्र० हेर 6गरी-पुं वधीदी तनस्वाहका सिपाही पु०

ढम्बे।-धुं० स्तूप पु॰ हेर ालाभ'ध-वि० पुष्कल वि० खुबजियादा 6-3143- वि० श्रनिदिचत वि० डॉवा**डो**ल ६२२१-वि० अतिवृद्ध वि० बुदा खँगट द्धी-पुं• प्रतंगके वीचका खदा तिनका पु• दश्वहै।-५'० ऊँच स्त्री० ८५-स्थी व डब पु० तरीका

६५७५-स्त्री व्यवति स्त्री तौरतरीकाः शोभा

७५५५ - अ० किं ० हो लका बजना अ० कि॰ ढणूऽपुं-स०कि० **श्रोदाकर** सुलाना स०कि०: अपेबनाः पीटना

ढण्भा-५ नर्ष प्र बेवकफ ६भ५६भ५-२५० ढोलकी श्रावाच श्र**०** दमदे। ध-वि० डोल जैसा फ्रहा हुआ वि० दमाइ-२५० होलकी आवाज अ० ६२७व -स०५० घसीटना स०कि० दसरायु'-स०क्षि० जमीनपर घसीटना स०कि∙

६सल'-वि० आलसी वि० सुस्त दणक्ष्यं-अ०६० ढलना अ०क्रि० ८०१ - भ • ६० दलना अ • कि०. एक

वाजु होना ढिलियां-न**∞ सा**हे पाँचका श्रंक प्र० दिणियु'-न० हेला पु०; रोडा ढंश-५ं० पद्धति स्त्री॰ तौर-तरीका ढंढेरे।-पुं० ढिंढोरा पु० ब्राहिर नाम! ढ'दे।णवं—स॰कि जगाने लिए ख्ब हिलाना सं०कि०

હાલ–સ્ત્રી૦ ઢાન સ્ત્રી૦ ढाण-पु• उतार पु• ढालू ढाणधी-स्त्री• कटाई स्त्री• ढाणव°-स०क्वि० नीचे डालमा स०कि० ढाणा-पुं विश्राम पु आराम

િલેશ

डी'यु'-स॰डि॰ इदसे अधिक पीग स॰कि॰

हीं था-न० साहे चारका श्रंक पु॰

६६६ -िवि० समीग वि॰ नजदीक

६६व - अ० ४० समीप जाना अ० कि०

नजदीक जाना

६वे।-पुं० टीबा पु॰; भाड़ी

६ ६६ ३।-अ० श्रति समीप अ० जियादा

६'६५'-२५०% व देंद्रना अविक खोजना

नजदीक

दृिया-पुं ० जैन धर्मका एक संप्रदाय पु०
देक्षी-स्त्री० टेक्सी स्त्री०; स्त्रोटी गांठ
देक्षी-स्त्री० टेक्सी स्त्री०; स्त्रोटी गांठ
देक्षेत-पुं ० देक्सी स्त्री०
देक्षेत्र-स्त्री० सर-पच्ची स्त्री० मग्रजपच्ची
देक्षेत-पुं ० उपरा हुषा हिस्सापु० टोक्सी
देक्षेत्र-पुं ० एक अन्स्यज वर्षा पु०
देक्ष्मेरे-स्त्री० स्त्री० स्त्री०

देश्रिण - न० एक खाद्य प्•

है।यु:-न० सँकहे मुँहका घड़ा ००

ઢાંક્શ-ન૦ श्राच्यादन पु० दक्कन; **संर सगा** ढांडिपिछे।डे।-पु'० दोष खिपानेका बहाना ढांडवु'-स०डि॰ ग्रप्त रखना स०कि० छिपाना ढां ५थु - वि० ग्रप्त वि०; हें का हम्राः ढाइयुं धी इयुं-वि विन्तासे दुःखी वि० હોંદુ'–ન• मृतवशु पु•; ढोडा-भं • बड़ा बैल पु• ढीय-वि० हद वि० मजबूत ढीअ-पुं • मोटा पत्थर पु • रोडा ढी**भ**वु'-स०क्वि० पीटना स०कि० ढीभ्यु'-न० जिही लडका पु० सिर ढीभ**ु'(खुं)–न० गांठ जैसी सूजन** स्त्री• ढीभर-पु'• घीवर पु० मच्ह्रीमार ढीभु'-न० वड़ा फोड़ा पु० **ढी**स-स्त्री० विलम्ब स्त्री० देर ढीक्ष'-वि॰ शिथिल वि॰ डीला;हिम्मतहार ढी's-स्त्रे० मुक्का पु॰ वृंसा ढी ें ध्रुं−िव० अमुक वि० फलाँ ढी' इवे। – प्र'० सूखी नदी या तालाबर्मे पानीके लिए स्रोदा हुआ खड्डा पु• ढी'हे।–पु'• मुक्का पु• घूँसा

ढीं **थश्-**भुं० पैरका घुटना पु०

ढी'अश्रिथ'-वि० घु^टने जितना ऊँचा वि० देर-न० पशु पु० आनवर

તરસાવવાં

क्षेरढां भर-न० डोरों हा झंड पु० ढे।२भार-पुं० तेत्रदंड पु० सहत सज्ञा देहि-पुं ० उभरी हुई अमीन खीट टेक्सी दे।स-न० एक वाच - हो त पु० दे। सडी-स्त्री ॰ निवादका छोटा पलंग प॰ ढे।[सथे।-पुं॰ निवाङ्का बढ़िया पलंग पु० है।बी-पुं० उत्सवोंमें होल बजानेवाला पु॰ ढेाबी-प्र'० वर पु० दूल्हा. हे। ग-पं० श्रोप स्त्री॰ चमक हे। (१) हे। उ-स्त्री० बहाना साहि ढे। जपु - सर्वा इना सर्वा . बहाना है।भ-पुं• श्राडंबर पु० दक्तीसता ढेडिहाडी-पु'० पत्थ(का साम करनेवाला पु० सञ [a]

राठ-स्त्री० अनुकृत अवसर पुर, मौका तकतक्षु -- अ०६० चमदना . अ०कि० रोशन होना तक्ती-स्त्री । तहती स्त्री । एक गहना. अ.रसी

तांक्टीर-न० भाग्य पु० नसीब न ५२।२-न ० लड़ाई स्त्री ० भागहा राउथाधी- वि० कोमल वि० नाजुक राध्ती६-स्त्री० दष्ट पु० तक्कलीफ ताउसीर-स्त्री० मृत स्त्री० दस्र तरकेट-न० प्रयंत पु० फरेब तर्ध्यं-अ०६० युक्ति लगाना अ०कि०

घटब्स सगाना तरधारी-स्त्री • साग-सन्जी स्त्री • माधी तरशीय-स्त्री० युक्क स्त्री० श्रटकल तर भंड-स्त्री० सारसंभाल स्त्री० देखभाल तरभागा-भं० नाचने गानेका पेता करनेवाला प० त्रे शेष्ट्रं –स० कि धिक हार हर निका-लनास ० कि • तरळाभें-पुं • श्रन्तबाद प् • तर्जुमा तरा-स्त्री० चौरा प्० दराङ् तरअट-पुं ० द्वाड पड़ने के श्रावाच स्ती• तर्थं-न० त्या पु॰ तिनका तरत-अ० शीघ श्र० कौत तर तपास-स्त्री० गहरी छानबीन स्त्री• जों च पडताल तर६--थ० और अ॰ बाजू तरहेश-स्त्री • पच पु० बाजु તરબડવું-અ૦ફ્રિ૦

लंबना अ०कि० तरथे। श-वि बिलकुळ भीगा हुआ वि० तरक्षड-स्त्री० बोह्याचाळी स्त्री० तकरार तर्भार्थं -न॰ पूत्रा का एक ताम्र पात्र पु॰ तरवाडी-पं वताडी निकासनेवाला प० तश्यार-रश्लो० खड्ग स्त्री० तखवार तरवु -स० कि तैरना स० किः पार

तकाचा

करना;

करना लाँघना तरश (स)-स्त्री० व्यास तरसायुं-भ०कि० आतुर रहना ४० कि० तरसना

[તળાધ્ર

तरंभ-पुं० लहर खो०; मौज तरंभिधी-स्त्री० सरिता खो० दरिया तराध-स्त्री० स्वत्यका खो॰ तराई तराध-पुं०चीरा पु० दरह तराध-स्त्री० झलाँग खो० तराध-पुं० तरता हुआ बाँसों का पुल पु० तरि (री)-स्त्री० नौका खो॰ विस्ती

त्तिर (री)-स्त्री० नौका स्त्री० विश्ती
तिरिये।-पुं • एकान्तर बुन्तार पु०
तरी-स्त्री० महाई स्त्री०; सील; नौका
तरीक्व-स्थ० प्रकार अ० माफिक
त्ताइ-स० वृद्ध पु० दरस्त
ताइयर-न• वृद्ध पु० दरस्त
ताइयर-न• वृद्ध पु० दरस्त
ताइय्य-वि० युवत वृ० जवान
त्ताइध्री-स्त्री० युवती स्त्री० जवान झौरत
तरेशट-पुं • आनेश पु० गुस्सा
तरेश-स्त्री० प्रकार पु० तरह
तरि। पश्च-न० सुधार का एक झौजार पु०
तरि। पुं • नालियर पु०
तरि। पुं • नालियर पु०
तरि-पुं • अनुमान पु० अन्दाज
तरि-वितिक्ष-पुं • मनवाहे विवार

लगाना पु॰ तर्ल नेस्त्री॰ गानेका डब पु० राज नेन-त॰ ठपका पु० ; घमकी; तिर-स्कार तर्ज नी-स्त्री० अंगुठेकी पदोसी चँगळी स्त्री॰ राज पुं-स॰क्षि॰ चमकाना स०कि॰

€राना

तक्ष-न० तली स्त्री० तलहटी तक्ष५-२५० तक स्र० तक्ष५-२० क्ष्य स्त्री० स्त्रलांग तीन श्रिच्डा तक्ष५।५५-वि० स्रक्षीर वि० उतावला तक्षभार-वि० योडा वि०, सहज तक्षसपुं-२५० ४० स्रत्यन्त व्याकुल होना

श्च•क्रि० त्रसना

तससाट-पुं ० व्याकुलता स्त्री०
तसाठ-स्त्री० पु० तलाक
तसाटी-पुं • सरकारी चुंगी-ढेनेवाला पु०
तसाश्च-स्त्री० शोध स्त्री॰ खोज
तस्थीन-वि० लवलीन वि० गंक
तयंगर-वि० संपत्तिशाली वि० दौलतमंद
तयाध-स्त्री० विपत्ति स्त्री० शाफत
तयारी-भ-स्त्री० इतिहास पु० तवारीख
तवारी-भन्त्री० इतिहास पु० तवारीख
तवारी-भन्त्री० इतिहासकार पु०
तस्तस्युं--थ०४० खिवना अ०कि०

तस्वीर+सी० चित्र पु॰ तस्वीर तसु-पुं० स्नी० इंच तर्थ्य-पुं० चोर पु॰ तर्थी-स्त्री०श्रम पु० मेहनत तक्ष्मीक्ष-स्त्री०न० प्रान्त पु० ताल्लुका तक्ष्मीत-स्त्री० स्त्री० तक्क्ष्मातः;

तननाः पंसीजना

तहेवार-पुं० त्यौहार पु॰ तहे।भत-नं० झारोप पु० तोहमत तणाध-स्थी० करेदार गहा पु० तिणाय-न० सरोवर पु० तालांब तिणियं-न० तली स्त्री० पेंदी, पैर की तली तिणियाजाटक्ष-२५० खुल्लमखुल्ला अ० सरेग्राम

तिंग-स्त्री० उपस्यका स्त्री॰ तराईं तंग-नि० कसा हुआ वि० तंगरी-स्त्री॰ टांग स्त्री० तंगाश-स्त्री० तंगी स्त्री० कमी तंगी-स्त्री० कमी० स्त्री० तंग्री-स्र्री० कमी० स्त्री० तंग्री-स०४० ठगना स०कि० तंत्र-पुं० तार पु० रेशा तंत्र-न० हिन्दू शास्त्र-विशेष पु० व्यवस्था;

तंत्री-पुं० संगदक पु• स्नी० धनुष की डोरी

तं हुरस्त-वि० नीरोग वि० तन्दुहस्त तं हुरस्ती-स्त्री० स्वास्थ्य पु• सेहत तं भू-पुं• तम्बू पु• खेमा तं भूरी-पुं• एक तारका बाजा पु• तं भेशि-पुं• ताम्बूल पु• नागर बेल

का पान त'भेशिष्यु-स्त्री० तंबोलीकी स्त्री स्त्री० त'भेशिश-पु'० पान सुपारी बेचनेवाला पु० तक्षवी-स्त्री० सरकारसे किसानोंको मित्रने वाजी रकम स्त्री० तक्षियो-पुं० तक्षिया पु०; बालिश, पीर

কী কল

तहेत्र - अ॰ यथा समय श्रव ठी हव्हत तहें हारी-स्त्री० देख भाक स्त्री० निगस्की त्रक्ष-स्त्री० बाब खी० तरवत-न० सिंहासन पु० तहत तरवते।-पुं क मंच पु क तहता: रंगभूकि तभर्धुस-न० उपनाम पु० तस्रहलुस त्तभतनशीन-वि० महीधारी वि० तख्क नशीन तर्भतेता उस-न० शाहजहाँका मयूर सन प्र• तख़्तेताऊस तगर-स्त्री० दौह ध्रव स्त्री० तभर्'-वि० हृष्टपृष्ट वि० तगरा तगतगवं-अ० कि चमकना अ० कि॰ त्रभाही-पुं० रकमकी उधाई स्त्रीक त्राः = न • एक वर्त्तन पु० तकपीक-स्त्री० शोध स्त्री० खोजः कोशिश व्यवस्था तक्ष्यं-सर्वाहर त्यापना सर्कार छोइन त्रश्र-विव विद्वान विव आलिम तट-पुं किनारा पु० तरस्थ-वि० निध्यत्त वि०

तऽद्वे-त॰ धूप तऽदे।-पुं॰ ताप पु॰ धूपः सूर्येका गर्क प्रकाश तऽतऽ-थ॰ फटपट अ॰ तेजीसे तऽपऽ८-पुं॰ चपलता स्त्री॰ चेवलता

त्रअवं-भ०कि० चीरा पदना अ•िक

दशङ् पड्ना

तड-स्त्री० चीरा पु० दराइ

त3१३]

तऽ६ऽ-थ॰ मट छ० भौरतः मुँ६पर तऽ६ऽवुं-थ्य० ६० व्याकुल होना छ०कि० तहपना तऽ'ग-न० म्यान स्त्री॰ तऽ'गधुभ-थ्य० ढोलककी स्रावास छ० तऽ'तऽ।-स्त्री० तबातकी स्त्री०

तडाइ--अ० ट्रटनेकी आवाज अ० तडाइं--पुं० सूठी बात स्त्री; गप्प तडाश--न० सरोवर पु० तास्त्राव तडाडीइ--अ० मारपीट स्र० तडातड-स्त्री० बोलाचःली स्त्री० तकरार मारपीट

तंडाभार-अ० तड़ातड अ० महपटे तडी-स्त्री० मड़ी ली० तडुडवु -अ०४० गर्जन करना प्र०कि० गरजना

तपुडे!- ५' ० ट्रूटनेकी आवाज — तड़ाका पु•

तडेतिड-अ॰ तहातह झ॰ फटपट तथ्यभे-प॰ तिनका पु॰ तथ्यभे-पुं॰ श्रिप्तकी चिनगारी स्त्री॰ ततिडिये-पुं॰ श्रिप्तकी चिनगारी स्त्री॰ तत्काक्ष-अ॰ सद्य श्र॰ फौरन तत्काक्षीन-वि॰ उस समयका वि॰ तत्क्षा्-अ॰ उसी समय श्र॰;ताबहतोड़ तत्व्य-प॰ सार पु० तत्व्य-पुं॰ दार्शनिक पु॰ फिलस्फ तत्पर-वि० उद्यत् वि० तैयार
तथा-अ० और अ०; इस रीतिसे
तहनुसार-अ० उसके अनुसार अ०
तहिप-अ० तो भी अ०
तहिप-अ० तर अ०
तहा-अ० तर अ०
तहा-अ० तर अ०
तहाशण-अ० उसी समय अ०
तह्न-अ० सर्वथा अ० वितकुत्त
तनभन्धन-न० सर्वश्य पु०
तनभ्य-५'० वेतन पु० तनस्वाह
तनभनाट-५'० आवेश पु० तत्तमत्वाइट: अधीरता

तनथ-पु० पुत्र बेटा तनथा-स्री • पुत्री स्त्री. बेटी तनका-स्थ० केवल स्व० फखत तिथी-पुं० स्रंगरखा पु०; बागा ततु-वि० कृश वि० दुवला; बारीक; थोडा

त-भय-वि॰ एकाप्र वि॰ मशगृत तप-न॰ तपस्या ल्ली॰ तपवुं-स॰ कि॰ तपाना स॰ कि॰; गर्म

तपश्चर्या-स्त्री॰ तपस्या स्त्री॰ तपस्यी-पुं॰ तप करनेवाला पु॰ तपप्पीर-स्त्री॰ सुँबनी स्त्री॰ तपप्पीरिसुं-वि॰ तम्बाकूके रंगका वि॰ तपस्था-स्त्री॰ तप पु॰

[તાજિયા

तपासधी-स्त्री० शोध स्त्री० स्त्रोज तिपत-वि॰ तप्त वि॰ गरम तिपेश्वरी-रि० तपस्वी वि० तिपास-न० तपस्त्री शक्त स्त्री० तिपास-न० तपस्त्रीका आश्रम पु० तिप्त-वि० तपा हुआ वि० गर्म तक्ष्यं नेस्क्री० चोरी स्त्रां स०कि० तक्ष्यं नेस्क्री० चोरी स्त्रां स०कि० तक्ष्यं त-पुं० अन्तर पु० फर्क तथ्यं क्रिन्स्त्री० तस्त्री स्त्री० रक्षां वी तथ्यं क्रिन्स्त्री० तस्त्री स्त्री० रक्षां वी तथ्यं क्रिन्स्त्री० स्त्रां क्री० रक्षां वी

दशः, विभाग
तापाधवयु – स०४० दौडाना स०कि०
तापाधवयी – पु॰ तबता बजानेवाता पु॰
तापाधी – त० तबता पु॰
तिपायत – स्त्री॰ मनः स्थिति स्री॰ मिजाज
शारीरिक हालत

तथीय-पुं वेश पु इक्षीम तथेथी-पुं पशुशाला खौ तवेला तभ-स तुम स व तभतभुं-विव विव तीखे जायकेका तभतभाट-विव विव तमतमाहट तभन्ना-स्त्रीव श्राभलाषां खौ क्रिका माँहै :

तभ३-न० एक कीडा पु॰ तभ'ये।-ए॰ पिस्तौल स्त्री॰ तक्वा तभा-स्त्री॰ परबाह स्त्री॰; दरकार; कमी
तभा-स्त्री॰ परबाह स्त्री॰; दरकार; कमी
तभा-मिन् संपूर्ण वि॰ सारा
तभाशा-पुं॰ खेल पु॰ तमाशा
तभाश्यीन-पुं॰ प्रेक्षक पु तमाशाबीन
तभाश्यीन-पुं॰ क्रोधी स्वमाव पु॰
तभ्भर-स्त्री॰ क्रोधी स्वमाव पु॰
तभ्भर-स्त्री॰ क्रांबी स्त्रांवा, तृष्त, मस्त;

श्री० महाई तरहडे।—भुं मुसलनान पु॰ तुर्क ताध—भुं• घुनिया पु॰ ताधस—भुं• मयुर पु॰ मोर ताड-स्त्री॰ तक स्त्री॰ लाग, नियम ताड्य'—भ∘िं• ताइना श्र०कि॰ निशान

लगान। ताआत-स्त्री• शक्ति स्त्री• ताक्तत ताशी६-स्त्री• सतावल स्त्री• तकाशा; चेतावनी

ताक्षं-न॰ गवास पु॰ मरोसा ताक्षे-पुं० कपदेका थान पु॰ ताग-पुं० अन्त पु॰ ताग-पुं० अन्त पु॰ ताग-पुं० तागा ताभ-पुं० सुकुट पु० ताज, साग; ताभ-पुं० सामना स०फि० छोदना ताभ-ध्र-पु० ताज सत्म ताभ-ध्र-पु० ताज। कत्म ताभिथा-पुं० ताजिया प० ताळुभ-वि० आश्चर्य वि० ताज्जुर ताळु-वि० नवीन वि० ताजा, पैसीस भरा हुआ

िखान तात-पुं० पिता पु० श्रद्धा तातुं-नि० उच्च वि० गरम, तेजस्वी

तातुं भातुं-वि० हष्टपुष्ट वि० मोटा-ताजा तात्धातिक-वि० सद्यजात वि० तरोताजा तात्पर्यं-न० सदेश्य पु० मक्तसदः सार तात्त्वक-वि० तत्त्व सम्बन्धो वि० ताहात्भ्य-न० समानता स्त्री० बराबरी ताहात्भ्य-न० समानता स्त्री० बराबरी ताहात्भ्य-वि० सहश वि० हृबहू तान-स्त्री० श्रालाप पु० तानः ध्वनिः मस्ती तानी-पुं० व्यंग वचन पु० ताना ताप-पु० बुलार प० गर्मीः

तापवं-अ०६० अभिके पास तापना

अ ० कि ०

तायस- (व० तथस्वी वि॰
तायाः । पु॰ तेज्यमी
तायाः । पु॰ तेज्यमी
तायाः । पु॰ तरहाल मा० फौरनः
तायां - था० व्यविहारमें मा० द्वव्येमें
तायां - था० व्यविहारमें मा० द्वव्येमें
तायां - था० व्यविहारमें मा० द्वव्येमें
तायां - वि० कोषी पु॰ गुरुसैल
तामसी - वि० कोषी पु॰ गुरुसैल
तामसी - पु॰ तामवत्र पु॰
तामप्रे - पु॰ समूह पु॰ टोली
तार - पु॰ देलियाम पु॰; तन्तु; होरा
तार अस - पु॰ धातु के तार खीं चनेवाका

पु०
तारधर--न० तार आफिस पु०
तारध--न० तार आफिस पु०
तारध--न० तार नेवाला वि०
तारध्--न० पार उतारना पु०
तारध्डार--न० उद्धारक वि०
तारथे (विथे)--पु० सितारा पु०
तारववु'-स०कि० द्धार उत्तर से ले

सान देखना
तारवुं-स०ड्डि० उद्धार करना स०क्रि०-ताराज-यि० फना वि० जमींदोस्त तारिश-स्त्री० तारा पु० सितारा तारीज-स्त्री० काय व्ययका खेखा पु०-तारीइ-स्त्री० प्रशंसा खी० तारीक तारीभारी-स्त्री० प्रयशब्द पु० गाळी-

गलीच ता३धी-स्त्री•तहणी स्त्री० चन श्रीरत तार्थ्य-न० युवावस्था स्त्री० जवानी
तास-पुं ० संगीतका ठेशा पु ० तान्न;
मजा; माँग
तासावेक्षी-स्त्री० व्यवता स्त्री० जल्दबाजी
तासीभ-स्त्री० शिक्षण पु० तान्नीम
तासीभणाळ-स्त्री० वंचकता स्त्री०
प्रवाजी

तासु-न॰ तात्तवा पु॰ ताय-पुं॰ उचर पु॰ बुखार तावध्-स्त्री० ग्रुद्ध करनेकी किया स्री० तावद्वान-न॰ खिड़कीका शीशा पु॰ तावयुं-स॰क्षि॰ तवाना स॰क्षि॰ गर्म

तास-पुं• धंटा पु०, जरी तासके-श्री० तश्तरी स्त्री० तासीर-श्ली० प्रभाव पु० श्रसर; स्त्राप ताशी-श्ली० तालीकी आवाज स्त्री० ताली-पुं• श्रनुकून पु० मुश्राफ़िक; दिसाव बाँचना

ाहसाब जानना
तात-स्त्री० चिक्रना तार पु॰ रेशा; डोरी
तांतछी-पु॰ तन्तु पु॰ रेशा; डोरी
तांतछी-पु॰ चावल पु०
तांभडी-स्त्री० छोटा ताम्र-पात्र पु॰
तांभु-न० ताम्बा पु०
तांभूस-न॰ नागर बेलका पत्ता पु॰
तांस्थी-पुं० बाँसेका कटोरा पु॰
तिस्त्र-पु० मोटी रोटी स्त्री॰

तिनेरी-स्त्री० विजोरी स्त्री०
तिथि-स्त्री० महीनेका दिन पु॰
तिभिर-न० अन्धकार पु० अँघेरा
तिरक्ष-पि० वक वि० तिरछा
तिररकार-पु॰ अनादर पु॰ बेइज्जत
तिररकारपु॰ अनादर पु॰ बेइज्जत

तिसड-न० दीका पु० तिसरभात-पुं• चमस्कार पु० तिलस्म तिस्रोकिस-स्त्री० त्याग पु• इसस्त तिस्रभारणां-वि० आरंमश्रूर वि० तीस-

ती अभ-पुं ० जमीन खोदनेका एक औजार पु ० तीक्ष्य-पि ॰ पैना वि० तीखा; चपल

तात्थु-पिक पना विक ताखा; चपल तीप्युं-विक तीच्छा विक चरपरा; गर्भ मिजाज

तीभाट-पु'॰ तीच्या स्वाभाव पु॰ वेज जायका

तीर-न काजल पुरु तीखुं-विरु महीन धारवाला विरु तीर-न तट पुंरु किनास; बागा; पारसी चौथा महीना

तीरुष्टुं –िय० आहा वि० तिरह्या तीर द्दाल-वि० तीरका निशाना लगाने बाला पु०

तिक्षं ५- पु० मोटी रोटी स्त्री॰ तीर्थं -न० पवित्र स्थान पु० तिर्भे २२-पु० कोषाध्यक्ष प० खजानची तीर्थं २२२५-पि० पुज्य वि॰

[तेरीभेरी

तीर्थवासी-वि० तीर्थ स्थानमें रहने तीय-वि० तीक्ष्ण वि० तेज त्र**क्षो**-पुं॰ रसील। द्व**नका पु॰ चुरकुता** ु²७—िव• निकृष्ट वि० द्भत'ग-न० बनावटी बात स्त्री॰ त्रभाणी-वि॰ घमंडी वि॰ मिन्नाजी तुभार-पुं॰ पत्र व्यवहार पु० खती-किताबत तुभुલ–वि० भयंकर पु∙ ुद्ध-पुं० तुर्के पु० तुरंग-पुं० तुरं पु∙ घोडा तुरंगभातुं – न० जेलखाना पु० केंद्र-खानाः श्रश्वशाला तुराध-स्त्री० शहनाई स्त्री० तुसना-स्त्री० समानता स्त्री० बराबरी तुक्षा-स्री० तराजु समानता. त्रस्य-वि॰ समान वि॰ यक्साँ प्रधार-न० हिम पु० बर्फ तुष्ट-वि० संतुष्ट वि० राजी तु'ग-वि० ऊँचा वि० तु ८--न० मुख पु॰ मुँह; चोंच; सूँह तुं पडुं-न० तुम्बीफल पु० ्रुध–रेत्री० एक पक्षी पु० ्रा≛-स्त्री० तुक प्० त्र्र-रेशी॰ टूट फूट स्त्री•; वैरमाव ्र्रध्य-स्त्री० श्रनवन स्त्री० दुश्मनी;

्र्थु--१० तृगीर पु० तरकश

तूत-न० बनाइटी बात स्त्री० गरव त्तक-न नौकापर की हुई सपाट जगह स्त्री त्र-न० घृत प् वी तूस-न• रुई तृथ्-न० तिनका पु॰ तृप-वि० संतुष्ठ वि० एसि-स्त्री• संतोष पु॰सबर तृषा०स्त्री० पियासा स्त्री॰ प्यास एण्या-स्त्री० लोलुगता सी॰ लालकः तेभड-स्त्री • उपाय पु॰ तज्बीज तेम-वि॰ तीक्ष वि॰ तीखा; चपत तेलधार-पुं व तेजस्वी पु॰ तेजश्यी-वि० तेजवान वि० तेज्यने।-पुं० तज लौंग आदि पु• गर्भ मसाला নিল্প—<u>খ</u>ৃ• নিজাৰ पु• तेश्र-स्त्री० चमक स्त्री० भाव बदना; **ब्रह्मा** तेऽवुं-स०क्षि० श्रामंत्रित करना स०कि० न्योता देना तेंडुं--न० निमंत्रण पु॰ न्यौता तेरश-स्त्री० तेरसः तिथि स्त्री० तेरीभ-स्त्री० व्याज गिनने**दा दिन** पु० च्याजकी दर तेरीभेरी-स्त्री० अपशब्द पु• गाली गलीच

િત્રિકાલ

तेस-न० तैल प० टेबिय'-पुं व तेली पव तेशी-प्रं० तेली प्र• तैयार-वि० प्रस्तत वि० हाजिर ते। ४-रेशी० बन्धन पु० बेदी ते। इवं -स॰ कि केंचा उठाना स॰ कि० ताभार-पुं• अश्व पु० घोडा ते।७५'-वि० असम्य वि० मैंबार ते।८४-५'० एक बन्द प्र• तारा-प्रं० घट कमी; हानि ते। ५-५'० निर्णय ५० निकाल ते। देश की व तो ब फोइ स्त्री व मांगफोड तीतावु-अविक तत्ताना अविक ते।ति'ग-वि० ऊँचे कदका वि० कहावर ते।ते।-प्र'• सम्गा प्र• तोता ते।प-स्त्री०तोष स्त्री०; सप्प तापगाणा-पुंच मोटी गए स्त्रीव ते। पथी-पुं॰ तोव चलानेवाला त्रोवची ते।।- वि० सर्वोत्तम वि० ते।।।न-न० ऊधम स्त्री० शरारत ते। भरे।-५ ० घोड़को दाना खिलानेकी

बोधली स्त्री॰ (मु.); कोघी श≉ल

तीयल-न० कमता पु०; ते।र-पु० श्रहंकार पु० घमंड तारथ-न० कमानीदार पु०; तोरण; कागत्र या पत्तीका हार

ते।री-पि० मनस्वी वि० वर्गडः स्त्री० एक जन्त ते।रे:-५'० तुर्रा: मिजाजी पु० ते।श-पुं ०न० तौल पु० वधन: तराज् ते। बार-प्रं० तौलनेवाला प्र• ते।सी-५'० तोला प्रव ते।प-प्रं० संतोष प्र• सन ते।019'-स०६० तौलना सर्कः वजनः **द**र ना त्यक्त-वि० त्यजा हुआ. त्याग-पुं० त्याग पु॰; दान त्यांभी-पुं सन्यासी पु०; त्रपा-स्त्री० रुज्जा स्त्री॰ शर्म त्रथे। हशा -न० तेहरवें दिनका कर्मकांडः पु० ત્રયાદશી-સ્ત્રી • તેરલ શ્રી •

त्रंभाणं -- न० एक बाद्य पु॰; ताँबेका त्राड-स्त्री० तकला पु० त्रागडे।-पु'० तागा पु० त्राउ स्त्री० श्रावाज त्रापा-पुं व वास या लक्डीयोंका तरके लायक मंच प• त्रास-पुं॰ पु॰ जुल्म; ऊँशहर, हर त्राहित-वि० अज्ञात वि० अनजान त्र!स'-वि• वक्त वि• टेड़ा laste-yo मूर्त, वर्तमान व भविष्य

काल पु॰

त्रसत्रसतुं – अ०िं ठ र्यक्ना श्र०कि∞

बरसना

[યાળું

त्रिइट-वि॰ तीन शिखरवाला वि० त्रिकेश-५'० तीन कोनोवाला पु० त्रिपधी-स्त्री । तिपाई स्त्री । त्रिपुरी-स्त्री० तीनका समूह पु० श्रिपु'ऽ-न० तीन टेढे तिलक प्० त्रिर'गी-विक तिरंगा विक त्रिशक्षि-स्त्री० दी हुई तीन संख्याश्रोंसे चौथी संख्यया मालूम करना त्रिविध-वि• तीन प्रकारसे वि० বিথ্ঞ-ন০ বিগ্যুন্ত त्रेवटी-वि० मिश्रित दाल स्त्री० त्रेवड-स्त्री० करकसर त्रेन्ध'-वि० तिहरा वि० त्यथा-स्त्री० चर्म पु० चमही त्वरा-रंत्री० शीवता स्त्री० जल्दी [21] থাৰ্ড '-- খ০ ক্বিত খকনা অত ক্ৰিত

थेडेपुं--अर्शंड थकना अर्ह्मिक थेडे--स्थित थरथरी स्त्रीद कॅपकपी थेडेडे--स्थित थरथरी स्त्रीद कॅपकपी थेडेडेट--पुं किंद्रिन पुठ थेडेडे--स्थित एक पर एक चीज रखकर बनाई हुई यप्पी स्त्रीत थेडेब्डेड-अर्ज बाजुमें झाठ थेडेब्डेड-अर्ज बाजुमें झाठ थेडेब्डेड-अर्ज बाजुमें झाठ थेडेब्डेड-अर्ज बाजुमें झाठ थेथेडेवुं--अर्ज्डिठ कॉपना झाठकिर थेथेरेचुं--अर्ज्डिठ कॉपना झाठकिर थेथेरो--पुंठ नर्तक पुठ नट

थन। धन। चन की स्रावाज स्र थपडाइ-स्त्री० थप्प पु० तमाचा थरेपड-रेश्री० थप्पड पु० तमाचा थें थी-स्त्री० गडी स्त्री० थपडा५-२५० दौदनेकी आवाज अ० थर-पुट आच्छादन पुठ ढक्कन थरथर--थ० कॉंप्ने हा ऋभितय अ• थरवं-स०५० अनाज न विगदे इसके लिए ज्वार-बाजरीके पुलहे में हैं हता थवु'-अ०४० होना प्राव्यक्तिः, बनना थण-न० स्थल प्र० जगह थ'क्ष-प्रं० स्तंम पु• थाइ-पुं० थकान स्त्री० थाइवु'-अ०क्वि० थकना अ०कि०; हारनः थाल्हार-पु'० थानेदार पु० থাণ্ড'-ন০ খানা पু• थान-न० कपहेका थान पु०; स्तन; जगह थाप-स्त्री० थप्पड् पु० तमाचा थापर-स्त्री० थप्पद् पु० चमाचा थाप्य-स्त्री० पूंजी स्त्री० दौलत थापन-न० स्थापना स्त्री० थापाउव् -स० कि० धपेदना स० कि॰ थाण-भुं थाल पु॰ थाणी-स्त्री० थाली स्त्री०; प्रामोफोनकः रिकाई थाणीवाळा'-न० ग्रामोफोन थाण'-न० ऐसी जगह जहां जमाव होता है

98-94

િદન

थाला-पुं बोमचा प्ः शह યાંભલા-પું • સ્તંમ વુ • थिभ(५४'-वि० धिगली लगा हुन्ना ऋ०

थीक्युं-अ० कि ठर जाना अ० कि०; जमजाना थीर-वि० स्थिर वि० गै(मनकूता थी'गर्-न० धिगली स्त्री० थुरधार-पु'• दुत्कार पु● लताङ थुवेर-पुं ० शहर स्त्री ० थुवेरिये।--५ ० थहर स्त्री• थु थु-अ० थ्रहनेकी आवाज अ० थुल् -- न० द्वाने हुए श्राटेका अवशेष पु॰ थुं ६२ – भुं ० थू १र पु० શું કે-ન૦ શૂર્ક પુ• थ' इहानी-स्त्री० थूक पात्र पु० पी हदान थे ४ डे। – प्रं० फाँद स्त्री० छलाँग थेप-स्त्री० गहरा लेप प्• थेपक्ष'--न० थापकर बनाई हुई चीज स्त्री० थेको-भुंक स्तम पु० थेला-स्त्री० को पली खी० येली थेसे।-पु'० यैला पु० थे। हेथे। ५-- अ० थो कबंद अ० एक मुस्त थे।धु'-- न० निरर्थक पुस्तक स्त्री॰ बेक्तार किताब; कुंठित बाण

थे।थे।-पु'० बिना पत्तींका केळेका घड़ पु० થેાલ-પુ'• શ્રન્ત પુ

[8]

इक्ष- वि दक्ष चार वि होशियार

६क्षिश्-नि० दायाँ वि०; एक दिशा ६क्षिथा-स्त्री० द चिया (ताह्मया दान)र्छा० ६५-१० दु:ख पु० रंज ६ भभु -न० पारसियोंका स्मशान पु० ६ भक्षशीरी-स्त्री० आधिकार (करना) पु०

दखल करना ६गड-पुं श्रमधद पत्थर पु रोहा ६ग्डु'-न०कामचोर पु०कामको टालनेवाला ६२६२ो।–पुं० शंका स्त्री० शक ६ने।-पुं० विश्वासघात पु० दगा ६भे।६८**४।−५'० विश्वासघात पु० दग्नाबा**जी ६३६-वि० जला हुम्रा वि० ६५-५ ० मटियार भूमि; रेतीली जभीन ६५६५-- २० पानी गिरनेकी ब्यावाज श्र॰

-- श्रांस् गिरना ६८७८ ६८७८-२५० दौड्ने की आवाज 双页

६८भ०४ स-रेशी० ग्राविश्राम यात्रा स्त्री॰ ६५व -स०६० भागना स०कि० दौदता ६८िथे।-पुं ० पत्तोंका दोना पु० हडे।-पुं० गेंद स्त्री• हत्त-वि० प्रदत्त वि० दिया हुआ हत्तक-पुं० गोद लिया पुत्र पु० ६त५५त्र-त० गोदका इकरारनामा पु॰ हत्तिविधान-त० गोद लेनेकी रस्म श्ली॰ ६६ - ५० दाद पु० **६/५-**न० दही पु० समुद्र ६न-५० दिवस पु० रोज

[६२७५१

हतेयु'-न० कच्ची रोकड स्त्री• ६५८-वि॰ पुष्कल वि॰ काफ़ी ६५८।१९ं -स० कि॰ गुप्त रखना स० कि॰ छिपाना ६६७्।ववु'–स०क्वि० मुर्दागा**दना ¦स**०कि० दफ्रनाना ६६तर-- न० कार्यालय पु० दफ्तर ६६५-५० सुदी गाइना **६६नाववुं–स०**४० गा**इना स**०कि० दक्रनाना ६५८।ववु –स०५० हराना स०कि० धमकाना ६ भ६ भे। – पुं० रौब पु० दबदबा ६भवु'-अ०६० हार जाना प्रांथ कि० शि हस्तखाना ६५ थ्-न० भार पु॰ वज्रन ६भ-५'० स्वास पु. साँस; दमेका रोग; शक्ति; धमकी ६भ६पु'-अ०५० नगारा बजाना अ० कि०; चमकना ६भडी-स्त्री० पैसेका चौथा हिस्सा ६भडे।-स्त्री० जीव पु० दम **६**भ६भा८-पुं**० रो**व पु० दबदवा हमहारी-स्त्री॰ धनकी स्त्री• ६भन-न० अत्याचार पु॰ जुल्म; कावू में करना ६भ५२६भ-थ० निरन्तर सगातार ६भक्षर-- थ० शीघ्रतासे घ० तेजीसे

हमाड-पुं० रौब पु० दबदबा हमाम-पुं ० रौब पु० दबदबा ६भियेस-वि० दमेका रोगी वि० ६या-स्त्री॰ कृपा स्त्री॰ मेहर ६थानिधि-पुं॰ दयासागर-ईश्वर, रहमान ध्यासाय-पुं कृतामाव पु रहम नजर ध्याम् -वि० द्यास्पद वि० काबिडे ध्याभय-वि० कृपाछ वि० मेहरबान ६था५^९-वि० दयाद्रवित वि० ध्याशु-वि० कृपालु वि० मेहरबान ६२-५ं •भाव पु० कीमत;न०छेद; दरवाजा ६२५१र-स्त्री० त्रावश्यकता स्त्री० जहरत ६२**भारत-स्त्री० धर्जी स्त्री० दरख़्वास्त** प्रस्ताव ६२२॥७-२३ी० पीरकी क्रब स्त्री**० दरगाइ** ६२शुः४२-वि• चमा किया हुआ वि०; दरगुज़र ६२७-५ ० दर्जी पु॰ ६२० को-पुं॰ पद पु॰ इतबा ६२६-न० पीड़ा स्त्री• दर्द ६६१-वि॰ माँदा वि॰ बीमार ६२६।शीने।-धुं० धन-जेवर पु० ६२६।वे।-५० अधिकार पु० इक्क **६२७।न, ६२३।न-५°० द्वारपाल पु० दर-**बान ६२५५२-पुं राजा, दरबार पु : राज-

६२त

हरभारगढ-पुं राजप्रासाद पु० शाही महल **६२७।२साहेथ-५'• रियासनका राजा** पु॰; सिक्ख-धर्म के गुरु हरभाया-भुं० वेतन पु० तनख्वाह हर्भियान-अ० मध्य अ० दरमियान इरभियानशिरी-स्त्री० दरमियानी हररे। ०४ - २५० प्रतिदिन अ० हमेशा **६२**वाले-पुं• फाटक पु० दरवाजा ६२वेश-५ • साधु पु० फकीर हराज-स्त्री० एक चर्म रोग पु० हरिद्र-वि० गरीब: आजसी हरियाध-वि० समुद्री वि• हरियाई-स्त्री० विवेक पु० अक्ल हियाधी-स्त्री० जानकारी स्त्री० दरियापत **६२िथै।-पु'**० समुद्र पु० ६री-स्त्री • गुफा स्त्री • हरें ५- वि० प्रत्मेक वि० **६रे।ो।-पु'० चौकीदार, दारोगा ६रे।डे।−५'० ल्टेरों** का इमला प्र० ६६ - न० जलन स्त्री : प्रेमवेदना ६६'२-५'० दादुर पु॰ मेंदृक ६५ – पुं० गर्व पु० घमंड **६५'ख−न०आ**रसी स्त्री० शीशा हर्श-५ दर्शन ५० **६श**ीन-न० दर्शन पु० ६श्वीय-वि॰ देखने योग्य वि सन्दर **દર્શ ने द्रिय**—स्त्री० आंख खी० **चर**म

६श्रीववु'-स०[६० दिखाना स०कि ६शि.त-वि० दिखाया हुआ वि० ६६ - न० पत्ता पु०; फूलकी पंखदी; सेना ६सवाडी-पुं० ईंट पकानेवाला पु० ६क्षास-पुं • मध्यस्य पु • दलाङ दक्षित-वि० पतितः वि० **श**ङ्कत ६६१६-२्री० प्रमाग प्• दत्तौल ६६६।-५ ० पूँजी पु० दौन्नत ६५-५ • वन प्०; दावानल: संताप ६वा-स्त्री • श्रीषधि स्त्री • दारू ६वाभानु-न० श्रीषधालय पु० दवाखाना ध्वात-पुं व मसिपात्र पुव दावात ६वाती-भुं • मंशी पु • मुहरिंर हवावु -- अ० कि० फीका पड़ना अ० कि० ६श**४'ध**-धुं ० रावण पु० हसड़ा-एं० दशाब्दी स्त्रीव **६श (६शा**-स्त्री० दसों दिशाएँ **६शन-५**० दॉॅंत पूर् **६शभ-**रेश्री • दशमीका दिन पु० हरोरा-पुंब्सीव विजयदशमी दशहरा Eशा-स्त्रीo स्थिति स्त्रीo हालत **६शांग**–वि० दश श्रेगोंवाला वि• **६शांश-**भु' वसर्वो हिस्सा पु० हशे।हिश-अ० सर्वत्र अ० सब जगह ६सक्त-पु'० हस्ताक्षर पु॰ दस्तज्जत इस्त-पुं• द्वाथ पु॰ दस्त; सत्ता; अधि÷ कार: विशा

इस्तावेक-पु**ं सम**मौता-पु**ः** दस्तावे न ६२तूर-पुं॰ पद्धति स्त्री॰ रिवाज; पार-सियोंका प्रोहित ६२ते।-धं० चौबीस काराजोंका हस्ता पुर्व ६२थु-पु'० लुटेरा पु० डाकू; चोर; श्रनार्य ६६५-न०दाह ए० जलन ६६। डे।-पुं ० दिवस पु ० दिन: बार: तारीख मृतक भोजः सिनारा ६७ी --न० दि**ध** पु० ६७। थ३ - न० एक प्रकार की पूड़ी स्त्री० ६७ वर्ड -- न० दहीबहा पुर **६६ेशत-**स्त्री० भय पु० खोक ६८१-न० एक मिठाई स्त्री॰ **इणीहार-न० दलदार पु० गूदेदार** ६^७।ख्-त० दलनेयोग्य त्रानाज पु० ध्यद्दर-न० दरिद्वता स्त्री० कंगाली: गरीबी: आबस्य ६**णवाहण-न० तृकानी बाद**ल go; सैन्यदल

हणपु'-स॰कि० दलना स०कि० हणामधूी-स्त्री० दलनेका मेहनताना पु॰ इ'मल-पु'॰ टंटा पु॰ बलेबा इ'मेल-पुं॰ हुल्लब पु॰ दंगा इ'ऽ-पु'॰डंडा पु॰; शिक्षा; फीस; एक कसरत; चार हाथकी लम्बाई

कसरत; चार हाथकी लम्बाई ६'उनायड—पुं० न्यायाधीश पु० काजी ६'उभेखास—पुं० दंडवतप्रशाम पु०

६'ऽव्'-स०्कि० शिचा देना संटक्रि∙ जुर्माना करना ६'डे।-पुं० डंडा पुं• ६ंत–पुं• दाँत प्० ६'तुक्रथा-रुत्रो॰ परम्परागत कहानी स्त्री• ६'तधायन-५० दन्तमार्जन पु० दतौन ६'तभ' क्य-- न० दांत मां जनेका चूर्ण पु**०** E'तारा-५'० हाथी दांतका बनानेवाला ५० र्धातथा-५ ० देतिया स्त्री० हंत्रक्षण-प्र'० हांबी देत प्र हं पति-न० वरवध्न पु० मियाँ बीबी इं ल-पुं व गर्व पूरे बमंड **६'श−५'० दंशन** पु० डंक £'शील'-वि॰ विशेला वि॰ जहरीला E'oेटा-स्त्री० बढ़े दान्त पु०; दाढ़

श्च०कि० व्यंग्य वचन

हाटी-स्त्री० दाढ़ी ब्री० हाथु-न० कर पु० बकात हाथु-गेरी-स्त्री० महसूल न देनेकी चोरी ब्री०

हाधाहार-वि० करादार वि० दानादार हाधा भीठ-स्त्री० घान बाजार पु० हाध्युयु-न० सहागिनका एक गहना पु० हार्या पु० घान्य पु० घानाज हार्या पु० घान्य पु० घानाज हार्या पु० हार्या पु० हार्या र-वि० स्वार वि० रहमदिल हाथरी-भुं० तोवहा पु० हाह-स्त्री० प्रार्थना स्त्री० फरियाद; इन्साफ

इन्दान द्वाद ६दियाद्व-स्त्री० प्रार्थना स्त्री० दाद पुकार द्वारोरी-स्त्री० गुंडाई स्त्री०

हाहागरा-स्था० गुडाइ स्था०
हाही-स्थी० मा या बाप की माता स्थी०
हाही-स्थी० मा या बाप की माता स्थी०
हाही-सुं• मा या बापका पिता पु०
हाह्म-पुं• मा या बापका पिता पु०
हान-त ॰ दान पु० ख़ैरात
हान-त ॰ दान पु० ख़ैरात
हान-त ॰ दान पु०
हानशाली-वि० दानवीर वि•
हान-स्थी० मनोवृत्ति स्था॰
हान-स्थी० मनोवृत्ति स्था॰
हान-स्थी० विवेक पु० दानिशमन्दी
हानेश्वरी-पुं• दानवीर पु०
हानी-वि० उदार वि० रहमदिख

धने।-वि० चतुर पु० होशियार धापु -न० श्रिषकार जन्य माँग स्त्री॰ क्षाय-पु'० दबान पु॰; श्राप्रह; घाक ध्युरी-स्त्री० डिविया खी० ध्य<u>व</u> -स०क्षि० दबाना स०कि०; रौंदना धभ-न० धन पु॰ दौलत; कीमत धमध्-न॰ पशुश्रोंकी बेड़ी स्त्रो० **६।भन-न० पल्ला पु० दामन** ६।यहे।-पुं० दशाब्दी स्त्री • **६।यरे।-पु'० समुदाय पु० जमा**त દારા-स्त्री० पत्नी स्त्री**० बीबी** धरें-५'० बालक प्र॰ बच्चा धारवं-स०। ४० चीरना स - कि॰ फाइना हारिद्र (द्रथ)-न० दरिद्रता स्त्री० ग्ररीबी **६१३७/-वि० निर्देय वि० बेरहम; भयानक ६।३-५'० मदिरा स्त्री० शराब: विस्फो**ट

का मसाला हाइडिया-पुं क्र मदाव पु क्र शाबी हाइ निषेध-पुं क्र मदा-निषेश पु क्र शराब

हाइप्पाल-वि० मद्यप वि० शराबी हाव'-पु'० बारी स्त्री० दाँव, युक्ति हावाभरण-स्त्री० प्रार्थनापत्र पु०

फरियादनामा
हावागीर-पुं ० प्रार्थो पु० फरियादी
हावागित-पुं ० दावानल पु०
हावाहण-न० वातचक पु० बगुला
हावानस-पुं ० दावामि स्री ०

हाये। — पुं• इक पृ० दावा हाश्वरिथ – पुं• सगवान राप्तचन्द्र पु० हास – पुं• सेवक पु• खिदमतगार हासानुहास – पुं• विनम्न सेवक पु॰; हुङ्गमीवन्दा हासी – स्त्री• सेविका स्त्री॰ नौकरानी हास – पु॰ दहन पु॰ जलन हाख – पि॰ दहन करने जैसा वि॰ जलःने

लायक

E।ण-स्त्री० टाल स्त्री० हांडी-स्त्री० छोटी लक्डी स्त्री० हात-पुं ० दन्त पुन हांतिथा-भु व दंतिया पुर द्रांती-स्त्री० फटान स्त्रो० दराइ हांपत्थ-न० दंपति संबंधी प० हां भिड-वि० दंमी वि० घमंडी Es (भ)-स्त्रीo दिशा स्त्रीo रिक्षपाल-पुं **विशाका देवता** पु० हिग'त-पु० क्षितिज पु० हिञ्चिलय-पुं० संपूर्ण विजय स्त्री० हिन-पुं ० दिवस पू ० रोज हिन ५२-५ ० सूर्य पु० सूरज हिनथर्था-स्त्री० दैनिक कार्य पु० हिनरात-- अ० दिन और रात अ० (इमेशा

(६नार'अ-पुं॰ प्रमात पु॰ फ़जर हिनेश-पुं॰ सूर्य ब्राफ़ताब हिनेशिन-अ॰ प्रतिदिन ब्र॰ हररोज

हिपावडु - वि० शोभित वि० **६िथर--**भु'० पु० देवर हिल-पु'o हृदय पु∙ दिल **દिस**भीर-वि० अप्रसन्न वि० नाखुश हिंसगीरी-स्त्री • ग्रप्रवन्ता स्त्री नाखशी દિલચમન-વિ૰ प्रसन्तताप्रद खुशगवार **६**स६६ - न० हदयकी वेदना दिलीटर्ड हिल**५सं ६—**मनोहर पु० दिल चस्प दिसप्पर-वि० हृदयहारी वि० दिलक्श દિલસોછ-સ્ત્રી૦ समभाव पु० इमददी **દિલાસા–**५ ० घीरज पु० दिलासा हिंदेर-वि० साहसी वि० दिल्लेर हिपरिय -न० दीप हकी छड़ी स्त्री० हिवडिये।-y'o दीपक पु**० चि**र हिवस-पुं ० दिन पु० रोज हिया-अ० दिनमें रहते अ० हिवाडर-पुं ० सूर्य पु - आफ्रताब दिवासे।- पुंo एक पर्व पु• Eिपाणी-स्त्री० दीपावली स्त्री० दिवांध-y'• उल्रक पु॰ उस्लू हिवेट-स्त्री० बत्ती स्त्री॰ हिवेस-न० एरएड पुं• हिवेसे।-y'o एरएड पुo हि०4-वि० दैवी वि० हिञ्यग्र्य-पुं ० देवदूत पु० फरिश्ता

हि०यांभना-स्त्री० ब्राय्सरा स्त्रे ० हर **६िश (शा)-स्त्री० दिशा स्त्री०; तरफ** हि॰८-वि॰ दृष्ट वि०: नसीब दि'ग-वि० चिकत वि० दंग ही-पुं विवस पुरु रोज दीक्षा-क्शी० गुरु-दी**चा** प० धीधर-पु'• कान्ति स्त्री• नूर; स्वरूप हीत-वि० निर्धन वि० गरीकः लाचार; इस्लामी मजहब डीनह्याण-वि**० रीन**बन्धु वि० ग्र**री**ब निश्राज धीनपंध-पुं० भगवान प० ग़रीब निवाज्ञ **दीनानाथ-पु'० प्रभू पु० गरीबपरवर** धीनार-पुं॰ एक प्राचीत सिक्क-**दीनार** पु०

हानानाथ-पु० प्रभू पु० ससंबप्तवर् हीनार-पु० एक प्राचीत सिक्क दीनार पु० हीप-पु० हो र पु० टापू; हाथी; दीपक हीपभाण-स्त्री० द पकोंकी कतार सी० हीपेडा-पु० एक हिंसक जानवर पु० हीपवपु स०कि० शोमित करना स०कि० रोशना करना

ही पतुं-स्थ० कि प्रकाशित होना आप० कि० चनकना

ही पास (सी) -स्त्री० दीवाळी स्त्री० ही पिड:-स्त्र ० दीपक पु० चिराग्न ही पेरस्य-पुं० दिवाळी का उत्सव पु० ही पेरस्यी-स्त्री० दिवाळी स्त्री० ही पेर-वि० प्रकाशित वि० ही पेर-स्त्री० प्रकाश पु॰ रोशनी हीभा-पुं गद्गद्ता स्त्री गला भर जाना हीर्ध-वि० चिरंजिवि हीर्ध गाण-पुं ० सम्बागोल पु० हीर्ध भाषु-वि० सम्बे हार्थोवासा वि० हीर्ध धुधी-वि० चिरंजीवी वि० हीवाहांडी-स्त्री ० ज्योतिस्तंभ पु० हीवान - पुं ० मन्त्री पु० वजीर; न० राजसभा

दीपाया-पु'० प्रस्तावना स्त्रो॰ दीबाचा

દીવાને આમ–ન∘પું∘સ્ત્રી૦ सार्वजनिक सभागंडप દીવાને ખાસ–ન∘પું∘સ્ત્રી૦ श्रमीर उस∙

रावोंका सभास्थल
हीवानी-स्त्री० अविवेक पु० वेश्रवली
हीवानी-वि० कानूनकी एक धारा स्त्री० हीवानी-वि० मूर्ख वि० वेश्रवस हीवाल-स्त्री० मीत स्त्री० दीवार हीवाव भत-पु० सार्थकाल पु० साम हीवासणी-स्त्री० श्री नशालाका स्त्री०

दियासलाई
दीवी-स्त्री॰ दीवट पु०
दीवे-पु॰ दीवक पु॰ चिराग दीवे-पु॰ दीवक पु॰ चिराग दीसलुं-अ॰िं॰ दष्टिगोचर होना श्र॰ कि॰ दिखाई देना हुआ-स्त्री॰ मंगलकामना स्त्री॰ दुश्रा हुआने-स्त्री॰ साशीर्वाद देनेवाला वि॰ हुआनी-स्त्री॰ दो पाइग्राँ स्त्री॰ हुआण-पु'० दुष्काल पु० स्सा हुभ्भ (हु:भ्भ)--त० व्यबा स्नी० दर्द हुभावेा-पुं० वेदना स्नी० तक्तछीफ हुअहुओ-स्त्री० एक गहना पु०; मदारी डुगडुगी

हुअं-न० दृघ पु०
हुअं।-स्त्रीट पीड़ा स्त्री० तक्तजीफ
हुआं!-स्त्रीट पीड़ा स्त्री० तक्तजीफ
हुआं!-न० दृघार पु०
हुखां!-अ०डि० जलजाना श्र०कि०
हुधारी-धुं० घोषी पु०
हुधां!-स्त्रा० दृषा ह वि०
हुधेसी-स्त्रा० दृष और गन्नेके रसकी
एक खाद्य पु०

द्भिया-स्वी० जगत् पु॰ दुनिया हुपट्टी-पु॰ दुपट्टा पु० शाल हुक्षायुं-अ०क्वि० रुष्ट होना श्र०कि० नाराज होना

हुआ(पिथे।-पुं• दुमाषिया पु० हुमहुम-अ० नगारेकी ग्रावात्र क्ष० हुरवस्था-स्त्री• बुरी श्रवस्था स्त्री• खराब हाळत दुर्दश।

खराब हाळत दुर्दश। हु२२त-वि० दुइस्त वि० ठीक हु२'गी-वि० दुरंगा वि० हु२।व्यार-पुं० श्रनाचार पु०; बुरी चाल हु२डित-व्यी० क्रवचन पु० हुग'-पु० गद पु० किला; हुग'धु-पुं० दोष पु० हुहि'न-पुं० कुदिन कप्टका समय हुर्भंस-वि• बत्तहीन, चीरा, वि० **कमजोर** हुक्षांगी-वि० वि० कमनसीब हुभे ध-वि० जिसका मेदन कठिन हो वि० हुसाध-स्त्री • कीमती रजाई स्त्री • दृक्षारे।-५० प्यारा पुत्र हुसारी-स्त्री० प्यारी बेटी स्त्री• दुश्मनावट-रंशी० शत्रुता स्त्री० **श्रदावत** ६०५।०-५ ० श्रकाल ५० बुरा समय हृद्धितार-पुं० दौहित्र पु० हुद्धे।--पु० दोहा पु० दु: ७% ४ ५- वि० दु: ख दूर दरनेवाला वि० दु: भित-वि० दुःखी वि० गमगीन पीड़ित हु:भवु'–अ० दुःख होना श्र०कि• तक्रलीफ होना ६अधु-स्त्री० दुधाह गाय या मैस स्त्री० ६अव - अ० कि० द्व देना अ० कि०

हूथ्-स्त्री • सताना हूत-पुं • संदेशवाहक पु • एलची; जास्स हूतुं --वि • वेईमान वि • लुच्चा हूथ्पाड-पुं • दूध और चावलकी बनी हुई एक बानगी हूथ्साध-पुं • एक धायके स्तन पीनेवाले

भरना

आई पु०

[દેશનિકાલ

हू ि थ। - ि व दू अवर्श पु ०; को मल दांत हू ५८ - ि व दुरहा वि ० द्वव वि ० हू ५ शु - ि व दुर्व लि व क मजोर हू ५ शे - पु क जाति विशेषका स्रादमी

हूरभाभी-विव दूर जानेवाला वि • हूरहर्शं ४थंत्र-नव दूरबीन स्त्रीव ६२थ-विव देखने लायक ६२थमान-विव दीख पडनेवाला विव दशनीय

द्ध-िति देखा हुआ वि॰ स्त्री० दृष्टि द्धांत-न० उदाहरण पु० मस्त्रन द्धांत३५-वि० उदाहरणस्वह्म वि॰ दृष्टि-स्त्री० दृष्टि स्त्री० नत्तर; ध्यान दृष्टि:१५-५ ॰ श्रांबद्गी कमजोरी स्त्री० दृष्टि:१५-५ ॰ श्रांबद्गी कमजोरी स्त्री० दृष्टि:१५-५ ॰ व्यांबद्गी कमजोरी स्त्री० दृष्टि:१५-वि० दर्शक वि० देखनहार। पु०

हेभत-अ०देखतेही
हेभरेभ-स्त्री० सार-संमाल खी॰
हेभपु'-स०डि० देखना स०कि०
हेभावडु'-वि० सुन्दर वि० ख्वस्रत
हेग-पु'० तांबेका एक बरतन पु०
हेख्-न० ऋण पु० कर्ज, देन
हेख्डार्-वि० ऋणी वि० कर्ज़दर
हेहार-पु'० स्वरूप पु॰ दीदार
हेहार-पु'० देवहप पु॰ दीतार

देशशी—स्त्री० देवरानी स्त्री०
देशसर—न० घरके मीतरका देवस्थान
पु॰; जैन-देव-मंदिर
देश-न० देवी देवताका मंदिर पु०
देव-पु॰० देवता पु॰
देव-पु॰० देवता पु॰
देवभास-पु॰० कपासकी एक जात स्त्री॰
देवभरा-स्त्री० आकाशवाणी स्त्री॰
देवभर-न० देव मंदिर पु०
देवताश—वि० स्रतीकिक वि० देवी
देवनागरी-वि॰ देवनागरी लिपि स्त्री॰
देवश्यान-न॰ मंदिर पु०
देवशी-स्त्री० द्वारपालकी चौकी स्त्री॰
चंत्रतरा साधुपुरुषकी कव

देवर-५० पतिका छोटा भाई पु० देवण-न**० मंदिर** पुरु देवाउव -स०५० दिलाना स०कि० हेवाहार-वि० देनदार वि० कर्जदार દેવાધિદેવ–પુ'૦ વરમેશ્વર પુ• खुदा देवालय--न॰ देवमंदिर पु० देवाणियु'--वि० **दिवा**लिया वि० नादारः हेवाशुं-न० दिवासा पु• नादारी स्त्री० देवांगनां-स्ती० देवी स्त्री०; श्रपसरः देवी-स्त्री॰ देवपत्री स्त्री॰: माता देव'-स॰डि॰ कर्ज, देना पु॰ हेवेश-पुं• परमात्मा पु० खुदा देशहाअ-स्त्री• **दे**श प्रेम प्र० **देश**द्रो**७**-५'० सच्छ-द्रोह **देश**निअल-पु॰ देशनिकाला पु० जला--वतन

देशपधिव-पुं ० पु • हमवतन हेशवटा-५० परदेशमें रहनेकी सजा स्त्री० देशायार-y'o देशका रिवाज o प्रo हेशांटन-न॰ विदेशागमन प्र• देशाटन हेशानराणी-चि० देशप्रेमी वि० દેશાબિમાન-ન૰નાષ્ટગૌરવ ૧૦ देशावर-५'० वरदेश पु० ग्रैरमुल्क हेशी-वि० स्वदेशी वि० देशसम्बन्धी हेशेहेश-२५० सर्वेत्र अ० हेशान्नति-स्त्री० राष्ट्र विकास पु० देख-पुं० शरीर पु० जिस्म; हेद्धत्याग-पुं मृत्यु स्त्री व मौत हेदहशा-स्त्री० शरीरकी स्थिति स्त्री० जिरमानी हालत **हे&**धारश—न० शरीरघारण मु० हे**७५**।त~५'०स्त्री० मौत हेर्दात-५'० मृत्य हेंब्रांतह'ऽ-पुं० मृत्यृदंड पु० मौतकी सजा हेबात'र-पुं० पुनर्जन्म पु० **देखेतसर्ग-**पु'० मृत्य स्त्री**० मौ**त हैत्य-पुं० राच्चस पु० हैनि५-वि० रोजका वि०: दैनिक अखबार हैन्य-न० दीनता स्त्री० हैव-न० भाग्य ए० नसीब हैवरा-५'० भाग्य बतानेवाला ज्योतिषी देवाधीन-वि० भारयाधीन वि०

हैं थी-वि० श्वालों किक वि० डेश्वरीय है दिक्ष-विव शारी रिक विव जिस्मानी हे। इंडी-पुं व हवयेका सीवां भाग पु० गुण, मार्क है। भव-स०-६० द:खदेना स० कि० तक्रकीफ देना हे।જभ-न० नर्क पु० दोजस हार-स्त्री० दौरनेकी किया स्त्री० दौर होटव् –अ० ५० करवर्टे बदलना য়া জি हे।टी-स्त्री• पु० मोटा जातका एक कपड़ा हाउ-स्थी व दौड स्थी व हे।ऽञ् – २५० क्वि० भागना श्र० कि॰ दौड़ना हे। इं हे। दी -स्त्रो॰ भाग दौड़ स्री० दौड़ धूड़ हा6-वि० डेड वि० हे। दियु'- वि० ड्योदेका पहासा पु०, न० वेसा है। दिथां-न॰ धन प० दौलतः, पैंसा है। १६८ – स्त्री० दोहनी स्त्री० दूधका बर्तन हे।२-५' • सत्ता अमलदारी रस्सी; प॰ स्त्री० पतंगकी डोर है।२वधी-स्त्री० मार्गदर्शन करना हे।र'शी-वि० दो रंगवाला वि० दुरंगा हे।रिये।-५'० एक जलपात्र ५०; एक कपड़ा डोरिया, एक ग्रहना हेरी-स्त्री० डोरी स्त्री० रस्सी है।रे।-पु'• डोरा पु•; एक गहना

हे।सत-स्त्री • धन पु॰ दौलत हे।सतर्व्यहे।-पु॰ धनिकपुत्र पु॰ दौल-तजादा

हे। सा-स्त्री • झूला पु० डोली स्त्री • हे। साप्प – पुं• दीवाल में जड़ी हुई तिजोरी स्त्री •

हे।शी-पुं० कपकेकी फेरीवाला पु० हे।पित+पि० दोषी वि० गुनहगार हे।श्त-पुं० मित्र पु० दोस्त हे।श्त-न० दुहना स० कि० हे।श्रुपं-स०क्षि पशुका दूध निकालना स०कि० सार खींचन।

होिर्फिन्य-पि दुर्जनता स्त्रीक बेटा पुर होर्फिन्य-पर दुर्जनता स्त्रीर कमीनापन होर्फिस्य-पर दुर्बलता स्त्रीर कमजोरी हार्काञ्य-पर दुर्भाग्य पुरु कमनसीबी स्त्रीर ह्यूत-पर जुन्ना पुरु ह्योत-पुरु प्रकाश पुरु रोशनी स्त्रीर

चीत ५-वि० प्रकाश डालनेवाका वि० द्रव-पुं• दिलका कांप उठना द्रव्य-प् • दिलका कांप उठना द्रव्य-प • घनवान वि० दौलतमन्द द्रप्टा-पुं• दर्शक पु० द्राक्ष-स्त्री० दास स्त्री॰ किशमिश श्रंगुर द्राक्षालत-स्त्री० अंगूरकी बेल स्त्री द्रत्य-वि० द्रवित वि० बढ़ा हुश्रा; शीव्र गतीवाला

६भ-न० वृक्ष पु० दरस्त द्री ६-५' • विद्रोह पु० बरावत: बैर ६'६-५' • युग्म पु • जोड़ा; एक समास; ६'६४'ध-न० दो आदिमियोंका युद्ध पु० क्षापर-पु० एक युगका नाम पु० ६।२-त० प्रवेश-मार्ग प्र० दरवाचा द्वारपाण-पुं ० द्वार रक्तक पु • दरबान ६२।-अ० मार्फत श्र० जरिये द्वाराभती-स्त्री० द्वारिकापुरी स्त्री० द्विअधी-वि• दो श्रर्थ वाला वि• दितीय-वि० दूसरा वि० द्विध्य-वि॰ दाल स्त्री० ६६।- २५० दो रास्तीसे अ०, द्विधा स्त्री० द्विप-पुं० हाथी पु० पील द्विप६-वि० दोषगा वि० द्विरह-५ ० गज पील पु० द्विरेश-पु'० भेवरा द्वीप-पु० टापू द्वीपडरप-पु॰ प्रायद्वीप पु॰ द्वीपसमूद-पुं० टापुश्चोंका समुदाय पु० देष-पुं० ईन्मी जलन; वैर द्वेषलाव-५० वैरभाव पु० दुइमनी [21] **ધક-**स्त्री० उत्सा**इ पु॰ जोश**; प्यास **ध**शधंशी-स्त्री० धक्कामुक्की स्त्री०; सीद

ध्रावयुं-स०कि॰ धकेलना अ०कि०

धेरेखप्'-स०क्षि० धक्का सगाना स०कि•

월55!

५६६।—स्त्री० कशमकश स्त्री० ः ५५३।~५'० धक्का पु∙; नुकसान; श्राघात

ध्रभ्रध्रभवुं-अ०४० सीजनेकी श्रावाज श्र०कि० गुस्सा होना ध्रभ्युं-अ०४० कोध करना अ०कि० गुस्सा होना

घेभारे।-पु०वाष्य स्त्री० भाष; गर्मी घेभघेश-२० घू घू जलना श्र० घेगघेशवुं--थ∘डि० आवेशमें आना श्र०कि० ग्रस्सा होना

धगश-स्त्री॰ वत्साह पु॰ नोश; दाह
धगा-स्त्री॰ ताप पु॰ गर्मी
धण-वि॰ उत्तम वि॰ बहिया
वेटी-स्त्री॰ लंगोटी स्त्री॰
धड-तं॰ विना सिरका शरीर पु॰; तन
धडड-स्त्री॰ धइकन स्त्री॰; कॅपकपी
वेडडेयुं-अ०डि॰ धइकना अ॰कि॰
धडडी-स्त्री॰ स्त्रोटा श्रासन पु॰ चटाई
धडधेयुं-अ०डि॰ एकदम ह्रट पहना
अ०किः

वेऽवेऽोट—पुं• घडघड श्रावाज स्त्री० वेऽोडेा-पुं• भद्दाका पु० घदाका वेऽोपीट-स्त्री० जोरसे झाती पीटना वेऽाप'धी-स्त्री० व्यवस्थित वि० वेऽी-स्त्री० समतीलपु, श्रंदाम वेऽ्डेपुं-व्या•ोऽ० गर्जन करना श्र०कि० धंडा-पुं० तराजुका लमतौल लानेडे लिये रखा जाता वजन बोध; नियम पु० धंधा-न० गायोंका समुदाय धंधाु-श्ली-श्लीकारिणी स्त्रीक मालकिन पत्ती

ध्र्या-पुं क स्वामी पु क मालिक , पति धत्यं - अविश्व ठगना अविक्व धितिंग-नं व ढोंग पु व ढकोसला धत्रों - पुं व धत्रा पु व ध्रियायुं - सविश्व ख्व घमकाना सविक्व धन-नव पूँजी स्त्रीव दौलत; दसवीं राशिका नाम प्रन्यवाद

धनतेरस-स्त्री० आश्वीन कृष्णा त्रयोदशीः धनपति-पुं० कुबेर पु० धनपंत-वि० धनी वि० दौलतमंद धनंतर-वि० श्रीमंत वि० दौलतमन्द धनाध्य-वि० धनवान वि० दौलतमन्द धनाध्यस-पुं० कोषाध्यस्त पु० खनानवी धनाध्यिति-पुं० धनी पु० दौलतमन्द धनिक्ठ-वि० धनी वि० दौलतमन्द धनु, धनुष-न० चाप पु० कमान धनुधर र(धाडी)-पुं० धनुष-बाखवाला

पु० धर्नुविधा-स्त्री० धनुष-विद्या स्त्री० धनेश-पुं० कुवेर पु० धन्थ-वि० भाग्यशाली वि० नसीवटा। शावाश धन्यकाभ्य-न० ब्रहोभाग्य प्र धन्यवाह-धं० धन्यवाद पु० शाबाशी धनव'तरि-पं व देवोंके वैद्य प्रव धपवं -- अ०६० आगे वसना अ०कि० ध्य-२४० कुछ गिरनेकी ध्वनि ग्र० ध्यक्र-स्त्री० धबकार स्त्री० ध्युराववं-सर्वाहर घोखा देना सर्वकर ध्रुप्यं-अ०क्षि० पहना अ०क्षि०; दिवाला निकालनाः मरजाना **'ध**'शोहा-पु'ं भीषण ध्वनि स्त्री० जोर-दार श्रावाज चेपाचेथी-स्त्री० फ्रान्हा पु० मारपीट धेभे।ध्य-स्त्री० तडीमार अ० दनादन ध्य-त० नगारा पु॰ कुछ पड़नेकी आवाज धभड-स्त्री व तेज पुर जोश; धभ अववु'-स० ६० डराना धमकाना

कॉपना धमधमाट-पुं० धमधमकी आवाज स्त्री० धमधाडार-स्म० पूर्ण आवेशमें अ० पूरे जोशमें धमपी-स्त्री० फूँकनी स्त्री० घोंकनी धमपधाउ-स्त्री० जनम स्त्री० धमा चौकडी

धभरी-स्त्रीं भय पु॰ डर

धम्ख-स्त्री व घोंक्नी स्त्री व

धभयः-स्त्री० स्त्री० शरारत, त्रफान

धमधम-अ० धमधमकी श्रावाज श्र०,

धमाधम–स्त्री० लड़ाई फागडा पु• मारपीट धमास–स्त्री० घाँघली स्त्री० घमा चौकडी

धमाल-स्त्री० घाँघली स्त्री० घमाचीक्याँ धमालु'-न० मोटा बेडौल साफा पुं० धर-पि० घारण करनेवाला वि० स्त्री० धसर

धरुखु-न० घारण पु॰ घरती स्त्री॰; नदीका बाँघ

धरधी-स्त्री ॰ पृथ्वी स्त्री ० जमीन
धरधीधर-पुं० शेषनात पु०; विष्णु
धरधीधरि-पुं० न्य पु० राजा
धरती-स्त्री ॰ पृथ्वी स्त्री ० जमीन
धरभड-स्त्री ॰ धरपकद स्त्री ॰ गीरफतारी
धरभ-पुं० धर्म पु० मजदब
धरभुवथा-न ० बिल्कुल प्रारंसरे
धरपुं-स ॰ डि॰ रखना स ० कि०
धरा-स्त्री ॰ पृथ्वी स्त्री ॰ जमीन
धरार-स्त्र ॰ खल्वता श्र ०; श्रवस्य
धरापुं-स ॰ डि॰ संतोष पाना श्र ॰ कि०

सबर करना धरित्री-स्त्री० घरती स्त्री० जमीन धर्भ-पु'० धर्म पु॰ मजहबः दान; फर्ज;

गुण;

धर्भ थारखी-स्त्री • धर्मपतनी स्त्री० बीबी धर्भ हान-न०पुराय-दान पु • धर्भ धुर धर-वि०पु • धर्माचार्य पु • धर्भ श्वष्ट-वि० धर्मसे पतीत वि० धर्भ वीर-पु • धर्मवीर पु • शहीद

્રધારાસભા

ધર્મશાળા-સ્ત્રી૦ ધર્મશાના સ્ત્રી૦ सराय धभेशील-वि॰ घमात्मा वि॰ मजहबी धर्भात्भा-भु' । धर्मिष्ठ पु० मजद्दवी धर्भाष्यक्ष-पुं धर्माचार्य पु० धर्मिष्ट-वि॰ धार्मिक वि॰ मजहबी धवल-वि० श्वेत वि० सफेद; गुद **५समस-३०० दौरध्य स्त्री० उताव**ल ધસવુ'-અ૦કિ जौश से आगे ઘુસના आ**०** कि० '**धसारा-पु'० आऋमग्र पु० हमला** धंतर-न० जादू पु० तिलस्म; ठग-विद्या धंध-धं० ऊधम स्त्री० शरारत 'ध'धाहार-वि० व्यापारी वि॰ कारबारी धधेरव् -स०क्वि॰ **मकमोरना स॰** कि॰ धंधा-पुं ० व्यापार पु० रोजगार धांड-पुं•स्त्री० श्रंक्रश पु० खौफ़ धाऽ-स्त्री • छटेरी का इमका पु॰ उता-वत्त धाउपाडू-पुं० डाकू पु० लुटेश धातवु - अ • क्वि अनुकूल पहना अ • कि॰ मुश्राफिक होना धाता-पुं व स्रष्टा-विधाता पु० बनाने-वाला-खदा धात-स्त्री० खनिज पदार्थ पु० कियापद का मूल रूप धातुपात्र-न० धातु का वर्तन पुर

ધાત્રી-સ્ત્રી • धाय स्त्री •

ધાન,ધાન્ય-ન૦ **ધાન** પુ**૦ શ્રનાજ્ર** धाप-स्त्री० भूत स्त्रीय गतती धायणी-स्त्री० कम्वली स्त्री० धायला-युं वस्यल पु॰ धाशुं-न॰ मकान की छत स्त्री॰ धाभ-न० गृह पु० घर तीर्थ ધામણી-સ્ત્રી૦ મોટી મેંઘ સ્ત્રી૦ धामधुम-स्त्री । धूमधाम स्त्री । भारी तैयारी धाभा-पुं० घरना पु० पड़ाव **धार–**रत्री० पैनापन; **धा**रा; श्रन्त धारख-स्त्री० ग्राधार पु॰ सहारा; **धीरज** धारणा-स्री० कल्पना स्त्री० खयास; यादेदाश्त धारवु -स० ६० मानना स० कि० कबृता करनाः अटकल बगाना धाश-स्त्री० परम्परा स्त्री० पुश्त; हार धाराणा-५० मीलों की एक जाति धारिशों—रंत्री० घरती **स्त्री० जमीन** धारियुं-न० वर्डा (एक हथियार) पु**० धारे।-पु'**० प्रया स्त्री**०** रिवाज धाराधारख्-न॰ नियम-व्यनस्था स्त्री० कायदे कानून धारापे।थी-स्त्री० विधान प्रय कानूनी किताब धाराश्यक्ती-पुं० वियान-शास्त्री पु• वकील धारासका-स्त्री० कानून बनानेवाली सभा धार्भिक-पि० धर्म सबंधी वि० मजहमी धार्थु - पि० धारा हुआ वि० संकल्प धार्थु - अ०४० सहायता को दौडना अ०कि० मदद के लिये दौडना

धासके।-५'० गमरा जाना, धाक, स्रातंक

धास्ती-स्त्री० भातंक पु० ख्रौफ धांधस-स्त्री० घांधसी ख्रौ० गदवद धांधसिसु -वि० ऊषमी वि० शरारती धिशवत्रं-सलाई० तप्त करना स० कि० गर्म करना

िक्ष्यार-पुं॰ फटकार स्त्री॰ लानत धीक्ष्य'-वि॰ गरमागरम वि॰ धीर-वि॰ ढीठ वि॰ निहर; सहनशील धीमर-पु॰ धीवर पु॰ मच्छीमार धीमुं-वि॰ मंद वि॰ खाहिस्ता धीर-वि॰ धैर्यवान वि॰ धीरता-स्त्री॰ धैर्य पु॰ तसल्ली धीरधार-स्त्री॰ खादान-प्रदान पु॰ कैन-

देन

धीरवुं-स० (४० भरोसा रखना स०कि० यक्तीन करना; ज्याज पर देना धीरुं-वि० घीरे वि० आहिस्ता

धीश-पुं• विद्वान पु• आलिम धुर्गरी-स्त्री• धर्राहट स्त्रौ• कॅपकॅपी धुर्राग्युं-सर्वाह्म स• क्रि॰

दुतकारना

धुतारं-स्त्री० घूर्तता स्त्री० ठगाई धुतारं-पुं० घूर्त पु० ठग धुति-स्त्री० मक्की; जिही वि० तरंगी धुपेल-न० एक देश-तेल पु॰ धुपेलिथे।—पुं० देशतेलका व्यापारी पु॰ धुमादे।—पुं० घूत्र पु॰ धुँआ धुमादुं--अ॰िक धुँका करना अ०कि० धुम्मस-न० कुहरा पु० धुर-न० धूसरवर्ण पु० मटपैला धुणेटी-स्त्री० होलीक बादका दिन धुण्-स्त्री० यरंपरी स्त्री० कुँवकॅपी धुणुवुं--अ०िक धुना स्त्री० धूमी स्त्री० धूनी स्त्र

ठगना धुरधरवु*–स०४० ततादना स०कि० दुरकारना

धुन-स्त्री० तरंग; भजन-भाव (रामधुन)
धुप-पुं० एक सुगन्धित पदार्थ पु०
सरजकी रोशनी

धुपछती-स्त्री० छाता पु॰
धुपदान-न० घूप जलनेका बर्तन पु॰
धुपसणी-स्त्री० श्रगरवत्ती स्त्री०
धुपछांव-स्त्री० धूप-छाँह ली०
धूप-पुं॰ धूस पु० धुश्रा
धुश्र-पुं॰ धूंश्रा पु०
धुश्रपान-पुं॰ तम्बाक्त्रीना
धुश्रीयन-ति० लाल श्राँखवाला वि॰

ધુત]

धूर्त-वि० उम वि• लुच्चा धूण-स्त्री० मिट्टी स्त्री• धूणधार्थी-स्त्री० विनाश पु० वर्षांद्री धूणीपडवे।-स्त्री० होस्त्रीके बादका दिन पु० धूधवाट-वि० बुँझा पु० दवाया हुमा क्रोध

भाव धूंधवायुं -अ० कि० धुँ शा फैलाना अ० कि० कोष करना

ध्र्षणक्षं-न॰ मन्द प्रकाश पु॰ हलका सजाला

धृत-वि॰ घारण किया हुआ वि॰
धृष्ट-वि॰ ढीठ वि॰
धैन,धेतु-स्त्री॰ गाम स्त्री॰
धैर्य-न॰ घीरज पु॰ वहाव
धी-पु॰ प्रवाह पु॰ वहाव
धीआराण ध-२० शीघ्रतासे अ० तेजीसे
धीआ-पु॰ सौंटा पु॰; दगा
धील-पु॰ हेर पु॰
धितशी-स्त्री॰ वस्त्रे की घोती स्त्री॰
धीक्षमर-२० पुण्कल अ० खबज़ियादा,

धे।भी--पुं० घोनी पु० धे।भीधाट--पुं० घोनी को कपदा घोने का स्थान पु०

बडी घारा में

धे।ये।-पुं • ठोठ पु • बैश्रव्सल धे।रथु-न • कत्ता स्री • दर्जा धे।री-वि० मुख्य वि • खास बे।स-स्त्री • थप्पद पु • तमाचा रप-१६ धीवाध-स्त्री • घोनेका पारिश्रमिक
पु॰ धुनाई
धीवु'-स॰क्षि॰ घोना स॰ कि॰
धील-न॰ गीतका एक मेद पु॰
धीलवु'-स॰क्षि॰ कन्नई करना स॰ कि॰
सफेटी करना

धे। णु'-वि॰ रवेत वि० सफेद
ध्यान-न० चिन्तन पु॰ खयाल
ध्येय-वि० लच्य पु॰ ब्रादर्श
धाश्येश-पुठ ब्रातंक पु॰ चाक
धुलरी-स्त्री० थरथरी स्त्री॰ कॅवकॅवी
धुव-वि० स्थिर वि॰ ग्रेरमनकूला एक
प्रख्यात भक्ष; धुवतारा

ध्रुवधांश-पुं । सागरमें दिशा जाननेके लिये साधन ध्रेल-स्त्री । थरथरी स्त्री । केंपदपी ध्रुलपुं-सा । ध्रिल थरथराना स्व कि । काँपना

ध्रुसक्षा-पुं • जोरसे रोना ध्वल-पुं • पताका स्त्री • फंडा ध्वित-पुं • ध्वित स्त्री • स्नावाज ध्वं स-पुं • विनाश पु • बर्वेदी

[4]

ना के हैं - विश्व ना सिकाहीन विश्व नकटा, वेशर्म ना केता-पुंश्यक्त पत्ती पुः ना कर-मश्यक्त प्रश्वनहीं तो; ने कर न ४२'-वि सबधा वि० विलक्क सब्देशा कर मुक्ति

निक्ष-स्थी॰ श्रनुकरण पु॰ देखादेखी निक्ष्याल-पि॰ नक्ल करनेवाला वि॰ नक्त नवीस

नक्ष्यी-वि० बनावटी वि०
नक्ष्यी-स्त्री० नक्ष्याशी
नक्ष्याहार-वि० नक्ष्याशी किया हुआ
नक्ष्या-पुं० पु० नक्ष्या
नक्ष्या-पि० अनुपयोगी वि० निकम्मा
नक्षारुषुं-स०४० ना करना अ० कि०
इन्कार करन

नक्षरं-िय हठी विव जिद्दी नक्षास-पुंच हत्यास्थल पुंच कसाईखाना नक्षीय-पुंच छदीदर पुंच नोबदार नक्ष्ण-पुंच नेवला पुंच; सबसे छोटा पाएडव

निध्न-पुं० ब्रीकृषा पु०
निधा-पुं० निध्य श्ली० निष्कः
निधारें।-वि०पुं० श्लिधित वि० सृखा
निध्य-वि० ठीस वि० संगीन
निध्य-वि० निश्चत वि०
निक्षात्र-वि० निश्चत वि०
निक्षात्र-वि० निश्चत वि०
निक्षात्र-वि० निश्चत वि०
निध्य-वि० निश्चत विश्व श्ली० निष्या

नणेतर-वि० अञ्चम वि०
नणेह-वि० अञ्चम वि०
नणेह-वि० अञ्चम वि०
नणेहिशुं-वि० विनाशक वि०
नण्डिशुं-वि० विनाशक वि०
नण्डुं,नगुष्डुं-वि० कृतस्त प्रधान धनिक पु०
नण्डुं-वि० नण्डुं कृतिः शहरः वि०
शहरी आदमी

नगुर-वि० गुरुद्दीन वि० ; बेरार्म नगुरिशक-पुं० हिमालय पु० नगार्श-न० नगारा, नक्कारा नगारभी-पुं० नगारा बजानेवाला, नक्कारची

तथीत-त॰ रत्न पुरु नगीना तथत-वि॰ नंगा वि०; बेशमें तथिहत-धुरु खरिन झी॰ आग तथित-वि॰ निश्चित्त वि० बेफिक तखुटेडे-अ० परिस्थितिवश अ० जाचारीसे

नछे।रवुं-वि॰ पुत्रद्दीन वि॰ वे श्रीलाद ; नादान

नक्टीक-स्थ० स्थ० नजरीक, निष्ट नक्श-स्त्री॰ दृष्टि स्त्री० नजर नक्षरसूक-स्त्री० दृष्टिदोष पु॰ नजरसूक नकरानकर]

नगरीनगर-अ० दृष्टिसम्मुख अ०
श्रांत आगे
नगराष्ट्रं-न० मेंट स्त्री० नजराना
निगरा-पि० वि० गेदा, इतका
नेश्वर-अ० अ० विद्य, नजदीक
नश्चनुं-अ० अ० वह्य ; विनामालका
नेट-पुं० एक जाति, नट, पु॰
नेटराज्य-पुं० शिव पु॰
नेटराज्य-पुं० मेता वि यन्दा
नेहार-पि० निच्ठुर वि० सहतदिक
नेड-स्त्री० विध्न-पु॰ इकावट

रुहावट डालना
निख्द्य-स्त्री० ननद स्त्री०
निख्द्य-स्त्री० ननद स्त्री०
निख्द्य-स्त्री० पतिकी बहिन स्त्री० ननद
निति ने पुं० परिग्राम पु० नतीन।
नथ-स्त्री० बेसर स्त्री० (नाकका एक
गहना)

नार्व -सर्के विष्न करना सर कि

नध-पुं० नदी स्त्री• दरिया नध्युं-अ०क्षि० नाद करना श्र• कि० शोर मचाना

शोर मचाना
ननाभी-स्त्री० अर्थी ली०
नपु'सड-वि० पौहपदीन वि० नामर्दे
नध्ट-वि० निर्त्तं जन वि० बेशमें
नध्र-पु'० किंकर पु॰ नौकर
नो-पु'० मुनाफा पु० फायदा

न'भणु'-चि० निर्वेत वि• कमजोर न'भणाध-स्त्री० दुर्वलता खी० कमजोरी न'भीरे।-पुं० लड़के या लड़की की सन्तान

न अ-न० आकाश पु॰ आसमान न्लीभ ंऽस-न॰ नमनगडत पु० श्रासनान

नलपु-भ०४० निमना ग्र॰ कि० टिकना

निभाव पु॰
निभाव पु॰
निभक्तं निभाव पु॰
निभतं निभाव पु॰ नमक
निभतं निभाव वि॰
निभन्न नमस्कार पु॰ आहाब
निभन्न निभन्न नमस्कार खाँ निभन्न कि॰
निभन्न स्थिति नमस्कार करना स॰कि॰
आदाब करना

न्यस्थार कर्ता
नमस्थार-पुं वन्दन पुं श्राहार हैं।
नमस्थार-स्था अप्याम पुं तसलीम
नमाल (अ)-स्था वन्दन पुं वनमाज
नमाल (निव्या विव्या विव्

િનવલ**ખ**

नरहेसरी-पुं० पुरुषसिंह पु०
नरपति-पुं० राजा पुं०
नर्भ-न० नर्क पु० दोजस्य
नरधुं-न० तक्ता पु०
नरखुं-वि० वि० भूसा;
नरपुं-वि० शुरा वि० सराव
नरहम-वि० शुद्ध ; सर्वधा वि०
नरभ-वि० कोमल वि० मुलायम
निर्वेत

नरभाश-स्त्री० नम्नता स्त्री० नरपी-स्त्री० कुँआरी स्त्री० नरसुँ-वि० निकम्मा वि० बेकार ; रसदीन

नरसिः ६-५ • राजा पु०
नराधम-५० नीच ब्यादमी पु०
नराधम-५० राजा पु०
नर्श-५० फक्त वि० केवल,
नरेश-५० राजा पु०
नर्श-५० नृत्य पु० नाच ;
नर्श-५० नृत्य पु० नाच ;
नर्श-५० नृत्य पु० नाच ;

नस-न्द्री॰ परिचारिका स्त्री० नक्ष(ण)-पु॰ बेंत स्त्री०; नली नक्ष!क्षार-वि० नल जैसा वि० नळनुमा निक्षा-न्द्री० नली स्त्री० निक्षेन-न० कमल पु॰ नव-स्थ० नहीं स्त्र०; वि० नवीन

नवक्यान-पुं० तह्या पु० नौजवान नवश्यन-नव नया जीवन पुरु नवटांक-वि० सेरका श्राठवाँ हिस्सा वि• नवशर-प्रं० नौकर मंत्र प्र० नवर्जेत-स्त्री० पारसियोंका यज्ञोपवीत-संस्कार पु० नवडावव'-स०क्षि० गङ्गढेमें उतारना स • कि० त्रगना नवधा-अ० नौ रीतिमे अ० नवनवं-वि० नया वि० नवनीत-न• मक्सन प्र• नवनेल-पुं महान कठिनता स्त्री० जियादा मुश्किल नवपस्थव-भु'० किसलय पु॰ कीपल नव्युवड-पुं तह्या पु नौजवान नवशैवन-न० नवीन युवापन पु० नई નવરચન-સ્ત્રી૦ પ્રનર્તિર્માણ પ્ર૦ नवरत-न० नौ प्रकारके रतनः भोजन राजाके नौ पंडित नवशत(त्र)-स्त्री० नवरात्रि स्त्रो० नवरं-वि० अदमेराय वि० बेदार नवराज-५'० पारसियोंका नयासाल प० नवस-वि० झार्चरेजनक व० श्रजीब नवसक्ष्या-स्त्रीव कल्पित वार्तास्त्रीव क्रिस्सा नवसिक्षेशार-पु'० श्रीकृष्णर्'पु०

नवसभ-वि० नौलखा वि० अनगीनत

श्रम् स्य

નવાલેકા]

नवसिश्च-स्थी० द्याख्यायका स्थी० नवशिक्षण-न० नवीन शिक्षा स्त्री • नई तालीम नवसार-पु'० एक पदार्थ प्• नौसादर नवाध-अभीव नवीनता स्त्रीव नयापन धवरज नवाकव'-स०क्षि० भेट देना स०कि० तीहफा देना नवाकिश-स्त्री० भेंद औ० तोहफा नवान्त्रती-स्त्री० परिवर्तन प्रक रहोक्दलः नई प्रानी खबर नवाध-न० जलाशय प्र• नवाय-पुं० पु० सूषा; सुग्रसमान राजा नवीन-विव नतन विव नवा नर्श-वि० नवीन वि० नयाः ताजा नवैश्व-स्त्री० रसोई घर, बावर्चीसाम नवेशिये।-पुं० रसोहया पु० बावर्षी નવેસરથી-અ૦ પુનઃ ૭૦ જિાસે नवें ६-५ ० द्वितीयाका चन्द्रमा प्र• द्जदा चौंद नवै। ८१-२०० नववध् स्त्री - नई दुलहिन नशीन-वि० धारण किए इए वि• सशीत नशा-पुं• मद पु० नशा नश्वर-वि• भंगर विः नष्ट-वि विनष्ट वि वबोंद नस-स्रो० स्री॰ रग नस्रोधे -- न० नासिका-छिद्र प्रव

नाकका सराख

नस'तान-वि० नि:सन्तान वि० बे**डौद्धाह** नसि**यत-**स्त्री० सीख स्त्री॰ नशीहत नसीय-न० भारय प्र० तक्कदौर नसा-पुं व मैल पु व गन्दगी नस्तर-न॰ सापरेशन-मंत्र प्र० नस्तर नक्षार-न० दिवस प्र० रोज निद्ध'--न॰ नाखनकी चमड़ी छी० नहेर-अभी० नहर खी० नहें। त'-अ॰ कि॰ न होना (भू॰ का॰) नहीर-पुं व पंजेका नाखन पु : पंजेकी खरोच નળિય'-ન॰ देश्ह प्र• न्णी-स्त्री • नित्र मही • नली ने भा-भं नाला पुरु पैरकी हैशी ન'ખાવ'-અ•ક્રિં૦ દર્વેત્ત દોजाના अ०कि० दुवला होना न'भ-न० वस्त स्त्री० चीजः नगीना. असत आहमी न'६--५'• पुत्र पु॰ बेटा; बनिया: खु**शी** न'हन'हन-पुं ० श्रीकृष्या पु० न दनवन-न० स्वर्गका बराचा प्र• न हेल्'-स० कि निन्दा करना स॰ कि तोहना નિક્ની—સ્રી૦ પુત્રી સ્ત્રી• बेटी न'ही-पुं शिवजीका नाँदिया पुर તા-અ• નદી અ• नार्धकार-विक निह्पाय विक लासार ना अभेद-विश्वनिराश विश्वना उम्मीद

નાક]

नाक-न० नासिका स्त्रीव नाक; स्वर्गे, श्चाबह नां क्ष्यं विव श्रम्बीकार विव नामं जुर नार्ड-न० खिद्र पुठ सूगख; बक्तात की चौकी

नाक्षत्र-वि॰ नज्जत्र सम्बन्धी वि॰ नाभुहा-भुं • मल्लाह पु० नाखुदा नाभुश-वि० श्रप्रसन्न वि० नाराज नाभ-पुं वर्ष पु वर्षे गः, हाथी नागडन्या-स्त्री० नागकी पुत्री स्त्री० सुन्दर स्त्री०

नागपाश-पु॰ साँपकी तरह लिपटा हुआ बंधन पु० नाभक्षे। ४- पुं० पाताल पु० नाभर-वि० सभ्य वि० शरीफ; चतुर, ब्राह्मण-जातिका एक वर्ग

नागरिक-वि० नगर-निवासी वि० शहरी नाशु-वि• नगन वि० नंगा; बेशर्म **नाभेश**-पुं० शेवनाग पु० नाभे'द्र-धं ० शेषनाग पु ० ; ऐरावत नाय-पु'० नृत्य पु० ;जलसा नायवु'--अ० कि० नृत्य करना अ०कि०

नाचना नाथार-वि॰ निरुपाय वि॰ लाचार ना छुटेहे-२५० निरुपाय अ० मजबूरन नाल्य-पुं • न्यायालयका एक कर्मचारी

पु० . नाचर

नाक्तक्र-वि०सुकुमार वि० नाजुक

नाअिभ-भु'० गवर्न पु० नाजिम नाटके-ने० दश्य काव्य पु० नाटडेथेटड-न० हाम्यविनोद पु० हँसी-ठट्टा

નાટિકા-સ્ત્રો ૦ જોટા નાટક ૧૦ नाटय-न० नृत्य श्रोर अभिनय पु० नाहायारी-स्त्री० नाठाबारी स्त्री॰ मुक्किः मार्ग प्र॰

नाउ-स्त्री॰ नाडी स्त्री० रग : लगाम नाडी-स्त्री • नाड़ी स्त्री • रग : डोरी नाखं-न० नागा पु० सिक्का नाष्ट्रावटी-पु'० सोने चांरी का व्यापारी

पु० सराफ नात-स्त्री० झ्यात स्त्री० विरादरी नातवरा-पुं जातिभोज पु नातरु'-न० दुसरी शादी; श्रेक को को इ-

नातीलं -न॰ सजातीय पु॰ नाती-भु'०-संबंध पु० रिश्ता 'नाथ-y'० स्वामी पु० मास्तिक नाथवु'-अ०क्षि० नकेल डालना अ● 雨。

नाह-पूरं० ध्वनि स्त्री० श्रावाज नाहान-वि० नासमभ नाधर-वि० दिवाला निकाला हुआ चि०

नाहु२२त-वि० श्वस्वस्थ वि० बीमार નાન કડું – વિ૦ ત્તવુ પુ૦ છોટા

નાનખટાઉ]

नान भटाध-स्त्री बान खताई स्त्री ब नान पश्च-न बाल्यकाल पुरु बचपन नाना-विश्व अनेक विश्व बहुत से नानाविध-विश्व अनेक प्रकार का विश् कई किस्म का नानी-स्त्री जा की मा स्त्री ब नानी-पुरु मा का पिता पुरु नानुं-विश्व अल्प वय पुरु छोटी उम्र का नापसन्द-विश्व अक्चिकर विश्व नाप-

सन्द
नापाड-र्वि० श्रपवित्र वि० नापाक
नापाथाधार-वि० श्रिसका कोई श्राधार
न हो
नापास-वि० पास न होना वि० नाप-

नािषड-पुं नाई पु इज्जाम नाजूह-वि निर्मूल वि नेस्तनाजूह नािल-स्त्री नािम स्त्री नामबरी नाभ-न न सं किति स्त्री नामबरी नाभडरेख्-न नाम रखने का संस्कार पु •

नाभन्थीत-वि० प्रसिद्ध वि० मशहूर नाभक्षार-वि० यशस्त्री पु० मशहूर नाभभात्र-वि० स्वत्त्व वि० थोड़ा नाभभाश्य-वि० एक नामवाला पु० इस-नाम

नाभवायक-वि॰ नामसूचक वि॰ नाभरभरखु-व॰ भजनभाव पु० नाभरॐ-स्त्री० अनिच्ह्या नाभर्ध-(व॰ पौइषहीन पु॰ नामर्द नाभावशी-स्त्री० वंशावली स्त्री० कुरसी-नामा

नाभंडित-वि प्रक्रवात वि प्रशहर नाभंतिर-न किन्ननाम पु० नाभीयुं-वि प्रसिद्ध वि मशहूर नाभुक्षर-वि प्रस्वीक्षर वि नाक्षवृत्त नाभुं-न प्राय व्यय विवरण पु० हरूकः वर्णन

नाभे-अ० नामपर अ० नाभाशी-वि० बदनाभी स्त्री० कुख्याति नायक-पुं ० नेता० पु० सरदार नाथप-पु'० सहायक पु० मददगार नार-स्री० नारी स्त्री० नारहवेडा-पुं ० लड़ा देने की कला स्नी० नार'ग-पु'०नारंगी का पौधा पु० नार'भी-वि• एक फल स्त्रीव नाराक-ि० भ्रप्रसन्न वि० नाखुश नारियेण-न० श्रीफल पु॰ नारियल नारियेणी-स्त्री० नारियल का पेर पुर নাগ-২নীত নলিয়া স্ত্ৰীত নাল नाक्षायक-(व० अयोग्य पु नाकाबित नाक्षेशी-स्त्री० निन्दा स्त्री॰ बदगोई नाव-स्त्री० नौका स्त्री० किश्ती नावध्-न०स्नान पु० गुस्ल नाविध्या-पु'• पति पु॰ खाविन्द નાવિક-પું ૦ વેવટ પ્•

नावी-पुं० नाई पु० हरजाम नावीन्य-न० नवीनता खौ० नवापन नाश-पुं० विनाश पु॰ पायमाठी नाश्चवंत-वि० नरवर वि॰ नास-पुं० नाक द्वारा भाफ केवा नासकाग-स्त्री॰ भग्गी स्त्री॰ भगद्द नासवुं-व्य०४० भागना श्च० कि॰ दौहना

नासिक्षा-स्त्री० नाक स्त्री० नासिपास-विवित्तराश विव नाउम्मीद् नास्ति-स्त्री० श्रभाव पु॰ कमी नास्तो-पु॰ बद्धेवा पु० नाइता नाद्धेड-स्थ० श्रकारण क्ष० वेसवव नाद्धेषुं-स्थ० क्षि० स्नान करना श्र० किव् गुस्ल करना

किं गुरल करना
नाहिं भत-वि० कायर पु॰ डरपोक
नाण-पुं० नालिका स्री॰ बंद्ककी नली
नाण-न॰ नाला पु॰
नांगर-न॰ लंगर पु॰
नांगरपुं-स०४० लंगर डालना स॰कि॰
नि४८-वि० नजदीक नि०
नि४८-पुं० निवाह पु० निकाह
निअ६-पुं० निवाह पु० निकाह
निअ६-पुं० केसला पु०
निअश-स्त्री॰ निर्यात पु०
निअरी-स्त्री॰ निर्यात पु०
निअरी-स्त्री॰ निर्यात पु०

निक्षेप-पु'• त्याग पु•

निभर्ष-पुं० सौ अरबकी संख्या નિખાલસ–વિ• ગ્રહ ૧• સાજિસ निभिक्ष-वि० समस्त वि० तमाम निगम-पु'० वेद ग्रन्य, ईश्वर पुँ० निगमन-न० तत्त्व प्र• निगाई-स्त्री० दृष्टि स्त्री॰ नज्ञर: क्रपा निगूद-वि० ग्रप्त वि० त्रागम्य निभद्ध-पुं• श्रवरोध पु• श्रटकाव नियोध-पुं नारांश पु अर्क नियाववु'-स०क्षि० निचोइना स०क्रि• નિચ્છેદ–પુંo **ર**રજ્ઞે**ર ૧**• निअ-वि० श्रपना वि॰ निजी नित-वि० नित्य वि० हमेशा नितरामश्-न० निधरा हुन्ना पानी पु॰ नित'अ–पु'० क्ल्हा प्र॰ चूत्रह नितारवं-स० ६० निथारना स०कि● नितात-वि० अतिशय वि० बेशमार नित्थ-वि० प्रतिदेन अ० हमेशाः वि• शाइवत निहाध-पु'० गीष्म ऋतु स्त्री • गर्मीकी मीसम निधन-न० मूलकारण पु०

निधन-न० मृत्यु स्त्री० मौत

નિધિ]

निध-भुं० भाराङार पु॰ खजाना
निपल्र्थ-स्त्री॰ उत्पादन पु०
निपत्त-न॰ पतन पु० गिरावट
निपुष्-िवि प्रवीगा; होशियार
निप्यंध-पु॰ केख, निषंध
निप्यःध-पु॰ केख, निषंध
निप्यःध-पु॰ कान पु॰ तमीख
निकाड-वि॰ साधारण, कामचलाक
निकाडी-पु॰ कुम्हार की भट्टी
निकाव-पु॰ भरग पोषग
निभक्ष-न॰ खवग पु॰ नमक
निभक्षदाभ-वि० कृतस्त, एहसानफरा
मोश

निभडे देशस-वि० कृतज्ञ, एहसानमन्द निभय्न-वि० तस्त्रीन, मशगूल निभधू हे - स्त्री० नियुक्ति झी० निभावित-वि० ज्ञामंत्रित बुलाया हुआ निभावित-धुं० नवाज स्त्री० निभावित-धुं० नवाज स्त्री० निभावित-धुं० नवाज स्त्री० निभावित-धुं० नवाज स्त्री० निभावित-वि० निश्चतः, पक्का निथम-धुं० रीति स्त्री० कायदा निथमसर-स्थ० नियमितः, बाकायदा निथमसर-स्थ० नियमितः, बाकायदा निथमसर-वि० मुकरेर नियंता-धुं० इसवाः सुदा निथ्यस-वि० स्थापितः, सुकरेर निथुक्त-वि० स्थापितः, सुकरेर नियेश्य-पु'० आज्ञा स्त्री० हुक्म निरक्षर-वि० अशिचित निरत-वि० तल्लीनः मशगूल निरधार-पुं• निश्चय निरनिराणं-वि० मिश्र-मिश्र, जुदाजुदा निरुपराधी-विं निर्देष निर्भेक्ष-वि० अनपेक्षितः निरप्रह निरक्षिमान-(वि जिसे धर्मंड न हो નિરર્થંક–વિ• **શ્રર્થ**દીન निश्वधाश्य-वि० व्यस्त, कामकाजी निरस्त्र-पि० श्रस्त्रहीन નિરંધ્રશ-વિ૰ उच्छसंत निरंक्न-वि० शुद्ध, पाक निरंतर-अ० छतत. इमेशा निराधरख-न० पु० फैंसला निराधार-वि॰ आकार रहित निराउ'पर-वि० सरह निराधार-वि• श्रनाश्रित, बेबुनियाद निराश-वि० हताश, नाडम्मेदी निराश्रय-वि० निराघार, बेब्रनियाद निराश्रित-विट यतीम निराण'-वि० निराला, अजीव निरीक्षs-पुं • देखभाल करनेवाला निरीक्षा-स्त्री० अवलोकन पु॰ देखमाल निकत्तर-वि० उत्तरहीन, वेजवाब निरुत्साद-वि० उत्सादद्वीन, बेजोश निरुधभ–वि० निरुम्मा, बेकाम निर्भः स-वि० जलहीन, वेशाय

[નર્જીવ]

निक व-विव निष्यासा, बेजान निर्अश-पुं • महना पु • चश्मा निर्अरिशी-स्त्री० नदी स्त्री० निर्धाय-पुंठ निश्चय ० फैछला निधीत-वि० नक्की, निबटा हुआ निर्धय-वि० ऋर बेरहम निदेश-५'० आज्ञा, हक्तम निर्देष-वि० निर्वशंघ, बेकसर निर्धान ५ ५ ० गरीब निर्धार-पं० निर्णय, फैबला ।नभ^रण–वि० अशक कमजोर निर्भाय-विक निहर, बेखीफ निक्षर-वि० पुष्कल, ज्यादा निर्भे ग-वि० अमिश्रित, साखिस निभंग-वि० स्वच्छ, साफ निर्भाष-न० सजना रचना निर्भास्य-वि० बेकार खाली निभाव - व्यक्तिक निश्चत होना. तै होना निभित-विव निश्चित त निभंग-पि० बिना जबके. बेजब निर्भोद-वि॰ जिसे मोह न हो निर्धा क्य-वि० बेशमी, बेह्या नदे कि-पि० जिसे लोभ न हो निव^९यन-न० व्याख्या निव स्त्र-वि० वस्त्रहीन निव श-वि॰ निम्सन्तान, वेद्यौताद निर्वाक्र-वि॰ श्रवाक

निर्वाश-न• मोस्रः श्रन्त निर्वासित-विव निराश्रित, बेघरबार निर्वाक्ष-प्र'० जीवनदावन, गुजारा निवि^{र्}ष-वि० श्रवाध, बेरोइटोक नि विवाद-विव विवादहीनः बेतकरार निविष-वि विषहीन, बेजहर निवृक्ष-विव निरस्तपादप, बेदरहत निवृत-वि० सम्पर्गः संतष्ट निर्देत-स्त्री० शान्तिः तस्त्री निव्य सनी-विव व्यसनरहित निसय-न० घर पु० सकाम निसंवर-नि क्वांस प॰ निवाक्यवं-स०क्वि० सन्तुष्ट करनाः कर ना निवार्थाक सी-स्त्री० श्रद्धांजलि निवार-पु'• निवारणा, हटाव तिवास-प्रं० घर प्र मुकाम निवृत-वि० निवटनाः फ्रारिक निवेडे।-५ • निर्णय पु० फैसला निवेदन-न० ब्यानः अर्ज निश्च निश्चा-स्त्री ० रात्रि स्त्री० रात निश्चाक्षर-प्र' • चन्द्रमा प्र॰ चांद निशायर-धं रात को फीरनेवाला, चोर. उस्त निश्चातरा-प्र'• दाल पीसने का पत्थर निशान-न० चिह्न; निशान निश्चानपाछ-स्त्री० सं**धान, निशामे-**बाडी

નિશાળ]

निशाण-स्त्री० पाठशाला स्त्री० मदर्सा निश्चय-५ ० निर्णय निश्चयपूर्व ५-२० निश्चयसे নিশ্বণ্য-বি০ স্মন্তিग निश्चित-वि० नक्की निश्चित-वि० चिन्ताहीन, बेफ्रिक निश्चेतन-वि॰ मृत् बेजान निश्चेष्ट- वि॰ चेष्टारहित, बेहोश निषेध- ५'० मनाही स्त्री० रोक निष्ड-पुं ० एक पुराना सोनेका सिक्का निष्डपरी-वि० निरुद्धल निष्डम - वि० अदमी स्व, बेहाम निष्डस'ड-वि निर्देख, बेदाग निष्ड'८६-वि० श्रवाध, बेरोक्टोक निष्धाम-वि० लालसारहित, बेलालच निष्डाण्छ-स्त्री व नेदरकारी, बेपरवाई निष्या-स्त्रीव श्रद्धा स्त्री व वक्तादारी निष्ठर-वि॰ निर्देश, बेरहम निष्धात-वि० प्रवीसः होशियार निष्पक्ष-वि० तटस्य निष्पक्षपाती-निव समदर्शी निष्कण-वि० व्यर्थ, बेकार निस्पत-स्त्री० संबंध प्र॰ रिश्ता निसर्धी-स्त्री० सीदी स्त्री० नवेनी निसासी-पु'० निश्वास. साँस निस्तेल-वि० तेजहीन नक्षार-पु'० श्रोष्ट, शबनम निहाणवं-स॰ कि निरीक्षण, बारीक देखभा ब

नि दुवं - स० क्वि जिन्दा करना, बदनामीः वरना

निन्धा-स्त्री० दर्नाम. बदनामी नि' ध-वि० निन्दाके काबिलः बदनामा निष्प-५'० नीम प्र० • ति:श्रण्ध-यि० नीख. बेजनान नि:श्रास्त्र-वि० शस्त्रहीन. बेहिथयार नि:श'५-वि॰ शंका रहित, बेशक नि:शेष-वि० सम्पर्णः तमाम नि:श्वास-पु'० दुःख की श्राह निःसंतान-वि० निर्वशः बेऔलाद नि:सन्देख-वि० सन्देहरहित, बेशक निःस'श्रय-वि० संशयरहित. बेश ह नि:सीभ-वि**० श्रसी**मः बेहद नि:२५६-वि० निब्हामः वेशरफ नि:स्वाह-वि० स्वादग्हित, बेस्वाद नि:स्वाधी किवि नि:स्बार्ध, नेगरज नीक्र-स्त्री० नाठी नी ५२-- अ० अन्य था, नहीं तो नीक्षणव - अ०क्षिक निकलना, बाहर

नी डुं- वि॰ साफ नी थ-वि॰ श्रधम, इलका कमीना नी थाण्-न० निवाई स्त्री॰ डाख् नी थे-अ० नीचे की श्रोर नी है-अ० नक्की नी हेलुं-अ० डि॰ समाप्त होता, खतम नीउ-भं०न० घोंसला प्र• नी ३२-वि॰ निर्भय, बेखीफ .नीतरव् - अ०क्षि० रिम्राना, टक्कना नीति-स्त्री० सदाचार, चाल चलन, पर ति नीतिनाश-भुं ० नीति का नाश्च नीतियुक्त-वि० नीतिवान नी प्रथ-स्त्री० उपज हो ० पैटावार नीपट-वि॰ निर्लज्ज, बेशर्म नीक्षवु'-थ०कि० निमना, टिइना नीभवं-स० क्वि आयोजित तैनात करना नीभी-स्त्री : हंडी स्त्री : नीरभ-स्त्री० निरीच्रण पु० देखमाल नीरभव -स० कि निरसना, देखना नीरक-वि० स्वच्छ, साफ; न० कमक गीर६-न०धुं० मेघ, बादल नीरव-वि॰ शान्त, चुप गौर**ु**-स०क्षि० पद्धश्रों को चारा डालना नीरस-वि० रसहीन, सखा नीशक्न-न० आरती स्त्री• नीरे।-पुं॰ चारादाना, ताजी ताडी नीराशी-वि० निरोग, तन्द्रहस्ब नीस-वि॰ नीला, आसमानी नीक्षक है-पुं० शिव पुर्व , भैवरा; मोर पीली-स्त्री व गली स्त्री व नीक्षभ-न**० नी**लमरित

नीसरव्'-अ०क्षि० निकलना,बाहर श्राना

नी'भागवुं-अ०क्षि० भारता टपदना नी'इ.नी'इर-स्त्री० निदा स्त्री• नी'६७१-न० निशईमें काटा हुआ घास ती६वं-स०क्षिः निराई करना तुं इसान-न० हानि स्त्री० बेफायदा तसंभे।-५'० श्रोषध सूची झी । तुसना नृतन-वि॰ नवीन, नया त्पुर-न० एक गहना र्र-न० तेज पु० श्राव रू-प्रं॰ नर प्र॰ आदमी न्यपति-पुं• राजा पु० नृपास-पु'० राजा पु० नृक्षीक-पुं ० संसार पु० दुनिया नृश'स-वि० ऋर, बेरहम नृक्षि'६-५'० राजा ५० नेक-वि० खरा, भला नेक्ष्माभी-स्त्री० सुनाम पु०नामवरी कौति स्तीव ने इटाઇ-स्त्री० यूरोपियनोंकी गलपङ्की ने जी-पुं • वजा स्त्री • मंहा; निशान नेश्र⊸न० नयन पु• चश्म नेतर-न० वेंत स्त्री० नेता-प्र'० श्रागेवान पु० मुखिया नेपथ्य-न० नाटकमें पर्देश पिछला हिस्सा, भितरमें नेपुर-न० नूपुर, पाञ्चेब नेभ-स्त्री० चिन्ह पु० निशा**न आश्वा**य नेव-न० मलिया स्त्री०

181

नेस-वि० कमनसीन, लोमी नेसडी-पुं• कोटी बस्ती, नगला नेस्ती-पुं• मोदी पु• नेश-स्त्री• सँक्की गली स्त्री० कूचा ; हक्का-नली

नेपुर्य-त० दक्षता स्त्री० होशियारी नेअःत्य-वि० पश्चिम स्त्रीर दक्तिग्राके बीचका कोना

नैनेध-न० प्रसाद पु०
नैष्ट्य-न० निष्पळता
नैसिंगिंड-वि० प्राकृतिक, कुदरती
नेष्ड-वि० ख्रस्त्त, स्त्री० श्रनी
नेष्ड-वि० ख्रस्त्त, स्त्री० श्रनी
नेष्ड-वि० ख्रस्त्त, स्त्री० श्रनी
नेष्ड-वि० ख्रक्त, पुठ खिदमतगार
नेष्डा-वि० श्रकग, जुदा
नेष्ट-स्त्री० क्रेसी हुंडी
नेष्टिस-स्त्री० श्रमंत्रत जन-समूह पु०
मेहमान लोग

नेतरवु'-स० निमंत्रण देना, बुलाना नेति । निराधार, बेबुनियाद नेत्याद नेत्यार पु॰ नौबत नेतरवु'-न० नवरात्रिका दिन पु॰ नेति । स्त्री० डायरी नी-स्त्री० नौका स्त्री॰ किश्ती नीक्षणभन-न० जल विद्वार नीक्षणभन-न० जल विद्वार नीक्षणभन-न० जलसेना स्त्री॰ दरियाई जशकर नालयान-पुं० नवयुवक पु० नौजवान
नेतिम-वि० नूतन, नया
न्यात-स्त्री० जाति स्त्री० विराद्धी
न्यामत-स्त्री० सम्पत्ति स्त्री० वन-दौलत
न्याय-पुं० निबटारा पु० इन्साफ
न्यायमंहिर-न० न्यायालय पु० भ्रदालत
न्यायाधीश-पुं० जज पु०
न्यायासन-न० जजकी कुशी
न्यायी-वि० न्याय करनेवाला
न्यार्थ-वि० भ्रता, स्त्राज्ञावस, जुदा
न्यास-पुं० रखना, त्याग
न्युन-वि० घोडा, कम

पडंड-स्त्री० पकहना,
पडंडहाय-पुं० एक खेल
पडंववुं-स०डि० रॉधना, पकाना
पडंवान-न० मिन्छान्न पु० मिठाई
पडंवासी-पुं० बेंत ल्ली०
पडंडुं-वि० पक्छा, मजबूत
पडंड्रं-वि० पका हुआ
पडंडिएं-लेि० चालबाजी ल्ली० लुख्वाई
पक्ष-पुं० पत्त्वाता पु० तरफदारी, माग्य पक्षधात-पुं० पत्त्वाता पु० लक्षवा
पक्षधात-पुं० पत्त्वाता पु० लक्षवा
पक्षधात-पुं० तरफदारी
पक्षधात-पुं० गठह पु०
पण्छा-व्य० मौति तरह
पण्नवाडिड-वि० पखवादा पु०; पालिक

श्रखवार

૫ખવાડિયું-ન૦ વસ્ત્રવાદા ૧૦ પખાલ-સ્ત્રી૦ વહાल स्त्री० मशक **५५५७वू – स०**६० प्रक्षात्तन, घोना पभ-- भुं ० पैर पु० कदम पगर्य पी-स्त्री० पेर दशना प्रशते।ऽ-स्त्री० वे**डार चक**ार पगदें।ं-स्त्री० भाग दौ**र ५**भथिथु'--न० सीर्दाका पत्थर पभथी-स्त्री० फुटवाब स्त्री॰ भगपाण -वि • पैदल પગપેસારા-વિવ્યુસના पश्रक्षर-विट स्वावलंबन **५**भ२भु'—न० पगरखी स्त्री॰ जूती **थगर्थ-न० आरंम, शुरुश्रात** पगरव-पुं० पाकी श्राहट भगंदस्ता-भु'• पैदल रास्ता पु• भगञ्जूछिथु'-न• द्वारपर पैर पों**द्यने**का साधन

प्रभक्षं -- न चरण चिह्न पु० डगः कदम
प्रभार-पुं० चेतन, तनस्वाह
प्रभी-पुं० चौकीदार खी०
प्रभाशाख्यं -- न० नमस्कार पु० खादाव
प्रभाशाच्यं -- विद्यास्त प्रभाव स्थितः हरपोक
प्रथायः -- वि० पंचरंगा
प्रथाद्यं -- स०४० पचना, हज्जम होना
प्रथाद्युं -- स०४० टोकना
प्रथुस्था, प्रभुस्थ् -- न० पर्यूष्ण पु०

પ^રછમ–વિ૦ पश्चिम पु० मगरिषः पीक्केका **५७**ऽ।वु –स० क्वि० पञ्चकाना प**ाउव'-स**०५० पञ्चाडना पछ.त-वि० पी**हेका** पछेडी-स्त्री • मोटी चहर स्त्री • प**भवधी-**स्त्री॰ **हेरानी** पट--त• पर्दा प्• नदीका पाट; ५<u>१</u>५-२श्री० पटकना ५२५८-२५० बहब्द कर्ना पटराधी-स्त्री० पटरानी स्त्री• प८स–पु'० हद इन; पर्दा पटवारी-पु'० अमीन नावनेवाला **सर**-कारी कर्मचारी पटवा-भुं ० पटवा पटा**५-२५० शीघ्र, ज**रूद पटाइडी-स्त्री • पिस्तौल तमंचा: चपटी પટાટા–પુ'૦ આત્રુ પુ૦ प**टापट-अ० शी**घ्र, **ज**ल्द पटापटी-स्त्री० **बोळाचाली स्त्री० आँट पटामधी−३०० पटाना, फुससाइट** भटारा-पुं• मोटा टोकरा पु॰ पिटारा **પટાવાળા-पुं० दरबान पुर्वेचपरासी** भट्टी-स्त्री० पतली खपची स्त्री० **५८-।२० दत्त. होशियार ५**८त्व-न० दक्षता स्त्री० होशिया**री** पटेंश-पुं० गाँव **का** मुखिया पट्टी-पु'० पट्टा पु० दस्तावेज; कमर-वन्द

48

पट्ट-न० सिंहासन पु० राजगद्दी, **सु**ख्ये पट्टा अधे ५-पु' राजतिलक, गद्दीनशीनी प**ेथ्-**न • स्वीकृति स्त्री० क़बूखी પદ્યન–ন০ शिद्धग्र पु॰ तास्रीम **थित-वि॰शिचित प्र॰ पदा किसा** पर् - वि० पहलवान पुर **५५-**न० ढक्कन **५८३**भ**्धं-न० जमों की प्रार्थना** पडेशर-पु'० श्राह्वान **५५**भुं-न० पक्ष,करवट पु० तरफ, मदद **५८५**म-स्त्री॰ ढोल जैसा एक वाद्य **४**ऽवे।-५'० प्रतिघोष **५८७।ये।-५ ० प्रतिबिम्ब ५० परछाँइं** ५८छे:-पु'० परखाँई समानता पडतर-वि॰ खरीद कीमत, खुळा **५५ती-स्त्री० अवनति स्त्री० गिस्**वट **५**ऽत्रं –िव निर्वल पु० कमजोर ५ ही-पुं दूरी स्त्री विकास का पदी; गुप्ततग्र **५५५७-स्त्री० पूछताञ्च स्त्री०**

पडपूछ-स्की० पूछताछ जी०
पडवुं-भ०कि॰ पतन होना गिरना
पडवे!-पुं० प्रतिपदा
पडसाण-स्की० घर का आगे का खंड
पडण-न॰ बरागर न वीखना
पडाडि-वि० पढ़ा हुआ
पडाड-थ० शीघ्र, एकदम
पडाव-पुं० पढ़ाब पु॰ देरा
पडाव-पुं० पढ़ाब पु॰ देरा

पिडिया-पुं व पतों का दोना पुठ
पडीश-स्त्रीठ खोब स्त्रीठ
पडी-स्त्रीठ खोब स्त्रीठ
पडी-स्त्रीठ खोब स्त्रीठ
पडी-स्त्रीठ खोब स्त्रीठ
पडी-स्त्रीठ वर्ष की पड़ा स्त्रा
पडेयुं-पडिठ शिक्षण केना, ताकीम
हासिक करना
पढियार-पुंठ प्रतिहार पु०
पख्-नठ प्रतिज्ञा ग्र० परन्तु
पख्(न) धट-पुं० पनघट पुठ
पख्क-स्त्रीठ प्रत्यं वा स्त्रोठ कमान की
होरी
पध्कि-स्त्री० भाजी की जही

पधी-स्त्री॰ भाजी की जुडी
पधी-स्त्री॰ अन सगह
पदी-स्त्री॰ विश्वास पु० यक्षीन; आबहः
पत-स्त्री॰ विश्वास पु० यक्षीन; आबहः
पतन-त० पात पु० गिरावट
पतरवेसिथुं-न० अवीं का पत्ता पु॰
पतराण-स्त्री॰ वहाई स्त्री॰
पतरावण-स्त्री॰ पत्तर स्त्री॰
पतरावण-स्त्री॰ धातु की चहर स्त्री॰
पतर्य-न॰ धातु का पत्तर पु॰
पतव्यं-स०१० कनकौ आ पु०; पर्तिणा
पत्थं-पु॰ कनकौ आ पु०; पर्तिणा
पताध-स्त्री॰ स्त्रोग मही स्त्री॰
पताध-स्त्री॰ स्त्रोग मही स्त्री॰
पताध-स्त्री॰ स्त्रोग सही स्त्री॰

પતાસું]

भतासुं-न० बताशा पु० भति-भुं• स्वामी पु० खाविन्द भतिवता-(व॰ स्त्री० सतीब्री स्त्री॰ भतित-(व॰ श्रधम पु० भतीकुं-न० होटा दुक्का भतीक्-स्त्री॰ विश्वास पु० सक्तीन;

भतीरु'-न॰ वकरीका बच्चा पु॰ भतेती-स्त्री० एक पारसी त्यौहार पु॰ भतेशी-स्त्री० पतीली स्त्री० देगची भत्तर-न॰ भिक्षापात्र भत्ति-पु॰ स्थल सैनिक पु॰ पैदल सिपाही

पत्ती-पु'॰ पता ठिकाना पु॰ खबर पत्ती-स्त्री॰ बहू स्त्री॰ बीबी पत्र-पुं॰न॰ चिट्ठी स्त्री॰ खत; श्रखबार पत्रअरत्य-न॰ पत्रकारी स्त्री॰ श्रखबार नवीबी

पत्रव्यवहार-पुं पत्र मेंगाना-मेजना पुं खतो खिताबत
पत्रिक्ष-स्थी विद्वी खीं ब ख स्थ-पुं कार्ग पुं रास्ता
पथरध्-न व्यरना पुं गद्दा
पथरी-स्थि कंकर पुं एक रोग
पथरी-स्थि कंकर पुं एक रोग
पथिक-पुं वाद्योदी पुं राहगीर
पथ्थर-पुं वाद्याण पुं विद्यार
पथ्थरपाटी-स्थी वस्ति खीं व

पहस्रथ्य-वि० अधिकारसे हटाया गया
पहिरी-स्त्री० दर्जा पु० इतवा
पहार्थ-पु'० वस्तु स्त्री० चीज; तत्व
पहार्थ्य-स्त्री० काव्य संग्रह पु॰
पद्धति-स्त्री० रीति स्त्री० तरीका
पद्ध-त० लाल कमस पु॰ कविता
पद्धिनी-स्त्री॰ कमलिनी स्त्री॰, स्त्री की

एक जाति
पधरामध्री-स्त्री० पदार्थेगा पु०
पनाध-स्त्री० नौका झौ० किश्ती
पनाध-स्त्री० रह्मगा पु०
पनिथा(क्ष)री-स्त्री० पनिहारी झौ०
परनी भरनेवाडी

पिन्युं-न० पगरखी स्त्री॰ जूती पनीर-न॰ एक खाद्य पु० पनी-पुं॰ पनहा पु॰ श्वरज पनीती-स्त्री॰ शनिकी दशा स्त्री॰ ; गिरावट

पन्नग-पुं० सर्व पु० साँप
पमरवुं-अ०क्वि० सुगन्ध फैलना स्नी०
स्वरानू महरुना
पमराट-पुं० सुगन्ध स्नी० सुशबू
पय-न० दूध पु०; पानी
पयगंभर-पुं० देवदृत पु० पैगम्बर
पयगाम-पुं० सेवेशो पु० पैगाम

प्यमाभ-पुं सदशा पुर प्याम प्याह-पुं मेघ पुर बादल प्याध्य-नर सेघ पुर बादल; स्तन प्यानिधि-पुं समुद्र पुर **પર**]

५२–२५०वि० उत्तर **द्य**० वि० पराया; द् **५२४** थ-वि० द्सरेका , पराया **५२** भ-स्त्री० परीत्ता स्त्री० जाँच **भरशळु-वि० परोपऋारी पु० ५२७७'-न० परगना पु० ताल्लुका** भरभाभ-न० दूसरा गाँव पु ० पराई बस्ती भरयुट्य-(१० फुटकर चीजे स्त्री० जुदा जुदा चीजें **५२२।-५० चमत्हार पु० करामात;**प्रताप **भर**क्न-पुं अन्य व्यक्ति पु ० पराया श्रादमी પરજાળવું-સ૦ક્રિ૦ प्रज्वलित करना अलग **५२**६५'-स०६० निर्णय करना, तै करना **भ**रिख्यत--वि० विवाहित पु० शादीशुदा **५२**थेतर-न॰ पत्नी स्त्री० बीबी **५२तंत्र-**वि० पराधीन पु० गुत्ताम भरत-अ० पीछे श्र० वावस भर<u>६:</u>भ-न० पराया दु:ख पु० दूसरेकी तक्ली फ **५**२६: भक्षं कत-वि० पराया सं**६ट** टालने वाला पु॰ **भ**२देश-न० विदेश पु० ग़ैर**मु**ल्ह भरधन-न० पराई संपत्ति स्त्री० ग्रैरकी दौलत भरधभ - पुं भिज्ञधर्म गैर पु • मजहब भरनात-स्त्री० भिन्नजाति स्त्री० गैर बिसदरी

9:-86

परपे।टे।-पु० क्षग्राभंगुर **परण-**स्त्री० प्यास પરઋીડિયુ'-ન**० लिफाफा** पु० परक्षव -पु'० परलोक पु० **५२%।तियु'-न० प्रभाती स्त्री**८ परकारु'- वि० बाहरी **परकाषा-स्त्री० मिश्रमाषा स्त्री० सैर** च रान **परम-वि०** अ्त्तम **परभाटी-स्त्री० मांस पु० गोश्त परमाध्-िवि० प्रमागा वि० सञ्ज**त परमार्खं-न० मात्रा स्त्री० माप परभ.रथ-पु'० परोवकार पु० परभार्थ-y'∙ मोक्ष पु० परभेश्वर-**पुं० परमा**त्मा पु० खुदा परराज्य-न० पराया राज्य पु**० गैर**-सल्तनत **परेें।** इ-पुं• स्वर्ग पु० वॉहेश्त भरेेेेेेेेेे अवासी-वि० स्वर्गीय पुट मरहूम પરવડલું-અ•ક્રિ**० पोसःना** परवरहीगार-पुं • परमेश्वर पु • खुदा परवश-वि० पराधीन पु० गुनाम परत्रा–स्त्री० गर**ज** स्त्री० दरकार परवानगी-स्त्री० आज्ञा स्त्री० रजाः परवाना-पु'० आज्ञापत्र पु० परवाना; पंतिगा परवार-पुं•स्त्री० ; कुटुम्ब

परशु-रेश्री०ने० परमा पु० कुल्हा**वी**

પરસાદ

भरसाह-पुं ० प्रसाद पुं ०
भरसेवा-स्त्री • चाकरी स्त्री • खिदमत
भरसेवा-पुं पसीना पु •
भरस्पर-अ • श्रापसमें श्र •
भरहेल-सि • नियमित श्राहार पु • परहेज केंदी

भर'तु—अ० किन्तु श्र० ते किन भर'भरा–स्त्री० पुर्व पद्धति स्त्री० पुश्तैनी रिवाज

पराध-स्त्री० द्यान्यकी; जो द्र्यपनी नहीं पराक्र-प० शौर्य पु० बहादुरी पराग-पु० पुष्पधूळि स्त्री० परागति-स्त्री० पुनर्यमन पु० वापवजाना, मृत्यु

पराक्ष्य-पुं॰ पराभाव श्ली॰ हार पराक्ष्य-पि० हारा हुझा वि० पराष्ट्री-स्त्री० छोटी लक्ष्मी पराष्ट्री-स्त्र बतात श्र० जबदंस्तीसे पराधीन-वि० परतंत्र; गुलाम परापूर्व-पुं॰ प्राचीनकाल पु० केदीमी बक्रत

भरत्सन-पु'० पराजय स्त्री० हार
भराक्षत-चि० पराजित पु॰ हारा हुझा
भरावेष-चि० तल्जीन पु० मसगूत
भरावेत-च० परघर पु० गैरमुकाम
भरावु-चि० रहाया पु॰ गैर
भरार-अ॰ बीता या झानेवाजा तीसरा
वर्ष पु०

परार्थ-वि० परोपकारः

परावलम्थन-न॰ दूमरेका आश्रय पु०
गैरका सहारा

परावलम्थी-वि० दूसरेके आसरेपर

रहनेवाला

पराण-न॰ घास स्त्री०

परांत-वि॰ शेषः बाकी

परिक्षर-पुं॰ कटिबन्ध पु॰ कमरपट

समृह

परिश्रद-पुं॰ संग्रकार पु॰ कबूल,
संग्रह

परिश्र-पुं॰ जानकारी स्त्री० पहचान

परिश्रर-पुं॰ सेवक पु॰ ख़िदमतगार

परिश्रर-पुं॰ सेवक पु॰ ख़िदमतगार

परिश्रर-पुं॰ सेवक पु॰ ख़िदमतगार

परिश्रर-पुं॰ सेवक पु॰ ख़िदमतगार

परिच्छेर-पुं॰ सीमा स्त्रीट हदः भाग
परिक्रन-पुं॰ न॰ नौकर, सेवक
परिख्य-पुं॰ विवाह पु॰ शासी
परिख्य-पुं॰ विवाह पु॰ नतीचा
परिख्यित-वि॰ विवाहित वि॰ शासी खुदा
परिताप-पुं॰ संताप पु॰
परित्याय-पुं॰ स्वाप पु॰

परिभक्ष-वि० पहा हुआ वि० परिभन-पुं•ने॰ सूचना-पत्र पु० परिभथी-पुं॰ दस्यु पु• डाकू પરિપાક]

परिषाड-पु'० परिणाम पु० नतीजा परिपूर्ण-वि० पूर्ण वि० भरपुर 'पेरिप्रश्र-पु'० बार बार प्रश्न करना परिपण-न॰ शक्ति स्त्री॰ ताक्तत परिश्रक्ष-न० परमात्मा पु० खुदा **परिश्रम्थ-न० पर्यटन पु० घूमना परिभाश-न०मात्रा स्त्री० माप** परिभित-पु'a अल्प पुरु थो**वा** परिया-प्रं पर्वज प्र प्रसा **भारेरक्षित-वि॰ सुरक्तित वि० थारेवाह-पुं े निन्दा स्त्री वदनामी परिवाह-पुं• कुट्रम्ब पु• क्रबीला** परिवृत-ति आधूत वि० **પરિશા**ષ્ટ-ન० परिशिष्ट **परिश्रम-पुं**० श्रम पु॰ मे**इन**त **परिष६—स्त्री• समा स्त्री अं**ज्ञमन પરિસીમા–સ્ત્રી**૦ સીવા છો**૦ દવ **પ**रिस्थिति-स्त्री० स्थिति स्त्री० हात्तत परिदुर्व-स०क्षि० तजना, छोडना भरिक्षस-पुं• हैंसी ठट्टा पु॰ मजाक **परी-स्त्री० श्र**प्सरा स्त्री० हर भरी ७ था-स्त्री ० परियों की कहानी स्त्री ०; हरों का किस्सा **५**रीक्षक्र-पु'० पारखी पु॰ परीचा करनेवाला **५रीक्षा–**स्त्री० परीक्षण पु० जाँच **५३-न० मवाद, पी** व

थ्३'--त० सपनगर पु० वि० श्रतग

भ३ हो। (भरे। हो।) - युं • अपतिथि पु० मेहमान **५रै**ड-रेश्री० कवायद **परेश−धं**० परमेश्वर पु० खुदा **५रेशान-वि० व्याक्ल वि० हैरान परेक्षि-वि० श्रानुपस्थिति वि० गैर-**हाजिरी **भरे।८-५'०न० प्रातःकाल पु० फ्रजर ५रे.**ढिथ्-न० प्रातःकाल प० फ्रजर **५रे।थे।-५'० श्र**तिथि प्० मेहमान परे।पडार-पु'o परमार्थ पुo परेखं-स०कि॰ डोरा पिरोना पर्था-न० पत्ता पु० पर्दे तशीन-वि० परदायत स्त्री० पदीनशीन ५४^६८न-न० देशाटन पु० मुसाफिरी पय^रत-पुं० श्रान्त पु० श्रास्तीर; तक ५५^९-न० प्रन्थका भाग, पवित्र दिन **५**व'त–धुं• पहाइ पु• कोह पल-न**् मांस प्रगोशत : एक तौल :** पक्ष अभिवासी प्राचित्र क्री क्री विकास स्थाप **प**લકારા⊢પ્રં૦ श्राँखकी मत्पक स्त्री∙ श्चिशांरा **पक्षट्य-**स्त्री० सैन्य-दत्त पु० लइ इद पसरेलु –स**े**डि० पस्ट*ना*, बदसना પલાટાપલટી-સ્ત્રી૦ વરિવર્તન વુ૦ बलटफेर

પલપલવું]

पसप्तयुं - अ० कि० मलमलाना, जनकना
पत्तयुं - से० कि० रिमाना, राजी करना
पत्तयुं - से० कि० रिमाना, राजी करना
पत्तयुं - अ० कि० रिमाना, राजी करना
पत्तयुं - अ० कि० रिमाना
पत्तयुं - अ० कि० मीं जना
पत्तयं - प्रं काट खी०
पत्ताथं - न० जीन पु० सवारी
पत्ताथं - न० भागना
पत्ताथं - व० मागा हुग्रा
पत्ताथं - सं० कि० गीला करना, मिगोना
पत्ताथुं - (भु) न० गणितका प्रदन
पत्तां कि०
पत्तीं खी०
पत्तीं वि० विश्वीं

भक्षाता-पुं व वताता पुं व भक्षात-पुं व किसत्तय पु व कोंपत्त; पत्ता; भक्षुं--- व पलहा; भवन-पुं व बायु सी व हवा भवन-थेऽपी-स्त्री व हवासे चलनेबाली चक्की

पवासी-स्त्री • एक बर्तन स्त्री •
पित्र-स्त्री • बज्ज पु०
पित्र-वि० शुद्ध वि॰ पाक
पशु-ने श्रानवर पु०
पश्चात-अ॰ बादमें;
पश्चिम-वि० पच्छिम दिशा स्त्री० मगरिब
पसताशिया-पुं० शाकमाजी वेचनेवाला
पसरवुं-अ००४० पसरना; फैलना
पसरवुं-स्त्री० माईकी खोरसे बहिनको मेंट

पसं६-वि० हचि हाः पसार-५० प्रसार वि० फैलाव पशीने।-पं • स्वेद पु • पसीना परतावु'-अ०कि॰ परचातापः पञ्चतावा परती-रेश्री० व्यर्थ कागज प**०** परत'-न• पिराप० पढाड-y'o पर्वत पु॰ कोह **पहेरथ-न०** कुड़ताः **पहेरवु'-स०**कि० घारण करना; पहनना पहेरवेश-५ विताव पर पोशाक पढेराभधी-स्शी० कन्याकी विदाईके समय बापकी भेंट स्त्री० पहेरे।-पुं विवंत्रसा प् पहरा; चौकी पहेरेगीर-पुं चौकीदार पुरु सन्तरी पहेंब-स्त्री व प्रारंभ पुरु शुहुत्रात; पुरु TBIP पहेंद्ध'-वि॰ प्रथम वि॰ पहला प**हे**ंथ-स्त्री • पहुँच स्त्री ० रसीद; शक्ति पहें। थेलु - वि० ऊँचे दर्जे का वि० पक्का पहे।२-५ ० प्रहर पहें। जुं-वि॰ चौदा वि० पहेंची-स्त्री • अक गहना, पहुँची पणव - अ० कि॰ गमन; जाना; पोषसा होना पणी-स्त्री • घी तैल निकासनेका एक लोहे वा साधन

प's-पु'o की चड़ पु_र

५° ५०४ - न० केवल पु०

મ'કવું]

पं अपुं - अ० कि प्रक्रियात होना, मशहूर होना पं कित-स्त्रीं व लकीर स्त्रीं कतार पं भी-नं वस्त्री पु विद्या पं भी-पु वित्रन पु विद्या पं य-वि वाँच; न व्याय करने वाले पाँच आदमी पु व पं यक्षादमी पु व समेद हो ऐसा शुभचिह वाला (वसु) पं यक्षाया-पु व वंच के द्वारा जाँच स्त्रीं व पं यक्षाया-स्त्रीं व प्रक तीर्थ पु व पं यवाया-वि व वाँच रंगोंबाला वि व

बाह ५°थात-स्त्री • पंचायत स्त्री० ५°थासृत-न० एक पेय पु० प्रषाद ५°थायत-स्त्री० भैडली स्त्री० ५°थाण-पुं• छहार पु० ५°थांग-न० पंचांग पत्र पु० वि० पाँच श्रंगोंबाला ५°(थयुं-न० छोटी घोती स्त्री०

भीश्यु-न० छोटी धाती झां० भंजर-न० पालतु पंखी या पशु रखने का पिंजर भंजो-पुं॰ पंजा पु॰ भंऽ-पुं॰ सरीर पु० बदन

५'डित-पुं• विद्वान प्र० आलिम

भ'डे।-धुं • पुरोहित पु • पंडा ५'उथे।-५'० डस्ताद: प्रामगुरु प'ag-y'o बच्चे पढ़ाना जाननेवाला पंथ-पुं कार्ग पु व रास्ता; धर्म प'था. प'थी-पुं ० पथिक पु॰ राहगीर प'थवर-पु'० पहली **वार शादी करने**-वाला पु० पंप-प्रं • पानी खींचने का यंत्र, वाहन में हवा भरने का साधन ५ ५। ११ व - स० कि सहसाना पा-वि० चौथे भाग का वि० बाजु, तरफ પાઉડર--પું**० महीन** चूर्ण पु• પાઉંડ-પું• पौंड पु • पाक्ष-वि•्रु'० परिपक्व वि० पकां हुआ; पवित्र, फसल पाडशास्त्री-स्त्री० रसोई की कडा स्त्री• पाडट-वि० परिवक्व वि० पक्का पाइतुं-अ०५० निपजना पैदा होना पारीट-न० बद्धवा पु० પાક્ષિક–વિ૰ पखवाड़े काः पाचिक श्राख वार पाभाउ-न० डॉग पु० फरेब प्रश्न-स्त्री० नाव की रस्सी स्त्री० पागल-वि॰ पागल, बावला पागा-स्त्री० ब्रस्तवत, लब्दरी घुढेस्वार की दृहदी पाधरी-स्त्री० पग**डी** स्त्री∙

[પાધર

भाधरी भने।-भुं ० पगकी की तरह अधिक लम्बा कम चौढ़ा भायन-न० पाचन पु० हाजमा भायनांक्षभा-स्त्री० पचाने की किया खी० हजम करना भाश-वि० श्रधम वि० पाजी

पाछ-वि० ष्यम वि० पाजी
पाट-पुं० बदा ताम्रपत्र
पाटनगर-न० राजधानी स्त्री०
पाटल-वि० लाल वि० सुर्खं
पाटलाधा-स्त्री० एक गोह स्त्री०
पाटली-स्त्री० वेंच, एक गहना
पाटली-स्त्री० वंच, एक गहना
पाटली-पुं० काष्ठपीठ पु० तहता;
चाँवीकी ईट

भाटी-वि० राज्याधिकारी पु०
भाटी-वि० राज्याधिकारी पु०
भाटीशिख्त-न० श्रंकासित स्त्री
भाटीशिख्त-न० श्रंकासित स्त्री
भाटीशिश-पुं० नमीदार पु०
भाटीवाणा-पुं० मन्तर पु०
भाटी-स्त्री० स्त्रात स्त्री०
भाठ-स्त्री० स्त्रात स्त्री०
भाठ-पुं० बोध पु० श्रभ्यास
भाठेशाणा-स्त्री० विद्यासय पु०, मदर्सा
भाठेशाणा-स्त्री० विद्यासय पु०, मदर्सा
भाठेशाणा-स्त्री० विद्यासय पु०, मदर्सा
भाठेशाणा-स्त्री० पठाना;

भाउ-पुं० उपकार पु० म**लाई** भाउाश-पुं० वेदोस पु० भाउाशी-पुं० वदोसी पु० **પા**ડलु — स० कि० गिरानाः पारु'--त॰ मेंसका नर बच्चा हैं० **भाडे।-भुं• मुहल्ला**, संप्रदाय पा**ध्य-पुं ० हाथ** पु० इस्त पा**ध्यिक्ष्य--**न० विवाह प्० निकाह पाशियारी-स्त्री० पनिहारी स्त्री० पाश्चि**या३'-न० पनिहार प०** पार्थो-न० जल पु० आव; तेज; टेक पार्धीयु -वि॰वरतरफी, पानीसे मरा हवा पाधीधर-वि० तेजस्वी पु० त्राबदार भात-भं० पतन पृ**० गिरावट** भातक-न० पाप प्र भातरं-न० पत्ता पुर **पातण-स्त्री० पत्तल स्त्री० भिन्नापात्र** પાતળ'–વિ૦ पतला વિ૦ भाताण-न० पाताललोक पु० भाताणकृषे।-पुं० गहरा कुँगा पु० पातेली-स्त्री० प**ती**ळी श्री० देगची पात्र-विव योग्य बिव लायकः, नव बर्तन पात्रता-रेजी० योग्यता **खी० लायकी** पा**थर**श्-न० सतर्जी स्त्री० जाजिम पाथरवु -स०५० विद्यानाः भा६-पु'० चरण पु० पैर; कविताका चर पाहर-न॰ गांवका खेडा भाइरी-पुं• ईसाई उपदेशक प्० पादशाद-पुं • सम्राट् पु • बादशाह **પાદ્કા—એ**lo ख**रा**ऊँ स्नी० पाधर-वि० उजाद वि० खुला; राजमार्ग

पाध ३'-वि० सरत्त वि० सीधाः अविलंब **धान-न० पीना, पत्ता** પાનખર-સ્ત્રી∘ पतमह पु० पानद्दान(ती)-स्त्री० ताम्बूल·पात्र पु० पानदान **पानी-स्त्री० पैरका तलुवा पु**० भानु'-न० पत्ता पु०; पृष्ठ भानेतर-न० विवाहके समय कन्याके पहननेका छफेद वस्त्र पुं• भाप-त० कुकर्म पुरु बदकारी पापक्रभीं-वि० पापी, बदकार पापात्मा-पु'० पापी पु० बदकार पाभर-पि॰ कंगाल पु॰ तंग दिल पाभवं-स०क्षि० समझना, प्राप्त करना पाय-पुं पे (पु व कदम पायलभा-पुं० सुधना पु॰ पायजामा पायहण-न० वैदल सेना स्त्री० પાયમાલ-વિ૦ विनाश वि० वर्बाद पायहरत-रेत्री • पार बीकी शव यात्रा स्त्री • पायरा-स्त्री० पद पु० हतवा पायसी-स्त्री० चारसेर अनाजका एक बर्तन पु० पाथे।-पु'० नींव स्त्री • पाया; मे ज∙कुर्सो का पैर पार-पु'० श्रन्त पु० हद; सहारा, किनारा पारकु'-वि० पराया वि० ग्रैर पार w-र्ला० परीचा स्त्री॰ जाँव

भारश्च'-न० पु० पालना पारदर्श क-वि० पारदर्शी वि० पारधी-पुं o व्याच पु o शिकारी પારસમાં -પું વારસ પું **भारांगत-ि० प्रवीण वि० होशियार** पाराय**श्च**न० पठन पु० पारावत-पुं क्योत पु कब्तर भारावार-वि पुब्हल वि० ख्ब पारिते। विक-त० पुरस्कार पु० इनाम पारे**भ**-पुं• वरीक्षक पु० પારા–પું• વારા (ધાતુ) ઉ• पार्थिव-वि० सांसारिक वि० दुनिमाई, नश्वर पाल भेन्ट-स्त्री० इंग्लैस इक्र राजसमा स्री० पार्श्व-विव **बा**ज्जा निव पालक-वि० पालनहार पु०; रक्षक पालभ-स्त्री इमारत बनाते समय बाँधनेके बाँसोंका मंच पु० पासर् -न० पल्डा पु॰ पासन-न० चाचन-पालन पु• पालनद्वार-y' पालन करनेवाला पु• पासव-पुं• साडीका छेडा पासवतु -स० कि वोसना, निमाना પાલવવું –અ૦ક્રિ૦ पोस्नाना

पासी-पु'० माहियों की पंत्तियाँ स्त्री०

पाइसाज; पु॰ अरिन

भावक-वि० पवित्र करनैवाला पु०

[पियर

पांडिय-पुं पागडु पुत्र पुः
पांडिय-नः पंडिताई स्त्रीः
पांत-स्त्रीः पंक्ति स्त्रीः कतार ; द्दार
पांथ-पुं पिष्ठक पुः मुसाकिर
पांडडी-स्त्रीः पर्ण
पांपिधुयुं-नः श्रोस
पांपदुं-विः निर्वत विः कमजोर
पिष्ठ-पुं नर कोयल पुः
पिष्ठिः ननः चौकी स्त्रीः पहरा
पिश्राव्युं-सः हिः पोष्ठलाना

पि॰%-न० पौद्या पु० पिछाध्-(न)०स्त्री• पहिचान स्त्री• जानकारी

पितराध-वि० चाचाकी सन्तानें वि० चवेरे भाई पिता-पुं० बाप पु० अव्या

पितृधात प्र-दि० पिताका हत्यास वि० पितृभूमि-स्त्री० स्वदेश पु० वतन पित्त-त० पित्त पु०

भित्तण-न० पीतल पु०

पित्राध-विं० चाचाके लड़के पु॰ चचेरे

भ**ई**

। पन-स्त्री० श्वालपीन स्त्री० (पपासा-स्त्री० प्याप स्त्री० पिपी सिंध-स्त्री० चिउँटी स्त्री० पिपुडी-स्त्री० बजानेकी एक नली स्त्री० पिप्पड-पुं० पीपल पु०

पियर-न० पीहर पु० मायका

पाव<u>र</u>ं-न० तार खींचने हा श्रीजार पु० पावडी-स्त्री० पाद्रश स्त्री० भावडे।-५ • फावडा पु० પાવતી-સ્ત્રી • (સીંદ્ર ફ્રી • भावन-वि० पवित्र वि० पाक भावरधं-वि० कुशल पु० होशियार : पावली-स्ती० चौ**श्र**न्नी स्त्री० भावस-न० वर्षा ऋत स्त्री०. वर्षा भावे।-प्रं० बड़ी जसी बांसरी पाश्चा-पुं• शासक पु• हाकिम **भाशेर-पुं० एक पव पु०** भाश्चात्य-वि० पश्चिमी वि० मगरिबी પાષાણ-પું ૦ વસ્થર વુ ૦ भास-वि० सफल वि॰ कामयावः भंजूर:

पास-पुं० सोबतकी असर
पासाभेस-पुं० जुआ
पासुं-न० पच पु॰ करवट
पाण-स्त्री० तालाबकी में इ खी॰
पाणवुं-स० कि रक्षण करवा, पोसना
पाणी-स्त्री० बारी, छुरा,
पाणुं-वि० पैदक चलनेवाला वि॰
पांक्षपुं-स० कि श्रिच्झा करना
पांण-स्त्री० पंख पु॰; आश्रम
पागरपुं-स० कि पंच पु॰; आश्रम
पागरपुं-स० पंच पु॰; आश्रम
पागरपुं-स० कि पंच पु॰ अश्रकत
पांस्राकी-स्त्री० दौपदौ खी०

पिरसण्-न० परोसना
पिक्षाध-स्त्री० पेलना पु०
पिक्ष्यं-न० गेंद स्त्री०
पिक्षाय-पु० मृत पु०
पिरतीस-स्त्री० पिरतील स्त्री० तमंचा
पि'लर-न० पित्रता पु०
पिरतीस-स्त्री० पिरतील स्त्री० तमंचा
पि'लर-न० पित्रता पु०
पि'ऊ-पु० गोला पु० शरीर
पि'ऊ-(रे।)-पु॰ गाय में स चरानेवाला
पीभवुं-स०६० निन्दा करना, बदनामी
करना
पीभवुं-स०६० पिचलना
पीछेढऽ-स्त्री० द्वार स्त्री० पीछे इटना
पीछे।-न० पीठ स्त्री०
पीटवुं-स०६० पीटना

पीशण वुं - अ० कि पिवलना
पीछे कि न्स्री० हार स्त्री० पीछे हटना
पीछे। - न० पीठ स्त्री०
पीठे - न० पृष्टिका स्त्री०
पीठे - न० पृष्टिका स्त्री०
पीठे - न० प्रस्त्रकी दकान स्त्री०
पीठे - न० शरावकी दकान स्त्री०
पीठे - न० शरावकी दकान स्त्री०
पीठे - स० कि सताना, तक्रकीफ देना
पीठा - स्त्री० दुःख, तक्रलीफ
पीठ - न० पेय पदार्थ पु०
पीत - वि० पीग वस्र्य पु०
पीत - व० पीना
पीतां पर - न०पीला वस्र्य पु०
पीपे - व० पियक्क पु० शरावी
पीन - वि० पुष्ट वि० मोटा
पीन - वि० पुष्ट वि० मोटा
पीप - न० घातु या काटका नलाकार

पीपरीभूग-न० पीगराम्ल पु०
पीपी-स्त्री॰ फुंट्से बजनेवाली पत्तेकी
नली
पीभगवु'-२५० कि॰ सुगन्ध फैलना
खुशबू फैलाना
पीथूप-न० श्रमृत पु०
पीरे-पुं० सुसलमानीं सा एक पवित्र
आदमी

पीरसलुं-सर्० ६० परोसना
पीराल-वि॰ श्रासमानी वि०
पीसलुं-स्था ६० नियोना; दुख देना
पीसुं-न ॰ सुर्गी श बच्या
पीसो-पुं॰ बदके पास फूटी हुई नई
कोंगल स्त्री॰
पीश्यी-स्त्री॰ श्रेनी स्त्री॰
पीश्यी-स्त्री॰ श्रेनी स्त्री॰
पीसपुं-सर्० ६० पीसना
पीसवुं-सर्० ६० विखेरना
पीभणुं-स्र्री० धुनियेकी पीजनी स्त्री॰;
बात बदानः

भी भुष्-स०६० धुनना भी कारा-पुं० धुनिया पु० भी कारा-पुं० चुटेरा पु० डाक् पुक्त-पुं० पुकार स्त्री० पुफ्त-वि० गंगीर पुग्राउद्यं-स०६० पहुँचाना યુચ્છ]

धुन्थ-- पूँड स्त्री० दुम धुप्थ-वि० पवित्र वि० पाक पवित्र कार्य

पुष्यधान-त० घनेदान पु० पुष्यश्वीक्ष-वि० यशस्त्री पु० पुत्रवधू-स्त्री० पतोह क्षी० पुतर-स० पुनः झ० दुवारा पुतरववीक्ष-त० वापस देखना पुतरावर्तान-त० पुनरागमन पु० वापस

श्राना, दुबारा

पुनरुद्धार-पुं० फिर उद्धार होना पु॰
पुनर्श्व-पुं० फिर उद्धार होना पु॰
पुनर्श्व-पुं० नवीन जनम पु०
पुनर्शिवाड-पुं० पुनर्शेष्ठ पु०
पुनित-वि० पवित्र पु० पाक
पुर-न० नगर पु० शहर
पुर-पत-पुं० राजा पु०
पुर-पड़ार-वि० शोभावान वि०
पुर-पड़ार-वि० साबित वि०
पुर-राजा पु० कहीम;
पुराष्ट्र-वि० प्राचीन पु० कहीम;

१८ पुराग मन्य पु०
पुरात-वि० पुरातन पु० करीम
पुरातत्त्व-त० प्राचीन-सम्बन्धी पु०
पुरातन-वि० प्राचीन पु० पुराना
पुरावी-पु'० साबिती स्त्री०
पुरी-स्त्री० नगरी स्त्री० शहर
पुरुष-पु'० नर पु० मर्द

पुरुषप्थ-पि० सर्वनामका मेद
पुरुष्यथ-पु० परिश्रम पुँ० मेहनत
पुरुष्यथ-पु० परिश्रम पुँ० मेहनत
पुरुष्यभाभी-वि० श्वामेकी वस्तु या श्वाहमी
पुरे।शित-पुं० धर्मगुरु पु० खर्जाका
पुश्व- पु० सेतु पु०
पुश्व- न० रोम पु०
पुश्व- न० रोम पु०
पुश्व- पु० नरीतट पु० दरिया किनारा
पुष्क- न० नीलकमल पु०, पानी
पुष्करिष्ट्री-स्त्री० खोटा तलाव पु० कमला

पुष्डण-वि• अधिक वि० ज्यादा **y**ष्ट-वि० मोटा पुष्टि-न० पोषण पु०; समर्थन पुरुप-न॰ फूल पु॰ गुब ্ પુષ્પવृष्टि–स्त्री० फूलों 🖨 वर्षास्त्री 🏻 पुरुतक-न० पोथी स्त्री० किताब पु'देसर-न∙ किंजल्क पु० y'ov-y'o समूह पुo डेर पु'ऽरीक-न० इवेतकमल पु० पुक्षि'ग-न० नरजाति पु० पूडार-पुं० तिरस्कारकी आवाज स्त्री ० ्र पूग-पुं• समूह पुं• देर पूगवुं-अ० कि पहुँचना **પૂછગાછ–સ્ત્રી• पूछताञ्च स्त्री**• पूछ्व'→स० हि० प्रश्न करना, सवाल पुश्चना

पूछा पूछ-स्त्री**० पृञ्ज**ताञ्च स्त्री० पुरु ६-५'० पूजारी पुर પૂજનીય–વિ૦ પુજ્ય પુ૦ पूर्व्य-सर्वाहर पूजन करना पू**ल-स्त्री∙ स्वासना स्त्री**० पूर्णिर्शी-स्त्री० पुत्रारिन स्त्री० पूर्वारी- ५ ० पुजारी पु॰ भूलय-वि० पूजा योग्य पु॰ बदा बुढ़ा पु6-स्त्री० पीठ स्त्री**॰** पूर्धी, पूरे।-पुं न लोटे की पेंदी स्त्री -मालपुवा पृश्री-स्त्री० हई की पूनी खी० पूत-पुं ० पवित्र पु ० पुत्र, पाक पूतणी-स्त्री॰ पुत्तलिका स्त्री॰ पुतली पूर्त्यु'-न० पुतला पु० पूर्व-न० अनुस्वार पूनभ-रेत्री ० पूर्णिमा स्त्री० प्रभु:-न॰ रुई की छोटी सी पोटली स्त्री० पूर-वि॰न० सम्पूर्ण पु॰ तमाम; पानी का बहाव पूरक-वि॰ पूरा करनेवाला पु॰ पूर्श-वि० पूर्ण; सर्वव्यापी पूरश्रेपाणी-अी० मीठी रोटी भूरतुं-वि० यथावश्यक वि० जकरत के मुताबिक पूरपाट-अ० द्रुतगति श्र०

मन्द

पूरवं -सर्वं मर देना, पूरा करना, अटकायत में रखना प्र- वि• सम्पूर्ण पु• तमाम प्रेप्र-वि० सम्पूर्ध पु० तमाम पृथ् -वि• सम्पूर्ण पु० तमाम, समाप्त पृश्विशम-न० सादी पाई का चिह पुरु पृथ्िद्धति-स्री० यज्ञ की समाप्ति की श्राहृति श्ली० पूर्श्व - युं प्रे श्रंक पु० पृथ्शिंग-न० पूर्ण शरीर पु॰ तशमः पृश्चिमा-स्त्री० पूनम स्त्री० पूर्ति-स्त्री • कमी को पूर्ण करना खी० भूव⁶—वि॰ प्राचीन पु॰ कदीम; पूरव पृव^९असीन-वि॰ प्राचीन पु॰ ऋदीमी पूर्वकरूभ-पुं० गत जन्म पुर पूर्व रात-न० पहले से जानना पु० पूर्वापर-वि० ब्रागा पीछा पु० पूर्वाक्षाप-पु'० प्रस्तावना स्त्री० पूर्वी**प-धु० प्रारंभ का आधा माग** पु∙ पूर्वे - अश्व पहले अश्व पूर्णा-पुं० घास का पूला पुरु प्'भव'-स•िक बोने के लिये दाना ड|लना पुंछडुं-न॰ पूँछ स्त्री० दुम

पूंक-स्री० ;न० अनुस्वार स्त्री॰

पूं अवुं-स० कि जमा करना

િપાસુ

Y 20]

₹ ५

पूं %-स्त्री० धन पु॰ दौलत पुं की-पुं • कचरा पु • कूड़ा-कर्कट भृ**थ** %२ ६५ - ते । त्रालगाव पु० जुदाई पृथिपी-स्त्री० पृथ्वी स्त्री० जमीन <u> ५थ,–वि० विस्तृत पु० चौडा</u> ^{५७6}−न• पेज पु० सफा भेड-वि॰ दत्त पु० होशियार पेगाम-पुं ० सन्देश पु० परेताम पे<-पु'० गुम्फी स्त्री० उस्तमन; कील; पर्तगों के पेंच **भे**જ-स्त्री० चावल की काँजी स्त्री० पेलारी-स्त्री० घर के पीछेका छप्पर पु० पेट-न० सदर पु॰ पेट; आत्रीविका; मन पेटपुर-वि॰ उदरपूर्ति होवे अतना भेटाववु -स०क्वि जलाना **પેટાલાગ-५** ० माग का माग पु० पे<u>८५</u>'-वि० स्वार्थी पु० खुदसरज **पेटे−थ्य० बदले** में ब्र० षेट्रोझ-न० पेट्रोल का तैल पु० पे**डे–अ•** प्रश्रार श्र• तरह **પં**ઠુ(ઢુ)–ન૦ વેક્રુ મુ**૦** भेडु'-न० समूह पु० टोला पे**ढी-स्त्री० दूकान स्त्री० पीढ़ी** पेश-स्त्री० पत्थरपेन **पेधी-**स्त्री० छोटा त**वा** पेश-वि० उत्पन्न पु० पैदा [ै] भेक्षश्र–स्त्री० उत्पादन पु• उपज पेषवु - अ० कि० स्वभाव बनना, आदत पड़ना, घर कर जाना

पेनी–स्त्री∙ इंग्लैंडका सिक्का–पैनी स्त्री**०** पेय-वि० पेय पदार्थ पु० भेर-स्ती • पद्धति स्त्री • रिवास; **सवर** न० ग्रामरूट पेरवी-स्त्री० प्रयस्न पु० कोशिश भेरे।-y'• परिच्छे**द** पु० पेशी-स्त्री**॰ मांस** पिएड पु•; पुट्ठा; मकदमेकी पेती पेसव्'-अ०**५० प्रवेश पु० दाखिल होना** पेसारा-पु'० प्रवेश पु० परिचय पेसे न्थर-स्त्री० यात्री पु**० मुसाफिर,** रेलवे टेईन पे'ग**ु'**-- न० घुइसवार के पैर रखनेकी व.डी स्त्री o भें डे।-५ ० पिंड प० पीजा; दूधपेडा पे'त**रे**।-५'० प्रपंच पु॰ पैंतरा पै,पै'<u>५</u>'-त० चक्र, चाक स्त्री० पैंडी-अ॰ उसमेंका, उसका ^५७५-न० वारसेमें मीला हुआ पैसाधार-वि० धनवान पु० दौतातमन्द પૈસા–પુ• વૈજ્ઞા વૃ૦ पे। र्धस-२५० सीधा कीया हुआ पे।**५-३**भी० हदन पु० रोना पीटना पे।डण-वि० पो**ळा** पु० जुठा पे। **अ.२–५'० पुकार स्त्री० फ़रियाद** ये। भराभ-y'o एक रतन-पुखराज पु• પાેગળ-ન૦ વોત્ત पे थू.-वि० **दरपोक, सदि**यत्तः, कमजोर

યેાટકો]

[પાત્રી

पेरिश-स्त्रीव पोटली खोव गठही पे। । श. – पु' ० एक रासायनिक पदार्थ पु० પાેટીસ-સ્ત્રી • વૃજ્ટિલ पे। टे। - प्रं • चकवे का बच्चा प्रः चिराग का गोला पे.८-२० कारवां पे।िंधे।-पुं० शंकर का बैल नंदी पे_।ढ्य-न० शयन पु० सोना पे।ढवु - अ० हि० शयन करना; सोना **पे**। (श्रिये। – वि०प्तु'० श्रौरत के स्वमाव मर्द पे≀त-न० श्रपना सही रूप पु**०** પાતડી-સ્ત્રી० घोती स्त्री० **पे**।तहार-पुं० कोषाध्यत्त पु० खजानची भातभाते- भ० हरेक अ० प्रत्येक પાતાપણું –ન૦ કાઢુંમાવ વુ૰ ઘવંહ; व्यक्तित्व भे।थी-स्त्री० पुस्तक **झी० कि**ताब **पे**। प- १० पुंठ फुनगी स्त्री० रोमन कैथोः लिक संप्रदाय का धर्मगुरु पे। **पञ्-न० आंख की पत्तक स्त्री०** યાપેટાં–પું વના पे।पक्षित-त० एक जातका कपड़ा पे।पक्ष - वि० पोचा पु० सहियत्त **प्यारा** पेष्पार-पुं• लाभ पु॰ पोबारह

પાેબારામણવા-પું• મામ जाના

भे_।यश्च-त० कमलकी बेल पु०

भे।२-- अ० गये या प्रानेवाळे वर्षमें ग्रः० भे।स-स्त्री• पोत्तपट्टी स्त्री• પાલક'-ન૦ ચોਲી છી• પાેલાણ-ન૦ થોથાવન ૧૦ પાલાદ—ન**ં फૌ**লાદ પ્ર• પાલાર–ન૦ જ્રિદ્ર પુ૦ જ્રેદ भेशिस-पुं• पुलिस पु•, सिपाही પાલીસપટેલ – પુંગ્ ग्राम प्रति पुग्गांक का अगुजा પાલું – વિ વો સા વ ગોથા **भे**।व'-स० क्वि० पीरोना पेश्शिक-पुं० वस्रधारण पु० पहनावा . भेशिशाशीर-पुं० मल्ल पु० पहलवान 🕫 पे।ष–पु'o पड़-महीना पुo पे।षड--वि० पोषण करनेवाला पु० <u> ऐ।ष्ण्-त० पात्तन-वोष्ण पु०</u> पे।स-पु' दीवालीका पुरस्कार पु**०** પાસાલું-અ૦ક્રિ૦ વોલાના ૧૦ પાેસ્ટ–સ્ત્રી૦ હાલ સ્ત્રી૦ पेरिटे भे दिस-स्त्री • डाव खाना पुर डा ऋघर पे**७-**५'० बढ़ीफजर पे।ण-स्त्री० पु**० दरवाजा, फाटक**, गल्डी पेis-y'o दरा अनाज પૌત્ર-પું વોતા પુર पै।त्री-स्त्री० **पोती** स्त्री०

भीर]

भौर-वि०५'० नागरिक पु० शहरी भौराशिक-वि० पुराग्रा-सम्बन्धी वि० पौष्टिक-वि॰ पृष्टिकारक वि॰ ध्याभ-न० च्याज पु० ध्यार-धुं ० स्तेह पु • सुद्दब्दत **ेथाक्षी-स्त्री** बोटा प्यासा पु० ध्यास-स्त्री० वियासा स्त्री० , प्यास **১৮১–বি০ स्पष्ट वि० खुला** এঃ/১৫-বি০ प्रकाशित वि० चाहिर अधरख-न० प्रसंग पुंच विभाग अधार-धुं व मेद पु व तरह प्रकृश्य-पु'० उत्राता पु०रोशनी, प्रसिद्धि प्रकाशक पुरु अधाशभान-वि० उउँवत पु० चमकीता प्रधाशित-वि०इँउज्ज्वल वि• चमकदार, छपा हुआ अशिश् -वि० फुरकर वि० . प्रकृति-स्त्री० स्वमाव पु**० श्रादत** ;

कुदरत ं प्रहे।प-प्रं० कोध पु० गुस्सा પ્રક્ષાલન-ન૦ ધોના પુ૦ अक्षेप-पु'० फॅकना पु० अभर-वि॰ उग्र वि॰ अप्यात-वि॰ प्रसिद्ध वि॰ मशहूर अगटव - अ०६० प्रकट होना अगति-स्त्री० विकास पु० तरक्की अर्थाक्षत-वि॰ चालू वि० अय ५-विट भगेहर वि० खीफनाक प्रयार-पु'० फैलाव पु०; हृद्धि प्रयारक-पुं व प्रचार करनेवाला पु॰ **પ્ર**ચ્छाद्दन--- श्राच्छादन पु० डक्कन प्रक्रवाणव्-सः क्रिं प्रज्वलित करना, रोशन करना प्रका-स्त्री • जनता स्त्री^न रैयत, संत्रति प्रजापति-पुं व ब्रह्मा पुर राजा प्रशासत्ताड-वि॰ प्रजा की सत्ता से चलनेवाला

प्रकीत्पत्ति-स्त्री० सन्तानीत्पादन पु० प्रश-पु'० श्वानी पु० दानिशमन्द प्रग्रा-स्री० बुद्धि स्री० श्र∓ल પ્રજવલમાન-વિ૦ प्रकाशवान रोशन

प्रशसन-न॰ प्रणाम पु० बन्दगी प्रश्य-पु'० प्रेम पु० मुहस्बत प्रशास-पुं नमस्कार पु० बन्दगी प्रशासिक्षा–स्त्री० पद्धति स्त्री० **रि**वाज प्रज्ञेता-पुं ० रचयिता पु० प्रत-स्थे प्रस्थ की नंकल स्थी प्रताप-पु.० प्रभाव पु० असर; तेज; रवाब

प्रति−स्त्रो० **तरफ** प्रतिष्ठित्तर-पुं० प्रत्युत्तर पु० जवाब ম্বিধুগ-বি॰ विरुद्ध पु॰ खिलाफ प्रतिकृति–स्त्री० चित्र पु० तस्वीर;

স্রিঞ্জ—অত সংবৈদ্ধ থক্ত স্থত

પ્રતિગ્રહ]

अतिश्र&-पु'० स्वीकार पु० दान लेना अतिधे। १५ प्रतिध्वनि स्त्री० प्रतिहा।–स्त्री० प्रण पु० प्रतिहित-था प्रत्येकदिन पु० हर रोज प्रतिष्वनि-पुं प्रतिघोष पु० अतिनिधि-५'० स्थानापन्न व्यक्ति पु० अतिपक्ष-पुं० शत्र पु॰ दुश्मन; सामने का पत्त अति १६-२३० प्रतिपदा स्त्री० अतिपासन-स्त्री० भरण पोषण पु० लालन-पालन মনি**হ**ধ(গ)–্যু'০ সম্মুণকাर पु॰ **ब**दला मीलना अतिष'ध-५'० विध्न, रोक अति(भ'भ-न० परञ्जाई स्त्री० प्रतिछाया अतिका-स्त्री० वित्रक्षण बुद्धि स्त्री• तेज अतिभा–स्त्री• मूर्ति **स्त्री**• बुत अतिवर्ष--अ० प्रत्येक वर्ष पु० हरसात अतिष्डा-स्त्री० सम्मान पु० इज्जत अनिरपर्धा-स्त्री० होइ स्त्री० वाजी अति(ती)क्षार-पुं• द्वारपाल पु॰ दरबान भतीक्ष्य-न• चिह्न पु० नि**शान;** प्रतिमा अतीक्षा-ञ्री० राह स्त्री॰ इन्तजार **अतीयी-स्त्री० पश्चिम दिशा स्त्री०** मगरिब अत्यक्ष-वि० स्पष्ट वि० हुबहू अत्याभभन-न० पुनरागमन पु॰ अत्यत्तर-पु'० उत्तर का उत्तर पु०

जवाब का जवाब अरथे--अ० श्रीर अ• तरफ प्रत्येक-वि• हरेक **પ્રથમ–**वि० पहला प्रथा-स्त्री० रीति स्त्री० रिवाज प्रदक्षिणा-स्त्री० चारोंग्रोर चक्टर लगाना छी० प्रदर्शक-वि० दिखानेवाला पु० प्रश्रित-पि॰ दिखाई हुई स्त्री॰ प्रदीप-पुं० दीपक पु० चिराग प्रधीरत-वि० प्रकाशित पु० जलता हुआ प्रहेश-पुं० देश पु० मुल्क प्रदेश-पु'० सार्यकाल पु० साँभ प्रधान-विव्धु'व मुख्य पुव स्त्रास ; **वजीर** प्रप'य-पु'० बलकपट पु० जालसाजी ; बखेडा પ્રપ'থী-বি০ ৰণ্টী पু০ जासमाज प्र**पात-पुं० पानीका घो**घ प्रपूर्श्य-वि• प्रसन्न पु० खुश ; खिला हुश्रा प्रथ्य — वि॰ वलवान पु॰ ताक्ततमन्द प्रथाध-भुं० वन्दोश्स्त पु० इन्तजाम

પ્ર**બુદ્ધ—বি০ জা**त्रत पु**०** ; ज्ञानी

प्रभा-स्त्री • कान्ति स्त्री • नूर

प्रकात–न० प्रातः हाल पुँ• फबर

પ્રખેહ-पु'० उपदेश पु० जागृति, ज्ञान

પ્રભુ]

प्रलु-पु'० स्वामी पु० मालिकः परमातमा
प्रलुत्य-त० स्वामित्व पु० मालिकी
प्रलेह-पु'० पु० फरकः
प्रभथतुं-स०४० मंधन करना
प्रभह-पु'० हर्ष पु० खुशौ
प्रभहा-स्त्री० युवतौ स्त्री० जवान श्रौरत
प्रभाध्-त० प्रमास पु० सबूत
प्रभाष्ट्रस्त-वि० प्रामासिक वि०

विश्वासपात्र अभाष्युसर-चि॰ मापसे वि० अभाष्यु-२५० रीतिसे ऋ॰ तरहसे अभार- पुं० झालस्य पु० गफ़लत अभार्क्य-न॰ परिमार्जन पु० साफ

क्रना

अभुभ-पुं० प्रधान पु० खास; समापति
अभेह-पुं० झानन्द पु० खशी
अयत्त-पुं० यत्न पु० खशी
अयत्त-पुं० यत्न पु० क्रिश
अयास-पुं० चेष्टा स्त्री॰ कोशिश
अयुक्त-वि० प्रयोजित
अयुत-वि० दस्कास वि०
अयेश-पुं० खेखक पु०; प्रेरक
अयेश-पुं० खेखक पु०; प्रेरक
अयेश्त-व० वहेश्य पु० सबस
अयेश्वित-वि० झायोजित वि०
अयेश्वित-व० वहेस्य पु० सबस
अयेश्वित-वि० झायोजित वि०
अये-व० वृद्धि पाया हुम्रा वि०
अयेह-पुं० फुनगी ज्ञी०
असय-पुं० विनाश पु० क्रयामत

प्रकाप-पु'० हदन पु० रोना प्रदेशिका वि० ल्लामानेवाला पु० लल वानेवाला प्रवर्ता वुं-अ० क्वि प्रवर्तन करना, फैलाना प्रवास÷पु• यात्रा काल पु• मुसाफिरी प्रवाद-पुं • बहाव पु • अवादित-वि॰ बहता हुआ वि० अवाडी-वि० तरल वि० प्रवीख्-वि० कुशन पु० होशियार **भृष्टत्त-वि॰ दत्त्वित्त पु० मश्गुल** प्रश्री० उद्योग, इलचल अष्टक-वि० वर्द्धित पु॰ बढ़ा हुआ प्रवेश-पु'• भीतर जाना पु० दाखिलः प्रवेशदार-न० द्वार पु० दरवाजा प्रशस्य-वि• प्रशंसनीय प्रश'संड-रि० प्रशंसा करनेवाला पुरु प्रश'सा-रश्ली० तारीफ प्रश्नात-वि० घेरीबान पु॰ प्रश्न-पुंज्नव सवाल पुव प्रश्नविराभ-त० प्रश्नवाचक चिह्न पुरु प्रसन-(ব০ মানন্दी पु० खुश; सन्तुष्ट प्रसर-धु • प्रसार पुर्व फैलाब प्रसद-पु'• इन्म हौना पु०

प्रस'ग-पुं • अवसर पु॰ मौका

असंगवशात्-अ० प्रसंगवश पु० मौक्रोसे

प्रसाह-पुं ० कृपा स्त्री० मेहरबानी; पूजा-

वाप्रसाद

[प्रेक्षङ

असार-पुं विस्तार पु केताव असिद्ध-विव विख्यात पु क्याहर असुति-स्त्रीव जनन किया स्त्रीव अरतार-पुं विस्तार पु केलाव अरताय-पुं वारंस पु सुस्मात; दरख्वास्त

अरतुत-वि॰ उपस्थित पु॰ हाजिर अरथान-न॰ प्रयास पु॰ मार्ग अरवेह-पु॰ स्वेद पु॰ गसीना अहर-पु॰ पहरका समय पु॰ अहरथ्य-न॰ प्रहार करना पु॰ चोट पहुँचाना

अ६सन-न॰ हाम्य प्रधान नाटक पु॰ अ६१२-५'॰ फटका पु॰ चोट आहृत-वि॰ प्रकृतिजन्य पु॰ असली; एक प्राचीन भाषा

प्राथी-स्त्री॰ पूर्व दिशा ख्रौ॰
प्राथी-वि॰ पुराना पु॰ कदौम
प्राय-वि॰ बुद्धिशाली पु॰ अक्लमन्द
प्राथ्-पुं॰ जीव पु॰ जीवनशक्कि
प्राध्यायाम-पुं॰ एक धौगिक कियाप्राणायाम पु॰

आधार्र धु-त० जीवन निष्ठार पु० आधार्त-पु॰ चृत्यु स्त्री० मौत आतः इर्ग-त० प्रातः कालीन नित्यकर्म पु०

आतः स्नान-न० प्रातःकालका स्नान पु॰

भायभिक्ष-वि॰ प्रारंभिक वि॰ शुरू हा
भादेशिक्ष-वि॰ प्रदेशकः पु॰
भाषान्य-व॰ प्रधानता स्त्री॰ खासियत
भाषत-वि॰ मिला हुआ वि॰
भाषि-स्त्री॰ लाम पु॰ फायदा
भाष्यस्य-व॰ प्रबलता स्त्री॰ जोर
भाषाश्चिक्ष-वि॰ प्रमासमूत वि॰ सःबा

श्चिमानदार प्राथित-न० पाप निवारगाके लिए परचाताप पु०

प्रारंभ-ति० भाग्य पु० नसीब प्रारंभ-पु'० आरंभ पुं० शुहस्रात प्रारंभा-स्त्री• विनय स्त्रां• स्र्जं, ईश्वर स्तुति

आवीष्य-न॰ प्रवीणता स्त्री॰ होशियारी आस-पुं॰ भाला पु॰ नेजा आसंगिड-वि॰ प्रसंगातमक वि॰ मौकेका, कभी कभी

भासाह-पुं॰ राजभवन पु॰ महरू भारताविक्ठ-वि॰ प्रावेशिक वि॰ शुरूका भात-पुं॰ प्रदेश पु॰ सुबा भांतीय-वि॰ प्रांत-सम्बन्धी वि॰ भिय-वि॰न०पुं॰ मनपसन्द वि॰ प्यारा,

क्*ल्या*ण

प्रीष्ठ-स्त्री॰ पहिचान स्त्री॰ प्रीत-स्त्री॰ प्रीति स्त्री॰ मुद्द्यत प्रीभीयभ-न॰ बीमाकी किरत स्त्री॰ प्रेक्षक-पुं॰ दशक पु॰ प्रेत-न० भूत पु० जिन, शव
प्रेतलू(भ-स्त्री० श्वशान पु०
प्रेभ-पु'० प्यार पु० मुहब्बत
प्रेभस(ण)-वि० प्रेमी पु० मुहब्बती
प्रेरक-वि० प्रेरणाजन्य वि० जोशीला
प्रेरणा-स्त्री० प्रोत्साहन पु० जोश
प्रेषणा-स्त्री० प्रोत्साहन पु० जोश
प्रेषणा-स्त्री० प्रेतना पु०
प्रेस-न० मुद्रणालय पु० खापखाना;
जन-छईकी गांठ बांधने की

प्रेशिश्वास-निष्णुं ॰ कायैकम पु॰
प्रेशित्साइंड-वि॰ प्रेरक पु॰ जोशीला
प्रेशित-वि॰ विदेशगत पु॰
प्रेरि-वि॰ पौढ़ा पु॰; गंभीर
प्रेश्वांग-पुं॰ बन्दर पु॰
प्रेशित-वि॰ तर वि॰ शराबोर
प्रशास्त्र-नि॰ तर वि॰ शराबोर

मशीन

६६त-अ० केवत अ० फक्त ६६६'--वि० अपव्यशी पु॰ उदास ६४१२-पुं॰ मुस्टिम वैरागी पु० ६४४--वि॰ सुन्दर पु॰ ख्रसूरत,स्वच्छंदी ६गवपुं-स०४० वंचना स्रना, ठगना, फॅक्ना

भ्गवु'--अ०६० कइकर मुकर जाना भ्गे८वु'-सर्वि० फेंक देना भुज्य-वि०स्थी० मेहरबानी, मुसी, ग्राबादी

६केत-वि० कुनाम वि० बदनाम ६८ ५-२ श्री० भय पुं० खौफ **६८**५९°−थ्य०क्षि० खिसकना, उदजाना **६८**क्षरवुं-२० कि० पीटना **६८**६४ – वि०न० एक मात्र द्वार पु० जल्डी फूट न जाय श्रेसा **६८४।−५ं० हानि स्नी० नु**कसान लाठीका प्रहार **६८।** िधे।−५°० फटाका पु० ६८।ऽवु'-स०क्षि० बहकाना, अपनी तरफ फोइना **१८।७−न० खराब गीत पु• ६८।६८-२५० शीव्रंतासे झ० तेजीसे** . **६८।पार-वि० तद्दन ख**रला ६५-न० बाजार पु०; भाना **६**ऽथी-पुं निकाल पु० **६**ऽहु'-न० हर्ज स्त्री० श्रवरोध ६३६६९'-अ० कि० को ववश वाणी स्तीव गुस्सेमें बकना **१ऽ।४ी-२०० मि**ण्या गप स्त्री० शेखी **ક્**'ડયા-પુ'० अनाज बेचनेबाला पु०; शराब र धानेवाला **५७,५**२—धुं० सर्प पु० सांप **६७।–**⇔ी० सर्पका फन पु० इस्री-पुं वां गपo **ક**तवाणेत-वि० डोंगा पु० फरेबी

६तवे।-पुं• ढोग पु॰ फतवा

६नेड]

[१।ऽ

६२६रिथु'--त० काग्रज पु• ६२भात--त० श्राज्ञापत्र पु• हुक्मनामा ६२भावयु'--स०क्षि० श्राज्ञा देना, हुक्म देना

६२भे-५५'० नमूना पु० ६२स-स्त्री० तस्ती ६२'६'-वि० योग्य पु० क्वाबिल ६२ागत-स्त्री० फुरसत ६२ाग-न० फलाहार ६२गा-न० फलाहार ६२गा-५०स्त्री० घोखा पु० दगा ६२प-५०स्त्री० घोखा पु० दगा ६२प-वि० अनुभवी पु० तलुकेंकार; पक्टा हुआ; मिजाजी ६ग-वि० परिणाम पु० नतीजा; लाम ६व५-न० आकाश; आसमान, स्वर्ग

६स'ग-स्त्री० छतांग स्त्री०

६क्षाख्ं−वि० श्रमुक्त वि० फलां **६**क्षित–वि० उपजा हुआ वि० पैदा ६९५-वि०५ ० सन्दर ५० खुबसूरतः पु० बसंत ऋतु ६६५ - वि० शुद्ध वि० खालिस; चौडा **इस-स्त्री० नस स्त्री∞ रग, पराजय ६स**डवुं-अ०क्वि० छूट भागना, ना-हिम्मत होना **६सલ-**स्त्री० ऋतु स्त्री० मौसम; फ्रस**क ६**सपु'-थ•ि फ़ँसना **≱**ण्रूप–वि० अच्छी जभीन **६**णाઉ–वि० फलदायक पु० ६णिथु°—न० मुइल्हा पु० **५णी-स्त्री० फली स्त्री∙ लकड़ी** ક્'ગાળવુ'-સ૰કિં૦ फॅकना **६**८।थु'--न० डाक्रगीरी ६'६-५'० जाल पु॰ फंदा; दुव्येवन **३**।५-स्त्री० राख स्त्री० खाक **६**।३।-५'० श्रभाव पु० तंगी **३**। है। - ५'० मुट्ठी भर खाना **५।**थर-स्त्री• लकड़ी की चिटकनी स्त्री• श्रवरोध ध्राप्रस-वि० फिज्त बचा हुत्रा, **६**।८–स्त्री० फटन स्त्री० चीरा, गर्व **६८**५-५'० प्रवेशद्वार पु० दरवाजा **६।८**६ू८−स्त्री० फूट पदना, त्रानवन **६**।५-२३१० दराङ स्त्री० चीरा

ફાનસ]

श्वास-न० दीपक पु० चिराग
श्वास-व० नाशवान वि०
श्वास-स्त्री० स्मरण पु० याद
श्वास-देति स्मरण पु० फायदा
श्वारक, ग-वि० मुक्क पु० फारिक
श्वारभती-स्त्री० मुक्कि स्त्री० छुटकारा
श्वारस-न० स्नानन्द पु० मजा
श्वास-पु० स्नाज की पैदाबार
श्वास-व० व्यर्थ पु० फिज्जुल

हाना ≹ाण-रेशी• फलांग स्त्री० छत्तांग; घब-सहट

६।िण्युं—नं साफा पु०
६।णा—पुं० भाग पु० हिस्सा
६।६-स्त्री० दराब स्त्री० चीरा
६।६५ं—िव० रसिक पु० सुन्दर
६।६ं—नं ककीर स्त्री० द्विह
६।६ं—पुं० अभिमान पु० घमंड
६।२ं—व० टेढ़ी श्रांखवाला पुं०
६।२ं—पुं० लम्बा टांका पु० पद्ध
६।२ं—पुं० लाखा स्त्री०
६।१०-पुं० तांद स्त्री०
६।१०-पुं० काल पु० फंदा
६।६1-नं० मिथ्या प्रयस्न पु० वेकार
कोशिश

ક્सिवु'-सर्वाक्ठ० फांव डाजना शंसियुं-विव कपटी पुर फरेबी ¥ांसी-स्त्री० गढा∙रोंघ स्त्री० फांसी ६सिं-अ०वि•फोक्ट अ० मुझ्त, कपटी ६सिं-भुं ० रस्सी का फांस पु० ६६२०२३० चिन्ता स्त्री० फिक [६३५-वि० निस्तेज पुर फीका **६८**३।र-५ं० चिक्कार पु• ल्यानत **६८६८-३**० धिक् धिक् अ० धिक्कार **६**तूर-न० डोंग पु० फ़ित्र, दंगा **६६वी-५'० चाहर पु० खिदमतगार ६६।--वि॰ सुरध प्रक्रिदा ફि**रेકे।-धु'० दल पु**०** फ़िरका, श्रेक राष्ट्रकी प्रजा **६२६।स-**२०० स्वर्ग पु० बहिश्त **६२२ते।-धुं० देवदूत पु० फरिश्ता ६िशीयारी-स्त्री**० बढ़ाई स्त्री**० शे**खी **६िसाह—स्त्री** • भगवा पु० फिसाद थी-स्त्री • पारिश्रमिक पु० मेहनताना;फीख प्रीक्षश्च-रूबी० मन्दी खी• फीकापन प्रीत–रेश्री० फीता स्त्री० पीरधी-स्त्रीo फिबकी स्त्रीo પ્રીસુ'-- વિ० ढीला पु**० फीका** प्रीह्यु*-स०क्षि० अस्तव्यस्त **करना** पु**३के।-पुं०** फुलका पु० पुरक्ष-वि० फुटकर वि० बेकार प्रकृतारी-पु**ं** फुंकार पुंठ जोश **का** गुस्या

પૂરસદ]

पुरसह—स्त्री० फुरसत पुक्षारा-पुं• बबाई स्त्री० शेखी पुक्षेत्रं-न• वरघोद्या पु• फन्त्रारा पुवारा-पुं• फुहारा पु• फन्त्रारा पु•गराववु•-स०क्षि• बहकाना कूम-स्त्री• खुब कूट-स्त्री• कत्तद, फूट स्त्री• कूटपुं-न्थ०क्षि• उगना; ट्ट जाना; दगा देना

६ूट।६ूट-स्त्री० वैरभाव पु० दुइमनी ६ूटऽी-स्त्री० चककर में घूमना पु० फूड श्रेक चिन्द

र्ष्ट्र —न० पर्तिमा पु० परवाना रूमे दुं (पुं) —न० कलगी स्त्री० तुर्रा रूति —स्त्री० स्फूर्ति स्त्री० फुर्ती रूसथ् ७ —वि० मित्राजी टट्ट्र वि० रूसयुं — अ०ि० दर्षित होना खरा होना; खिलना; शेखी मारना

भ्वा मारना
भ्वा – वि० फूहद स्त्री वेशस्य
भूसियुं – वि० हलका वि० निर्मालय
हैश्य – युं ० सराबी स्त्री० शिक्षा
हैश्य – युं ० सराबी स्त्री० शिक्षा
हैश्य – युं ० साम यु० फेन
हैश्यी – श्री० एक रोग यु०
हैर – युं ० श्रीटा यु० चक्कर, तकावत
हैरश्य – युं ० परिवर्त्तन यु० रहोबदस्स
हैरावा – युं ० सीडा यु० चक्कर
हैरिया – युं ० फेरीबाला यु०

`हेरी-स्त्री० **बाँटा** पु, चक्कर ; समय, कोई चीज बेचनेके लिबे घूमना **ફेલ-**५ं० ढोंग ५० फितुर **हेक्षाय-पु'० विस्तार पु० फैलाव** हेसले।-पुं ० निवटारा पु ० फैस**ला ; श्रंत** हेरते। - पुं० बदनामी, फाजीति हैं डवुं-स॰डि॰ फॅकना ; गप मारना **३'६९'-स०**क्वि० बिखे(ना, फैलाना है। ५-२३० बुद्धा छी । पूफी है। इ.हे। भेर-वि० बेकार पु० रह, मुझत **ફे।જ–**स्त्री•सेना स्त्री० फौज डेाऽ-५';स्त्री० तोदना ; निकाल **ફे**।तरी-अी० पपड़ा स्त्री• हे<u>।६</u>-वि० पोचा पु॰ सदियत हे।पु'-त• योथा फूला हुआ पु**० यशक्र** मोटा मानबी ફे।भ−अी• स्मृति स्नी**॰ याद** है।र–स्त्री० **सुगःध स्त्री∙** खुशब् ; **ऋ।वह** है।रन-अ० शीघ्र अ० जल्द है।३'--वि० इलका पुं॰ कमनजन ;चालाक हे।शी--वि० ढीला पु• ફેાસલાલું–અ•ક્રિ૦ે ઠગન્નાના

(अ)

अड-पुं• बगुला पु०

अडध्यान-न० बगुलामक्ति स्नौ०, मूठा

फित्रर

अडथ्यान- के सरपची , स्नौ• बक्रबाद

ફાેસલાવવું –સ૦ક્રિ૦ फુલ્નलाना, ઠगના

भक्षवाद-पुं० पु० बक्षवाद
भक्षत-वि० बचत स्त्री०, बक्षाया
भक्षरी-स्त्री० वसन स्त्री०
भक्षत-पुं० कुँजड़ा पु०; बनिया
भक्षत-पः मौलश्रीका पौधा पु०
भक्षत-पः चौंचाट पु०
भक्षतुं-स०क्षि० सेंट करना बुख्शीश

भभतर-न० लौह-वल पु० बहतर भभिषे।-पुं० सिलाई स्त्री० भभीक्ष-वि० मूँजी पु० कंजूस, कंगाल भभेडा-पुं० टंटा पु० बखेहा भभोक्ष-स्त्री० पुंचेह या पर्वतका पोला भाग

भभः पु'--भ०क्षि० विगदना, खराबहोना भभद्दी--पु'० कचरा पु० कूडा कर्कट भभक्षभत-पु'० वगुलामक पु॰ झुठा फरेबी

भ**याव**-५'० संरत्त्रण पु॰

भयी(य्यी)-स्त्री० चुम्बन पु॰
भय्यु'-नः बातक
भव्य-पुं॰स्त्री० तम्बाकू स्त्री०
भव्य-पुं॰स्त्री० तम्बाकू स्त्री०
भव्य-पुं॰ इनुमानजी
भव्य-पुं॰ इनुमानजी
भव्य-पुं॰ हुक्म इलामें स्त्राना
ध्यव्य-प्य॰क्षि॰ हुक्म इलामें स्त्राना
ध्यव्य-पुं॰ कपहेका व्यापारी पु॰
बन्नान

पजार-पुं० हाट स्त्री० बाजार ५५ माधारमा वि० बाजारू . ખટ–વિ૦ ठोस वि० भटक्षेशें - वि॰ हँसोब पु॰ दिल्लगीबाज **५८५९'-२५०**४० दूर जाना भटडी-स्त्री० नौक्रानी, ठिंगनी स्त्री० **५८५'-न०** टुकड़ा, स्त्री० काटखाना **थटाઉ-वि० श्रपन्ययी पु० फ़िज्**लखर्ची **শ্**ত্ৰ-মু'০ शিগ্ৰ দু০ ৰহৰা भट्टी-पुं • कलंक पु • तोइमत थाउ-वि० बदा पुर भडेहा-y'o बखेडिया पुँo श्रहगेबाज **पडाઇ-**स्त्री॰ बड़ाई स्त्री० शेखी **थ6ती-स्त्री० वृद्धि स्त्री• तर**क्की **पश्युं-न० जनश्रुति स्त्री० श्र**फवाह भताऽवुं-स**ेऽ० दिसा**ना स० कि० भत्ती-स्त्री॰ **दीपक पु॰ चिर**ाग **५६–वि० हीन पु० खराब थह्ये।४-३३० निन्दा स्त्री॰ बदनामी**

વ્યદદાનત]

ध्यद्दानत—स्त्री० पु० बेईमानी
ध्यद्दुःश्या–स्त्री० क्षमिशाप पु०
ध्यद्ग्या–स्त्री० कुनाम पु०
ध्यद्ग-न० शरीर पु० जिस्म
ध्यद्ग्ये:-स्त्री० दुर्गन्ध झी० बदब्
ध्यद्ग्यारी-स्त्री० नीचता झी० लुच्चापन
ध्यद्भुं-स०४० परिवर्तन करना स०

किंठ रहोबदल करना
प्रदेश-पुं० विनिमय पु० बदला
प्रदेश-पुं० विनिमय पु० बदला
प्रदी-स्त्री० छौ० बदी
प्रिय-पि० बहरा पु०
प्रधुं-पि० समस्त वि० तमाम
प्रनत-स्त्री० स्नेह पु० मेलजोल
प्रनाय-पुं० प्रसंग पु० मौका;
मेलजोल

भनावर—स्त्री० रचना स्त्री० मशकरी
भनावरी—वि० नकली वि०
भपेर-पुं० मध्याह पु० दुपहर
भण्यक-वि० मूर्ल पु० ने सकल
भभाष्-वि० वि० दुगना
भर-पुं० नकीस, जात, माल;
भरकत—स्त्री० वृद्धि स्त्री० वरकत, लाम
भरभारत—वि० पदच्युत पु० वरस्वास्त
भरधी—स्त्री० एक हथियार
भरकोरी—स्त्री० वलात् पु० जवरदस्ती
भरऊ-वि० कच्चा वि० नाजुक
भरतेरा—पुं० पीठ,

थरहाश(स)-स्त्री० सार-संभात पु**०** देखभात स्त्री० भरभार-वि० व्यर्थ वि० वेकार भरा<u>ड-</u>स्त्री० चिल्लाना स्त्री० **भराभर-वि॰ ठीक वि॰** वाजिब. थर्था २-त० मूर्खे, असंस्कारी प्रस(ज)-न० शक्ति स्त्री० ताकंत **पक्षगम**–५'० इफ था स्त्री० विश्वति स्त्री० श्राफत, भूत **এলা(এ) হোর – মৃতি ছলার্ মৃত ভার্যন બલિ(િળ)-પુંoૈ્बलि देना स्रो**० **प**क्षिष्ठ-।व॰ शक्तिवान पुँ० ताकतमन्द भक्षिद्वारी-स्त्री० न्यौद्यावर पु निशार, खुबी थ्यवासीर-न॰ मस्या पु० बवासीरका रोग ५२-२००२ श्री० इत्यत्तम् भ० वस् एकः वाहन **प्रदेशवर्षु -सर्वाहर बहलाना सर्वाहर** राजी करना **थ**ढाहुर-वि॰ शूर ु० हिम्मती 'महातु'-न० बहाना पुँ० ખહાર-અં,પુંં,સ્ત્રી शोभा स्त्री॰ मजा, बाहर, एक राग **प्रदारविधा-पुं • ल्रेटरा पु • डाकू प्रदास-वि॰ कायम पु० प्रसन्त** पहिरू अत बाहर

थढ़ी

प्पष्ड-वि॰थ० बहुत श्र० ख्र पष्डुभत-धुं० श्रधिकता (बोटमें) वि० प्पष्डुं के न्स्री॰ सुगन्ध स्त्री॰ खुशबू प्पष्डुं के न्युं न्युं कि बहुकता प्पष्डुं तर-वि० सुन्दरतर वि॰ बेहतर प्पष्डे तर-शि० बिषरता स्त्री॰ बहुरापन प्पष्डे तुं-वि० विष्तृत, बड़ा प्पणतरा-स्त्री॰ जलन स्त्री प्रणिहिया-धुं॰ मूर्ख पु० बेश्रवन्त. बलद,

प्पणवुं—व्या०क्षि० जवाना अश्वकि० ईर्षा करना

प्यणवे।-पुं ० विद्रोह पु० बलवा
प्यणापे।-पुं० सन्ताप पु० खेह
प्यणियुं-वि० शक्तिवान पु० ताक्ततमन्द
प्रणियेस-वि० श्रिष्ठांखोर
प्रण्य-पुं०वि० तर्क खी० नमूना, निर्लेख प्रंथ-प० विद्रोह पु० बलवा प्रंथ-वि० श्रिष्ठां खी० श्रक्षे प्रंटरी-स्त्री० प्रार्थना खी० श्रक्षे प्रंटी-पुं०स्त्रो० कारावासी पु० केरी,

भं दीभातुं-न० बन्दीगृह पु॰ क्रेंदखाना भंदि-भुं॰ सेवक पु॰ बन्दा भंदी भरत-भुं॰ प्रवन्ध पु॰ बन्दोबस्त भंध-पि॰ वंद भंध-भुं॰ बांघना, बंधन, प्रतिबन्ध भंध-न० बन्धन पु॰ रोक भंधेसेसुं-पि॰ क्चिकर पु॰ सुआफिक

थ धेवे।-पु'० बन्धु पु • बिरादर प'धारश्-नः रचना स्त्रीः बनावट. धाराधोरण, श्रादत भ धियार-विव वायु और प्रकाश विहीन अधेर घर, पानी जो बहता नहीं है प'धु-पु'o माई पु॰ विरादर थ'थ-वि॰ बद्दाः मोटा प'भेभ'अ-वि० भूठम्ठ वि० भ सरी-स्त्री० बांस्री स्त्री० भा-स्त्री**ः माता स्त्रीः श्रम्मा** पारी-वि• शेष वि० बना हुआ भाहे।रं-न० छिद्र वि० छेद था भेडवु'-अ•िक तकरार करना **પાગ**વાન - પું ० माली पु० थांध् -वि० मृद् पु० वेश्रक्त थाक हु-वि० धूर्त, लुच्चा थ। ৩ – स्त्री० युक्ति स्त्रौ० तरकी । खेल भार्ल्य(लू)-स्त्रीo पार्श्व पु० बगल; श्र• तरफ पाअवु - स० हि॰ लड्डा, भगड़ना था ५'-वि० टेड़ी झांखवाला पु॰ था**ध-न० सर पुँ०** तीर पाधी-स्री० स्वीकृति स्त्री० मंजुरी; भंड थातभी-स्त्री० समाचार पु० भातस-वि० निक्रमा पु० **बेका**र

थाय-स्त्री० टक्कर स्त्री०

प्याथाि<u>ध्य'</u>-न० निष्पल प्रयत्न करना

પાદલુ']

प्पाद्धं-वि० नकती
प्पादी-स्त्री० श्रजीर्ण पु०, बदइजमी
प्पादी-स्त्री० श्रजीर्ण पु०, बदइजमी
प्पादी-स्त्री० कष्ट पु० तकतीर्फ
प्पाप-पुं० विता पु० श्रव्हा
प्पापीर्ध-वि० वैत्रिक वि० बाव का
प्पाइ-पुं० वाध्य स्त्री० साप,पसीना
प्पापत-स्त्री० हेतु पु० मुद्दा, विषय
प्राप्तु-वि० डरपोक, श्रौरत से स्वमाव-

भारभेव्यंद्रभा-पुं ॰ बैरमाव पु ॰ दुश्मनी भारीक-नि ॰ मीना पु ॰ बारीक भारे-नि ॰ द्वार, बद्दाना भारेवाट-व्य ॰ सब तरह से अव्यवस्थ भारेवाट-व्य ॰ सीधा भारा-पुं ॰ बाल भारोपाद-पुं ॰ रवाले का लड़का पु ॰ श्रीकृष्ण भाराम-पुं ॰ पति, पु ॰ सार्विद, प्रिय-

. तम प्पाक्षाश—स्त्री० सारसंमाल स्त्री० देख-भाल भाविश-०पि नादान वि० वेसमभ

भाविश-०िव नादान वि० नेसमम भावकं-वि० नावता, व्याकुत भावकुं-नि० प्रतता पु० भावुं-नि० मक्की का जाता भाष्य-नि० नाव्य स्री० भाषः सांस् भाष्य-स० गम्य प्पाडु-पुं० हाथ पु०
प्पाडुड-पुं० बन्दर पु•
प्पाडुड-पुं० बन्दर पु•
प्पाडुड-वि० चालाक पु० होशियार
प्पाड्य-वि० बाहरी वि०
प्पाणातियुं-न० दच्चे के नीचे रखने
का कपका

भांकु-वि० टेढ़ा पु॰ बांका, फक्कड़ भांकु-वि० टेढ़ा पु॰ बांका, फक्कड़ भांकु-वि० पुंच क्षेत्र क्षि॰ भांकु-वि० धूर्त पु० लुट्चा भांकु-वि० टेढे हाथवाला भांकु-वि० विना दुमका भांकु-वि० विना दुमका भांकु-वि० भाई, बन्धु पु० विरादर भांधिहरीनु-वि॰ दढ़ बांबवाला पु॰ मजबूती से कसा हुआ

भाधा-पु० बंघारण (शरीरका) भाषधर-पुं० जाभीन भिश्राक-शि० लाचार पु० वेचारा भिष्ठातुं-न० बिक्कौना पु० भिना-स्त्री० बनाब; प्रसंग भियाभान-न० निर्जल प्रदेश पु० रेगि-स्तान

स्तान भिराद-न० बौहद पु० नामनरी; टेक भिराक्युं-व्य•िंड० आसन प्रहर्ण करना, बिराजना भिराहर-पुं• माई पु॰ साथी भिराहर-पुं• सर्वेशा अ० एकदम

थुभाट-स्त्री० जनश्रुति स्त्री० श्रफवाह

थिथे।र-५'० स्कटिक पत्थर पु० बिल्लीर (भिक्षे।-y'o बिल्ला पु॰ चांद, पदवी **णिसात—स्त्री० पूँजी बी० दौलत**; श्रीकात **थिद्धामर्थं-वि० मयानक पु० डरावना** भिं<u>६</u> -- न० बुँद स्रो० कतरा भि**ं**भ-न० छाया स्त्री० पर**छा**ई थीड-स्त्री० मय पु० स्त्रीफ **भी**ऽ-न**्रै**घासवाली जमीन भीऽवु'-स०६० बन्द करना भीधेस-वि० भयभीत पु० हरा **બી**ણ'-ન૦ नमूना; चौकोर सीमेका ''टाईव' थीलत्स-वि० घृणास्पद पु० काबिले **नफ़र्**त **ખીમાર–વિ૦ बીવાર** પૃડ भीव - अ० ६० मयमीत होना हरना थ्रभार-**५**'० ज्वर पुँ० **બુજરગ,બુ**ઝુર્ગ-વિ૦ वृद्ध વુ૦ बूढ़ा धुअपु'-अ० हि० बुमाना <u>थु ६, भू ६</u> – वि० कृष्ठित पु० कमश्रक्त थुउथस-वि० मूर्ख पु॰ बेअक्ल थ्र**ध्य-ि०** विवे**की** पु० श्रक्लमन्द थुद्धि-स्त्री० विवेक पु० अक्ल थुध-वि० सममत्वार पु० श्रक्कतमन्द, एक ग्रह

धुभराख-न० पुकार पु०

थुं ६-वि॰ भव्य पु० शानदार थ्**यट-**वि॰ मूर्ख, बेश्रक्तं भूभ-रश्री० समक्त स्त्री० श्रवतः; कद्र भूधुं-न• गोटा सोटा, भूभ-रेत्रो**• चिलाइट** स्त्री० श्रफवाह थ्र**र-वि॰** बुंरा यु० खराब णु**६त–वि० विशाल** ु• ब**दा** थे अध्यक्ष – वि० मूर्ख पु० बेश्र क्ल **थे४।-**स्त्री० दोकी जोड़ी **जी**० **भे**थेन-वि० ग्रस्वस्य पु**० बे**चैन भेऽं**५-स्त्री० आधन पु० एक कसर**त એઠાખાઉ-વિ૦ अकर्मराय पु० बेकार भेडे।ण**–वि० क्रह्रप** पु**० बदस्**रत थेत-पु'० युक्ति स्त्री० नरकी**व** भे६२५।र–वि० लापरवाह ·**એ**દિલ–વિ∙ श्रप्रसन्न पु० नाखुश भेध ५५-२५० हिम्मतके साथ, बिना हिचकिचाहट थे**परवा–वि० स्वतंत्र पु० श्राजादः** लापरवाह भेशा ५- वि० खुला पु० अमर्याद भेशभ-वि० तद्यद्वीन, गाफिन भेषाक्ष्य -वि० बावता; ब्याकुल **બેભાન–વિ**૦ **बે**સુઘ પુ૦ **બેલડી**–સ્ત્રી૦ जોકી भेक्षा**श**3–२५० निरसंकोच श्र**० श्रद्धवत्त**ः भेक्षी-वि०पु'• सद्दायक पु० मददगार

[**ભ**ડાભક_

બેવક્ક]

૧૭૧

भेन्द्र-वि० मूर्ख पु० बेशक्ल भेवश्र-वि० क्रंतेन्न पु० नमक इराम भे**द्ध--**वि॰ श्रसीम पु॰ बेहह भेहर्-- वि॰ श्रशिष्ट पु॰ बेहूदा એહેાશ-વિ૦ વેસુધ भे**ज भेज-अ० बहुत क**ठिनाई से अ० भा-स्रो । गन्ध स्त्री । ब्रु, अभिमान **બાે**કી-સ્ત્રી • સુમ્યન પુ • બાેધલું,બાેઘું'-વિ૦ મૂર્લ भाश-स्त्री० गला पु० गर्दन भाटवु'-स०क्षि० जूठा करना स०कि० भारी-स्त्री॰ मांस का छोटा दुक्त्रा भे।६ -वि० नंगाधर भे। धी-स्त्री० प्रथम विक्रीस्त्री० भातान'-न० घेड़ स्त्री० कर्नक બાે**ય**ડ–વિ॰ ठोठ पु॰ सुस्त भे। इ'-वि० जीर्ग शीर्ग पु० फटा-पुराना

भोध-पुं० ज्ञान पु॰ समम भोधि-स्त्री॰ सम्पूर्ण ज्ञान पु० भोधित-वि० ज्ञान-प्राप्त पु० भोधे होट-पुं० बांहच्हार भोध-पुं० वचन पु० व्यंग्य, गेंद भोध-पुं० वचन पु० व्यंग्य, गेंद भोधे व्याध-स्त्री॰ प्रवचन स्त्री॰ दुरमगी बातचीत भोधी-स्त्री० माषा स्त्री॰ जबान, व्यंग्य

બાેસાે-પુ'∘ चुम्बन પુ∘

भे।013°-स०५० डुबाना स० कि०

थ्यान-न॰ वर्षान पु० वयान थ्रह्म-न० परमात्मा पु० परवरदिगार सि]

अक्षत-वि भंद्रत पु ०
अक्षित-स्त्री • भजन भाव पु ० भिक्ष अक्षत-पु • भोजन पु ० ख्राक, शिकाश अफ्फाड-वि० मोटा पु ० नीडर अभ-न • भाग्य पु० नसीब अभत-पु • भक्ष अभव'त-वि० श्रीमंत पु ॰ दौलतमंद,

भगवान

स्थाऽव –स०िक भगानाः स्थिती–स्था० बहिन स्री० स्थित्य-वि० महाकठिन वि० ख्रम् स्थिकत

क्षभ्त–्वि० टूटा हुग्रा पु॰; हारा हुआ। क्षक्पन–न॰ मक्किगीत स्नी० मक्कि क्ष८क्ष्युं–व्य०क्षि० मटकना अ०क्रि० मारे मारे फिरना

लटकाउनुं-स०कि० पीटना स॰कि० लड-वि० शक्तिशाली पु० ताक्ततमन्द लडक्ष-स्त्री० भय पु० खौफ लडका-पुं० माल खाँ० लडका-अ० शीघ्र पु० फौरन लडवीर-पुं० श्रुतीर पु० बहादुर लडाक-अ० शीघ्र पु० फौरन लडाकड-अ० शीघ्र पु० एकदम ૧૭૨

[ભાગાભાગ

सिध्युं-सर्वाहित विद्या पढ़ना सर्विहित तालीम लेना सिद्र-विव श्रेट्ठ पुरु भला सिस्-श्रेट ज्योति झी व चमक सिस्डे-श्रेट ज्योति झी व चमक सिस्डे-सर्वाहित जोरसे मुख लगना सिस्डे-श्रेट प्रकाशित होना श्राव्हित चमकना सिस्डे-श्रेट अमर

स्मिथु'-थ-क्वि चक्कर खाना श्रा०कि० भटकना स्थ-पु'० डर पु० खौफ स्थ'क्वर-वि० डरावना पु० खौफनाक स्वश्च-वि० पुष्कल वि० स्वश्च-व० निर्वाह पुं० गुजारा स्वश्च-व० माप स्त्री० कपडेपर बेलबूटे लगाना स्वरता(था)र-पु'० पति पु० खाविन्द

भरती–स्त्री० मर्ती स्त्री०

करना श्र०कि० चडतीपडती
भारपट्टे-थ्य० श्रत्यन्त वि० ख्व
भारपट्टे-थ्य० श्रत्यन्त वि० ख्व
भारपट्टे-थ्य० श्रत्यन्त वि० ख्व
भारपट्टे-थ्य० श्रुव्यत्व वि० क्षिक्षी
भारपट्टे-थ्रं जनाव पु० इक्ष्टा होना
भारपट्टे-थ्रं० जनाव पु० इक्ष्टा होना
भारपट्टे-थ्रं० विश्वास पु० भरोसा
भारपट्टे-थ्रं० श्रद्धा प्रेरका वि० फाळत्

अरेनी श्री-न० भरना श्रीर खाली

ભલામ**શ–**₹श्री० सिफारीस क्ष्सीवार-पुं• सार पु० होशियारी अलं-वि॰ श्रच्छा वि॰ भता ससे-अ० मलेही अ० चाहे अव-पुं० संसार पु० दुनिया अवन-न० निवास पु० मकान अविष्य-न० भाग्य पु**० नसी**ब; वाला समय अविष्यवेत्ता–पु'o ज्योतिषी अवै। अव-२५० प्रत्येक जन्ममें अ० **अ०थ—ि० गौरवमय पु० शानदार** अशहे।-पु'० **अ**भिलाषा स्त्री∙ इच्छा अस्ते।-पुं • पारसियोंका शमशान पु • **सरभ-स्त्री० राख स्त्री० खाक** लगपु:-स०५० साथ मिल जाना स०कि० **अ**भु'२-वि० नाशवान वि० भ'क/६-वि० तो**इने**वाला प्र० ભ'ડार-पु'o कोष प० खजाना, भगडारः **स**ंडेाण-न० पूँजी स्त्री० दौतत क्ष'भेर**धी**-स्त्री० मृठ एच स्त्री०

लाभ्युं—स॰ ४० बोलना स०कि०; भविष्यवाशी करना भाग-पुं• हिस्सा पु० भागवुं-भ्य०४० भागना श्र०कि० दौकना भागाकाभ-स्त्री० भाग दौढ़ स्त्री०

आ-y'०३० तेत्र पु० नूर, वडी**लके**

लिये संबोधन

[બૂલવુ

भाशु-वि० श्रालसी पु० सुस्त, सुदिक**ल,** क्षांगे। श-स्त्री • बाजार; गांवके श्राखिरक **भा**भ्य−न० तकदीर प० नसीब लाव्ये-अ॰ कदाचित श्र॰ कभी ही लाहुं-न० नदीतटकी रेतीली जमीन, घाव क्षाख्-पुं ० सूर्य पु ० सूरज भात-स्त्री• पद्धति स्त्री• रिवाज **भातुं-न० भोजन पु॰ खुराक** क्षान-न० चेतना स्त्री० होश **भातु-पुं**० सूर्य पु० सूरज **भाभेटे।-पुं० बटमार** पु० उठाऊगीर **आभिनी–**स्त्री० स्त्री स्त्री० स्त्रौरत क्षार-पुं० बोम्ह पु० वजन; जिम्मेदारी क्षारत-भुं ० हिन्द कारती-स्त्री० वाणी स्त्री० जबान **भा**रवक्ष्ठर-पुं• भारबोम पु०; वज्रन कार्या-स्त्री० परनी स्त्री**० बीबी** क्षाव<u>तं</u>-अ० हि० हचना ঞ্জাকিত अच्छा लगना सापा-स्त्री० बोबी स्त्री० जबान **आस-पुं• श्रामास प्र• मत्त्रक** ભांगवुं-अ० कि दुक**दे करना अ**० कि॰ तोसना **भां≈ग**ऽ–स्त्री० भग**रा** पु० तकरार **भाऽवु - सर्वा ५० निन्दा करना स**०कि० बदगोई करना आं<u>ऽ</u>'-न० माई•बहिन पु•

भिक्षा-स्त्री**॰ मीख** स्त्री० (अक्ष**क-प्र' भिखारी** पुर क्षिनावु -- अ• कि भिगना क्षिन्न-वि० श्रता वि० जुदा किन्नकाव-y'o श्रतगाव पुर जुदाई भिस्थु-पुं॰ रमत का साथी भीश्ती-पं • मिश्ती go भीक्षं-अ०कि॰ सीगना अ०कि० भीऽ-स्त्री० जमघट स्त्री• भीइ भीडवु'-स०कि० बंद करना भीतर-न**े श्रन्दर** पुरु भीति-स्त्री • भय पु**०** खौफ़ भीत'-वि० मीगा हुआ वि० गीलाः **लीभ-वि॰ भयंकर पु॰ जौफनाक** भीरु-वि० कायर पु० **ड**रपोक लुअ-पुं• भुजा स्त्रीः हाथ पु• **भुवन-न० जगत पु० दुनिया धुरेड्डा-**धुं० **इलां**ग स्त्री० अू-स्त्री• पृथ्वी स्त्री० जमीन भूभडीयारस-वि॰ दरिद्र पु• कंगालः भूभरु'-वि॰ खाइसे रंगबाला भूत-वि॰ भूत, पिशाच; **अ**तीत **%ू५-५ ं०** राजा प्र० **लूभि(भी)-स्त्री० पृथ्वी स्त्री० जमीन**ः भूभिति-स्त्री॰ रेखागिरात स्त्री० भूर**४**1-स्त्री० जादू टोना भूस-स्त्री • चूक स्त्री • खामी भूसव्'-अकि० मूल करना, मूलनाः

भ्रवा-पु ० भूत निकालनेवाना पु० भूष्ण-न_ै शोभा स्त्री० भूजपु'-स०६० सेवना स०कि० भूजना भुं s'- वि बराब वि बदशक्त भे-पं भय प॰ खौक भेभ-पु• वेश पु० पहनावा शेल'-न० मेजी स्त्री० मगज भे८-स्त्री० भेंट स्त्री० मुलाकात; बक्सीश सेह-पं • रहस्य क्रेर-स्त्री० सहायता स्त्री० मदद क्षेश्व-विक भयंकर पुरु डरावना लेर-पुं संगी पु॰ सभी लेल'-वि० एकत्र वि० इक्ट्रा ले।-पुं भय पु० हर भोडपु - अ० कि० भोता अ० कि० घुसाना

स्थानमा से अर कदाचित से। भेरी ने स्थान से स्थान के। भारी की सि। भारत में जन पुरु खाना से। भारत से के। भारत से के।

भुसलाना शिथ-स्त्री० भूमि स्त्री० जमीन शिथिशि'ग-स्त्री० मूँगफती स्त्री लागिः(क्षिक्र-प० भूगोत्त संबंधी वि॰ लाभ-पि० पृथ्वी संबंधी वि० श्लभ-पुं॰ सन्देह पु॰ सुबहा श्लष्ट-वि० श्चपवित्र वि० नःपाक श्रात-पुं॰ भाई पु० विरादर श्रांति-स्त्री॰ स्रम पु० शक

(H)

भ3--वि० बहुत दिनका भुखा वि० कम-जोर; पोचा

भयक-स्त्री • पीछे हटना पु० भयके-पुं० लटका पु० भव्छर-पुं• डॉंग्र पु० भछवे।-पुं• प्० महन

भिरह

भक्र धूर-वि० पूर्वोक्त पु० जिक्र किया हुश्रा भव्यभूत-वि० हढ़ पु० मज्जबूत भक्र रे-अ० बदलेमें अ० भक्र स-रेत्री • यात्रा स्त्री • मुसाफ़िरी भश्रेष-५० मजिला भग-स्त्री० श्रानन्द पु० मौज भर्ला - स्त्री० हँसी ठट्टा पु० मस्करी भाज्याः-वि भागीदारी મર્ડાગાંઠ-સ્ત્રી૦ जो छुट न सके श्रैसी गांठ भ्रा-स्त्री० दोष पु० खामी अध्य-भुं० एक रतन-मारी पु० भत-स्त्री• बुद्धि स्त्री० श्रक्तः श्रमित्राय મતલખ–સ્ત્રી૦ જાર્થ પુ• भतक्षियु'-वि० स्वार्थी पु० खुदगर्ज भता-रेत्री० पूँजी स्त्री० दौलत भति-स्री० बुद्धि स्त्री० श्रक्त भतुं-- न० सही करना भत-वि॰ मतवाला पु॰ मस्त भत्सर-पुं॰ डाइ स्त्री॰ जलन मंजिले भथक-न० मुख्य स्थान पुर मऋसद भथन-न० माथापच्ची स्त्री० सरपच्ची મદ–પું૦ ઘમંંહ પુ∙ भध्त-पुं ० कामदेव पु ० मधर-पुं० पु० बहारा; भरोसा महिश-रेश्री• मदा पु० **शराय**

भेदीनभत्त-वि० मद होश पु० शरावमें

प्रागल

भधु–**वि०न० शह**द पु० मीठा भधुक्र-पुं• भैवरा पु० મધુર–વિ૦ મીઠા ૧૦ भध्य-वि० बीच पु॰ भन-न॰ हृदय पु० दिल्, श्रिच्छा भन्धावतु -वि॰ मनोकृत पु० दिलपसन्द भनभा-पुं ० जीवन पुँ ० जिन्दगी મનવાર–સ્ત્રી૦ સૈનિक नौका भनस्रेभा-पुं • विचार पु • इरादा મનસ્વી-વિ० तरंगी भना-स्त्री० मनाही स्त्री० रोक भनुष्य-पुं ००० नर पु • श्रादमी भक्त-अ० मुफ्त अ० बिना कीमत भणसङ--वि० श्रतिशय वि० खूब भभत-पुं ० दुराष्ट्रह पु० जिद्द भभतार्शुं-वि० मोही पु० दोस्त मिजाज भथूर-धु • मोर पु० भरण६-स्त्री मर्यादा स्त्री अदबः सभ्यता भर७-स्त्री० इच्छा छी० खुशी भरळ्यात-वि० श्रिच्छा पर श्राधार हो श्रेसा भरळवे।-पु'० गोताखोर पु० भरुदुं-स०। ५० मरोबना भरखू-न० मृत्यु स्त्री० भौत મરણશીલ-વિ૦ મર્ત્ય ૧૦ भरतथा-पुं दरज्जा भर६–धु'० पुरुष पु० मई

મરદાનગી]

भरहान्शी-स्त्री० वीरता स्त्री० बहादुरी भरभेश-स्त्री० फ्रट-ट्रट ठीक करना स्त्री० भ्रव - अ० कि० घरना अ० कि० भरदुभ-वि० मृत वि॰ मरा हुआ भरीथी-५० सर्व पु० सरज भरत-पुं० पवन पु० हवा भरा-पुं॰ मौत या मौत सा दुःख भरीऽ-५ ० मरोड ५० भुक्ट-पुं० बंदर भ६ न-न• मसलना पु० भर्भ-पु'० रहस्य पु० भर्यादा-रिश्री० सीमा स्त्री० हद; स्रावरू भक्ष(६क्ष)-पु'० पहलवान पु• મલ(ળ)-યું૦ मैल पु० गन्दगी भुक्षकृतं – अ०क्षि० मुस्कराना अ०क्षि० भक्षपतु'–वि० अमंगसे घीरे-घीरे चलना भक्षाध-स्त्री० दृष की पपड़ी स्त्री० भक्षिन-व० मैला पु० गन्दा મવાલી-પું• મુંહા પુ૦ भश्चभूस-वि० तल्लीन वि० भ**श**&र-वि० प्रख्यात वि० भशी-स्त्री० मसि स्नी० स्याही भ**२५री–स्त्री० हँसी∙ ठड़ा पु० मजाक** भस-वि**॰ वुष्क**ल वि० भसेक्ष-पुं• मक्खन पु•; खुशामद भसंसत-स्त्री० राय सत्ताह स्त्री० सत्ताहर मश्विरा भसणवु -स•ि **मप्रल**ना सङ्कि० रगइना

મસાહિયું-વિ૦ अपशकुना પુ• भसी६.भरिक्४६-२श्री० मसजिद स्त्री० भरतक-न० माथा पु० सर भरती-स्त्री० तुफान भ&त-वि॰ महान पु॰ रहा भक्षि-पुं० महान ऋषि भढ़'त-धु'० महन्त पु॰ भक्ष-वि॰ महान वि॰ बहा भद्धार-पु' शक्कतों की खेक जात **भक्षावत-पु'० हाथी हांक्ने**वाला पृट भढावरे।-पु'० श्रभ्यास पु**० आ**दतः भिक्ष-y'o यश पु० ब**राई** भिक्ष्यर-नव पीहर प्रव मायका મહિયારી-स्त्री० ब्राहिरन, गोपी भद्धिला-स्त्री० श्रौरत भ6ी-अभी० पृष्वीस्त्री**०** जमीन भहें ५-स्त्री । सगन्ध स्त्री । खशब् મહેર્ષ્ય –ન૦ વ્યાયવચન પુર્વાના भहेतस-स्त्री• श्रवि स्त्री० मोहलता भહेर–स्त्री० कृपा स्त्री० मेहर भहेसूस-स्त्री० टैक्स पु० महसूत भ**ढे।**पत-३्त्री० प्रेम पु० मुइब्बत भहे।र-स्त्री० द्वाप स्त्री• महर; सोने की मुहर

मुहर भ'भक्ष-वि० ग्रुभ पु० भ'य-पु'० स्नाट ल्ली० प्यासपीठ भ'छा-स्त्री० हच्छा ल्ली०, मंशा भ'ळा-वि० कोमल पु० नरम; सुन्दर **મ**ંજાૂર]

भंजार-वि० स्वीकार वि० क्रवृत्त भ'ऽ५-५'० चन्दोवा पु० शामियाना भ'थत-न० मधना पु० भ ६-- वि॰ घीमा पु० घीरे भ द्वार-पुं विमारी स्त्री • भंदी-स्त्री० माव में गिरावट स्त्री० भाग-स्त्री० मालकी मांग स्त्री० खपत: भाष्ट-वि० मरहम, श्रतीतके भाजा-स्त्री० मर्यादा स्त्री० हद भार्ड-वि० बुरा पु० खराब भाडी-स्त्री० माता स्त्री० अम्मा भाश-स्त्री • पानीका वर्तन માણવું-સ૦ક્રિ૦ મોગના भातभर-वि॰ सम्मान्य वि॰ इज्जतदार भातं भ-५ ० हाथी प्० पील भाधरी-स्त्री॰ माधुर्य पु॰ मिठास भान-न० सम्मान पु० आवह भानव-पुं• मनुष्य पु॰ आदमी भानव्'-स०४० मानना स०कि काबृत

करना

भानस-न० मन सम्बन्धी पु०
भानी-वि० अहंकारि पु० घमंडी
भाइंड-वि० अनुकूल वि० मुझाफ़िक
भारी-स्त्री• क्षमा स्त्री॰ मुझाफ़ी
भाभसत-स्त्री॰ पूँगी स्त्री॰ दौलत
भायडांगलं-वि० निर्मल
भायने।-पुं० हेतु पु० कारण
भाया-स्त्री॰ घन पु॰ दौलत; स्नेह;प्रपंच

માયાવી-વि• प्रवंची पु० भाषाण -वि० स्नेइसिक्स पु० दोस्त भारक्षत-स्त्री० दलाली स्त्री॰; द्वारा भारीतारी-स्त्री० तूं तड़ाक पुं• गाली भारत-धुं • पवन पु • हवा भाग-पुं ० पथ पु० रास्ता; मत भास-पुं ० सामग्री ली • सामान: विद्वात भासहार-वि० धनी पु० दौलतमन्द भाक्षिक-पु'० परमातमा प् ० खुदा: द्वेंहैं:-नका सेठ भासिश-स्त्री० तैल-मर्दन प्र માલેતુજાર-વિ - શ્રત્યન્ત ધનાહ્યાં ૫0 दौलतमन्द भावकत-स्त्री• स्त्री० बदरित: सार-संभाल भावतर-न• मा-बाप पु० भाव -स०४० समाना स०कि० भाश्यक्ष-स्त्री० प्रेमिका स्त्री० भादितभार-वि० परिचित पुर भांयडे।-पुं० अंची बैठक स्त्री० भांभर्-वि॰ भूरी श्रांखवाला भंलि-पुं० सूती हुई पतंगकी डोर स्त्री. भांडभांड-अ॰ ज्यों त्यों करके **भां**ऽवाળ-स्त्री० समाधान पु० भांऽवं-सर्वाक्ष प्रारंभ करना सर्विक

ग्रुरू करना, लिखना

२१.२२

भांडु--वि० मांदा पु० रोगी भांसस-स्त्री० मोटा-ताजा पु० भिज्यस-स्त्री० विनोद समा स्त्री० मृजलिस

भिर्णाल-पु• स्वभाव पु० तबीयतः क्रोध भित-नि० ब्रयमा प्रवाण वि० 🖫 भित्र-धु'० पु० दोस्त भिष्या-वि० अवस्य वि० झूठ भियान-न० म्यान स्त्री० भिस्कत-स्त्रो० पूँजी स्त्रौ० भिल्कियत भिश्र-वि॰ एक्त्र वि॰ शामिल भिष-न० मित्र पु० वहाना भिष्ट-वि० मधुर पु० मीठा भिस्त्री-पुं • हो शेवार कारीगर. મિહિર-પું બ સૂર્ય પુ બ સૂર્ય भीट-स्थी० दृष्टि स्री० नजर भीनाधरी-वि० मीनेका काम पु० भीने।-पुं मीनेका काम पु० મીં હું –વિ૦ ધૂર્ત પુ• 59ટી भीं हडी-स्त्री • बिल्ली स्त्री • **भु**डदमी-पुं० दावा पु० मुक्तदमा सु ४२२-वि० स्थापित पु० मुक्तरेर भुक्षहभ-पुं**० जमादार पुं० नायक** भुधाभ-पु॰ निवास पु॰ सुकाम ... **भु**५२–**५'० शी**शा पु० आईना भुक्त-वि० बंधन हीन पु० अ,जाद **भु**क्षित-स्त्री० छुटकारा पु० भुभत्यार-वि॰ प्रतिनिधि पु० नुमाईदा

भुभी-**भुं० नायक पु० मुखिया** भु**ण्य-वि० प्रधान पु० खास** भुगक्षाध-ति० मुगलके सर्वधर्मे; ठाठशंठ भुभ्ध-वि० मोहित पु॰ फ़िदा मं अव्याच्या ची• व्याकुत्तता **ची•** भु अ.लु – भ० ६० व्याकुत्त होना अ० कि० भुत्सही-धुं **राषनी**ति-प्रवीण **भु६त-स्त्री** अवधि स्त्री० मोइलत भुइस-वि•अ० मूलस्थापन पु० बिल्कुन्न भुद्द**े-पु'० तातपर्यः** प्रमाण भु**६५-धु ० छ।पनेवा**ला पु० भुद्रः–िश्री० सुरत स्त्री० शक्ल, श्रंगुठी भुनशी-वि० छेखक पु॰ मुदर्रिर **भु६** सिस-वि० निर्धन पु० नादार भुभारक्ष्णाही–स्त्री० अभिव∣दन पु० भु: ७भी-वि० व**डि**ल भुरा६-स्त्री० आशा स्त्री० उम्मीद भुंबंड-पुंठ देश पुठ मुल्क भुअतवी-वि० स्थगित वि० मुल्तवी भुલा**धात-स्त्री० मेंट स्त्री० मुला**कात भुक्षायभ–िव• कोमल पु० नर्म भुश्रेश-वि० कठिन वि० मुहिस्ल भुसही-पुं • मसविदा भुसा६र-५ ० यात्री पु० मुसाफिर मुसीयत-स्त्री॰ कठिनाई स्त्री॰ आफत भू8-वि० ग्रेगा पु० મૂછ**, મૂંછ-(વ**ં કંजुंब पु• **सुम** भुडी-स्त्री० पूँजी स्त्री∙ दौलत

િયાદી

भ्द-वि॰ नूर्ख पु॰ बेअ∓ल भ्वश-स्त्री० बेसुघ स्त्री॰ गश स्षक्ष-पु• चूदा पु० भ्ग-वि• वास्तविक पु० ऋसली; न०

भृशांक्षिती-स्त्री • कमल नाल स्त्री ० भुत्यु-न० मर्ग पु० मौत **२६-वि० कोमल पु० नर्म; मधुर** भेभ-स्त्री० प्रवरोध भेध-पुंत्वर्षास्त्री० बारिशः, बादता भेऽड-पुं० मेंढक पु० भेरी-स्त्री० छोटा मजला भे६-पुं वर्गे स्त्री० भेक्ष्ती-स्त्री० जनवट स्त्री० भी इ भड़क्का મેદિતી-સ્ત્રી∙ પ્રથ્વી સ્ત્રી जनीन भेधा-स्त्री० स्मरणशक्तित स्त्री० याददाश्त મેરાઇ–પુ'૦ દર્જી વૃ૦ भेश-पुं० मेल जोल पु० हेलमेल भैत्रो-स्त्री • मित्रता स्त्री • दोस्ती भैयत-स्त्री• मृत्यु स्त्री• मौत માેકળું –વિ૰ खુત્રા પુ૦ માેકાણ–સ્ત્રી૦ મૃત્યુ-સં**દેશ** પુ**૦** भे।५६-वि० मुस्तवी भे।हे।-पुं ० श्रवसर पु० मौका भेक्ष-पुं० मुक्ति ब्री० छुटकारा એાખરા–પું• **आ**गेका हिस्स पु• માહ'-વિ० महण पु० भाज-स्त्री० आतन्द पु० मीज

भे। १९ - वि० अनन्दी पु॰ मीजी
भे। १९ - वि० उपस्थित वि० हाजिए
भे। १५ - वि० उपस्थित वि० हाजिए
भे। १५ - वि० डील स्त्री० विलम्ब
भे। ६१ - वि० डील स्त्री० विलम्ब
भे। ६१ - वि० डील स्त्री० विलम्ब
भे। ६१ - वि० सम्मान पु० आबस्
भे। १० सम्मान पु० आबस्
भे। १० सम्मान पु० आबस्
भे। १० - वि० सोचा पु०
भे। ६० - वि० सोचा पु०
भ। १९ - वि० सुँइका पु० जवानी
भीत-व० निशन्द पु० चुप
भे। ६१ - वि० स्त्री० म्युनिसेपिलियी
(य)

यशीन-न० विश्वास पु० भरोबा यक्षभान-पुं• यज्ञ-कत्ती पु•; दात। यत्न-पु॰ प्रवस्त पु० कोविश यथाशभ-अ॰ इच्छानुसार अ० दिख सुताबिक

यथेन्छ-नि० इच्झानुपार वि॰ मर्जीनुज्ञ व यश-पुं॰ कीर्ति स्त्री॰ नामवरी यशस्यी-नि० कीर्तिवान् पु॰ नामवर यान्यक-पुं॰ सिख री पु॰ यान्यका-स्त्री० मोंगना पु॰; विनती यातना-स्त्री० संताप पु॰ तक्कलीक याद-स्त्री० स्थ्या पु॰ यां-स्त्री० स्थ्या पु॰ યાર]

थार-पुं ० मित्र पु ० दे स्त
थावन्यं द्रित्वाडरी -- थ० सदा है ब्रिए श्र०
थुडत -- वि० उचित वि० वाजिब, मीला हुआ।
शुक्ति -- स्त्री० जुगत स्त्री० तरकी ब थुभ-पुं ० काल पु ॰ जमाना थुक्त - तरकी ह स्त्री० जंग थुवती -- स्त्री० तरुणी स्त्री० जवान श्रीरत थुवराज - पुं ० उत्तराधिकारी पु० बड़ा

যাहত্তা**दा**

थूथ-न॰ सुराह पु० टोली थे।भ-पुं॰ संयोग पु० मौका थे।भक्षेभ-पुं॰ कुशत्त मंगल पु० श्रावादी; भरण पोषस

ये। २४-वि० लायक पु० काविक ये। ४४-वि० चार कोस की दूरी स्त्री० ये। ४४-वि० व्यवस्था ये। ४४-वि० व्यवस्था करना ये। द्वी - पु॰ के द्वाका (२)

२४५-२०० वस्तु स्त्री० चीजः संख्या २४त-वि० लाल वि० सुर्खः ख्न २क्षपुं-स०४० रक्षण करना स० कि०

हिकाचत करना २क्षा-स्त्री० रचण, हिकाचत २भेवाण-पुं० रक्षक्ष्यु० चौकीदार २भ-स्त्री० शिरा स्त्री० नस २गऽवुं-स०४० रगइना स०कि० मस- २गरग—रुक्वी० शीरा; मनोवृत्ति २गशिथुं-कि० घीमा वि० सुस्त २धवा८-पुं• घवदाहर २थना-रुक्वी० निर्माण पु० बनावर २०४-विं०रुक्वी० ग्रहण, योदा; स्त्री० घृक २०४त-वि० चांदी का वि० २०४तमहोतसव-पुं २५ वर्ष पुरा होके

का जलसा

२८थुं भंऽथुं - नि० कदाचित् नि० कभी ही

रैंद-स्त्री० लगन स्त्री॰ आग्रह
रिदेशाणुं - नि० सुन्दर पु० ख्रस्त्तः
रेखु-ने० रणभूमि स्त्री॰ मदानेजंग
रित-स्त्री॰ आसक्ति स्त्री॰ श्रानन्द
रत्न-ने० जनाहर पु०
रत्नाक्षर-थुं० समुद्र पु०
रह-नि० न्यर्थ नि० रह्
रिदेश-थुं० मुँहजनान पु०
रेभेटवुं-स०४० ख्र जोश से दौराना
स० कि०
रक्षेते रहेते-२५० धीरे धीरें श्र०

आहिस्ता आहिस्ता

२३६३--थ० बरबाद २वीपाड-पु' वर्दी की फ वल स्त्री २भभाशु--न• ऊधम स्त्री० शरारत २भथु-पुं० पति पु० खाविन्दः, न० खेल २भधीय-न० सुन्दर पु० ख्बसूरत २भताराभ-भुं ० पर्यटक पु० द्यमक्कड़ २भा-स्त्री • सुन्दरी स्त्री • ख्बस्रत ग्रीरत रभूभ-स्त्री० विनोद पु० मस्हरी २५-५ ं० ध्वनिस्त्री० आवाज २वानशी-स्त्री० प्रस्थान पु० विदाई २(व−५) ० सूर्य पु० आफताथ २वेश-५ • गवाक्ष प • भरोखा २शना-स्त्री॰ रस्सी स्त्री॰ डोर २ श्मि-न०पुं• किरण स्त्री० २स-पुं• आनन्द पु• मजा; खेल २स७स-पुं ० तत्त्व पु० कस २सना-स्त्री० जीभ स्त्री० जबान २सले२--અ० अुःसाहपूर्वक २सम-स्त्री**० री**ति स्त्री॰ रिवाज રસાકસી-સ્ત્રી૦ હીંચતાન શ્રી ૯ २सायण्-न० भातु स्त्री० २साण-स्त्री > फलद्रुप रसिक्ष-वि॰ रसीला वि॰ रसदार २सी-स्त्री० मवाद २२ते।-पुं॰ मार्ग पु० रास्ता २**હेधी–**∻श्री० **रहन∙सहन** २६ेम-स्त्री० दया स्त्री० रहम २हें सञ्'—स०िं चीर डालना स∙ कि॰ करल कर डालना

रणपु - अ०६० कमाना
र(जयामध्यु - वि० सुन्दर पु० ख्वस्रत
र कै-वि० निर्धन पु० सरीष
र अ-पु ० रंग, असर, आनन्द; स्नेह
र अर्थ-- वि० नाव्य-शाला ली०
र अराग-पु ० आनन्द उरसव पु० मौज-

र'क्र' ५-वि॰ प्रसन्नताकारक, खुशगवार र'क्षां चुं-स॰ ४० हैरान करना र'क्षा-स्त्री॰ सुन्दरी स्त्री॰ खुशसुरत श्रौरत राभखुद्धार-वि॰ रक्तक पु॰ राभवुं-स०।४० पालन करना स॰कि॰ रखनाः

राग-पुं० मोह पु० स्वरः कोष
राय-न० वर्तन पु०
रायपुं-अ०४० राजी होना
राजपुं-अ०४० राजी होना
राजपुं-अ०४० शोमित होना अ०कि०
राज्-स्वी० प्रसन्नता स्नी० खशी, संमत
राज्अशी-स्त्री० कुशस्त्रता, सलामती
राज्यामुं-न० श्वरत्रमा
राज्य-न० कमल पु०
राज्यश्वरित्रसी० राजकीय कांति
राऽ-स्त्री० फरियाद, बूम
रान-न० जंगल पु०
राध्रें।-पुं० मटियार दह पु०
राभेता-पुं० रीति स्त्री० रिवास
राम-पुं० होश, श्विश्वरका क्षेक नाम
रामपाख्-न० श्वस्तीर

राभा-स्त्री० महिला स्त्री० धौरत

राभे।शी-पु'० पहरेदार पु० चौकीदार

राय-स्त्री०पुर्व सम्मति स्त्री०मलाहःराजा राश-स्त्री० राष्ट्र स्त्री० लगामः शशि-ुपं• समः ः० हे। राशी-वि० बुरा १० खराव २१६८-पुं ० देश पु० वतन शह-पुं मार्ग पु रास्ता शब्दारी-पुं े मुम्राफिर रा६त-रत्री० चैन प्रश्नामः दुःखर्मे र्रांड-वि० रंक ए० गरीब रांट-रेश्री• श्रनवन स्त्री॰ दुरमनी रिक्षा-स्त्री० रिक्सागाडी स्त्री **रि**ध्-पु**ं** शत्रु पु० दुश्मन रिवाक - ५'० रीति स्त्री० रिवाज रीअवव्'-स०क्वि० रीम्हाना स०कि० खुश करना रीढ़'-विव काममें आते आते मजबूत हुआ वि॰ पहुंचा हुआ। रीतकात-स्त्री॰ राति :रेवाज पु॰ तौर तरीका रीभवु′–स०४० इष्ट देना स०कि० तक्षलीफ पहुंचाना रीस-स्त्री० कोध पु॰ गुस्सा रुडेडे।-्युं० चिर स्त्री॰ रुक्ता **३ भसत-**स्त्री० रजा स्त्री० बरतरफी रुयपु - अ० कि० इचना श्र० कि० पसन्द श्राना

रुथि-स्त्री० इच्छा स्त्री॰ पशन्दगी ३६न-न० रोना पु० रुद्र-वि० भयंकर पु॰ खौक्रनाक; शिक्जी रुधिर-न० रक्क पु॰ खून रुवाटी-स्त्री॰ रोम पु॰ ३ भ-रेत्री ० श्रमित्राय, भावताल ३ भर् -न० छोटा पेड प्र ३५'-वि० सुन्दर पुः ख्बस्रत ३६-वि० प्रचलित वि० ३५-न० आकार पु० शक्त; सौन्दर्य ३५१-२५० समन्न श्र० सामने ३व -- न० रोम पु॰ हँआ रेभा-स्त्री । सकीर स्त्री । रेथ-५'० रेचक ५० जुलाब रेढियाण-वि० निकम्मा पु० बेकार रेख-पु॰स्त्री॰ घृत स्त्री॰ मिट्टी रेताण-वि० रेतीला प्र० रेन-स्त्री० लगाम स्त्री० रेल-स्त्री० पूर पु० रेलगाड़ी रेलवु -- अ० कि० जोरसे बहना प० रेलावु'-अ० कि० बहुना रेवडी-श्री० घूलधानी स्त्री० फ़जीहरू रेवा-स्त्री० नर्भदा नदी स्त्री० रेभा-स्त्री० रेखा स्त्री० तकीर रेसे।-५० तन्त्र पु०, रेशा रैयत-स्त्री० प्रजा स्त्री० रे। इपु'-स० कि रोकना स० कि अटका ना रे।अ-५'० इम्याता स्त्री. वीमारी

િલ ધ્પટ

रै।यध-वि० मनोरंजक पु० दिलपसन्द रै।क्य-पुं०थ्य० दिवस पु० दिन; सदै व रै।क्यार-पुं० श्रामदनी झी० रोजगार रै।क्यि'टु-वि० दैनिक पु० रोजका रै।तध-स्त्री० शोभा झी० रौनक रै।ध-पुं० रीव पु० हवाब रै।भ-न० शरीरके रोम पु० रे।शन-वि० श्रकाशित वि० जाहिर रै।ध-पुं० कोध पु० गुस्सा रे।दि-वि० स्थंकर पु० खीकनाक रै।दव-न० एक नर्क झी० (स)

सक्ते।-पुं ० लक्ता

सक्ष्यः-पं ० लक्ता पु०

सक्ष्य-पुं ० न० लाल, ध्येयः निशाना

सक्ष्यः।-प्र० श्रावरयकता स्त्री० जहर

सक्ष्यः।-प्र० श्रावरयकता स्त्री० जहर

सक्ष्यः।-प्र० ध्येय पु०

सण्यः प्र-प्र० श्रावर पु० बेशुमार

सण्यः -प्र० श्रावर प्रवर्ण श्रावर स्वाहः

स्वाहः -प्र० श्रावर प्रवर्ण श्रावर स्वाहः

स्वाहः -प्र० श्रावर श्रावर श्रावर स्वाहः

स्वाहः -प्र० श्रावर श्रावर श्रावर स्वाहः

स्वाहः श्रावर स्वाहः

स्यवं - अ० कि० बोमासे दवना अ० कि० सक्र**श्त−**स्त्री० श्रानन्द पु० मजा सक्र भ−रंशी **वाज स्त्री० श**र्म: श्रपयश सर-रंशी० **केश**∙गुच्छ पु० **स८**५-२्श्री० छटा स्त्री० खुषी सटक्ष्य'-अ०क्वि० त्तटक्रना ल८**५स**क्षाभ−₹श्री० **खालीवलाम લ**∠।र-र्ञी० फेरा. चर्केंद्रेर **स**ट्ट-वि० परवश લ&-वि•्रं° लद्रः मेटा. मज्जुत ् सऽवु'-स०६० लड्ना प्र०क्रि० भागड्ना स्थावं-स०कि० फसल तो**दना स**०कि० सत-स्त्री**० व्यसन**; श्रादत सता-स्त्री० बेल खी० सत्ता-स्त्री० लात स्त्री० अत्ती-पुं मुहल्ला पु सथ्यत् - अ० कि० ठो बरें लगना अ० कि० बोहते भीभक्ता **क्षप-स्त्री० पीड़ा स्त्री० तक्**लीफ **सपछप-स्त्री**० रहाव घर स्त्री॰ **सपट-**स्त्री० पेंच पुं० तपेट **सपटाववु'–स∙ि** ० त**ल वाना स**०कि० **લપડાક-**स्त्री० **भ**ष्पड़ स्त्री० तमाचा सपारु -अ०क्षि० गुप्त रहना **अ**०किः छिश्ना सिपयं-वि स्त्री वात्नी **अ**ेपट-ति० बराबर चिपका हुआ

લય્પનહય્પન]

स^१पन**७**भ्पन–स्त्री०न० झ्ठी पंचायत स्त्री•

स्राह्म न्या क्षेत्र पुरु द्याफत स्राह्म न्या क्या पुरु क फंगा सप्पऽप्राह्म न्या क्षेत्र क्षर सप्पदावुं – यरु क्षित्र क्षेत्र क्षा क्षर्यक्षर जालमें लेना, प्रवाहीसे मीगना

લબાડી-वि० त्तवाइ पु**०** લખ્ધ-वि० प्राप्त पु० **मिळा हुआ** લય-પુ[•]० तोप पु० मिटावः तीनता લલચાલું-અ>ঙি० ताळचमें श्राना श्र०कि•

स्थना-स्ञी० सुन्दर महिला स्त्री० ख्ब-स्रत श्रीरत

क्षसाट-न० भाल पु० क्षसित-वि० मनोहर पु० सुंदर क्षसित-स्त्री० युवमी, सुन्दरी स्त्री० खुव सुरत श्रीरत

स्व-वि० श्रह्म पु० थोड़ा
स्वत्थ्-न० नमक पु०
स्वत्थ्-न० नमक पु०
स्वत्थ्यं नेकी रक्षम
स्वत्ये न्युं ० सरवच्ची स्त्री० वक्षाद
स्वश्वे - पु० संस्वदेश पु० फ्रीम, पर्टन
स्वस्थं - थ्या कि० स्वत्यं नेकी स्वत्यं स्वत्यं स्वर्था स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य

थजा

લાહયા-पुं मुशी पु • मुहरिर, लिबने -वाला अंधेडा-प्र'० शरीरका मोहक इलनचलन स**हे**क्रत−स्त्री • स्वाद, लज्जत લહेर-≳शे० **शा**नन्द प्∙ मजा લ'ગડખાં-વિ० खंज पु**० लंग**बा संपट-वि० विषयी पु० बदहार क्षार्धक्षाल-वि० काचार पु० क्षांभेख'-वि॰ सम्मान्य पु० श्रावह्र**रार લાગ⊌ी--**रत्री• दया स्त्री० मेहर सागवग-क्री० प**हचान स्त्री**० **લામલું-સ**० क्वि जनना स० कि० क्षांभे-पुं• लागबाग स्त्री० महसूल क्षायार-वि० नि**ह**णाय पु० साभ−स्त्री० लज्जा स्त्री० शर्म **क्षाउ-न० स्त्रेह पु॰** प्यार क्षाउ५'-वि० प्रिय पु० प्यारा લાદવુ•–सं०िं • लादना स०कि• क्षापरवा-वि॰ वेशस्वा पु० बेफिक लाहे।-प्रं **धराब स्त्री** तमाचा क्षाल–पु• प्राप्ति स्त्री० फ¦यदा **લાભાજલાભ-**भु'•श्रपव्यय पु• उड़ाऊपन साय-स्त्री**० आग** स्त्री**० जल**न क्षाय**3**—वि० योग्य पुं• क्राबिल क्षायरी-स्त्री० बहुत बोत्तना, शेखी करना क्षास-वि● रक्कवर्ण पु० मुर्ख; पु० पुत्र क्षालय-स्त्री० लोम पु॰ લાલ**સા-**स्त्री• श्रमिलाषा **झी**० चाह

િવખૂદ્વ

924

क्षाक्षी-युं० पठान पु० क्षावएय-न० सौन्दर्य पु० ख्वस्रती क्षाश-वि०स्त्री० विनाश पु० बरवादी;

मुदी सांगुक्ष-न० पूँछ जी० दुम सप्ति-न० उपवास पु० फाका सांछ्य-न० कलंक पु० दाग सिभित'ग-वि० स्तत लिखनेवालेकी संज्ञा-ठी०

क्षिक्षां³-त• नीलाम शीन-वि∙ तल्लीन पु० गर्क सीसा-स्त्री**० खे**ळ पु० **લીલાલહેર-સ्ત્રી** आनम्द पु० मजा **લીલીસ્**. ४)-स्त्री० उतार-चढ़ाव, सुखदुःख अ**≈्य'–वि० कपटी पु० लुच्बा** श्रु'८वु'-स०५० छ्रटना स०कि० अध्-न० त्रवण पु० नमक अंડी-स्त्री• **दासी** स्त्री• लौंझी क्षेपास-पु'० पहनावा पु० लिबास લેભાગુ-વિલ્ केमग्यू વુંલ્ **क्षेश-वि० ब्रह्म पु० जरा** क्षे'धावु'-स०५० जरा **लॅगहाना स**०कि०। दे। **५शा**६ी-स्त्री ० प्रजातंत्र पु० क्षे.यन-न० नेत्र पु० श्रॉंख क्षेत्र्यना-स्त्री० श्रा<u>त</u>रता स्त्री० त**रपन** क्षेश्य-स्त्री**० पीड़ा झी०** तक्क**लीफ**; वि० थका हुआ

स्ते। पतु -स॰ क्षि० न मानना

देश-पु'० लालव पु॰
देश-पु'०न० बाल, रोम पु॰
देश-नि० सुन्दर पु॰ ख्वस्रत
देशद्धप-वि० तृष्णातुर पु॰ लाडची
देशिशण-वि० रक्तिम पु०
देशिक-वि० सांसारिक वि॰ दुनियाई
स्थानत-स्त्री० स्त्री० शर्म; लानत

पड६-वि० सार्वजनिक पु०

पडरपुं-व्यव्धित विगदना आक्तित्व

सराव होना

पडरा-पुंत विकीकी रकम स्त्री.

पडासपुं-व्यव्धित मुँह फाइना

पडी-स्त्रीत संभव पु॰ मुमकिनः आशा

पडीस-पुं॰ कानून सास्त्री पु० वक्तील

पडार-पु॰ पु० प्रभावः लायकी

पडरा-पु॰ भाषण देनेवाला पु०, तक्र-

रीर करनेवाला
तक्ष-वि॰ बांका पु० टेड़ा
वक्षीसवन-न॰ टेड़ापन (किरनोंका)
वक्ष:स्थस-न॰ झाती स्त्री॰ सीना
वभत-पु॰ समय पुँ० वस्त, तक
वभवभवुं-श्थ०क्षि० तलपना
वभवाह-पु॰ स्निच्ची; टंटा
वभाष्युं-स॰क्षि॰ प्रशंसा करना स॰कि॰
तारीक करना

ताराक करना वभार-स्त्री ॰ कोठार पु॰ वभूटुं-वि॰ मिन्न पु॰ जुदा वभा-पुं• अखमरेवा संकट पुट वभाऽवुं-स० कि॰ दोष निकालना स॰ कि॰ खामी निकालना वभ-पुं•स्वी० स्थान पु॰; जगह, तक वगडा-पु• जंगल पु० वभावपुं-स० कि॰ निन्दा करना स॰ कि॰

बदगोई करना
वयक्ष्वं-अविकि बुरा लगना अविकि
वयन-नव शब्द पुर्व बोल, प्रतिज्ञा
वलन-नव भार पुर्व बोम
वल्लक्ष्य-पुर्व जागीरदार पुर्व जमींदार
वल्लक्ष्य-पुर्व जागीरदार पुर्व जमींदार
वल्लक्ष्य-पुर्व ज्ञामी जागीर ज्ञीव वल्लक्ष्य-पुर्व क्षेत्री पुर्व वजीर वल्लक्ष्य-पुर्व करावन पुर्व वय-पुर्विव निष्ठा स्त्रीव आवक् करगव वय्यु-सव्विव पसार करना वय्यु-पुर्व सक्को लागु होनेव ला हुकम

पटेभार्ध-भुं ० बटोही पु॰ मुसाफिर पडेपे।-भुं ० पितामह पु॰ दादा पडाઇ-रूबी० बहाई स्त्री० बहप्पन पडीस-पि० पूज्य पु० पढेपुं-व्ये०िक फगडना आ०कि० तक् रार्करना पश्क-भुं• वाणिज्य पु॰ कारोबार

परिध-स्त्री० दवाकी गोली स्त्री०

रार करना पथुष-पुं• वाणिज्य पु॰ कारोबार पथुसर्थं-स्थानिक विनष्ट होना अ॰कि० बर्बाद होना

वतन-निर्मूल गांव पुंच घर वत्स-पुंचन पुत्र पुठ बेटा वत्स-पुंचन प्रिय पुठ प्यारा वहन-निर्मुख पुठ मुँह वहनु-सर्कि बोलना सर्वक्रिय वस-पुंच हत्या कीय, खून वसनुं-स्थरिक बहना अर्वक्रिय मोटा होना वसाम्सी-सीठ बमाई स्रीठ खुश-

वधामधा-स्त्रा० बधाः स्त्रा० खराः खबरी वधाववु'-स०४० स्वागत करना स० क्रि० स्रगवानी करना

वधेरवु-स० कि भोग लगाना स० कि० वन-न० जंगल पु० वनश्-वि॰ जंगली पु० वनश्भ-भुं० सिंह पु० शेर वनश्मि-स्त्री० जंगल की शोभा स्त्री० वनश्मित्वनस्पति स्त्री॰ वनिता-स्त्री० महिला स्त्री० श्रौरत वनेमा-भुं० कष्ट पु० तकलीफ वधु-न० शरीर पु० जिस्म वध्वार-वि॰ विश्वासी पु॰ काबिके यक्तीन

वय-न०स्त्री० अवस्था स्त्री० उम्र वर-वि०धुं• उत्तम पु० श्रव्ह्याः द्रह्याः वर्ष्यु-पुं० वर्षे पु० रंगः न्यात वर्ष्यागी-स्त्री० अवस्त्राः ठांठबांठ पु० वरधी]

परध्री-स्त्री० हिच स्त्री० पशन्दगी परतपु'-स०४० पहिचानना श्रा० कि०

जानना

वरतारे।-पुं० भविष्य का दाल

वरहान-त० वरदान पु०

वरही-स्त्री० सूचना स्त्री० खणर

वरतुं-क०क्षि० वस्या करना स०कि०

पयन्द करना

वराप-न्त्री० ब्रातुरता स्त्री० उतावल वराण-न्त्री० भाष स्त्री० वरिष्ट-वि• सर्वश्रेष्ठ पु० वरी-पुं० न्यात-भोज पु० दावते विस-दरी

वर्ध्यु-पुरुरंग पुरु; प्रकारः वर्ध्युवयुं-सरुक्षिर वर्णन करना सरुकिर

बयान करना
वत धुक्क-रंत्री • रीतभात स्त्री •
वत भान-वि० स्त्रमी का, द्वाल का
वर्षु क्ष-त • गोलाकार पु०
वस्र्यु-त • वृत्ति स्त्री •
वसे। पात-पुं० करगान्त पु०
वस्त्र स्त्री •

वक्ष्सक्ष-वि० प्रिय पु० प्वाराः; पति वक्ष-वि० ऋधीन पु० तावे में वस्ति-स्त्री० निवास पु० रहना वसभु'-वि० कठिन पु० मुश्किल वसवसे।-धु'० सन्देह पु० बहम वसव - अ० हि० बसना अ० कि० रहन। वसियत-स्त्री० उत्तराधिकार पु० वसी-वसीक्षे - भुं व बहां की मदद या पह चानका लाभ व्सु-न॰पुं० घन पु० दौलत वस्त-स्त्री• जिन्स स्त्री० चीज वरेश्र-न० कपडा पु० वदार-स्त्री० सहायता स्त्री० मदद वडीवट-पुं • बंदोबस्त, व्यवस्था वहेभ-५ ० सन्देह प्० वहम वहेर-भुं • फटन पु • चीरा वहेवार-पु' व्यवहार पु • केनदेन; वंद्वा३-वि० चालू पु०!मौजुदा वहे।रव् -स॰ ४० खरीदनाः उधार खेना व्ण-पुं• बँट पु• श्रांटा वणग्राम्न सम्बन्ध, रिश्ता वणभवुं-अ० कि॰ मेटना वणावव - स० कि० मेजना व'2।[जिये।-पं० वात-चक पु० बगुला वं हेवं -- अ० हि॰ हाथ से निकलना अ० कि॰ चला जानाः भ्रष्ट होना वंहन-न० नमस्कार पु० सलाम વ દેમાતરમ–શબ્પ્ર૦ मात्रभूमि प्रगाम है श० प्र०

For Private and Personal Use Only

व श-भुं ० कुल पुर

वाड.वाथा-स्त्री० वाणी स्त्री० बोल

वाडेक्-वि० जानकार पुं० वाकिफ

િવિકાસ

याधी-पु'• पहिनाव पु० पोशाक वायाण-वि• वाचाल पु० बात्नी वाक्थी-वि॰ उचित पु॰ वाजिब वावाओडु - पवन चक्र पु॰ तुकान वाट-स्त्री० पथ पु० रास्ता; प्रतीक्षा वाटवु'-स०कि॰ बाँटना स॰कि० पीयना वाटाधाट-स्त्री० पंचायत स्त्री० वाटिश,वाडी—स्त्री० उद्यान पु० इग्रीचा वाढ-पुं॰ चीरा पु॰ जखम वाश्विक्य-न॰ व्यापार पु० तिज्ञारत पीत-पु' • पवन पु • हवा; कथा; गप्य वातावरख्—न० वायुमंडल पु०ः परि-स्थिति

वाहिववाह-भुं • चर्चा स्त्री • वाही-वि॰ प्रार्थी पु॰ फरियादी पु॰ मदारी

वानशी-स्त्री० नमूना पु० वापस-व्य० पुनः श्र० फिर वाभ-वि० बायां वि०; सुन्दर वाभन-विव्यु'० बौना पु० टिंगना वाभा-स्त्री० महिला स्त्री॰ श्रीरत; सुन्दरी वायदे।-पुं• वायदा प**०** वायरा-पुंट पवन पुठ हवा वायस-वि०न० तरंगी पु० मौजी; एक

वायस-पु'० काग पु० कौआ याथु-धु'० पवन पु∙ हवा

वारस-पुं० उत्तराधिकारी पु० वारिस वार्रागना-स्त्री० वेश्या स्त्री० तवायफ वाक्षी-पु'० पालक पु० वालुडा-स्त्री० बाह्य स्त्री० रेग वावटा-पुं• ध्वजा स्त्री॰ मंहा वावर-धुं० खबर; बिस्तमाल वास-पुं०स्थी निवास पु० मुकाम;

या**सना-**स्त्री० कामना स्त्री० चाह वासीद्वं-न० कचरा पु० कूड़ा यासी-पुं विवास पुर मुहाम वादियात-वि० निक्रमा फजूल वाणवु -स० कि साफ सुफी करना वाण'६-पु'० नाई पु० हिन्दू हज्जाम वाणु-न० च्यालू पु० रातका खाना वांड-पु'० दोष पु० खामी वांकडे।-धुं० वरको देनेकी रकम स्त्री• विश्वनी-स्त्री • धिमलाषा स्त्री • चाह वांअधी+स्त्री • बन्ध्या स्त्री • बांमा वीट-पुं ० स्त्री० भाग पु० हिस्सा वधि।-पुं • हरकत पु • हर्ज विक्ट-वि॰ कठिन पु० मुश्कल বি১২।গা–বি০ भयानक पु० खौफ़ताक (१५६५-५° सन्देह पु० शक વિ**કેસલું –અ**૦ક્રિ**૦** विकंसित होना अ०िक खिलाना

विकार-पुं० परिवर्त्तन पु० फेरफार वारवु'-स ० क्वि श्राटकाना स ० कि० रोकना विश्वस-पु' ० वृद्धि स्त्री ० बदाव; खिलता 116

विक्ष्म-पुं • प्रांक्षम पु • ताक्षत विक्ष्म-पुं • बेबना पु • फरोख़्त विक्ष्म-पुं • ब्रब्बन खी • हकाबट विभ्याद-पुं • विवाद पु • तकरार विभ्युटुं—वि • भिन्न पु • जुदा विभेरवुं—से • कि खेला से • कि • विभ्यात-वि • प्रसिद्ध पु • मशहूर विभ्यात-वि • प्रसिद्ध पु • मशहूर विश्वड—पुं • संवर्ष पु • कंस विव्यक्ष्यु—वि • चतुर पु • होशियार विव्यक्ष्यु—वि • ज्ञाशय पु • मकसद, मनन करना, श्रमिप्राय

विधित्र-वि अनोखा पु अजीब विभ्रय-पु जीत स्त्री कतह विश्रय-पु जीत स्त्री कतह विट'प्पश्चा-स्त्री दुःख पु जतकतीफ वितं अवाह-पु जव्यर्थ विवाद पु जः कजूत सरपच्ची

विताउवुं-सर्वाहित दुःख देना
वित्त-नव धन पुव दौलत
विद्वायगीरी-स्त्रीव श्राज्ञा स्त्रीव हुक्म
विद्वाय-स्त्रीव शिक्षा स्त्रीव तालीम
विद्या-स्त्रीव चपला स्त्रीव बिजली
विधि-स्त्रीवपुंव तरीका पुव तरकीय
भाग्य देवता

वितय-पुं• सभ्यता स्त्री० विन'ति(ती)-स्त्री० विनती स्त्री॰ अर्घ विनेहि-पुं• आनन्दे पु० प्रचा; मस्करी विभरीत-वि॰ उत्र्टा पु॰
विभिन-ने जंगल पु॰
विभुव-वि॰ पु॰कल पु॰ ज्यादा
विभ-भुं॰ ब्राह्मण पु॰ बिरहमिन
विभ्व-भुं॰ विद्रोह पु॰ बगावत
विभाक्त-वि॰ अलग अलग पु॰ जुदा जुदाः
विश्व-वि॰ महान् पु॰ बदाः सर्वव्यापी
विभव-वि॰ निर्मल पु॰ साफं
विभासणु-स्त्री॰ परवाताप पु॰ श्रक्तसोसः विंतन

विधे।ग-पु'० विरह पु० जुदाई
विरभपु'-अ०६० ठहरना श्र∙कि०हरुनः
विरक्ष-पु'० वियोग पु० जुदाई
विराज्यु'-अ०६० शोभित होना श्र०
कि० कवना

विशट-वि० विशाल पु०
विरुध्ध-वि० वस्टा पु० खिलाफ विरोध-पु० वैर पु० दुश्मनी विक्षक्ष्य-वि० विचिन्न पु० त्रजीब विक्षय-पु० नाश पु० बरवादी विक्षय-पु० बीज स्त्री॰ देर विक्षय-पु० भोज विलास पु० मोजशीक विवर्ण-पु० विवेचन पु० बयान, स्प-

विवश-वि० लाचार पु० बेबस विवाह-पुं० वाद-धिवाद् पु० तकरार विवाद- पुं० पाणित्रहरा पु० जारी विविध-वि० श्रमेक प्रकारका पु० तरहः

तरहका

वृष्धि-स्त्री० बढ़ोत्तरी स्त्री० बढ़ाव

वृध्ध-वि० बुहा पु०

ભાવસાય

विवेड-पुं वृद्धि स्त्री० श्रक्त, सम्पता विशार६-वि० पटु पु. **इ**ोशियार विशाण-वि० विशास पु० वडा विशेष-वि० मुख्य पु० खास: विश्राम-५ ० शान्ति स्त्री० श्राराम विश्व-न० जगत पु० दुनिया विश्वास-पुं० भरोबा पु० यक्तीन विष-न० इत्ताहत पु० जहर विष्टि-स्त्री० समजोते की दातचीत विसात-स्त्री० मूल्य पु० कीमत; श्रीकात विसामा-पुं ज्ञाराम पु० विस्तार-पु० फैलाव विरमय- श्राप्त्वर्य प्र० हैरत विद्वभ-न० पत्ती पु० चिदिया [वद्धरवु'-अ•िह० विहार करना कि० सर करना 'पी**श्व'-स**०५० चुनना स० कि० वीर-वि॰पं० शूर पु० बहादुर; भाई वीक्ष'-वि० लजित्रत पु० शर्मिदा वीसरवु:-स०४० विद्यारना स०कि० भूलना वी कही।-पु ० व्यजन पु • पंखा वी'टवुं-स०\$० लपेटना વીંધવું–સ૰ક્રિ૰ बीधना स०कि० छेद करना **ध्क्ष-न० पेइ पु॰ दर**ख्त

र्धात-स्त्री॰ स्वभाव पु० आदत

२थ।-अ॰ व्यर्थ अ० फ्रजुल

५५-५'० बैल ५० वृष्टि-स्त्री० वर्षा स्त्री० बारिश वृद्द--- समृह पु० फ़ंड वेश-५'० गति स्त्री० चाल; कोध नेगण - वि० अलग पु॰ जुरा वेठे–स्त्री**० उपाधि स्त्री**० **इतवा** वेऽ६वं-स०६० अवव्यय करना स०व्हिः फ़ज़्लखर्ची वेतन-न॰ पारिश्वमिक पु० तनख्वाह वेतरव् -स० क्षि॰ कपड़ा वेंतना स० कि० विगासना वेर--त० रुखुता दुश्मनी वेरा-ं० टैक्स पु० महसूल वेवलं-वि० बेढंगा पु० वेविशाण-न० विवाह पु० वेणा-स्त्री• समय पु• वक्त वैतरु'--न० भारवाही पु० मजदूरः मजद्री की दर वैक्षव-पु'० ऐश्वर्य पु॰ शान ०५६ित-२ेत्री० मनुष्य पु० श्रादमी; व्यक्ति ०४अ-वि० व्याकुल पुरु धवराया हुआ ्यथा–स्त्री० दुःख पु० तक्लीफ व्यय-पुं सर्व पुर ०**थर्थ-**वि० निर्धक पु• फ़जूल ०4वसाय-पु'० ब्यापार पुंo तिजास्त

अवस्था—स्त्री • प्रबन्ध पु • बन्दोबस्त
अयवक्षार—भुं • बर्ताव पु • सल्क
व्यस्त-नि • टेव स्त्री • सत् अयस्त-नि • स्त्राग स्रलग किया हुस्रा
व्यभ्य-नि • कटाल पु •
व्यक्षि—पु • बाव पु • शेर
व्यक्षि—पु • बाव पु • शेर
व्यक्षि—पु • स्त्री • रोग पु • बीमारी
व्याधा—पु • स्त्रात स्त्री • वरिवश
व्याधा—पु • स्तरत स्त्री • वरिवश
व्याधाम—पु • कसरत स्त्री • वरिवश
व्याधाम—पु • स्तरत स्त्री • वरिवश
वर्षका पु • स्तरक

शंड-पुं • सन्देह पु • ; एक संवत् शंडे-पुं • साग पु • हिस्सा शंडें - पु • साग पु • हिस्सा शंडें - पु • सिक्ता मा कि • शंडें ते - ते • सम्मा सिकीरा पु • शंडें रें - ते • मिट्टीका सिकीरा पु • शंडें रें - ते • मिट्टीका सिकीरा पु • शंडें रें - ते • मिट्टीका सिकीरा पु • शंडें रें - ते • मिट्टीका सिकीरा पु • शंडें रें - ते • मिट्टीका सिकीरा पु • शंडें रें - ते • मिट्टीका सिकीरा पु • शंडें रें - ते • मिट्टीका सिकीरा पु • शंडें रें - ते • सिकीरा जा सके वि • शंडें प् • व्यक्ति पु • संस्व शंडें - वि • दुष्ट पु • सु • स्वासा शंडें । ते • स्वासा शंडें - स्वासा શણગાે–પું વ્યંજીર शत−पुं० सौ वि• शतक-न० सौ का समुदाय पु० शतावधान-न० शतध्रत पु० शत्र-धुं• वैरी पु॰ दुशमन श्य**थ-पुं० सौगन्ध स्त्री० कसम શ**ণ্দ-ন০ शव पु० साश शय्द-पुं• वचन पु० बोल श्यम-पुं० शान्ति स्त्री० ; समा श्रभता-रेत्री**० धेर्य** पु० तसल्लो श्रमवुं-**अ०**४० शान्त होना शभशेर-स्थी० तलबार स्त्री० शभियाने।-पुं॰ मरहर पु॰ शामियाना शयतान-पुं वदमाश पु रशतान शयहा-वि० प्रेम दीवाना पु॰ શયન–ન૦ સોના પુ૦ शन्या-स्त्री॰ बिछौना पु• विस्तर शर-पुं० बागा पु० तीर श्चरंश्-न० रत्त्रण पु० शरत-स्त्री० करार पु० शर्त शरभ-रेशी० **ल**ज्जा स्त्री० शर्म शराध-५० मद्य पु० श्वरी६-वि० शिष्ट पु० प्रतिष्ठित श्रुंथ-न० कांटा पु० शस्त्र-न० इधियार पु० श्वधीह-वि०५' विलदानी पु० **श**ेर-५० नगर पु० शहर शं धा-रेत्री० सन्देह पु• शक

[શાભવું

शिखर पु० चोटी, श्रोक શ'કુ–ન• आकृति श लुभेला-पु • खीच पु० શાખ-સ્ત્રી૦ સાસ સ્ત્રી૦ आदरू शाभा-स्त्री० डाली स्त्री० शाख"-वि० समाना पु० सममदार श्वाता-स्त्री० शांति, तसक्ती स्त्री० शान-स्ती० ठाट पु० शान श्राप-पु'० श्रमिशाप पु० बददुश्रा शायर-पु'० कवि पु० शायर शार-५० छिद्र ५० छेद श्चार्द्ध – पु'० वाद्य पु० शेर शासन-न० राज्य पु० हुकूमन शादुशर-पुं० साहुकार पु० शिक्षरत-स्त्री० पराजय स्त्री० हार शिधयत-स्त्री • फ़रियाद स्त्री • શિખા-સીં નોટી સ્ત્રી• शिथिस-वि० नर्भे पु• ढीला शियण-न० शील वत पु० शियाविया–वि० व्याकुल पु० वेताब श्चिर-न० मस्तक पु• सर शिरकोरी-स्त्री • जबर्दस्ती **!श**रस्ता-पुं० रीति स्त्री० रिवाज (श्रह्य-न० कला कौशल पु० कारीगरी श्चिव-वि०पु'० ऋल्याग्रकारी पु॰ महादेव शिशु-पुंज्ने बालक पुरु बच्चा शिष्ट-वि० सभ्य पु० शरीफ शिष्य-पुं० चेता पु०

शिरत-स्त्री० नियमितता स्त्री० शीध्र-वि० जल्द पु० फौरन शीत-वि० शीतल पु॰ ठंडा शीर्ष-न० मस्तक पु॰ सर शीक्ष-न० शाळीनता स्त्री० शराफत शीश-न० मस्तक पु॰ सर शीणं-वि॰ शीतल पु॰ ठंडा शह-पुं व सुग्गा पु व तोता श्रुडल-वि०५' • स्वेत प्र सफेद; पुरू शुक्ल ब्राह्मण शुध्ध-वि• पवित्र पु॰ पाक शुल-वि० कल्याग्रकारी पु० शुल्ड-न० मूल्य पु० कीमत शुष्क-वि० नीरस पुरु सुखा श्र्ष्रणुध-स्त्री० मान पु॰ सुधबुधः **श्चन्य-वि० रिक्त पु० खा**ली श्चर-वि० बीर पु० बहादुर श्रण-न० काँटा पु० श्'भक्षा-स्त्री० सींक्त स्त्री० जंजीर श्'गार-पु'० शोभा स्त्री० सजावट शेभाध-स्त्री० बढ़ाई स्त्री० शेखी शेष-वि० बचत स्त्री॰ बाकी शे।५-५ ० सन्ताप पुरंज शे। भ-५ • इचि स्त्री॰ शौक शाय-प्रायदिवत पु० फ्रिफ शेष्यु'-स०कि० शोधन करना स० कि० खोत्रना શાભવુ'-અ૦કિંગ શોમિત होना अ० कि० फ्रामा

શાભા]

शाका-स्त्री • मौदर्य पुरु : प्रतिष्ठा स्त्री० शे।र-पुं० ध्वनि स्त्री॰ तेत्र श्र'वाज शीष-५' व्यास शोय-न० स्वच्छता स्त्री॰ सफाई शौर्य - नट शूरता स्त्री० बहादुरी श्याभ-वि० कृष्ण पु॰ काला अध्धा-स्त्री • विश्वास पु • यक्तीन श्रम-पुं वरिश्रम प् मेहनत श्रदश्य-त० सनना श्रात-वि॰ विश्रान्त पु० धका हुन्ना श्री-स्त्री० सक्ष्मी स्त्री० श्रीभान-विव धनवान पुरु दौलतमन्द श्रुति-स्त्री • सुनी हुई बात स्त्री •; वेद श्रिश्-अंशि कौटि स्नी० टर्जा श्रेय-न० दल्याग पु० श्रेष्ठ-वि० सर्वोत्तम पुँठ श्रीता-५ . सुननेवाला ५० श्वान-पुं ० कुत्ता पु॰ श्वेत-वि**० ग्रुम्र** पु० सफ़ेद

(૧)

प८-वि० क्रे वि० ष्ड्यं त्र-न० जाल धे। उश-वि॰ सो तह वि०

33.58

(a)

सक्षी -वि॰ भाग्यशाली पु० नदीबदार सक्ष-वि॰ समस्त पु० तमाम सडं ली-५'० पेंच पु० शिक्ंना

सक्षम-विवक्त हेन्द्र पूर्वती वा बाहने सडडस-वि० कठोर पु० शख्त સખાવત–સ્ત્રી० दान पु० सभवड-स्त्री० प्रमुक्तन्नता स्त्री० मुद्रा-

सगीर-वि० श्रल्यायु पु० कम सम सध्यु'-वि० समस्त पुं तमाम स्थिव-पुं॰ प्रधान मंत्री पु॰ वजीरे

सथे।८-वि० श्रचुक्त पु० सक्र ४५-वि० हद् पु० मञ्जूत सम्मनी-स्त्री० मुखी स्त्री॰ सहेली सक्यु'-स०६० श्रंगार करना स०कि० सला-स्त्री० दगड पु० सजा **শ্ৰ**প্তব–বিত जीवित विত जिन्दा सक्कन-पुं ० शिष्ट पुरुष पु • शरीफ श्रादमी

सरे-अ॰ शीघ्र श्र० एकदम सटरपटर-वि॰ ब्राव्यवस्थित पु० बे

बन्दीबस्त सडे।-पुं ० बिगाइ पु ० बर्बादी सत-वि० सच्चा पु०; न० सत्य सतत-वि॰ निरन्तर पुं॰ लगातार सती-स्त्री० पतिवता खी० पाददामन सत्-वि० सच्चा पु० सर्धभ -न० सुकर्म पु० सत्धार-पुं॰ स्वागत पु॰

_િ સમાધાન

सत्ता-स्त्री॰ अधिकार पु० अमलदारी
सत्त्र-न० सार पुँ०; ताक्रत; प्रांगी
सत्य-वि० सांच पु०
सत्याताश्च-न० विनाश पु० वर्षादी
सत्य-वि० शीघ्र पु० फौरन
सत्यंग-पुं० संग्रमागम पु० सोहबत
सथवारा-पुं० संग्रमागम पु० सोहबत
सथवारा-पुं० संग्रमु० साथ
सहन-न० घर पु० सुकाम
सहन-वि० मुख्य पुँ० खाम
सहरु-वि० पूर्व कथित पु॰
सहरु-वि० पूर्व कथित पु॰
सहरु-वि० पूर्व कथित पु॰

सहाके लिए सहायार-पुं० शुभ बावरण पु० सद्य-२५० शीव्र अ० फौरन स^६धर-वि० बलवान पु० ताक्रतमन्द; धनी

सन्धारा—पुं ० संबेत् पु० इशारा सन्ध-स्थी० साची खोे • सनदः परवानगी सन्ध-स्थी० प्रियतमा पु० मासूक सनसन्धी-स्थी० सनस्नी खो॰घबराह्य सनसन्धी-प्राचीन पु० पुराना सन्भानवुं-स०४०सम्मान करना स०किव

इज्जत देना सप्राप्तु'-स०४० फॅमाना स०कि० सप्रभु'-वि० त्रानन्दमय पु० खुशहाल सप्राटा-पु'० शीघ्रता स्त्री०; सपाटा; पु० तमाचा

पु॰ तमाचा अपूर्यं-वि॰ समूचा पु॰ तमाम स्रेत-विव सात बि॰ इपन
सर्र-स्त्री॰ यात्रा स्त्री॰ मुसफिरी
सर्गाध-स्त्री॰ सवच्छता स्त्री०
सर्गाध-स्त्रि॰ बावला पु० पागलः यक एक
सम्प्रदु - म॰ क्षि॰ सबोहना प्र०कि०
सम्प्र-पुं॰ कारण पु० वज्जह
सम्प्रस्थ-न० लवण पु॰ नमक
सम्प्र-स्त्री० धीरज पु॰ सबर
सक्षा-स्त्री॰ मंडली स्त्री० अंजुमन
स॰ अर-वि॰ घनवान पु० दौलतमन्द
स॰ य-वि० पु॰ शालीन पु॰ शरीफ;
पु० समासद

सभ-विद्युं समान पुरु यहसा; सौगन्ध

समक्ष-वि० सम्मुख पु॰ दरपेश समग्र-वि० समस्त पु॰ तमाम समक्ष-स्त्री॰ समग्र स्त्री॰ श्रक्ल समक्ष्यु-स॰क्षि॰ जानना स॰क्रि॰

समसना
समय-पुं • काल पु • वक्रत
समय-पुं • युद्ध पु • वंग
समय-पि • बलवान पु • ताक्रतमन्द
समस्त-पि • सारा पु • तमाम
समस्या-स्त्री • गुम्फी स्त्री • उलक्रन
समस्या-स्त्री • गुम्फी स्त्री • उलक्रन
समस्या-पुं • स्चना स्त्री • खबर
समस्य-पुं • स्चना स्त्री • खबर
समस्य-पुं • संच पुं • जमात
समाधान-न • सबर

(સહકાર

સમાન-વિ• यद्ધકાં समाप्त-वि० शेष पु० खत्म सभारव'-स०कि० सँवारना स०कि० सभावु - अ० कि० समा जाना अ० कि० अन्दर आ जाना समिति-स्त्री • शंज्यन, समा (छोटी) सभीक्षा-स्त्री॰ मीमांबा स्त्री॰ नुक्ता सभीप-वि० पास पु० न**जरी**क सभीर-पुं • पवन पु • इवा समुहाय-पुं • मृंड पु • टोली समूढ-पुं॰ समुदाय समृध्धि-स्त्री० वैभव 😳 सभेटवं-स०५० एकत्र करना स०कि० इक्ट्रा करना समा-पुं• समय पु॰ वाहत सम्यक्ष-अ० मली प्रकार श्र• श्रच्छी तरह सभार-पु'० राजाधिराज पु० सरक्ष्यं-अ०६० सरकता अ०कि॰ खिसकना सरत-स्त्री० स्मरण शक्ति स्नी० याद-दाश्तः ध्यान सरधर-पु'० धगुष्रा पु० मुखिया सरभरा-स्त्री० सेवा चाकरी स्त्री० टहल बन्दगी सरमु भत्यार-पुं एका विकारी पु० सरण-वि॰ निष्हपट पु॰ सीधा सरपेयु'-न० पुरी सालका हिदाब करना

सरस-वि० उत्तम पु॰ श्रद्धां सरसाध-स्त्री० स्पर्धा स्त्री। सरसु'–वि• सुन्दर पु**० रौन**क्री सरद्ध-स्त्री० सीमा स्त्री० इद सर'लभ-५'० लढ़ाईकी चीजें सरिता-स्त्री० नदी स्त्री॰ दरिया सरियाभ-वि० मुख्य पुर साम्र सरेराश-स्त्री० श्रंदाजरे, करीवकरीव सराभ-न- हमल सर्क्ष्यं-स०क्षि० सर्जन करना ध०कि० बनाग रुक्रित-वि० भाग्य-लिखित पु० तक-दीरी सर्जन किया हत्रा सर्व-वि॰ समस्त पु॰ तमाम सर्^९त्र-२५० प्रत्येक स्थान पु• हर जगह સલવાલું - અાહિક फॅसना जालमें आना संक्षाट-पुं० पत्थर घडनेवाला सः सामत-वि० सुरवित पु० हिफाजतमें संसाद-स्त्री० राय स्त्री० स्रविस-न० जल प्• पानी सञ्जडार्थ-स्त्री• सभ्यत्राचरण पु० सलुक सलूख'-वि० सुन्दर पु० सर्जीना सस्तनत-स्त्री० राज्य पु॰ हुकूवत श्विता−yं o सूर्य पु• मिहर सञ्ध-ि बायां वि० सरतु^{*4}वि० सस्ता पु॰ कमकीमत सહधार-पुं व सहयोग पु०

સિંધ

सहयर-वि० संगी पु॰ साधी
सहयर-वि० स्वामाविक पु॰; सरल
सहवास-पुं॰ संगति स्त्री॰ सोहबत
सहसा-व्य० स्र॰ अवानक
सहस्य-वि० हजार पु॰
सहाय-व्य० सहायता स्त्री॰ मदद
सहारा-पुं॰ भाश्रय पु॰ सहारा
सहियर-व्य० सखी स्री॰ महेली
सहियान्-वि० बोहा पुँ०
सहस-व्य० स्त्रान पु॰ मौजमजा
सहेलुं-व्य० हि॰ सहन करना स०कि॰

सद्देश्य करणा सद्देश्य क्षित्र मुर्ग्य क्षित्र म्याप्त स्थाप्त स्थाप्

सं इंश्प-पुं ि निश्चय पुं ि सं कुं यित-वि व संबद्धा पुं व सं कुं त-पुं े इंगित पुं दशारा सं के अर्थ-पुं े लज्जा स्त्री व शर्म सं क्षिप्त-वि व संत्रेप पुं व थोड़ा सं क्षेप-पुं े व्याकुत्तता स्त्री व घड़-सा क्षेप्त-पुं े व्याकुत्तता स्त्री व घड़-

णारू सं∨या–ञ्री० गणना स्री० ग्रिनतौ संग–पु*० संगति स्री० सो{बत संगति—स्त्री । सहवास पु । सोहबत संगम—पु । मिलाप पु । संगीत—वि । इड़ पु । मजबूत संग्रह—पु । एकत्रीकरण पु । इक्ट्रापन संग्रह—पु । एकत्रीकरण पु । इक्ट्रापन संग्रह—पु । एकत्र जंग संध—पु । समाज पु । क्यात संधटत—वि । संगठित पु । इक्ट्रे संधरवु - २५० हि । एकत्र करना श्र ।

कि० ६६ठा दरना
संधात-पुं० संग पु० साथ
संधात-पुं० संग्रह पु० इक्ट्रा
संधातक-पुं० चालक पु० चलानेवाला
संजोग-पुं० चंगोग पु०
संग्रा-स्त्री० चेतना स्त्री० होश; निशानी
संडीपयुं-सट्डि० शामिल करना स०

।क० संत-वि०पुं • सन्त पु० सूफी संतति-स्त्री० सन्तान स्त्री० औत्ताद संतक्षस-स्त्री • गुप्त वार्ता स्त्री०

गुफ्तगू सताऽवुं—स॰क्षि० गुप्त रखना स॰कि॰ छिपाना

संताभ-पुं० कष्ठ पु॰; तकलीफ संताभ-पुं० परितोष पु० सबर संतीप-पुं० पहरेदार पु० सन्तरी संदेश-पुं० सन्देश पु० पैगाम संदेध-पुं० रांका स्त्री० शक संधि-स्त्री० मेल-जोल पु० सुलह जोड़

િસામ'ત

संध्या—स्त्री० सायंकात पु॰ शाम संपत्ति—स्त्री० घन पु॰ दौतत स'प•न-वि० वैभवशाली पु॰ दौलत-

संपादन - नव तैयार करना संपूर्ध - विव समस्त पुरु तमाम संप्रदाय-पुंठ पंथ पुरु फिरका संप्र'व-पुंठ नाता पुरु दिश्ता संकाद-पुंठ शक्य पुरु मुमकिन संकारपुं-परुडिठ स्मरण करना सर

कि॰ याद करना
स'आण-न्द्री॰ दरकार
स'भित-न्द्री॰ राय स्त्री॰ सत्ताह
स'भेलन-न॰ सम्मित्तन पु॰ श्रंज्ञमन
स'भेल-पु॰ श्रांति स्त्री॰
स'यम-पु॰ निप्रद पु॰ क्षांत्र
स'युक्त-नि॰ जुहवां वि॰
स'वनन-न॰ प्रेम करना पु॰ मुद्दब्बत

स'वाध-धु'• वार्ताखाप पु० बातचीत संशय-धु'० सन्देह पु० शक स'शोधड-वि० शोधकार पु० खामी

निकासनेवासा स'सर्ग-पुं० संगति स्त्री॰ सोहबत स'सार-पु० जगत् पु० दुनिया स'स्था-स्त्री० समिति स्त्री० जमात स'स्थान-न• स्रोटा राज्य पु• स्रोटी सहत्तनत संद्वार-पुं • नाश पु • खातमा साक्षार-वि • पुं • विद्वात पु • श्रालिम साक्षात्-अ • सम्मुख पु • दरपेश साक्षा-पुं • गवाइ सागर-पुं • समुद्र पु • सायवध्यी-स्त्री • देखभाल स्त्री • निग-

सायुं-वि० सच्चा पु० सम्ब-युं शृंगार पु० सजावटः सामग्री साज्यं-वि० स्वस्थ पु० तन्दुहस्त सायुं-व० सममौता पु० इहरारः बदला

सारिवड-वि० सद्गुणी पु० साथ-पुं० संग पु॰ सोहबत साथरी-पुं० घास की चटाई स्त्री साथण-स्त्री० जांच साध-पुं० व्वति स्त्री० आवाज साहर-वि० मानसहित पु० इज्जत के

साय
साध=-वि॰ साधना करनेवाला पु॰
साधवुं-स॰ि॰ साधना करना स॰िकः०
साध्वुं-स॰ि॰ सला पु॰ ऋच्छा
सान-स्त्री॰ संकेत पु॰ इशारा, अक्ल
साणित-वि॰ सिद्ध पु॰
साणूत-वि॰ पु॰ सारा; मजबूत
साभदुं-वि॰ एक साथपु॰
साभथ्ं-न॰ शक्ति स्त्री॰ औक्तान
साभ'त-धुं॰ योद्धा पु॰ लड़ाका

સામ્ય]

सान्ध-न॰ समानता स्त्री० बराबरी सार्ध्य-पुं० रथ दांकनेवाला पु॰ सारवार-स्त्री० सेवा चाकरी स्त्रौ॰ खिदमत सारांश्य-पु० भावार्थ पु० सासपुं-अ०४० चुमना अ०कि॰

खट६ना

सासस-वि० मना पु॰ सरा
साव-व्या व वित्र कुन्न
साव-व्या व वित्र कुन्न
साव-वि० नि नि पु॰ होशियार
सादिश-वि० प्राकृतिक पु॰ कुदरती
सादस-व हिम्मत स्त्री० हौसना
साद्ध-व शिय-व सहायता स्त्री० मदद
सादित्य-व साधन पु॰ साहित्य
सादेश-व्या० वैभव पु॰ शान-शौकत
सादेश-व्या० संक्षा स्त्री० सहेली
सांक्ष-व्या० संक्षा स्त्री० सहेली
सांक्ष-व्या० संक्षा स्त्री० तंगी
सांभवं-स०कि० चमा करना स०कि०
माफ करना

सांगि प्रेंग पु॰ समस्त सांगिऽवुं-अ०४० प्राप्त होना अ०कि० नसीब होना सांभत-वि० ग्रमी वि॰ इस समय सांभरवुं-अ०४० हमस्य ग्राना अ०कि०

याद श्राना सांक्षणवु'-स०४० श्रवग्रकरना स०कि० स्राना सांस[-५] ० कठिन पु० मुश्किल, तंगी

सितम-पुं• बन्याय पु॰ जुल्म
सितारा-पुं० मारय पु० तक हीर, सितारा
सिद्धीत-पुं० मत पु०
सिद्धि-रूत्री• सफलता स्त्री॰ कामयावी
सिक्ष्त-रूत्री॰ बाजाकी स्त्री॰ होशियारी
सिक्ष्त-रूत्री॰ संज्ञाति स्त्री॰ होशियारी
सिक्ष्रि-रूत्री॰ संज्ञाति पु० चवर्षस्ती
सिरस्ती-पुं॰ रीति स्त्री॰; रिवास
सि'युवं-संगठि होटना संग्रिकः; पानी

सींचना
सि'धु-पुं• समुद्र पु० बहर
सीभा-स्त्री० मर्यादा स्त्री० हद
सुभ्वर्थ-वि॰ झानन्दपूर्वक, ख्रासि
सुग्भ-वि० सरस पु० श्रासान
सुत्तरुं-वि० सुगम पु० श्रासान
सुत्त-स्त्री• पुत्री झी॰ बेटी
सुध्वरुं-स्थ०िं सुष्ठरना श्र०कि॰

दुरुस्त होना
सुधा-स्त्री० अमृत पु० स्राने ह्यात
सुक्षभ-वि० सुम्दर पु० ख्नसूरत
सुभन-न० फूळ पु० गुळ
सुभार-पुं० करीवन
सुरता-स्त्री० ध्यान पु० खयाल
सुरा-स्त्री० मग्र झी० शराव
सुरीक्षं-वि० मग्रुरस्वरवाला पु० सुरीला
सुरेभ-वि० सुन्दर, ख्नसूरत; सप्रमाण
सुरेक-स्त्री० सन्नि झी० सुन्द सुरत-वि० सालसी पु० सुन्त સહાવું]

सुद्धावं-श्व-कि शोमित होना श्व-कि फबना सु-६२-वि रमणीय पु खबस्रत सु'वाणं-वि सुकोमल पु नर्म सुद्दम-वि सीना पु बारीक सुग-स्त्री ध्या स्त्रीं नफरत सुयववं-सुर्धि सुचना देना सु कि

स्अ-स्त्री॰ प्रहण्माव पु॰ समम स्अतुं-श्य-क्षि॰ दृष्टिगत होना श्र॰कि॰ दिखाई देना, सूत्रन श्राना

जताना

स्त्र-न० तन्तु पु॰ रेशा; नियम, नारा
स्व-न० तन्तु पु॰ रेशा; नियम, नारा
स्व-स्त्री० भान पु॰ होश
स्त्-पु॰ रवर पु॰ उत्राह
स्र-पु॰ रवर पु॰ उत्राह
स्रत-स्ति० मुखहा पु॰ चेहरा
स्रि-पु॰ पंडित पु॰ ब्रालिम
स्वर-पु॰ ०० स्मर पु॰
स्थि-स्त्री॰ जगत् पु॰ आलम
सेतु-पु॰ पाज पु॰ पुल
सेना-स्त्री॰ फोइ स्ति॰ पल्टन
सेवड-पु॰ चाकर पु॰ खिदमतगार
सेववु'-स०६० भजना स॰कि० उप-

योगमें देना सेवा-स्त्री॰ चाकरी स्त्री॰ खिदमत सैनिक-पुं॰ फौडी पु॰ सिगही से।ध-स्त्रो॰ व्यवस्था स्त्री॰ बन्दोबस्त से।ला-वि॰ श्राच्या प॰ बहिया से। ८ – स्त्री • पार्श्व पु • बाज् से। भत – स्त्री • मेत्री स्त्री • दोस्ती से। भ – पु • चन्द्र मा पु • चाँद से। स – पु • ब्रस्य म्द्रा च्यास स्त्री • से। स नु ं – अ • डि • सहन करना स • कि • बर्दाहन करना से। ह नु ं – अ • डि • शोभित होना स • कि • फबना

सोह्यां-वि० सुराभित पु॰ सुद्दावना
सेह्यां-वि० सस्ता पु० कमक्रीमती
सोल्या-वि० सस्ता पु० कमक्रीमती
सोल्या-वि० सुद्धान्य पु० खुरानसीमी
सोल्या-वि० सालीन पु० शांल, सुन्दर
सोर-वि० सुरज सम्बन्धी पु०
सोन्द्यां-वि० सुन्दरता स्त्री खुबसूरती
२५'ध-पुं० इन्धा पु० प्रकरण
२५थन-वि० सारवर्यविकत पु०
हुकका-बक्का

रत'ल-पु'॰ धम्मा पु॰ सम्मा रतुति-स्रो॰ प्रार्थना स्त्री॰ प्रर्ज रथण-न० स्थान पु॰ जगह रथान-न॰ स्थल पु॰ जगह रथापतुं-स॰ ४० स्थापित करना स॰ कि॰ रथापर-वि॰ स्थिर पु॰ स्थिति-स्त्री॰ दशा स्त्री॰ हालत; दर्जी रिथर-विश्व पु॰ रथुण-वि॰ भारी पु॰ मोटा

स्वय – थ० स्वतः घ०, खुद

रेनान j

२नान-न॰ मज्जन पु० गुस्ल रिनम्ध-ति॰ कोमच पु० चिकना २नेड-पुं॰ प्रेम पु॰ मुहब्बत २५६१-स्त्री० होड स्त्री० २५६९-स०४० स्पर्श करना स० कि० स्त्रुना २५४-वि० प्रकट पु० खला २५१५-वि० स्पर्श करने योग्य पु॰ स्त्रुने लायक्र

पद्रा

२५६।-स्त्री० अभिनाषा स्त्री० चाह २५२९'-२००६० एकाएफ स्मरण होना

स्कृति -स्त्री० तेजी स्त्री० फुर्तीं स्कृट-पुं• स्पष्टता पु॰ खुढासा स्भरवुं -स०क्वि० स्मरण करना स०कि० याद करनां स्भित-न० मन्द हास्य पु॰ मुसकान स्भृति-स्त्री० स्मरण पु॰ याद;

अ० कि० अचानक सुभ

धर्म-शास्त्र
रत्राथ-पुं० रचियता पु० बनानेवाला
रत्राथ-पुं० दवित होना पु० बहाव
रव-स० अपना स० निजी
रव-४०-वि० निर्मेल पु० साफ
रवत:-४० रवयं अ० खद
रवत'त्र-वि० रवाधीन पु० आजाद
रवे--व० सवना पु० ख्वाब

स्वक्षात-भुं॰ टेव स्त्री॰ स्नादत

स्वर-पु'० ध्वनि, श्रावाज स्वरूप-न० श्राकार पु०, शक्तः, सुन्दरता स्वस्प-वि० शोदा पु० हम स्वाभत-न० सत्कार पु० स्वाह-पु'० श्रास्वादन पु० , जायका स्वाभी-पुं० पति पु० , मालिक स्वाध-पु'० मतलब पु० , गरज स्वीशरवु'-स०४० मानना स० कि०

क्षबूल करना स्वे६-पुं० पसीना

(&)

७४(५४)-५'० अघिकार पु०, हक; दावा ७४/५त-स्त्री० घटना स्त्री०, वाक्रया ७५भत-स्त्री० षघिकार पु०, हुक्पत ७४-स्त्री० मुसलमानौंकी मक्का-यात्रा

ন্ত্ৰী ৩

હજમ-वि० पचाव पु॰, इज्जम दुજरत-धुं॰ स्वामी पु०, मालिक दुर्जार-स्त्री० श्रीमान् पु०, हुजुर दुर्ध-स्त्री॰ श्राग्रह पु॰, जिद्द दुर्देवु-स्थ०क्षि० पीक्के खिशकना अ० कि०

हटना ६८६१-४ त हबपा पु०; मूर्ख ६८सेलपु -स०४० घकेलना स० कि० धक्का देकर चलाना ६८१-स्थी० दौड़ स्थी० **ରୌ**ଡି.]

६७१९ - २०६० इनन करना स० कि० मार डालना ६८या-स्त्री० वच प्र•. खून ६थियार-न० श्रापुध पु∙, इथियार ६थे:८ी-अी० कुशलता स्त्री०, होशियारी **८६**-स्त्री० सीमा स्त्री.० ६५५-स्त्री॰ भय पु॰, ख्रीफ &भद्दी'-स्त्री॰ सहानुमृति स्त्री॰ द्धभाध-पु'० कुली पु०, मजद्र ६५-५ • ग्रह्म पु० घोडा ह्यात-विक जीवित पुर, जिन्दा **६२५त-**स्त्री० श्रद्यन स्त्री॰, **रुका**वट द्धरभ-५'० श्रानन्द प्र०, खुर्शा હरख्-न अठा ले जाना; मृग **६२६**भ-२५० सदैव अ० हमेशा **६**२व -स०िक **हरण** करना स० कि० चराना

खुराना

&राश्र-स्त्री० नीलाम पु॰,

&राभ-वि० धनधिकार पु॰, बेहक

&राभणेार-वि० दुष्ट पु॰, बदमाश

&राथुँ-वि॰ खुला जानवर पु॰

&रित-वि॰ हरा पु॰

&रियाणुँ-वि॰ हरा मरा पु॰,

&रीधु-पु॰ विरोधी पुं॰, खिलाफ रहने

वाला

वाला &रे।ण-स्त्री० पंक्तिः, वरावरी &प-पुं• आनन्द पु•, खशी &सक्र-स्त्री• स्वरकी शोमा स्त्री• ६स५८-वि० नीच पु० कमीना द्धाभश-स्त्री • सर्पच्ची स्त्री०, मगज क्टची **८**क्षास-वि० नियमानुकृत पु॰ बाकायदाः द्याद्य-न० विष प्र०. जहर ८९क्षे।-पु'० श्राकमण पु० हमला ६वस-५'० वासना स्त्री०, चाह હ्या-स्त्री० पवन पु०, हवा હवातिय'-मिध्या घमंड पु॰, मूठी शेखी ८वाक्षी-पुं० सत्ता स्त्री०. कब्जा **६**स्ती-स्त्री•ुरं• हाथा पु० पील श्चास्तित्व दुणवं-वि० मन्द पु०, घीमा; हलका &'शाभ-५'० ऋत स्त्री०, मौसम &। इस-रश्री० बुम; पुकार स्त्री० હा**કे**पु'–स०िं चलाना स∙िक्र० **6**13भ-पुं० गवर्नर पु० हाकिम क्षावर्यकता स्त्री॰, जहरत क्षाकरी-स्त्री • उपस्थित स्त्री • इंग्जियी હાટ–ન૦સ્ત્રી• દુક્રાન છીં∘. क्षाउ-न० बहुत, हुड्डी **&।थ्-**स्त्री० हानि स्त्री०, नुकसान &ानि-श्ली• कुफायदा पु॰, नुकसान क्षाभ-स्त्री॰ साइस पुँ॰, हिम्मत &ाय-स्त्री • श्रामिशाप पु॰ बददुआ; दःखकी आह

८।२–ेश्री० पराजय स्त्री०. शिकस्त

&।रिथ्र'-वि० बरोबरीका; समकालीन

હાલ]

હाલ−५ • दशा स्त्री०. हारुत **હા**લत-स्त्री॰ स्थिति स्त्री॰, हाल **હાલહવાલ-**पुं • नाश पु •. ह्वारी &[M−40y'o ฆ่า पo હांसल-वि॰ प्राप्य, मिला हुआ હાंसी-स्त्री० इँसी-ठड्डा पु∙, मजाक 6ि. इमत-रूत्री० युक्ति स्त्री०. तजनीज હिंथा३'-वि॰ नीच: हलका दिकरत-स्त्री० देश से दूर जा पहना હिकराव् -अ०कि० दुखी होना **હि**त-न० भला पु०, फायदा &िभ-न• पाला पु∘् बर्फ़ **હિમા**યત-स्त्री० पक्ष समर्थेन पु०तरफ्रदारी **હિમ**शि-पुं ० चन्द्रमा पु० चांद **6ि**२९४-न॰ स्वर्ण पु०, सोना **હिसाथ-पुं** • गिगत स्त्री० गणना, ढंग िदरसी-पु'o मान पुँo, हिस्सा ि6'भत−स्त्री• साइस पु०, बहादुरी **હિં**स।–स्त्री० जीव घात पु०, हिंसा હीश्-वि० नीच पु०, कमीना धीखव'-स०कि० निन्दा करना स० कि० बदगोई करना बीन-वि० विहीन पु०, खाली, कमीना, हलका क्षीर-न**्धं ० रेशम**; चमक धी'sg'-अ०डि॰ चलना श्र० कि॰ હुક्भ-पुं• भाज्ञा स्त्री०, हुंक्म लुभर-भुं• कला-कौशल पु०, हुनर

ध्रभेदी—पु'॰ द्याक्रवश पु॰, इमला ६्रिये।-५ •;अशिव ध्रुवधानी स्त्रीव. भाजीती, मंत्राक अहाना હું સાતું શી-સ્ત્રી • स्वर्धा **ु'६-अी॰ सहायता की॰, मदद;** उन्पातः हुष्टपुष्ट-वि० मोटाताचा प० हेडी-पुं० श्रतिशय प्रेम पुं०, ज्यादश **हेत-न० स्नेह पु० मुहव्बत**ः हेत्-पुं ॰ कारण पं ॰ सबब: आशय हेण३-स्त्री० मय पु॰, खौफ हेम-न० स्वर्ण पु०. सोना हेरत-स्त्री० प्राश्चर्य हेशन-वि• तंग प्र•. **है**रान હેલ-સ્ત્રી**૦ મોમ્ત પુ૰, માર હेલी-स्त्री० निरन्तर वर्षा स्त्री०,** लगा-तार पानी बरसना હેવાન–વિ • વજ્ઞ સ**દ**શ **૧૦.** हैव।स-धु'० बृत्तान्त पु० हाल <mark>હेसियत–स्त्री० सामर्थ्य पु० **है**सियतः</mark> हैथु - १० हृदय पुरु, दिल ঙা৵–এ°• **স**ল-কুড এ০ हীর **हे।**करी–स्त्री० उदर पृ०, पेट हे।ऽ-स्त्री० **होड़ स्त्री०. श**र्त **दे**।हो-प्र'• पदभी स्त्री०: श्रोहदा

हे।नारत-स्त्री० दुर्घंटना स्त्री०

७२१-वि० त्रष्ठ पु॰, छोटा

હોશ– માન પું•,

મહત્ત્વના વિષયવાર શખ્દાના અથ

(શરીરના અંગ) अ'गुहे।-पुं• श्रॅगुहा qo આંખ-સ્ત્રી૦ શ્રૌં લ સ્ત્રી૦ आंगणी-स्त्री० श्रॅंगुली स्त्री० आंतरड्'-न० झाँत स्त्री॰ **५** भर-स्त्री० कमर स्त्री० इरे।डे--स्त्री∙ रीढ स्त्री० अन-५ ० कान पु॰ ક्रांभ-स्त्री० कॉंख स्त्री० डोशी-स्त्री० कोंहनी स्त्री**०** भभा-पु'० बन्धा पु० ખાપરી-સ્ત્રી હોવકો છી • भण -- न० गर्दन छी ० ગાલ-પું• ઘાલ ૧ુ• शेह-स्त्री० गो**दी खी**० લ**રહ્યુ-યું ૦ ઘ**ટના વું ૦ थहेरा-पुं० चेहरा पु० ચાટલા-પું વોટી શ્રી ૦ প'**ধ**-স্থাত লাঘ স্থাত প্রধান স্থাত জীম স্থাত तणीयुं.(५२तुं)--न० तलवा पु० તાળવુ'-ન૦ ત'লુ પુ૦ **धा८-स्त्री० दाइ स्त्री०** न्भ-पुं नख पु० नाइ-न० नाक खी० प्र-पुं वेर पु० પીઠ+સ્ત્રી૦ પીઠ સ્ત્રી•

પેટ-ન૦ પેટ ૧૦

પાપસું-ન૦ વત્ત ક્ર દ્રી • हेश्स'-न० फेफड़ा प्० भगस-रेत्री० बगल **जी**० प्याय-स्त्री व बांह स्त्री व **अभर-**स्त्री० मौंह स्त्री० **भाध-**न॰ सताट पु॰ लेळ -- न० दिमाग प्० भुट्टी-स्त्री० मुट्ठी स्त्री० માહ'-ન૦ મુख પ્ર૦ सम्रो।-y'o कनपटी स्त्रीo **હયેલી-**स्त्री० हथेली स्त्री० **६६५-न० हृदय** पु० हे।६-५ ० ओंठ ५० (પક્ષી) **५ भुतर-- न० कबूतर पु**० કાગડे।–पु`० कौ द्या पु० है।यस-स्त्री॰ कोयल स्त्री॰ भ३५--न० गहड पुं० ગીધ–ન૦ મિદ્ધ ૧૦ ગે રીલેા વાંદરા–પુ′• गોરિસ્તા ૧઼૦ ध्वड-न॰ उल्लू पु० **याभायीऽीयुं-न० चमगादङ पु०** तेतर-न० तीतर पु० नीक्षडं ६-न० नील ऋंठ पु० પાેપટ-યું**૦ કા**गા પુ૦ **५८२-न० ब**टेर स्त्री० **प**त5-त० बतख स्त्री० पाक-न॰ बाज पु०

भुक्षभुक्ष-न• बुलबुत्त स्त्री० भरधी-स्त्री० मुर्गी स्त्री• भेर-पुं० मोर पुं० क्षष्ठकेरेहेर्डा-पुं० कठफोडवा पु० समरी-स्त्री० चीत्त स्त्री० सारस-न•सारस पु० ६'स-पुं० इंस पु० (भशु)

९८−०० उँट पु० **इतरा-**भं० कृता पु∙ भ-नेथर-न• खच्चर पु० ગધેડાેેેે પું'o *गથા* વું ગાડરતું બચ્ચું -ન૦ મેમના વુ૰ गाय-स्त्री० गाय स्त्री• भें डी-पुं• मेंडा पु• धेटी-स्त्री० मेड ज्ली० धे।डे।-पुं• घोषा पु• श्रीतो-पुं० चीता पु० **८८ु−**न० टट्टू पु• पाडे।-पुं० भैसा पु० भ **३रे।**—पुं• बकरा पु० **थ्यण६-**भुं० बैल पु० भारशी'श हरख्-न० बारहिंबेगा पु• (भिंदाडी-स्त्री • बिल्ली स्त्री o री'७-न० भाछ प्र० क्षेडिडी-स्त्री० लोमड़ी स्त्री० वाछरडू -- न० बछदी पु० व्यक्ति-भुं वन्दर पु•

श्चिथाण-पुं ० सियार पु० ससञ्च'--न० खरगोश पु• સાંહ-યું ા શાંહ પુ सिंह-पुं व सिंह पु व सुवर-धुं ० सुन्नर पु० ६२६१-न० मृग पु॰ दाथा-पुं ० हाशी पु० (કળ કુલ અને વતસ્પતિએદ) अभरीट-पुं ० अखरोट पु० **अनेनास-न०** श्रमन्मास पु० अ ७२-न० श्रेजीर प्० आमशी-स्त्री• इमली स्त्री० **५भ**ण-न० इमल पु० धाऽी-स्त्री० क**रु**ही स्त्री० **১াপ্র−ন০ কা**লু দু০ કंशि~५'० प्याज ५० डेतरी-स्त्री • केतकी स्त्री • **કरी-**स्त्री० आम पुँ० हेशु'-न० हेला पु० भेळार-५० खजूर ५० भरजूयुं-न० खरबूत्रा पु० भाकर-न० गाजर स्त्री० युक्षाथ-न॰ गुलाब पुo धास-न• घास स्त्री० यभेक्षी--स्त्री • चमेली स्त्री ० य पा-पुं वस्पा पुर अरहाणु–धुं० ख्बानी स्त्री• প'ড়-মু'o **জা**মুন

મિસર

तभारु-अी॰ तमाख्यु॰ तरभुय-न० तरबूज पु० धाउभ-न० श्रनार पु॰ द्राक्ष-स्त्री० श्रंगुर पु० धत्री-धं • धत्रा पु० नार'गी-स्त्री॰ नारंगी स्त्री॰ नारियेण-न० नारियल पु० नास्पाती-स्त्री० नाशपाती पान-न० पान पु॰ પાલકની ભાછ-સ્ત્રી • पालक पु० **पीस्ता-**भुं० पिस्ता पु० पे।**पै**थु –न० पपीता पु० **६शस-**न० क्टइल पु० ફેાદીને।–પું ૦ પુરીના પુ• **પ્ય**ટાટા–પું• आह्य पुं• भ्राभ-स्त्री० बदाम स्त्री**० भावण-पुंट बबूल पु०** भी'अ-Y'o मिडी स्त्रीo भरया-न० मिरच भूण।-पुं मूली स्त्री री'ग्रा-न० बेंगन पु० **सस्थ-न**० लहसुन पु० **शिं भु-न** नीवृ पु० श्चारतीयुं-न॰ शक्तरकन्द पुरू शेरडी-स्त्री० ऊख पु० सहरूल-न० सेव पु० साभुहाणा-पुं • साबुदाना पुं सीत ६७-न० शरीका पु०

6mरी-न० वेदा पुo (અનાજ વધા ભાજન) अथाखं-न० श्रचार पुर आरारुट-न० अराहट पु० डिंडी-स्त्री॰ बदी स्त्री॰ क्षान्यं • कहवा पुं કुस्थी-रेशीo कुलकी स्त्री∘ धु - पुं ० गेहूँ पु० धी-न॰ घी पु० यर्थी-स्री० चरनी स्री॰ यथा-पुं० चना पु० या-स्त्री० चाय स्त्री० **श्रीवडे।**-पुं ० चीवडा पुँ ० थे।भा-पुरु चावत पुरु ভাষা–ৠ০ ল্লাল্ড লা• ડांगर-रेशी० धान तेस-न० तेल पु० हिं -- न० दही पु॰ धा३-५ ० शराब स्त्री० ६।ળ–स्त्री० दाञ नारता-पुं जलवान पु० भरक्-भु वरफ पु० भाकरी-पुं वाजरा पुर भुश्रु-स्थी० मक्क्षी स्त्री• भग-५ ० मूँग पु० भध-न० शहद पु० भक्षाध-स्त्री॰ मलाभी स्त्री॰ भस्र-पुं• मस्र पु•

માખલુ]

भाभध्-न॰ मकबन पु॰
भास-न॰ माँ स पु॰
भिक्षध-स्त्री॰ मिठाश्री , स्त्री॰
भुरक्ष्मी-पु॰ मुरक्षा पु॰
भे है।-पु॰ मेदा पु॰
श्रीटबी-स्त्री॰ रोटी स्त्रो॰
साउभाक्ष-न॰ तरकारी स्त्री॰
भ्रूरभत-न॰ शर्बत
सरसव-न॰ सरसों स्त्री॰
साउर-स्त्री॰ चीनी स्त्री॰
(वस्त्र)

અ'ગરખુ–ન० **इं**गरखा पु० આલપાકા–પું• અડવાવા धीन-न० अून पु० **५भरण'ध--**५'० कमरबँघ अभ्यो।—पुं ० कम्बल पु० हिट-पु'o कोट पुo भभीश--- कमीज स्त्री० भाटी-स्त्री० गद्दा पु• अलपटा-पुं • गुलुबँघ पु • याहर-रेशी० चादर स्त्री० **छी**'८-स्त्री० छीं**ट स्त्री**० जा'धीये।-पुं**० जाँघीया पु०** -জন–ন০ জী**ন** પু• ुवास-पुं० श्रंगोद्या पु० ુટ્વાલ (માટા)-પું ૦ તૌત્તિયા પું ્રાપા–સ્ત્રી હ ટોવી સ્ત્રી હ

दु**५**टे।-पुं• दुवट्टा पु• पाटलुन-न० पतळून पु• पायन्तभा-पु'० पायजामा पु॰ रीत-अी॰ फीता पू**॰** भणभल-स्त्री • मलमत स्त्री भस्मस-स्त्री० मलवत्त्र स्त्री० भेाल-५ ० मोजा पुर શાલદ્શાલા-પુ • दुशाला પું• सहरा-पु'० फतुही स्त्री० साई।-पुं• साफा पु• સગા સંભ'ધી अतिथ-५'० द्यतिथि ५० अध्यापक-पुं• श्रध्यापक पु० ઉपपत्नी-स्त्री० श्रूपपरनी स्त्री० 5151-Y • चाचा पु• કા**ડ∖-સ્ત્રી**∘ বাৰী স্লী∘ आ&४--धुं० प्राहरू पु० **०४भा⊎-५**'० दामाद ५० જેકાણી-સ્ત્રી∘ जेठानी स्त्री• **धाध-भुं**० दादा पु० हाही-स्त्री० दादी जी० नाना-पुं• नाना पु० નાની-સ્ત્રીં∘ નાની સ્ત્રી∘ पती-स्त्री । पत्नी स्त्री । મતિ-પું• पति પુ• **पिता-पुं• पिता पु•** <u>पुत्र-पुः० पुत्र पु॰</u> पुत्रवधु-स्त्री० पतोहु स्त्री**०**

પુત્રી]

પુત્રી-સ્ત્રી**ં પુત્રી સ્ત્રી**• पहेन-स्त्री**० वहिन स्त्री**• भत्रीकी-पुं० मधीजा पु• ભાઇ–ધું∘ માથી પુ∘્ क्षाशेष-५' माँजा ५० भा-स्री० माता स्री० સામા-મું∘ **મામા પુ**∙ મામી-સી∘ **મામી જી**• भासी-स्त्री • मौसी जी• व्यारस-पुं• बारिस पु• ससरा-पुं० ससुर पु० सास्य-स्त्रीं • सास झी • (ગુક્ષ અને તેના અ'ગ) न्यामसी-स्त्री॰ ब्रिमली स्त्री॰ क्षांटे।-पुं• कांटा पु• केरी-∻श्री० श्राम पु∙ शुंध्र-पुं • बोंद पु० गे।८सी-स्त्री० गुरुली स्त्री• ঞাধ(आऽनी)-स्त्री॰ खात स्त्री॰ कास(६णती)-अी० दीलका पु० ज्यभध्य-पुं ० समहद पु० अणी–स्त्री० डाली झी∙ યુલાવું કેસર-ન૦ ગીરા પૂ૦ ·**ખીજ-ન**૦ લીત્ર પુ૦ की। अपन-न० भोजपन्न पु॰ भूण-न० जह छी• २स-पुं० रस पु०

રૈસા–પું• રેશા વુ•

લाइडु'-न० काठ पु० वडक्षे।-पुं० बरगद पु• विस-पुं• बाँस पु• શાખા–સ્ત્રી૦ शासा (મસાલા અને ઐાષધીએા). अ पर-न० श्रम्बर पु०. आहु-न- श्रदरक पु० **५**५२-न० कपुर पु० **४२**तुरी-स्त्री॰ कस्तुरी स्त्री० अथा-पुं क कत्था पु० **डेसर--न० केस**र पु० भरी-अी• खंडिया स्नौ० यंहन-न० चन्दन पु० व्यथ्हण-न० जायफल पु० भव'र्या-स्त्री॰ जावीत्री स्त्री॰ तक-पुं॰ दालचीनी स्त्री॰ तुस्सी-स्त्री० तुत्तसी स्त्री० ६८३८ी-स्त्री० फटकरी स्त्री० भॐ६–स्त्री० मजीठ स्त्री० भरी-पुं॰ कालीमिर्च बीक भीडु -- न० नमक पुँठ स्वीं भ-नव लौंग पुठ वरीयाणी-स्त्री० सौंफ झी० स'प्या-स्थी० संख्या पु० સાજીખાર–યું ० सज्जी स्त्री• साधुहाखा-पु'ः सानुदाना पुः સુરાખાર-યું • શોરા પું• सु ६-स्त्री० सोंठ स्त्री०

सापारी-स्त्रां वसपारं, जी॰ &ण६२-स्त्री० डल्बी धी'भ-स्त्री• डीग स्त्री• (ધરતા પરસુરણ સામાન) અરીસા-५'० दर्पण ५० **३८।**ઇं–स्त्री०कहाडी स्त्री० **३**५'-त० क्या प० **५५।८-५**'० अत्तमारी स्त्री० **ખરલ**-स्त्री० खरत पृ० भारक्षा-प्रं० चारपाद्यी स्त्री० भूरशी-स्त्री० कुरसी आगर-स्त्री**० गगरा प**• ચટાઇ–रूंशी० चटाश्री स्त्री∙ -ચમચાે⊬પું∘ चमचा पु० यापा-स्त्री• चाबी स्त्री० ચાળ**ણી**-સ્ત્રી૦ **વહની** थिपीओ-५० चिमटा पु० थिभनी-स्री० चिमनी स्री० यक्षा-५ चल्हा पु॰ છત્રીં–સ્ત્રી∘ જ્ઞાતા પુ૦ છાપડી-સ્ત્રી૦ टोक्री स्त्री० ટેખલ-ન૰ ટેલુલ ૫૦ ડઝબे।-५°० डिब्बा प० ડખ્બા(ટીનના)-પું ० कनस्टर पु• ताण'-न० ताला प्र त्राक्षयं-न० तराज पु॰ तिलेश-स्त्री विजोगी स्त्री થાળી–સ્ત્રી૦ થાર્લી સ્ત્રી૦ા

थुइहानी-स्त्री० पीकदानी स्त्री० हांतियै।-पुं कंची स्त्री० [द्वासणी-स्त्री **व्हियासला**श्री पटारा-पुं व सन्द्रक प् **५६'२**–५'० पत्तंग ५० પાટલા (વણવાના)-પુ'o चक्का कु• भत्ती-स्ती० वत्ती स्त्री॰ पाटशी-स्त्री**० बोतल स्त्री**० पांबरी-रेत्रीo बाबरी **की**• બાેકસ−ન**∘ થ∉**સ પુ૦ भीश्यभत्ती-स्त्री० मोमबत्ती स्त्री० **લાકડી−स्त्री० छडी स्त्री**० **લे।टे।−५** • लोटा प्० वासध्-न० वर्तन पु० वेस्थ-न• वेलन प्• शीशी-स्त्री० शीशी स्त्री० સાબુ-પું• સાલુન ૧૦ सुराधी-स्त्री० सुराही स्त्री० सीध-स्त्री० सन्नी स्त्री० होक्षे।-५'०-हक्का प० (ઓજાર અને યંત્ર) **ક**ડिયાत' क्षेड्'-न० करनी स्त्री० **ક**रवत (नानी)-स्त्री० श्रारी स्त्री० अतर-स्त्री० कैंची स्त्री० अनस-रेत्री० रेती ५६।८ी-२३० क्रल्डाडी स्त्री• ७रा-५ ० इस प्० धीशी-स्त्री० होनी स्त्रीक

ર્દાકહ્યું નું

र्टाइखं (नातुं)-न• टांकी स्त्री॰ तेक याद्व (नानु')-न • नश्तर पु • **परशु–**रेश्री० फरसा पु० पावडे।-पुं कावडा पिथशरी-स्त्री० पिचकारी २'हा-पुं ० रन्दा पु० વાંસલાે–પુ'૦ 🛮 सूला પુ૦ सुधान-न० पतवार स्त्री० ह्याडी-स्त्री० ह्यौही स्त्री० ह्या-न० इस पु॰ हे।५.४ त्र-१० कुतुबनुषा पु० (રત અને આભુષણ) **३३।−धुं० क**दा पु० કમરખ'ધ-પું∘ વેટી સ્ત્રી● કर्धा इस-पु'० करन पू**ल पु० ક'ગન-ન**∘ वंगन पु० थूडी-स्त्री • चूबी स्त्री • अंअर-न० पेंजनी स्त्री• ते।डे।-धुं व तोडा पु० पन्ना-न० पन्ना पु० अवाण-न॰ मूँगा पु० પાેખરાજ-ન**્ વૃ**જરાત્ર પુ્રું থাপ্র'খ-ন০ বারু ឫ∙ भ**हे।र−**स्त्री० तगमा प्र• भाषेक-न मानिक पु० भाणा-स्त्री॰ माला स्त्री॰ भुबद-पुं । मुक्ट पुं

वी'टी-स्वी० श्रेगठी छी० क्षार-पुं कहार पुर ढांसडी (गणानी)-स्त्री० हॅंसली स्त्री∙ क्षीरे।-५'० **हीरा**-५० (ખનીજ પદાચ) अधरभ-न० अम्रक पुरु **કાંસુ−ન**० बाँसा पुँ• डेाक्सो–**५** ० कोयला प्∙ भरी-स्त्री० खडिया स्त्री० भ'धार-भु'० गन्धक स्त्री० गे३-५ं० गेरू स्त्री० यादी-स्त्री० चाँदी स्त्री० **असत-न० जस्ता पु∙** તાંબુ–ન૦ તોંવા વુ૦ भारे।-५'० पारा प० पीत्तण -न० पीतल पु • क्षेद्ध'-न० लोहा पु० शिक्षाक्रत-स्त्री । शिलानीत स्त्री । संभ्या-स्त्री० संखिया पुर स'गेभरभर-पु' ० संगमरमर पु• સીસું-નબ્લીલા વું सुरभा-पुंट सुरमा पु॰ (વ્યવસાય) अत्तरवाणा-पुं गन्धी पु थ्भ^७था ५५-५ '० श्रद्यापक पु० धर्भनेर-धं० श्रिजिनियर पु• **३साध-पुं∘ कसाश्री** पु० इ.स.री-भू'• ठडेरा पु०

માતી-ન• મોત્તી લું•

अधीये।—पुं'• कुँबडा पु० अपडीया-पुं व बजाज पुर क्षारी**भरे –धुं ० कारीगर पु**० भजन्यी-y'o खडानची पु॰ भेडूत-युं व किसान पुर भाडीवान-पु'० कोचवान पु∙ थे। शहार-पुं वहरेदार पुक **४६।**४वाण।-पुं• जहाजी पु० लहुभर-पु' जाद्वर पु अवेरी-पुं ० जौहरी पु० ८५ थी – भुं ० चिट्ठीर माँ पु० तथस्थी-पुं तबलची पुः तेथी-पुं• तेछी पु• हरका-मुं वर्जी पुर ६**सास-**भुं• दत्ता**स** पु• हाकतर-पुं• डॉक्टर पु० हुआनहार-भुं० दुकानदार पु० ધામા-પું• ધોથી વુ૦ प्रेक्षके-पु° प्रकाशक पु॰ पानवाणा-पुं व तमोली पुर

पि'**लरे।-पु'**० धुनिया पु० अंशी-पुं• मेहतर पुं• (अभारी-y o मिश्चक पु० भळ्डर-पुं० कली पुँ० માઇમાર-પું મહુલા પું भाविक-धुं • मालिक भाणी-धुं माली पुर भिઠાઇ रાળા–પુરુ इत्तवाभी पुरु भुनीभ-५ ० मुनीम भुद्रक-भुं • मुद्रक पु० માસી-પું મોની પુ માદી-પુ' • મોથી વુ • रसे। धर्य। - पुं• रस्रोद्यीया पु॰ रंगारे।≁५'० रंगरेज ५० क्षे**भ**क-पुं • **हे सक** पु० वध्रधर-पुं० जुलाहा पु० शाबुधार-पुं० कोठीवाला पु० सुतार-पुं व बद्धी पुर से।नी-पुंत सुनार पुः



કહેવતા

- १ अध्यक्ष पदी है भें स-अक्ल बड़ी कि मैंस
- ર અતિ લાભ તે પાપનું મૂળ-- जाल ब बुरी बजा
- **३ अधुरे। धंडे। भूभ छन्न**डाय--योषा चना बाजे घना
- ४ अ'ते असानु' असु' थाय--इर मला हो मला
- પ આપ લાલા તા જગ ભાલા— श्रामला तो जगमबा
- ६ स्थाप भुवा पछी ५७५ गध हुनिया-स्राप मरै जग परत्य होय
- ७ आध्र देता ले'भ्र ग्यं--चौबे गये छब्बे होने दुबे होहर भाये
- ८ उतावण से। भावइ'--उतावला सो भावता
- ७ 9'टने भेाढे आंभरा-+कॅंट के मुँह में जीरा
- १० એક અભાગી નાવ ડુખાડે--एक मञ्जी सारे त्रल को बिगाडे
- २२ ओड गाडीना धेडा--एक ही थैठी के बट्टे-बट्टे
- १२ ओक पंथ ने भे अ०४ -- एक पंथ दो काज
- १३ ओ अ स्थानमां भे तक्षवार न सभाय--एक म्यान में दो तज्ञवार नहीं भाती
- १४ એક હવા ने सी ध्वा--एक परहेत्र सी इलाज
- ૧૫ એક હાથથી તાળી નથી પડતી--एक हाथ मे ताली नहीं बजती
- १६ એતું માં તે એતું ખાસડું— प्रापका जुता आपका सर
- १७ डागते। वाध डरवा--राष्ट्र का पर्वत बनाना
- १८ अथी भारी अयांय न सभाधी--कानी के व्याह को सौ जो सम
- १८ अम अमते शीर्भव-काम कारीगर बनाता है
- २० अभ याण ने दिसाय राज--वरी मजूरी चोला अम
- २१ भाव' भावं ने भान भागवु'-गुह खाना गुलगुत्ते से परहेत
- २२ भागे प्रया ने दरवाला भेाडणा-- अशर्कियां लुटे कोयलों पर मुहर
- ३ 3 अरक सरी के वैध वेरी--गरजी यार किसके दम लगाया खिसके
- २४ अर्क अधेडाने पर्ध काहे। क्रिकेश पडे--जहरत के वहर गर्ध को सी वाप

२.५ भरीष्यतु नसीय सहाय भरीय—स्व**रीयो में आ**टा गीखा

212

- २६ धर ६८ धर ज्यय-- घर का मेदी लंका ढावे
- २७ घरना छे। इरा घंटी याहे ઉપાध्यायने व्याही--- घर का जोगी जोगना, आन गांव का सिद्ध
- २८ धरनी नीडणी वनमां अध ते वनमां क्षाणी व्याग—कमबख्ती जब अन्ते, केंद्र करे को कता खःवे
- १८ धरनी भरबी हाण भराभर-- अपना मकान कोइ समान
- धरभाति। सी शुरा--श्रयनी गली में कुत्ता भी शेर होता है
- 39 छाश्च क्षेत्रा अवुं ने देाशी स'ताडवी--स्ताने में क्या शर्माना
- ३२ ४ू थे अ अवु'—-रफूचक्दर हो जाना
- **૩૩ જમાઇ તે**। ડાક્રણનેય વ્હાલી--डायन को मी दामाद प्रारा है
- ३४ लाभा त्यारथी सवार--बीती ताहि बिसार दे आगे की सुध हैय
- 34 ळुतु' ते से।तु'--नई नौ दिन पुरानी सौ दिन
- as के शे छाडी शरम तेना इटया करम-नकटा जीये बुरा हवाल
- au केने राभ राणे तेने हाए। याणे--जाको राखे साइया मार सके न कीय
- ३८ केवी ४२ थी तेवी कारधी--जैसी करनी वैसी मरनी
- કહ જેવી તારી ઢાલકા એવા મારા ત' ખુરા-- जैसी तेरी तूमड़ी वैसा मेरा गीत
- ४० केवु वावे तेवु अध्--जैसा बोबोगे वैसा काटोगे
- ४१ के वे। देश तेवे। वेश-जैसा देश वैसा मेष
- ४२ ટીપે ટીપે સરાવર ભરાય કાંકરે કાંકરે પાળ વ્યંધાય-बूंद बूँद से घड़ा भरता है
- ४३ तरत हान ने भढापूर्य--तुरत इन महा कल्यान
- ४४ तेळिने ८३।रे। ने अधेशने अध्या--सममदार को इशारा ही का री
- ४५ ६२शन भेटा ने आभ भाटा-ऊँची दकात कीका पकवान
- ४६ हाढीनी हाढी ने सावरशीनी सावरशी--श्राम के श्राम गुठली के दाम
- ४७ हाम करे काम खंडी करे सलाम--दाम करावे काम
- ४८ शणभां ।शंधं अध्य छे--दाल में कुछ काला है
- ४८ दिवालने पश अन होय छे--बीवार के भी कान होते हैं
- पo हीवा पाछण अभाव चिरास तसे अधिरा

पर दूधने दूध ने पाधीने पाधी --द्ध का दूध और पानी का पानी
पर दूधने दूध ने पाधीने पाधी --द्ध का न्ध और पानी का पानी
पर दूधने। द्यार्थे। छाश्च पुंधीने पीचे --द्ध का नला छाछ कूँक कूँक कर पीता है
पर दूर्थी दुंगर रणीयामखां --दूर के ढोल सुद्दावने लगते हैं
पर दे केने दीकरा है, न दे केना क्यांथड़ी के नाँबार गम्ना न दे मेली दे
पर धरमनी आयना दांत क्यां जीवा करवा --दानकी बिख्याके दांत नहीं देखे जाते
पर धरमनी आयना दांत क्यां जीवा करवा --दानकी बिख्याके दांत नहीं देखे जाते
पर धे। हे डेलु दोता है, धे। हे छे। इर्ड छानु रहे -- डंडा सबका पीर
पर धे। थीने। दुतरा नहीं धरने। हे धारने। -- घरका न घारका
पर न त्रख्यां न तेरमां न छर्पना भेणमां -- दुविधामें दोनों गये माया

६० न रहेमा भांसन थळेगी भांसरी—न नौ मन तेल होगा न राजा नाचेगी

६२ नायवुं नहीं भेटले आंभ्रख् वांधु--नाच न जाने श्रांगन टेढ़ा

६२ नाम राण्युं धनाशा ने धरमां द्वार्थ्या धुरती करे—- उहे न लिखे नाम

६३ पाछीभां रहीने भगरभव्छथी वेर--पानीमें रहकर मगरसे बैर करना

देश पायरख् की । पण ताख्वा--बतने गांव पसारिये जितनी चादर होय

६५ पास भणे न हारी उली धालार हारी--गांठ गिरहमें कौडी नहीं मियां गये बाहौर

૧૬ પાંચે અંગળી દીમાં—વાંचો ઘોર્મે ફોના

६७ पैसी ती ढायने। भेत छे- प्राय लाख रहे साख

६८ भधा दिवस એક सरभा नथी होता--कृतीके भी दिव फीरतें हैं

६७ (भवारीना पेरमां भीर न टडेन्न् प्रोह्ने के पेरमें बात नहीं पचती

७० सुध्धिनाइ'। यालार है।य-- प्रकलके पीछे बंदा तिये फीरना

७१ भेंश करता भेगार अशी--वे हारसे बेगार मली

७२ भरथा क्षतरा करडे नहीं - जो गरजते हैं वे बरसते नहीं

७३ भें स आभण सामवत-म्रंधिक शागे रोये अपना दीदा सीये

७४ भेण ते अव। भारे-इस हाथ के उस हाथ दे

७५ भार, भारा प्यापतुं, तार भार सिंहियार्--मने मिया सो बने मियां स्रोटे मियां सभान अल्लाह

298

७६ મિ'લા લું') મુડે તે અલ્લા લુંટ ઊ'2— वंदा जोडे पत्ती पत्ती और राम उचाडे कृष्णा

७८ रब्भु अब्द इर्थु बातका बर्तगढ़ बनाना

८० राभराम क्यनी पराया भास अपना--रामराम जपना पराया माल अपना

८१ शायक्षान आम हे टपटपन -- प्राम खानेसे काम पेद गिननेसे क्या

८२ क्षाताना अत वाताथी न भाने-लातोंके देव बातों हे नहीं मानते

८३ वरने डेाल वभाखे वरनी मा— त्रायना पूत सक्दीको प्यारा

८४ वाताथी अध पेट न अशय-- बातोंने पेट नहीं भरता

८५ सास त्यां सुधी शाय-- अवतक सांस तवतक आस

८६ सुधा लेगुं सीलुं पशु भणे --नेहूँ के साब धन मी पीसता है

८७ सरक सामे धुंण नांभे अनी आभा पडे- श्रासमानका शुका मुँहपर पक्ता है

८८ से। ઉ'६२ मारिने जिल्ली ७४ ४२वा यात्री – नौ सौ चुहे खाकर बिल्ली चली इज करने

८७ स्रीतारता सी ने धुढ़ारती ओक--महणा रोवे एकवार सस्ता रोवे बारबार

૯૦ સી સારૂ' જેનું છેવડ સાર્'-- ग्રંત મના સો સब મના

८१ ६019 दोडी ६वासहारतु'--गरीवकी जोह सबकी मामी

હર હાય ચાટવાથી ભૂખ ન ભાંગે-- प्रोस चाटे प्यास नहीं बुमती

હું હાયમાં દંડા ખગલમાં માેઇ હવેલી લેતાં ગુજરાત ખાેઇ— આઘી છો**ર** સારીકો ઘ**ે, ત્રાથી રદ્દે** ન સારી વ.વે



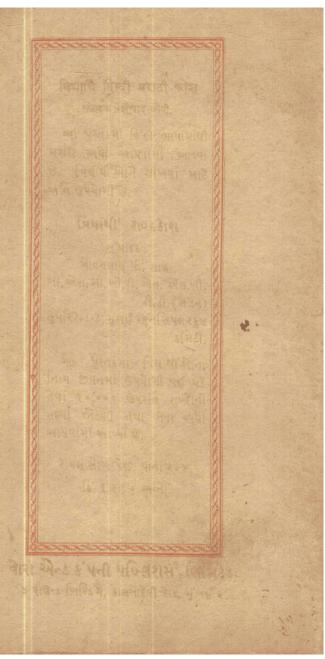
ર૧પ

વિદ્યાર્થી રાષ્ટ્રભાષા શબ્દકાશ-:

આ શબ્દકાશ હિંદી શબ્દોના ગુજરાતી અર્થ આપે છે. ખૂબજ કાળજીપૂર્વક ને પદ્ધતિસર આ કાશ તૈયાર કરેલ છે. દરેક શબ્દોનું વ્યાકરણનું રૂપ આપવામાં આવેલ છે. કહેવતો, મુહાવરા તથા બીજી વિષયવાર ઉપયાગી શબ્દોની સૂચી પણ અંદર છે. ૧૨૦૦૦ થી પણ વધુ શબ્દોના અર્થ આપતો આ શબ્દોકાશ વિદ્યાથીએ માટે ઘણા ઉપયાગી છે.

*

પ્રકાશક. વારા એન્ડ, ફાં. લીમી ટેડ, પ્રીન્સેસ, સ્ટ્રીટ, રાઉન્ડ ખીલ્ડીગ, **મુંભઇ. નં. ર.** સુક્રક. ક**ૈયાલાય, પી. શાહ. એ**રીએટ પ્રિ. હાઉસ. નવીવાડી, દાદોશેઠ અગીયારી લેન, મુ**ંબઇ. નં. ર.**



For Private and Personal Use Only